Machine Translated by Google

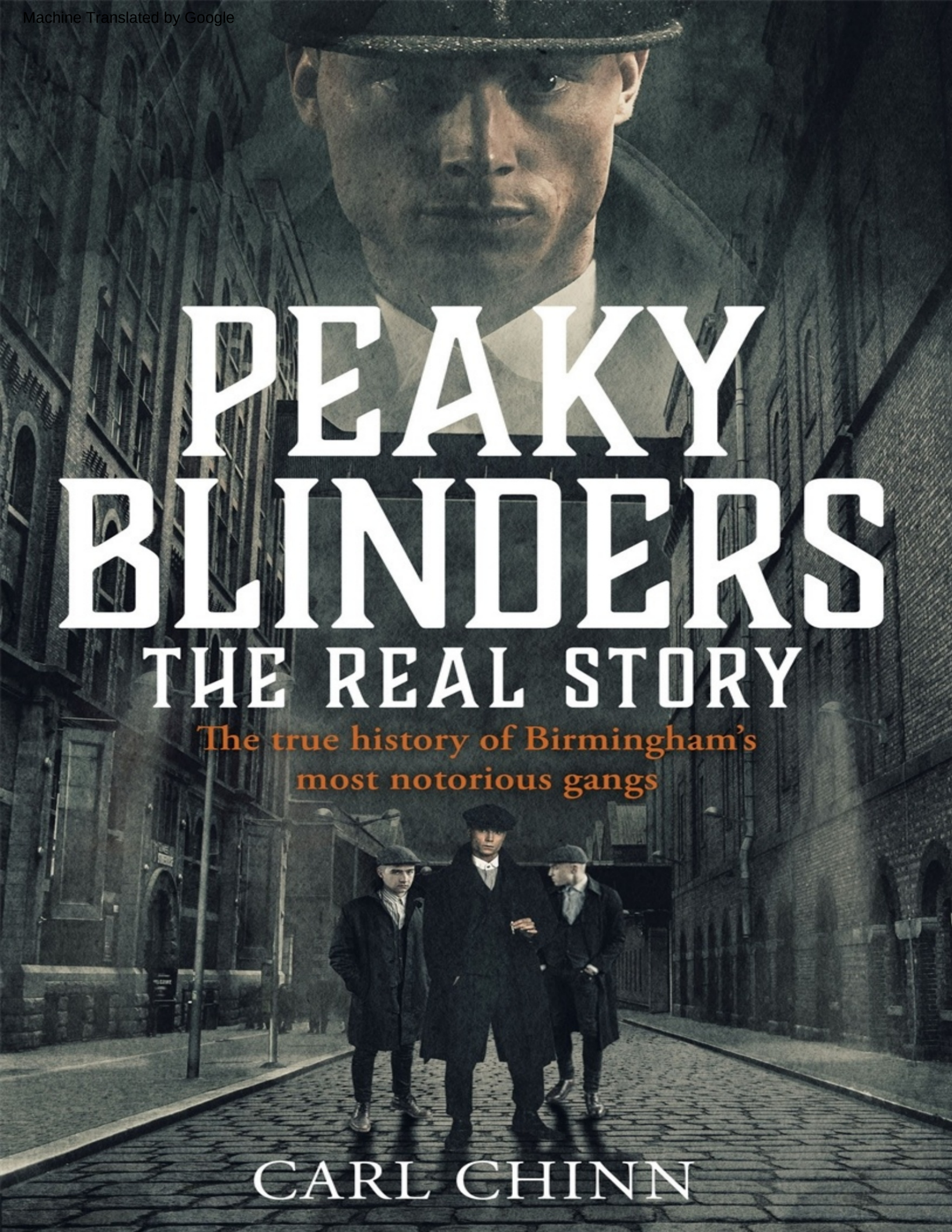

PEAKY BLINDERS

THE REAL STORY

The true history of Birmingham's most notorious gangs

CARL CHINN

Machine Translated by Google

पीकी ब्लाइंडर्स

Machine Translated by Google

प्रोफेसर कार्ल चिन, एमबीई, पीएचडी, एक सामाजिक इतिहासकार, लेखक, सार्वजनिक वक्ता और शिक्षक हैं। 1984 तक वह खुद एक ऑफ-कोर्स सट्टेबाज था, वह स्पार्कब्रुक में अवैध सट्टेबाजों का बेटा और पोता है, जबकि उसकी मां का परिवार एस्टन में फैक्ट्री कर्मचारी था। उनका लेखन उनके परिवार की कामकाजी वर्ग की पृष्ठभूमि और बर्मिंघम के बैक-टू-बैक जीवन से गहराई से प्रभावित है, और उन्होंने उन्हें राष्ट्रीय अनुयायी बना दिया है। उनका दृढ़ता से मानना है कि इतिहास का लोकतंत्रीकरण होना चाहिए क्योंकि प्रत्येक व्यक्ति ने इतिहास पर अपनी छाप छोड़ी है और उसके पास बताने के लिए एक कहानी है। पीकी ब्लाइंडर्स: द रियल स्टोरी उनकी तैंतीसवीं किताब है।

Machine Translated by Google

पीकी ब्लाइंडर्स

असली कहानी

बर्मिंघम के सबसे कुख्यात गिरोहों का सच्चा इतिहास

कार्ल चिन

Machine Translated by Google

जॉन ब्लेक पब्लिशिंग द्वारा प्रकाशित,
चौक,
535 किंग्स रोड,
चेल्सी हार्बर,
लंदन SW10 0SZ

www.facebook.com/johnblakebooks
twitter.com/jblakebooks

पहली बार 2019 में पेपरबैक में प्रकाशित हुआ

पेपरबैक आईएसबीएन: 978 1 78946 172 5
ईबुक आईएसबीएन: 978 1 78946 173 2

सर्वाधिकार सुरक्षित। प्रकाशक की लिखित पूर्व अनुमति के बिना इस प्रकाशन के किसी भी भाग को पुन: प्रस्तुत नहीं किया जा सकता है, पुनर्प्राप्ति प्रणाली में संग्रहीत नहीं किया जा सकता है, या किसी भी रूप में या किसी भी माध्यम से प्रसारित नहीं किया जा सकता है, न ही किसी अन्य रूप में बाइंडिंग या कवर के अलावा किसी अन्य रूप में प्रसारित किया जा सकता है। जो इसे प्रकाशित किया गया है और बिना किसी समान शर्त के, जिसमें यह शर्त बाद के खरीदार पर लगाई जाएगी।

ब्रिटिश लाइब्रेरी कैटलॉगिंग-इन-पब्लिकेशन डेटा:

इस पुस्तक का एक कैटलॉग रिकॉर्ड ब्रिटिश लाइब्रेरी से उपलब्ध है।

डिज़ाइन www.envydesign.co.uk द्वारा

© पाठ कॉपीराइट कार्ल चिन

इस कार्य के लेखक के रूप में पहचाने जाने के कार्ल चिन के अधिकार का कॉपीराइट, डिज़ाइन और पेटेंट अधिनियम 1988 के अनुसार दावा किया गया है।

इस पुस्तक में पुनरुत्पादित सामग्री के कॉपीराइट-धारकों का पता लगाने के लिए हर उचित प्रयास किया गया है, लेकिन अगर किसी को अनजाने में नजरअंदाज कर दिया गया है तो प्रकाशकों को उनकी बात सुनकर खुशी होगी।

जॉन ब्लेक पब्लिशिंग बोनियर बुक्स यूके की एक छाप है www.bonnierbooks.co.uk

Machine Translated by Google

बर्मिंघम के असली गिरोहों ने पीढ़ियों तक बैकस्ट्रीट ब्रुमियों के जीवन पर शासन किया, और इसलिए यह मेहनती, कानून का पालन करने वाले और श्रमिक वर्ग के सभ्य बहुमत के लिए है कि यह पुस्तक समर्पित है।

चाहे उनका जीवन कितना भी ग्लैमरहीन क्यों न रहा हो, वे ही हमारे सम्मान के योग्य हैं।

Machine Translated by Google

अंतर्वस्तु

स्वीकृतियाँ

परिचय

अध्याय 1: पीकी ब्लाइंडर्स से पहले: द
नारेबाज़ी करने वाले गिरोह

अध्याय 2: चरम अंधों का शहर

अध्याय 3: चरम अंधों का शासन
समाप्त

अध्याय 4: अवैध सट्टेबाज और ए
प्रतिशोध

अध्याय 5: गिरोह के असली नेता
1920 के दशक

अंतभाषण

आगे पढ़ने का चयन करें

एंडनोट्स

Machine Translated by Google

आभार

1956 में जन्मे, मेरी पीढ़ी के अन्य ब्रुमियों और पहले चले गए लोगों की तरह, मैंने पीकी ब्लाइंडर्स के बड़े होने के बारे में सुना था, लेकिन मैंने पहली बार 1986 में स्पार्कब्रुक के लेडीपूल रोड पड़ोस में अपने डॉक्टरेट थीसिस में उनके बारे में लिखा था। यह मेरी थीसिस में भी था कि मैंने पहली बार बर्मिंघम के मुख्य कांस्टेबल, चार्ल्स हॉटन राफ्टर के महत्व पर चर्चा की, जिन्हें चोटी के अंधों को हटाने का श्रेय दिया गया था। मैं ऐसा करने में सक्षम हुआ, इसका श्रेय मेरे बड़े चाचा बिल चिन और बड़े चाचा वाल चिन की यादों को जाता है, जिनका जन्म क्रमशः 1892 और 1897 में हुआ था, जो उन पहले लोगों में से थे जिनका मैंने एक युवा मौखिक इतिहासकार के रूप में साक्षात्कार लिया था।

फिर 1987 में, मैंने अपनी दूसरी पुस्तक, अवैध सट्टेबाजी का सामाजिक इतिहास - मेरी पृष्ठभूमि के लिए प्रासंगिक विषय पर शोध करना शुरू किया। मेरे दादा रिचर्ड चिन ने 1922 में एक अवैध बैक-स्ट्रीट सट्टेबाज के रूप में शुरुआत की थी, जबकि मेरे पिता, अल्फ्रेड 'बक' चिन, खेल में बड़े हुए थे और 1961 में कानूनी सट्टेबाजी की दुकानों में कदम रखने की देखरेख करने लगे। मैंने कुछ हद तक काम किया- जब मैं तेरह वर्ष का था तब से व्यवसाय में रहा और बाद में 1978 और 1984 के बीच स्पार्कब्रुक में परिवार की सट्टेबाजी की दुकानें चलायीं, जब हमने बेच दिया। हालाँकि, पिताजी सट्टेबाजी के मामलों में शामिल रहे और बुकमेकर्स प्रोटेक्शन एसोसिएशन की बर्मिंघम शाखा के अध्यक्ष बने। यह उनके संपर्कों के माध्यम से था कि मैं लंदन के कई बुजुर्ग रेसकोर्स सट्टेबाजों का साक्षात्कार लेने में सक्षम था। उनमें से शिमोन सोलोमन भी था, जिसका सट्टेबाजी का नाम सिडनी लुईस था और जो पीकी ब्लाइंडर्स श्रृंखला में काल्पनिक वास्तविक अल्फी सोलोमन का छोटा भाई था। उन्होंने और जिन अन्य लोगों से मैंने बात की, वे सबसे पहले मुझे 1921 के रेसकोर्स युद्ध के बारे में सूचित करने वाले थे जो बर्मिंघम गैंग और सबिनी गैंग के बीच लड़ा गया था।

Machine Translated by Google

मैं उन सभी लोगों का बहुत आभारी हूं जिन्होंने उस दौरान अपनी कहानियां मेरे साथ साझा कीं और उन सभी का भी जिन्होंने तब से ऐसा किया है, क्योंकि यह पुस्तक उनकी यादों से समृद्ध हुई है। इसी तरह, मेरी सराहना उन लोगों के प्रति है जिन्होंने मुझे अपने व्यक्तिगत संग्रह से तस्वीरें शामिल करने की अनुमति दी है। वे हैं: ब्रायन मैक्डोनाल्ड, जिन्होंने उदारतापूर्वक लंदन गिरोहों के बारे में अपना बेजोड़ ज्ञान प्रदान किया है; जूलियट बैनयार्ड और उनके भाई, जस्टिन जोन्स, उनकी पहली शादी से असली बिली किम्बर के परपोते; लेस्ली और रॉबर्ट स्टैट, बर्मिंघम गैंग के सदस्य एडवर्ड टकी के परपोते; टॉमी गार्नहैम, जिनके पिता इस्लिंगटन के एक छोटे गिरोह का नेतृत्व करते थे जो बिली किम्बर के लिए काम करता था; और मार्क हैनसन, श्रमिक-आंदोलन कार्यकर्ता, जेसी ईडन के भतीजे।

उनके संग्रह से तस्वीरों को शामिल करने के लिए, मैं बर्मिंघम की लाइब्रेरी, इस्लिंगटन स्थानीय इतिहास केंद्र और वेस्ट मिडलैंड्स पुलिस संग्रहालय को धन्यवाद देता हूं, जिनके स्पार्कहिल पुलिस स्टेशन के स्वयंसेवकों ने भी मेरे लिए अपने अभिलेखागार में गहन अध्ययन किया है। उस संग्रहालय का अस्तित्व स्वर्गीय डेव क्रॉस के अथक प्रयासों के कारण है, जिन्होंने मुझे कैदियों की तस्वीरों के अमूल्य संग्रह से परिचित कराया। अन्य तस्वीरें बर्मिंघम लाइब्रेरी के बर्मिंघम लाइव्स आर्काइव से हैं, जो मेरे अपने निजी संग्रह से विकसित हुई हैं।

इस प्रकार और पैमाने की एक पुस्तक एक अत्यधिक प्रतिभाशाली टीम - वास्तव में, दो टीमों - के समर्थन और विशेषज्ञता के बिना प्रकाशित नहीं की जा सकती थी। हिस्ट्री वेस्ट मिडलैंड्स से, मैं धन्यवाद देता हूं: डॉ. जेनी बटरवर्थ को उनके विचारशील संपादन के लिए; फोटोग्राफिक रीटचिंग के लिए जॉन और एवरिल मास्क्यू; विभिन्न तस्वीरों के लिए अनुमतियाँ सुरक्षित करने के लिए पीटर बाउंउस को धन्यवाद। मैं बर्मिंघम और ब्लैक कंट्री के इतिहास के प्रति उनके उत्साह और प्रतिबद्धता और मेरे काम में उनके विश्वास के लिए हिस्ट्री वेस्ट मिडलैंड्स के प्रकाशन निदेशक माइक गिब्स को विशेष श्रद्धांजलि देना चाहता हूं। दूसरी टीम बोनियर बुक्स यूके की है और विशेष रूप से, उनके इनपुट, उत्साह और समर्थन के लिए, मैं उनका आभारी हूं: केली एलिस, प्रकाशन निदेशक - एडल्ट नॉन-फिक्शन, बोनियर बुक्स यूके; ऐली कैर, सहायक संपादक, बोनियर बुक्स यूके; और लिज़ मार्विन, कॉपी संपादक। बॉनियर बुक्स यूके के अन्य विभागों के उन सभी लोगों को धन्यवाद जिन्होंने इस पुस्तक में योगदान दिया है।

अंत में, मैं स्पार्कब्रुक, एस्टन और हाईगेट के अपने विस्तारित परिवार को उन सभी कहानियों के लिए धन्यवाद देता हूं जो उन्होंने मुझे बताईं और जिन्होंने एक सामाजिक इतिहासकार बनने के लिए प्रेरित किया, और मेरी डबलिन पत्नी, के, को बर्मिंघम और इतिहास के प्रति मेरे जुनून को समझने के लिए धन्यवाद दिया। शहरी श्रमिक वर्ग, फिंगलास वेस्ट में बड़े होने के बारे में उनकी अंतर्दृष्टि और उनके अटूट समर्थन के लिए।

Machine Translated by Google

परिचय

2013 में, BBC2 श्रृंखला पीकी ब्लाइंडर्स ने अपने पहले दृश्य से दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया, जब टॉमी शेल्बी अमेरिकी पश्चिम से एक खतरनाक डाकू की तरह शहर में आता है। भयभीत महिलाएं उसके रास्ते से भाग जाती हैं, बच्चे छिपने के स्थानों से उसे घूरकर देखते हैं और जो कुछ भी सुना जा सकता है वह उसके उत्तम नस्ल के घोड़े की टर्र-टर्र है। आस-पास कोई न होने पर, सवार रुक जाता है। लेकिन वह वाइल्ड वेस्ट में नहीं है और न ही वह बंदूकधारी है: वह 1919 में बैक-स्ट्रीट औद्योगिक बर्मिंघम में एक शक्तिशाली व्यक्ति है। उसने विशिष्ट और स्टाइलिश तरीके से थ्री-पीस सूट और कड़े कॉलर वाली शर्ट पहनी थी लेकिन टाई नहीं थी। , वह एक प्रभावशाली लेकिन रहस्यमय उपस्थिति है - एक एहसास जो उसकी आंखों पर छाई न्यूजबॉय-प्रकार की टोपी से बढ़ जाता है।

पारंपरिक पोशाक में एक सम्माननीय चीनी पुरुष और महिला के साथ एक संक्षिप्त मुठभेड़ के बाद, शेल्बी निक केव और द बैड सीड्स की 'रेड राइट हैंड' की थीम धुन पर धीरे-धीरे आगे बढ़ती है। इसकी झनझनाहट, तेज़ ध्वनि, भयावह लगभग भयावह एहसास और सम्मोहक ब्लूसी बीट के साथ, इसके पूर्वाभास गीत ऐसे लगते हैं मानो वे विशेष रूप से टॉमी शेल्बी के लिए लिखे गए हों: 'वह एक आदमी है, वह एक भूत है, वह एक भगवान है, वह एक गुरु है'।

[1] जैसे ही वह एक गंभीर शहरी सेटिंग के माध्यम से अपना रास्ता बनाता है, चारों ओर भाप घूमती है, कारखाने की चिमनियों से धुंआ निकलता है और एक फाउंड्री से आग की लपटों के साथ अंधेरे वातावरण में प्रवेश होता है। विकलांग महान युद्ध के दिग्गज भीख मांग रहे हैं, अन्य लोग शराब पी रहे हैं और हवा में सिक्के उछालकर जुआ खेल रहे हैं और दो वर्दीधारी पुलिस अधिकारी सम्मानपूर्वक अपने हेलमेट को 'मिस्टर शेल्बी' को छूते हैं, जो चिंताग्रस्त कारखानों के बीच बनी सड़क पर आगे बढ़ रहे हैं। 2 इस मनोरम शुरुआत ने एक गैंगस्टर महाकाव्य के लिए मानक स्थापित किया है जिसे सिनेमाई अनुभव के साथ खूबसूरती से फिल्माया गया है और जिसे आश्चर्यजनक सेट द्वारा बढ़ाया

गया है

Machine Translated by Google

डिजाइन, चतुर निर्देशन, उत्तम उत्पादन, धीमी गति की लड़ाई और प्रसिद्ध अभिनेताओं द्वारा सम्मोहक प्रदर्शन। इन सबसे ऊपर, स्टीवन नाइट, जो स्वयं ब्रूमी है, की कहानी मनोरंजक है, जो पीकी ब्लाइंडर्स नामक एक खूंखार और खतरनाक गिरोह के बारे में बताती है जो प्रथम विश्व युद्ध के तुरंत बाद बर्मिंघम के छोटे हीथ जिले पर शासन करता है। डर से भरा यह नाम उनकी टोपी की चोटियों में सिले गए डिस्पोजेबल सुरक्षा रेजर ब्लेड से लिया गया है। एक लड़ाई में, उन्हें कोड़े मारे जाते हैं और उनके दुश्मनों की आंखों पर वार किया जाता है, जिससे वे अंधे हो जाते हैं।

गैरीसन पब में अपने बेस से, पीकी ब्लाइंडर्स अवैध सट्टेबाजी से अपना अधिकांश पैसा कमा रहे हैं। वे दूसरे सबसे बड़े भाई, टॉमी के नेतृत्व वाले चुनौतीपूर्ण शेल्बी परिवार के आसपास इकट्ठे हुए हैं। हिंसक और खतरनाक, वह प्रथम विश्व युद्ध के अपने कष्टदायक अनुभवों से भयभीत है और यह और भी अधिक खतरनाक है क्योंकि वह मरने से नहीं डरता। फिर भी शेल्बी कोई अज्ञानी ठग नहीं है।

वह चतुर, साधन संपन्न है और न केवल अमीर बनने की प्यास से प्रेरित है, बल्कि अपने परिवार के प्रति गहरी निष्ठा और उन्हें पिछली सड़कों से दूर ले जाकर उन्हें वैधता दिलाने की इच्छा से भी प्रेरित है। ऐसा करने का उनका रास्ता टेढ़ा-मेढ़ा है, और कई श्रृंखलाओं में एक तेज़-तर्रार नाटक में, शेल्बीज़ के पीकी ब्लाइंडर्स लंदन के बिली किम्बर, डार्बी सबिनी और अल्फी सोलोमन्स जैसे अन्य गैंगस्टरों के साथ लड़ते हैं; आईआरए और रूसी अभिजात वर्ग दोनों के साथ उलझे हुए हैं; उन्हें नीचे गिराने के लिए उत्तरी आयरलैंड से लाये गये मुख्य निरीक्षक कैंपबेल के साथ झड़प; फ़ैक्टरी के मालिक बन जाते हैं और उन्हें अत्यधिक बुद्धिमान ट्रेड यूनियन नेता जेसी ईडन द्वारा चुनौती दी जाती है; और न्यूयॉर्क के लुका चांगरेटा नामक माफिया के प्रतिशोधपूर्ण मिशन से बच जाएंगे।

शुरू से ही, पीकी ब्लाइंडर्स ने यूनाइटेड किंगडम में जबरदस्त लोकप्रियता हासिल की। अगली तीन श्रृंखलाओं में पीकी की सभी चीज़ों के प्रति दीवानगी बढ़ती गई, जिससे पीकी ब्लाइंडर्स को फैशन, पेय, बार और पर्यटन की प्रेरणा मिली। अब एक अंतरराष्ट्रीय सनसनी, श्रृंखला में सेलिब्रिटी प्रशंसकों का दावा है और 2015 और 2018 में सर्वश्रेष्ठ ड्रामा सीरीज़ के लिए बाफ्टा सहित कई पुरस्कार जीते हैं। इस तरह की प्रशंसा कई आलोचकों की प्रशंसा से मेल खाती है, और कुछ लोगों ने घोषणा की है कि पीकी ब्लाइंडर्स एक है 'ब्रूमी बोर्डवॉक' क्योंकि, प्रशंसित अमेरिकी श्रृंखला बोर्डवॉक एम्पायर की तरह, यह दृष्टिगत रूप से शैलीगत है और 1920 के दशक के ऐतिहासिक आंकड़ों का नाटकीय चित्रण करता है ।

इस दृष्टिकोण ने पीकी ब्लाइंडर्स द्वारा ऐतिहासिक अस्पष्टता से खींचे गए वास्तविक पात्रों, घटनाओं और स्थानों में रुचि को बढ़ा दिया है। क्योंकि वहाँ एक असली बिली किम्बर, एक असली डार्बी सबिनी और एक असली अल्फ़ी सोलोमन था, और 1921 में उनमें एक असली गिरोह युद्ध हुआ था। चांगरेटा नामक एक असली बर्मिंघम इतालवी परिवार था। जेसी ईडन नाम का एक वास्तविक श्रमिक-आंदोलन कार्यकर्ता था। 1920 के दशक में बर्मिंघम के गरीब इलाकों में अवैध सट्टेबाज थे। वहां बर्मिंघम पुलिस थी

Machine Translated by Google

प्रमुख जो उत्तरी आयरलैंड से थे। और बर्मिंघम में असली चरम अंधेर थे। लेकिन वे प्रथम विश्व युद्ध से पहले फले-फूले, उसके बाद नहीं, जब केवल एक गिरोह नहीं था, बल्कि कई गिरोह थे। इसके अलावा, ये चरम अंधेर न तो ग्लैमरस थे और न ही शक्तिशाली गैंगस्टर: वे बैक-स्ट्रीट ठग थे। हालाँकि उनमें से कुछ छोटे अपराधी भी थे, उनमें से अधिकांश के पास नौकरियाँ थीं और उनमें से कोई भी बड़े पैमाने पर गैंगलैंड गतिविधियों से जीविकोपार्जन करने वाले गिरोह से नहीं था।

ऐसे युग में जब बर्मिंघम को 'दुनिया का सबसे अच्छा शासित शहर' घोषित किया गया था, जैसा कि अमेरिकी पत्रकार जूलियन राल्फ ने 1890 में इसकी सराहना की थी, बर्मिंघम अपने सड़क गिरोहों के लिए भी कुख्यात था और ब्रिटेन में सबसे हिंसक स्थानों में से एक के रूप में अभिशप्त था।

[4] अपने नगरपालिका समाजवाद और सक्रियता के लिए प्रशंसित परिषद के मुखौटे के पीछे, गरीब इलाकों में हजारों मेहनती और सम्मानित नागरिकों का जीवन शातिर बैक-स्ट्रीट गिरोहों द्वारा बर्बाद कर दिया गया था।

ये अचानक शून्य से उत्पन्न नहीं हुए थे। वे 1850 के दशक के उत्तरार्ध से उभरे थे जब नई बर्मिंघम पुलिस ने, मध्यम वर्ग के दबाव में, बर्मिंघम के गरीब हिस्सों में खुले में युवाओं के कठिन खेलों और जुए पर रोक लगा दी थी। पुलिस की इस कार्रवाई का शहर के उग्र लोगों ने विरोध किया, जो 1872 से नारा लगाने वाले गिरोह कहलाते थे।

लेकिन नारे लगाने वालों ने सिर्फ पुलिस पर हमला नहीं किया: वे एक-दूसरे से लड़े और जो भी किसी भी तरह से उनके पास आया, उस पर क्रूरता से हमला किया, चाहे वह पुरुष हो या महिला, युवा या बूढ़ा। इसी तरह के गिरोह मैनचेस्टर, सैलफोर्ड, लिवरपूल और लंदन में उभरे थे, और हालांकि अन्य जगहों पर हिंसक लोग थे, केवल इन शहरों और बर्मिंघम में ही सड़क गिरोह बड़े पैमाने पर थे।

1890 से, शहर के नारे लगाने वालों को पीकी ब्लाइंडर्स भी कहा जाता था, यह शब्द जल्द ही क्रूर बदमाशों को दिया जाने लगा, चाहे वे किसी गिरोह में हों या नहीं। बर्मिंघम लोककथाओं में, उनका नाम उस कहानी से आया है कि उन्होंने अपनी सपाट टोपी की चोटियों में डिस्पोजेबल सुरक्षा रेजर ब्लेड सिल दिए थे और लड़ाई में, चोटी दुश्मन के माथे पर कट जाती थी, जिससे उसकी आंखों में खून बह जाता था। और उसे अस्थायी रूप से अंधा कर दें। भय से भरे नाम के साथ, पीकी ब्लाइंडर्स ने तेजी से पूरे ब्रिटेन के साथ-साथ बर्मिंघम में भी बदनामी हासिल की, जहां कुछ परिवार अभी भी पीकी ब्लाइंडर्स के पूर्वज की पहचान कर सकते हैं। मेरा परिवार उनमें से एक है क्योंकि मेरे परदादा, एडवर्ड डेरिक, एक चरम अंधा और तीसरी पीढ़ी का अपराधी था। उनके दादा एक आदतन अपराधी थे, जिन्हें एक बार चोरी के आरोप में जेल की सजा सुनाई गई थी, जबकि उनकी दादी भी एक दोषी चोर थीं। 5 जहाँ तक डेरिक के पिता की बात है, उन पर एक पुलिस अधिकारी पर हमला करने के लिए जुर्माना लगाया गया था क्योंकि उन्होंने अपनी पत्नी के साथ विवाद के दौरान पोकर से दीवार पर ज़बरदस्त प्रहार किया था। 6

Machine Translated by Google

डेरिक का सबसे बड़ा भाई, जॉन भी हिंसक था और मारपीट करने वाले गिरोह का नेता था। फरवरी 1891 में, 20 साल की उम्र में, जॉन डेरिक पर स्पार्कब्रुक में थॉमस स्ट्रीट (बाद में हाईगेट रोड) में एक कैदी को हिरासत में लेने वाले एक पुलिस कांस्टेबल पर हमला करने का आरोप लगाया गया था। यह घटना तब घटी जब वह अन्य बदमाशों के बीच था और उसने पुलिसकर्मी पर ईंट फेंक दी थी। जब डेरिक को अदालत में लाया गया, तो यह कहा गया कि वह जिले में होने वाली लगभग हर घटना में शामिल था। उन्हें कठिन परिश्रम के साथ छह सप्ताह के लिए जेल में डाल दिया गया।

इस समय, मेरे परदादा, एडवर्ड डेरिक, ग्यारह वर्ष के थे और पेन स्ट्रीट इंडस्ट्रियल स्कूल में थे। चौदह वर्ष से कम उम्र के लड़कों को वहां तब रखा जाता था जब वे तकनीकी रूप से भीख मांगने जैसे अपराध करते थे, या यदि वे अपने माता-पिता के नियंत्रण से बाहर होते थे। आशा थी कि, इस प्रकार, बुरी परिस्थितियों में 8 उस आशा को ध्वस्त कर दिया गया बच्चा अपने परिवेश से बच जायेगा। मेरे परदादा के साथ. हालाँकि इस बात का कोई सबूत नहीं है कि वह अपने बड़े था, लेकिन अन्य चरमपंथियों की तरह, वह एक छोटा-मोटा चोर था। भाई की तरह किसी गिरोह से जुड़ा

1893 में, उन्हें आवारागर्दी का दोषी ठहराया गया और अक्टूबर 1894 में, उन्होंने पाँच रोटियाँ चुराने के लिए सात दिन जेल में काटे। कुछ ही सप्ताह बाद, अब सोलह वर्षीय डेरिक को चोरी के आरोप में चार महीने की कड़ी सजा सुनाई गई। फिर, 1897 में, उसे साइकिल चोरी करने के आरोप में पाँच महीने के लिए जेल भेज दिया गया और दो साल की निगरानी का आदेश दिया गया। अश्लील भाषा का प्रयोग करने के लिए दोषी ठहराए जाने से पहले वह जेल से बाहर नहीं आए थे और इसके तुरंत बाद, अक्टूबर 1898 में, उन्हें एक गिनती घर में घुसने के लिए बारह महीने की कैद हुई थी। ऐसा कहा गया था कि वह 5 फुट 3½ इंच लंबा था, उसकी एक बांह और कलाई के पीछे एक नीला निशान था, और दूसरी बांह की पीठ पर एक जलपरी का टैटू था।

अब एक सिलसिलेवार अपराधी, 1899 में, डेरिक ने एक पुलिस कांस्टेबल पर हमला किया - कांस्टेबल की पिटाई विशेष रूप से पीकी ब्लाइंडर्स से जुड़ी थी। एक साल बाद, उन्हें नशे के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया, और अक्टूबर 1901 में, फ्रेडरिक पिट के उपनाम के तहत, उन्हें शारीरिक नुकसान पहुंचाने के लिए तीन साल के लिए भेज दिया गया। अंततः, अक्टूबर 1906 में, उन्हें एक टोकरी गाड़ी चुराने के लिए दो महीने की सश्रम कारावास की सजा सुनाई गई - तीन पहियों पर एक 9 फिर टोकरी जिसका उपयोग फेरीवालों और अन्य लोगों द्वारा अपना सामान ले जाने के लिए किया चौदह साल की उम्र में, मेरे बड़े चाचा बिल चिन को डेरिक और उसके भाई, फ्रेड को चोरी की वस्तु के साथ जाता था। और 'लेडीपूल रोड, कोल्विल रोड के कोने में पायने से बेकन का एक टुकड़ा निकालते हुए' देखना याद आया। उन्होंने बताया, 'मैं वहां [बर्मिंघम] मेल बेच रहा था। मैंने फ्रेड डेरिक को वह लंबी भुजा प्राप्त करते देखा, जिससे वे दिखावे के लिए बेकन को बाहर की ओर लटका रहे थे। और उसने एक उठाया, उन्होंने उसे इस गाड़ी में डाल दिया और वे कोलविले रोड पर चले गए।' 10 डेरिक ने फिर टोकरी गाड़ी को आठ शिलिंग (40p) में बेच दिया, यह समझाते हुए कि उसे उस राशि की आवश्यकता है क्योंकि बेलीफ उसके घर में थे। हालाँकि, उन्होंने उस धन का उपयोग उस उद्देश्य के लिए नहीं किया,

Machine Translated by Google

क्योंकि उसने अदालत में स्वीकार किया कि उसने 'बीयर के लिए इसे उड़ा दिया'।

11

एक साल बाद, डेरिक ने मेरी परदादी, एडा वेल्डन से क्राइस्ट चर्च, स्पार्कब्रुक में शादी कर ली। उसने खुद को एक राजमिस्त्री बताया, हालाँकि पहले उसने कहा था कि वह एक दर्जी था और बाद में वह खुद को एक कबाड़ी लोहा व्यापारी और एक चिथड़े-हड्डी वाला आदमी कहेगा। शादी ने उनमें कोई बेहतर बदलाव नहीं लाया। जब मैं 1980 के दशक की शुरुआत में अपनी डॉक्टरेट थीसिस पर शोध कर रहा था, तो मैंने लिल नेड, नी प्रेस्टन से बात की, जिनका परिवार स्पार्कब्रुक के स्टडली स्ट्रीट में डेरिक और उनकी बेटी मैसी के साथ एक ही घर में रहता था। मेरी दादी। लिल को याद आया कि डेरिक एक अपमानजनक बदमाश था जो अक्सर नशे में होने पर उसके घर में तोड़फोड़ करता था और कई बार उसकी पत्नी और बच्चे को उसके नशे के गुस्से से बचने के लिए सांप्रदायिक ब्रूहाउस (वॉशहाउस) या लिल की ग्रैनी कैरी के घर में छिपना पड़ता था। ओल्ड मदर कैरी के नाम से जानी जाने वाली, वह स्टडली स्ट्रीट के सभी लोगों की प्रिय थी और उसके कई मजबूत बेटे थे - इसलिए डेरिक अपनी प्रताड़ित पत्नी का उस घर में पीछा नहीं करेगा।

12

परिवार में एक कहानी यह भी थी कि मेरी परदादी ने उन्हें छोड़ दिया था जिसके बाद उन्होंने उन्हें तलाक दे दिया था। मैं हमेशा इस पर संदेह करता था, यह सोचकर कि एक कामकाजी वर्ग के व्यक्ति के लिए तलाक की उच्च लागत वहन करना बहुत महंगा होगा। मैं गलत था। वर्षों तक क्रूरता सहने के बाद, उन्होंने 1922 में सुप्रीम कोर्ट के नियमों के तहत 'एक गरीब व्यक्ति' के रूप में डेरिक को तलाक दे दिया। तलाक के दस्तावेज़ इस बात की पुष्टि करते हैं कि 1913 की गर्मियों से, वह अपनी पत्नी और बच्चे के लिए भोजन या कपड़े उपलब्ध कराने में विफल रहे थे। वे पीतल के व्यापार में एक प्रेस कर्मचारी के रूप में उसकी मजदूरी से गुजारा करते थे। फिर, अप्रैल 1915 में, उन्होंने 25 स्टडली स्ट्रीट स्थित अपने घर पर अपनी पत्नी पर हिंसक हमला किया और उसे जान से मारने की धमकी दी।

छह महीने बाद, डेरिक ने उस पर अपनी मुट्ठी से हमला किया और उसे शारीरिक नुकसान पहुंचाया। इस बात पर जोर दिया गया था कि 'वह बार-बार शराब पीता था और उसके प्रति गंदी और अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करता था' और उसने अक्सर फर्नीचर की विभिन्न वस्तुओं को भी तोड़ दिया था और दो घरों को तोड़ दिया था। शुक्र है, जनवरी 1916 से, उन्होंने अपनी पत्नी और बेटी को छोड़ दिया और कोवेंट्री चले गए।

13

डेरिक पचहत्तर वर्ष की आयु तक जीवित रहे और 1964 में न्युनेटन में उनकी मृत्यु हो गई। जहाँ तक उसकी पत्नी, एडा का सवाल है, बाद में उसके बारे में यह कहते हुए रिपोर्ट किया गया कि उसने 14 साल के एक बेहतर आदमी के लिए डेरिक को छोड़ दिया था।

दुःख की बात है कि 1925 में उनतीस वर्ष की आयु में पेट के कैंसर से उनकी मृत्यु हो गई।

मैं डेरिक के बड़े होने के बारे में जानता था लेकिन वयस्क होने तक उनके बारे में बहुत कम जानता था। हालाँकि, उन्होंने मुझ पर एक छाप छोड़ी है। मेरे दादा रिचर्ड चिन लम्बे, गोरी त्वचा और नीली आँखों वाले थे। मैं छोटा, काले बालों वाला, भूरी आंखों वाला और सांवली त्वचा वाला हूं। मेरे परदादा एडवर्ड डेरिक भी ऐसे ही थे, जो मेरे चरम अंधे पूर्वज थे और एक ऐसे व्यक्ति थे जिनके लिए मेरे मन में तिरस्कार के अलावा कुछ नहीं है। पत्नी को पीटने वाला, चोर, लुटेरा और हिंसक बदमाश के रूप में वह चरमपंथियों में से एक था। नाटकीय चरम अंधों के विपरीत, वे नहीं थे

Machine Translated by Google

फैशनेबल ढंग से कपड़े पहनने के कारण, उनमें कोई खास आकर्षण नहीं था, उनमें सम्मान की कोई खास भावना नहीं थी और बर्मिंघम के श्रमिक वर्ग द्वारा उनका सम्मान नहीं किया जाता था, जिन्हें पीक ब्लाइंडर्स का शासन समाप्त होने पर बड़ी राहत मिली थी।

1914 तक उनके गायब होने का श्रेय बर्मिंघम के मुख्य कांस्टेबल, चार्ल्स हॉटन राफ्टर द्वारा शुरू की गई सशक्त पुलिसिंग को जाता है, जिन्हें शहर के काले धब्बों को साफ करने वाले व्यक्ति के रूप में श्रेय दिया गया था।
[15] फिर भी हालांकि असली चरमपंथी अंधों को हटा दिया गया था, उनमें से कुछ ने असली बिली किम्बर के नेतृत्व में दुर्जेय और भयंकर बर्मिंघम गैंग का गठन किया। 1921 में, उन्होंने दक्षिणी इंग्लैंड के रेसकोर्स पर सुरक्षा रैकेट और पॉकेटमारी के नियंत्रण को लेकर वास्तविक डार्बी सबिनी और वास्तविक अल्फी सोलोमन सहित लंदन गिरोह के गठबंधन के खिलाफ एक खूनी युद्ध लड़ा। हालाँकि, उस युद्ध में कोई भी 'लड़ाई' मिडलैंड्स या बर्मिंघम में नहीं लड़ी गई थी, जो अब तक हिंसा के लिए अपनी प्रतिष्ठा खो चुका था।

जहां तक बाकी चोटी के अंधभक्तों का सवाल है, कुछ लोग प्रथम विश्व युद्ध में अपने देश के लिए लड़ने चले गए और बदले हुए और अधिक कानून का पालन करने वाले व्यक्ति बनकर घर लौटे।
उनमें से अंतिम के निधन के साथ, चरम अंधड़ स्थानीय लोककथाओं में बह गए। कुछ बुजुर्ग लोगों ने बच्चों को डराने के लिए सिर्फ अपने नाम का उल्लेख किया, जैसे कि बोगीमैन, जबकि अन्य लोगों ने उनकी टोपी में डिस्पोजेबल रेजर सिलने वाले डरावने पीक ब्लाइंडर्स के बारे में बताया। कहानी यह है कि, एक लड़ाई में, यह हथियार उनके दुश्मनों के माथे पर मारा गया था, जिनकी आँखों में खून बहने से उनकी आँखें अंधी हो गई थीं, जिससे उन्हें पीटने का मौका मिला।

धीरे-धीरे, यह कहानी भी लुप्त होने लगी, क्योंकि जो लोग पीकी ब्लाइंडर्स को जानते थे उनके बच्चों और पोते-पोतियों की मृत्यु हो गई - लुप्त होती गई, यानी, जब तक कि मनोरंजक नाटक, पीकी ब्लाइंडर्स द्वारा आधुनिक और व्यापक दर्शकों के लिए पुनर्जीवित नहीं किया गया। गिरोह की वास्तविकता हमारे टेलीविज़न पर दिखाई गई वास्तविकता से कुछ भिन्न है, क्योंकि वास्तविक पीकी ब्लाइंडर्स अरुचिकर, अस्वाभाविक और सम्मान के योग्य नहीं थे। फिर भी वे निंदनीय थे, सामूहिक रूप से, वे लेट-विक्टोरियन और एडवर्डियन बर्मिंघम में प्रमुख व्यक्ति थे। शहर के अध्ययनों में केवल नजरअंदाज किया गया या उल्लेख किया गया, सच तो यह है कि पीक ब्लाइंडर्स और स्लॉगर्स ने एक पीढ़ी या उससे अधिक समय तक सैकड़ों नागरिकों के जीवन को प्रभावित किया, यद्यपि नकारात्मक रूप से, और बर्मिंघम की प्रतिष्ठा को धूमिल किया। उनके कार्य भी शहर और इसके इतिहास के साथ उसी तरह जुड़े हुए हैं जैसे इसके प्रमुख राजनेताओं और महान निर्माताओं के कार्य। तो फिर, यह चरम अंधों की असली कहानी है।

Machine Translated by Google

Machine Translated by Google

अध्याय एक

पीकी ब्लाइंडर्स से पहले:
नारा लगाने वाले गिरोह

1919 में बर्मिंघम की एक गंभीर और भयानक तस्वीर बीबीसी न्यूज़ द्वारा 12 सितंबर 2013 को पीकी ब्लाइंडर्स के पहले एपिसोड का प्रचार करते समय सामने आई थी। 'बर्मिंघम के रियल पीकी ब्लाइंडर्स' शीर्षक के तहत, शहर की 'पानीदार, झुग्गी-झोपड़ी वाली सड़कों' को चाकू, रेजर ब्लेड और हथौड़ों से लैस सैकड़ों युवाओं से बने गिरोहों द्वारा शासित दर्शाया गया था। हत्याएँ व्याप्त थीं और 'युवा गिरोह के सदस्यों के हाथों डकैती, चोरी और दंगे दैनिक घटनाएँ थीं, जिन्होंने पूरे शहर को भयभीत, खूनी पकड़ में रखा था।' पुलिस ने दैनिक दु:स्वप्न को नियंत्रित करने की पूरी कोशिश की, लेकिन उनकी संख्या बहुत कम थी। लेख में बताया गया है कि यह सामूहिक हिंसा 1870 के दशक में भड़की थी, जब सैकड़ों युवा स्मॉल हीथ और चेप्ससाइड जैसे क्षेत्रों पर 'कब्जा' करने के लिए 'कभी-कभी घंटों तक चलने वाले सामूहिक झगड़ों में मौत तक' लड़ते थे। इन शुरुआती गिरोहों में सबसे प्रमुख और क्रूर स्लॉगर्स या चेपसाइड स्लॉगिंग गैंग थे, जिन्होंने 30 वर्षों तक सुरक्षा रैकेट और हिंसा के साथ शासन किया था। कई प्रतिद्वंद्वी गिरोह उभरे, लेकिन एक सदी पहले शहर की सड़कों पर सबसे डरावनी ताकत, ऐसा दावा किया गया था, पीकी ब्लाइंडर्स थी। वे जानबूझकर स्टाइलिश होने के साथ-साथ हिंसक भी थे, उनका खौफनाक उपनाम 'उनकी टोपियों के सामने सावधानी से सिले गए रेजर ब्लेड से लिया गया था, जिसका इस्तेमाल उनके पीड़ितों को अंधा करने के लिए किया जा सकता था।'

[16] हकीकत बहुत अलग थी. 1919 में, बर्मिंघम गिरोह युद्ध से आतंकित नहीं था। हत्या व्यापक नहीं थी. कोई दंगे नहीं हुए. और कोई पीकी ब्लाइंडर गैंग नहीं था। समकालीनों के बीच, गुंडागर्दी का सबसे अच्छा पैमाना पुलिस पर हमलों की वापसी माना जाता था। उस वर्ष, 1,341 पुलिस बल और लगभग 900,000 की आबादी से संबंधित, इस अपराध के लिए 134 लोगों को दोषी ठहराया गया था। इसकी तुलना 1899 में 500,000 से कुछ अधिक की छोटी आबादी में 685 अधिकारियों के लिए 557 दोषसिद्धि की तुलना में की गई।

[17] गिरावट उल्लेखनीय थी. वास्तव में, हिंसक अपराध में इतनी कमी आ गई थी कि बर्मिंघम के मुख्य कांस्टेबल की 1919 की वार्षिक रिपोर्ट में इसका उल्लेख करना भी ज़रूरी नहीं था। हालाँकि, उन्होंने सड़क पर सट्टेबाजी, आत्महत्या और सड़क वाहन दुर्घटनाओं में वृद्धि पर टिप्पणी की

Machine Translated by Google

साथ ही किशोर अपराध, विशेष रूप से गंभीर वर्गों में, में उल्लेखनीय गिरावट आई है। 18 हालांकि रिपोर्ट में उल्लेख नहीं किया गया है,

1918 और 1920 के बीच तीन वर्षों में हत्या और मानव वध के कुल 18 अपराध हुए थे। यह औसतन प्रति वर्ष छह है। और यद्यपि दंगा अधिनियम 1919 में ग्लासगो और बीरकेनहेड में पढ़ा गया था, और कोवेंट्री, बिलस्टन और 19 के मिडलैंड्स में भी दंगे हुए थे, यह वॉल्वरहैम्प्टन था, दूसरों के बीच, बर्मिंघम में कोई नहीं था। युद्ध के तुरंत बाद ब्रिटेन की उथल-पुथल के बावजूद, जो क्रोधित सैनिकों, व्यापक हमलों, उत्तरी आयरलैंड में सांप्रदायिकता और कार्डिफ़, हल बंदरगाहों में नस्लवादी हमलों से जुड़ी अव्यवस्था से जूझ रहा था। और अन्य

20

फिर भी बर्मिंघम में गिरोह-संबंधी लड़ाइयाँ, दंगे और हत्याएँ देखी गईं, लेकिन प्रथम विश्व युद्ध से पहले, उसके बाद नहीं। वास्तव में, युद्ध से पहले बर्मिंघम में लगातार, लंबे समय तक बदनामी थी, इतनी कि 1901 में बर्मिंघम मेल ने 'गुंडागर्दी पुनर्जन्म' शीर्षक दिया और शोक व्यक्त किया कि शहर था:

> . . . तेजी से राज्य के सबसे उपद्रवी शहरों में से एक होने का गौरव अर्जित कर रहा है! माना. एक समय हमारी यह प्रतिष्ठा थी, लेकिन जब से किसी चापलूस लेखक ने हमें दुनिया के सबसे अच्छे शासित शहर का खिताब दिया है, तब से हम या तो सुधर गए हैं, या अपनी गलतियों को पहचानने में विफल रहे हैं। निश्चित रूप से यह है कि आजकल बर्मिंघम का उपद्रवीवाद, दीर्घकालिक होने के बजाय, स्थानिक है। यह कभी-कभी विशेष पड़ोस में उसी तरह फैलता है जैसे चेचक और स्कार्लेट ज्वर। 21

नारेबाज़ी करने वाले गिरोह

हिंसा के लिए बर्मिंघम की खराब प्रतिष्ठा इसके नारेबाज़ी करने वाले गिरोहों के कारण उत्पन्न हुई थी।
उनका नाम 'स्लॉगर' शब्द से आया है - ऐसा व्यक्ति जो भारी प्रहार करता हो।
मूल रूप से 1820 के दशक का एक मुक्केबाजी शब्द, इसका उपयोग जल्द ही बाहर फैल गया और एक पीढ़ी के भीतर, अप्रैल [22] 'स्लॉगर्स' शब्द भयभीत करने वाला हो गया। बर्मिंघम की पिछली सड़क के गुंडों की छवियां, जो पहली बार 1872 में ध्यान में आईं।

यह बताया गया कि, रविवार, 7 अप्रैल को, चेप्ससाइड के पड़ोस में बड़ी संख्या में उपद्रवी लोग एकत्र हो गए थे, जिससे वहां के निवासी बहुत भयभीत हो गए।
400 की संख्या में मजबूत होकर, उन्होंने खुद को 'स्लॉगिंग गैंग' कहा। भारी उत्पात मचाने और कई खिड़कियाँ तोड़ने के बाद, वे हिल स्ट्रीट क्षेत्र की ओर चले गए जहाँ 'उन्होंने खिड़कियों पर ईंटें और पत्थर फेंके।

Machine Translated by Google

हुक्स्टर (जनरल स्टोर) और हलवाई की दुकानें जो खुली थीं'। दुकानदारों को अपने परिसर की सुरक्षा के लिए अपनी दुकानें बंद करनी पड़ीं, जबकि उनमें से एक को ईंट लग गई और उसे अस्पताल ले जाना पड़ा। कुछ देर तक दंगाइयों ने राहगीरों को आतंकित किया, जिन्हें रोका और अपमानित किया। आख़िरकार, जब पुलिस की एक छोटी सी टीम ने उनसे संपर्क किया तो वे पीछे हट गए। चेप्ससाइड की ओर वापस भागते हुए, नारे लगाने वालों को पुलिस की एक अन्य टुकड़ी ने तितर-बितर कर दिया।

[23]

हिंसा का यह प्रकोप हफ्तों की अशांति की पराकाष्ठा थी, जिसके दौरान पुलिस को बड़ी संख्या में लड़कों के बारे में 'बड़ी शिकायतें' मिली थीं, जो बुल रिंग के करीब, चेप्ससाइड और बारफोर्ड स्ट्रीट में और उसके आसपास खिड़कियां तोड़ने के लिए एकत्र हुए थे।

[24] प्रथम स्लॉगिंग गैंग के प्रकोप के बाद भी ये गड़बड़ी जारी रही। तीन दिन बाद, बुधवार, 10 अप्रैल को, 70 से 80 युवा पूरे शहर में नॉर्थवुड स्ट्रीट और कॉन्स्टिट्यूशन हिल में एकत्र हुए। लाठियों से लैस और बड़े पत्थरों से सुसज्जित, उन्होंने एक पुलिस कांस्टेबल पर पथराव किया और फिर कॉक्स स्ट्रीट में भाग गए। उनमें से दो को गिरफ्तार कर लिया गया. जॉन गिब्बन तेरह साल की उम्र का एक इंजन ड्राइवर था जो अशांति के निकट वॉटर स्ट्रीट में रहता था। माइकल लोरी, चौदह वर्ष का फाइलर, अस्पताल स्ट्रीट पर बहुत दूर नहीं रहता था। दोनों को 14 दिन की कैद की सजा सुनाई गई. रविवार के दंगे में पकड़े गए लोग भी युवा किशोर थे।

जिन मजिस्ट्रेटों के सामने वे उपस्थित हुए उनमें से एक एल्डरमैन मेल्सन थे, जो स्वयं रविवार को पीड़ित हुए थे जब कुछ नारे लगाने वाले उनके घर के बाहर जमा हो गए थे। वह बाहर गया था और उनमें से एक को राख की छड़ी से पीटा था। उसके बेटे ने तब गिरोह का पीछा किया और उनके नेता को पकड़ लिया, लेकिन उसे मार गिराया गया और वह खून से लथपथ और अपने होंठ और कान कटे हुए घर लौट आया। मेलसन ने कहा कि 'यह पत्थर फेंकने वाला उपद्रव बिल्कुल असहनीय होता जा रहा था, और शहर की सड़कों की खतरनाक स्थिति तेजी से एक कहावत बनती जा रही थी।' उन्होंने ठान लिया था कि जब इनमें से किसी लड़के को उनके सामने लाया जाएगा, भले ही उन्हें वास्तव में पत्थर फेंकते देखा गया हो या नहीं, उन्हें 'उनके साथ गंभीरता से निपटना' चाहिए। 25 इन चेतावनियों के बावजूद, गिरोहों द्वारा पथराव बंद नहीं किया गया। जून 1872 में शुक्रवार की रात को, बोर्डेस्ले में ग्रेट बर्र स्ट्रीट और वाटरी लेन के कोने पर लगभग बीस युवाओं ने राहगीरों पर पथराव किया। जैसे ही उन्होंने ऐसा किया, वे चिल्लाये, 'हम नारा लगाने वाले बैंड हैं।' 26 और जो पत्थर फेंके गए

वे बहुत थे। कई पिछली सड़कों के फ़ुटपाथों को 'पेट्रीफाइड किडनी' कहा जाता था - ऐसे पत्थर जो एक अच्छे आकार के आलू जितने बड़े होते थे। वे बहुत टिकाऊ थे लेकिन उन पर चलना बेहद अप्रिय था और क्योंकि वे ढीले थे इसलिए उन्हें आसानी से उठाया जा सकता था।

गिरोहों द्वारा पत्थर फेंकना बर्मिंघम के लिए अद्वितीय नहीं था, यह देखते हुए कि पत्थर आसानी से और स्वतंत्र रूप से उपलब्ध हथियार थे। हालाँकि, बाद के 1860 के दशक से यह

Machine Translated by Google

यह शहर के भीतर स्थानीय लेकिन व्यापक अव्यवस्था के रूप में विकसित हुआ, जो आसपास घूमने वाले युवकों की भयावह भीड़ और संपत्ति, गिरोह के अन्य सदस्यों, निर्दोष दर्शकों और पुलिस पर हमला करने के कारण हुआ।

[27] मई 1871 में, पुलिस व्यवस्था की निगरानी करने वाली पार्षदों की संस्था, वॉच कमेटी की एक बैठक में इस वृद्धि के लिए एक संभावित स्पष्टीकरण सामने रखा गया। प्रत्येक सोमवार की सुबह पत्थरबाजी और रविवार को जुआ खेलने के लिए बड़ी संख्या में लड़कों को मजिस्ट्रेट के सामने लाया जाता था। काउंसलर लुईस का मानना था कि उपद्रव का एक कारण उचित मनोरंजन मैदानों की कमी थी। फ़ैक्टरी अधिनियम के कारण, 'लड़कों को छह बजे के बाद काम करने की अनुमति नहीं थी, और चूंकि मनोरंजन के लिए कोई जगह नहीं थी, इसलिए वे सड़क पर आ गए और पत्थर फेंकना या बेंडी खेलना शुरू कर दिया' (हॉकी जैसा एक खेल जो हॉकी के साथ खेला जाता है) छोटी गेंद और, कामकाजी वर्ग के युवाओं के मामले में, लाठी)।

[28]

इस राय का कुछ औचित्य था। बर्मिंघम में कोई मनोरंजन मैदान नहीं था। इसका एकमात्र सार्वजनिक खुला स्थान शहर के दक्षिण-पश्चिम बाहरी इलाके में एक मध्यमवर्गीय क्षेत्र में एजबेस्टन में कैल्थोरपे पार्क था। यह शहर के घनी आबादी वाले मध्य भागों से दूर था, जैसा कि पूर्व में साल्टली में एडरले पार्क था, जो तब बर्मिंघम की सीमाओं के बाहर था।

सड़क के प्रति वफादारी

लेकिन 1870 के दशक की शुरुआत में बर्मिंघम के सड़क गिरोह अचानक शून्य से नहीं उभरे थे, और मनोरंजन के मैदानों की कमी के अलावा हिंसा में वृद्धि के अन्य कारण भी थे। ये 1840 के दशक तक फैला हुआ था और इसमें नवगठित पुलिस बल के प्रति विरोध और सार्वजनिक व्यवहार को नियंत्रित करने के उसके प्रयास और, गरीब इलाकों में, सड़क के प्रति वफादारी की घटना शामिल थी। सड़क गरीबों का रहने का कमरा और खेल का मैदान थी और इसके लोग रिश्तेदारी नेटवर्क, सामुदायिक जीवन और साझा अनुभवों से एक साथ बंधे थे। ऐसे देश में जहां गरीबों को इतना कुछ नहीं दिया जाता था, सड़कें उनकी थीं।

हालाँकि यह अंतर-युद्ध के वर्षों को संदर्भित करता है, उत्तरी लंदन की सबसे कठिन सड़क, कैंपबेल बंक का जेरी व्हाइट का अध्ययन, 'सड़क से संबंधित' की भावना के बारे में एक अंतर्दृष्टि प्रदान करता है जो उन्नीसवीं शताब्दी के लिए विचारोत्तेजक है। उनका मानना था कि 'द बंक' में, सबसे महत्वपूर्ण सामूहिक अनुभव सड़क पर ही केंद्रित था, 'इसकी लोकप्रिय संस्कृति, पड़ोसियों के बीच संबंध, कमोबेश शत्रुतापूर्ण दुनिया के सामने इसकी आत्म-पहचान' के माध्यम से। वह सामूहिक अनुभव विचारों में, साझा मूल्यों, विश्व दृष्टिकोण और कार्रवाई के माध्यम से व्यक्त किया गया था।

[29]

गरीब परिवारों को अपनी सड़क विरासत में मिली: वे इससे आए थे और यह उसी की थी

Machine Translated by Google

जबकि वे भी इसके सदस्य थे। गरीब इलाकों की सड़कें लगभग जीवित संस्थाएं बन गईं, उन गुणों को मूर्त रूप दिया जिनकी गरीबों ने खुद सराहना की: कठोरता, लड़ने की क्षमता और एक चरित्र जो कठोर और तैयार था और सबसे ऊपर, स्पष्ट-भाषी और जमीन से जुड़ा हुआ। मजदूर वर्ग के बाहरी लोग निवासियों और सड़क के बारे में अलग-अलग बात नहीं करते थे; बल्कि वे एक थे, एक ऐसी एकता जो अविभाज्य थी और उन लोगों के लिए भयावह थी जो इससे संबंधित नहीं थे। इस प्रकार, गैरीसन लेन के लोग सख्त नहीं थे, बल्कि गैरीसन लेन ही सख्त थी।

सड़क के प्रति वह वफादारी अंतर्विवाह और मातृसत्तात्मकता द्वारा बढ़ी थी। दूसरे शब्दों में, गरीबों में उसी गली या आस-पास के किसी व्यक्ति से शादी करने की अधिक संभावना होती थी, और पत्नी आमतौर पर अपनी माँ के करीब रहना पसंद करती थी। इन घटनाओं ने रिश्तेदारी नेटवर्क को इस हद तक मजबूत कर दिया कि बर्मिंघम के बोर्डेस्ले क्षेत्र में सेंट एंड्रयूज रोड के लोगों के बारे में कहा जाता था कि 'एक लात मारो और वे सभी लंगड़ा हो जाएंगे'।

कई युवाओं के लिए, सड़क से जुड़े होने की भावना ने उनकी अपनी शारीरिक शक्ति और पुरुषत्व और इसके माध्यम से उनकी सड़क की कठोरता पर गर्व पैदा किया। इससे अन्य 'हार्डस्ट्रीट' के लोगों के साथ झगड़े हो सकते थे और हुए भी, जिसका सबूत 1840 के दशक में डाइक विल्किंसन की दिलचस्प यादों से सामने आता है। 1835 में जन्मे, वह नौ साल की उम्र से हॉकले के केन्योन स्ट्रीट में डॉग एंड पार्ट्रिज में रहते थे - एक सराय जो उनके पिता द्वारा रखी गई थी। 1912 में लिखते हुए, उन्हें याद आया:

> मेरा एकमात्र खेल का मैदान सार्वजनिक सड़क थी। सैकड़ों बार, मैंने और लड़कों के एक गिरोह ने कॉन्स्टिट्यूशन हिल और लिवरी स्ट्रीट के जंक्शन पर सड़क के बीच में 'पिच बैक', 'फॉक्स एंड डाउडी', 'बीयर एंड टेंडर' और अन्य कठिन खेल खेले हैं। वह स्थान अब इलेक्ट्रिक ट्रामवे कारों, कैब और सभी प्रकार के वाहनों से भरा हुआ था और कई लोग - उनमें से एक पुलिसकर्मी - देख रहे थे। ये तुलनात्मक रूप से मासूम खेल अक्सर सड़क पर होने वाले झगड़ों से अलग हो जाते थे; यानी लड़कों का एक समूह दूसरे इलाके के लोगों पर छापा मारता है, जिसके अक्सर काफी गंभीर परिणाम होते हैं। मेरा मानना है कि उन दिनों के बर्मिंघम लड़कों जैसे कट्टर योद्धा कभी नहीं थे।

किशोर लड़कों के बीच सड़क के प्रति वफादारी बीसवीं शताब्दी तक गरीब कामकाजी वर्ग के जीवन की एक मजबूत विशेषता बनी रही। आठ साल की उम्र तक, डोनाल्ड फिलिप्स बुल रिंग की एक गली में रहते थे, जो उन्नीसवीं सदी के मध्य से सड़क गिरोहों से जुड़ा एक क्षेत्र था, और उन्हें यह याद था:

Machine Translated by Google

लगभग छह साल के बच्चों से लेकर वयस्कों तक (जो 1920 के दशक में लगभग चौदह वर्ष के थे) सभी बच्चों को सड़क गिरोह से संबंधित होना पड़ता था। विश्वास करने के लिए प्रतिद्वंद्वी सड़कों के बीच युद्ध का अनुभव करना पड़ा। दिनचर्या यह थी कि एक सड़क पर लाठी, पत्थर, बोतलें और हाथ में आने वाली किसी भी अन्य सामग्री से लैस होकर गिरोह बनाया जाता था और फिर दुश्मन के इलाके में धावा बोल दिया जाता था। अलार्म बज उठेगा और घर की गली का हर एक बच्चा प्रतिशोध के किसी भी तरीके को पकड़ने के लिए बेताब होकर बाहर निकल जाएगा।

मैंने कपड़ों की कतारों से प्रॉप्स, इमारत के मलबे, कोबल स्टोन, लड़ने के उपकरणों के लिए छीनी गई हर चीज को देखा है।

इसके बाद हुई घमासान लड़ाइयों ने कई वयस्कों और अभिभावकों को भयभीत कर दिया होगा। उनकी परिणति सदैव संपत्ति और व्यक्ति को बहुत अधिक क्षति पहुँचाने के रूप में हुई। मुझ पर अभी भी उन दिनों के कुछ निशान हैं जिनमें कांच के टुकड़े से कटी हुई भौंह भी शामिल है। थोड़ी दूरी से फेंके गए एक बड़े पत्थर से मेरे माथे पर लगी गांठ चली गई है - लेकिन शायद परिणाम बाकी हैं!

आम तौर पर, पुलिस के घटनास्थल पर पहुंचने पर झड़प समाप्त हो गई। और, निःसंदेह, बाद में बच्चों ने इसे अपने माता-पिता से गले लगा लिया, हालाँकि अक्सर झगड़े वयस्कों के झगड़े का कारण बनते थे यदि किसी दुर्भाग्यपूर्ण व्यक्ति को गंभीर क्षति हुई थी और माता-पिता, पुरुष और महिलाएं, प्रतिशोध की तलाश में थे। 31

मेरे परदादा, जॉर्ज वुड, एक कठोर व्यक्ति थे जो द्वितीय विश्व युद्ध में दूसरी बटालियन एसएएस में हवलदार बन गए। 1915 में जन्मे, वह व्हाइटहाउस स्ट्रीट, एस्टन में पले-बढ़े - जो 1880 के दशक में अपने नारेबाज़ी गिरोह के लिए कुख्यात था। उसने मुझे बोला की:

हम बचपन में दूसरी गलियों से लड़ते थे। एवेन्यू रोड, चेस्टर स्ट्रीट, हॉलैंड रोड, रॉकी लेन। ओह, हम उत्तर दिशा में, व्हाइटहाउस स्ट्रीट पर थे। वहाँ मैं, डौगी आयर्स, जैकी हंट, हर्बर्ट मोर्टिबॉय, बॉबी स्टील और बहुत कुछ था। लोग हमें लड़ते हुए देखते थे.

मुट्ठियाँ। जानता था कि तुम एक दूसरे को चोट नहीं पहुँचाओगे। एक बार जब आप अपने पिछवाड़े पर थे तो आप लड़ाई से बाहर हो गए। कभी किसी को लात मारते नहीं देखा. यदि आप तब लड़ रहे थे, तो आप अपने चारों ओर एक अंगूठी के साथ लड़े थे, तांबा केवल तभी गंदगी करेगा जब कोई घायल हो रहा हो। 32

पूरे स्पार्कब्रुक शहर में, फ्रेड फ्रैंकलिन की भी ऐसी ही यादें थीं: 'बच्चे खून बहने वाली लाठियों, प्रॉप्स और हर तरह से एक-दूसरे से लड़ते थे। एक सड़क दूसरे के विरुद्ध. हमारे बीच लड़ाइयां होती रहती थीं.' वह चेस्टरटन रोड से आया था लेकिन,

Machine Translated by Google

'स्टड्स, स्टडली स्ट्रीट, वे लाइन प्रॉप्स, गार्डन से लैस होकर आते थे
कांटे. वे युद्ध में मिलते थे। स्टड, निस्संदेह, किंग पिन थे।' मेरे पिता, अल्फ्रेड 'बक' चिन, 1930 के दशक में स्टडली [33]
स्ट्रीट में एक बच्चे थे और इस बात पर जोर देते थे कि यह 'बहुत, बहुत कठिन, बहुत कठिन है और आपको हमेशा खुद को साबित करना होगा।' पिताजी को वह याद आया जब वे द्वितीय विश्व युद्ध से ठीक पहले सात या आठ साल के बच्चे थे:

> स्टडली स्ट्रीट और क्वीन स्ट्रीट के बीच एक बड़ी लड़ाई हुई थी, और एक बच्चे के रूप में यह मेरे लिए बहुत बड़ी लगती थी और मुझे क्वीन स्ट्रीट में एक आदमी को हमेशा याद रहेगा, जो एक बड़ा लड़का था क्योंकि मैं केवल एक छोटा बच्चा था, और उनके पास प्रॉप्स और झाड़ू थे और प्रॉप्स निश्चित रूप से ये चौकोर प्रॉप्स थे और एक लड़ाई हुई और कूड़ेदान के ढक्कन थे।
>
> कुछ ऐसा हुआ था कि यहीं से चिंगारी भड़की और इतनी बड़ी लड़ाई हो गई.
> [34]

यह एकमात्र ऐसी लड़ाई थी जो पिताजी को याद थी, हालाँकि जैसे-जैसे वह बड़े होते गए वह अन्य युवाओं के साथ एक-से-एक आधार पर लड़ाई में शामिल हो गए: 'लेकिन जब हम लड़े तो हम लड़े और वह अंत था और हम हमेशा अपने साथ लड़ते थे मुट्ठियाँ।' इस तरह की निष्पक्ष लड़ाई, जिसे अंतर-युद्ध के वर्षों में आदर्श माना जाता था, नारे लगाने वालों और पीक ब्लाइंडर्स के हथियारों के साथ लड़ाई में एक बड़ा अंतर था।

कामकाजी वर्ग के किशोरों का भी पुलिस के प्रति कम आक्रामक रवैया था। यह 1915 और 1934 के बीच पुलिस पर हमलों की संख्या में नाटकीय गिरावट से प्रकट होता है, जिससे 'गुंडागर्दी में भारी गिरावट' का पता चला। विशेष रूप से, दस लाख की आबादी में 1920 में 240 सज़ाओं से घटकर 1934 में केवल 96 रह गईं। 35

कई युवा कामकाजी वर्ग के पुरुषों का पुलिस के प्रति कम जुझारू रवैया सिड हेथरिंगटन द्वारा समझाया गया था। 1919 में जन्मे, वह होल्बोर्न हिल, नेचेल्स में एक के बाद एक गरीबी में पले-बढ़े और उन्होंने यह स्पष्ट कर दिया कि:

> अत्यंत गरीबों के उन समुदायों में एक विचित्र नैतिकता थी। सरकार या बड़ी कंपनी के रूप में सत्ता को धोखा देना एक सीमा के भीतर स्वीकार्य था, लेकिन अपने साथियों को लूटना या परेशान करना अवमानना के अंतर्गत था। इसलिए खेलने वाले बच्चों के बीच यह एक अलिखित कानून था कि पड़ोसी की संपत्ति को हुए नुकसान की भरपाई की जानी थी। खेल के दौरान टूटे हुए घर की खिड़की को खिलाड़ियों के बीच व्हिप-राउंड द्वारा वित्त पोषित करके तुरंत बदल दिया जाएगा, जबकि स्ट्रीट-लैंप में टूटे हुए कांच के परिणामस्वरूप बस अस्थायी रुकावट होगी

Machine Translated by Google

खेल और चारों ओर एक त्वरित नज़र यह सुनिश्चित करने के लिए कि किसी ने, विशेष रूप से स्थानीय कांस्टेबल ने, ध्यान न दिया हो। पुलिस के साथ हमारे संबंध आम तौर पर मैत्रीपूर्ण विरोधी के रूप में थे, उनका काम हमें सड़कों पर क्रिकेट और फुटबॉल खेलने से रोकना था और हमारा काम पकड़ा न जाना था।

यह लगभग एक खेल जैसा था जिसमें कान के पीछे एक तेज़ क्लिप द्वारा मौके पर ही न्याय मिल जाता था। इससे भी बुरी स्थिति तब हुई जब कांस्टेबल ने अपराधी को उसके माता-पिता के पास वापस ले जाने का फैसला किया, जबकि माता-पिता आम तौर पर ऐसे मामूली अपराधों से परेशान होने के लिए पुलिसकर्मियों को डांटते थे, लेकिन तुरंत ही वह अपराधी बच्चे को छोड़ देता था, क्योंकि पुलिस को दरवाजे पर लाने के लिए उसे पीटा जाता था। 36

पिच-एंड-टॉस उपद्रव

उन्नीसवीं सदी के मध्य से अंत तक मामले बहुत अलग थे जब कई कामकाजी वर्ग के युवाओं द्वारा पुलिस को दुश्मन माना जाता था क्योंकि वे ऐसे कानूनों को लागू कर रहे थे जो लोकप्रिय संस्कृति पर हमला करते थे और जो मध्यम वर्ग की ओर से पारित किए गए थे। तेजी से बढ़ते और भीड़भाड़ वाले, बर्मिंघम जैसे औद्योगिक ब्रिटेन के शहरी केंद्रों को अक्सर मध्यम दर्जे के लोगों के लिए एक डरावनी जगह के रूप में देखा जाता था। स्थानीय स्तर पर, जनसंख्या 1841 में लगभग 178,000 से बढ़कर 1881 में 400,000 से अधिक हो गई। उस अवधि के दौरान, लगभग 35 प्रतिशत पंद्रह वर्ष से कम उम्र के थे, जिनमें से अधिकांश 30 से कम उम्र के थे। इनमें से कई लोग गरीब कामकाजी लोगों की श्रेणी में आ गए थे। - शहर के केंद्र को घेरने वाले वर्ग पड़ोस और जहां से मध्यम वर्ग तेजी से एजबेस्टन जैसे स्वास्थ्यप्रद उपनगरों की ओर उड़ान भरने लगा। पुराने पितृसत्तात्मक समाज के नियमों और व्यवस्था से अछूता, जो औद्योगीकरण, शहरीकरण और वर्ग चेतना के उछाल से बह गया था, इस युवा आबादी का अधिकांश हिस्सा उद्दंड, कर्कश, कम सम्मानजनक और अशिष्ट खेलों और अवैध मनोरंजन का शौकीन था।

बर्मिंघम के पुलिस बल के उद्घाटन से कुछ दिन पहले , नवंबर 1839 में बर्मिंघम जर्नल के एक लेखक ने मध्यम वर्ग के रवैये और चिंताओं को उजागर किया था। संवाददाता ने सेंट थॉमस चर्च से सटे "वेस्ट ग्राउंड" पर समूहों में इकट्ठा होने के लिए अव्यवस्थित लड़कों के एक समूह की निरंतर प्रथा पर कड़ी आपत्ति जताई, (विशेषकर चर्च पर)

सब्बाथ डे), उस आसपास के प्रत्येक निवासी की बहुत बड़ी झुंझलाहट के कारण। 37

परेशानियों में पिच-एंड-टॉस पर जुआ के साथ-साथ बैकजंपिंग, रेसिंग और टिप-कैट जैसे खेल शामिल थे। यह बाद वाला दुनिया भर में खेला जाने वाला एक प्राचीन खेल था। मूल रूप से, खेल के लिए लगभग तीन फीट लंबे बल्ले (टिप) और प्रत्येक छोर पर लगभग चार इंच लंबे और पतले लकड़ी के टुकड़े (बिल्ली) की आवश्यकता होती थी।

Machine Translated by Google

बिल्ली को ज़मीन पर लिटाया गया और उसे ऊपर की ओर भेजने के लिए एक सिरे पर झटका दिया गया।
बीच हवा में, जहाँ तक संभव हो सका, बिल्ली को नोक से पटक दिया गया।

जहां तक पिच-एंड-टॉस का सवाल है, इसे देश भर में एक समस्या माना जाता था। इसमें युवाओं और पुरुषों के समूह शामिल थे जो एक निशान पर पैसे फेंकते थे। जिसका सिक्का सबसे निकटतम था, उसने सभी सिक्कों को हवा में उछालने का अधिकार हासिल कर लिया, जिससे जो सिक्के गिरे उन्हें ऊपर रख दिया। यदि कुछ बचे थे, तो उन्हें उस व्यक्ति द्वारा फेंक दिया गया जो दूसरे निकटतम आया था। यह प्रक्रिया तब तक जारी रही जब तक सारा पैसा ख़त्म नहीं हो गया
जीत गया।

बर्मिंघम में, तेजी से बढ़ती आबादी के कारण, पुराने हिस्सों की अधिकांश भूमि पर निर्माण किया गया था, जबकि इन जिलों में जो बैक-टू-बैक घर थे, उनमें कोई उद्यान नहीं था। इससे नवयुवकों के मिलने के लिए केवल सड़क के किनारे या बंजर भूमि के छोटे भूखंड ही बचे थे। चूँकि वे सप्ताह में छह दिन काम करते थे, वे अधिकतर शनिवार की दोपहर या रविवार को देर से एक साथ आते थे और उनका पसंदीदा शगल पिच और टॉस था।

सेंट थॉमस चर्च द्वारा युवाओं की भीड़ को रोकने के लिए अधिकारियों के हस्तक्षेप के आह्वान के बावजूद कुछ नहीं किया गया। जैसा कि जेफ्री फ्लॉय ने प्रथम विश्व युद्ध से पहले बर्मिंघम की पुलिस पर अपने अध्ययन में संकेत दिया था, बल की शुरुआत 1839 में हुई थी और इसके शुरुआती वर्षों में इसके नेतृत्व ने सड़क के खिलाफ कानून के प्रवर्तन के प्रति संवेदनशील रवैया अपनाया था लेकिन अगले कुछ वर्षों में, पुलिस 'उपद्रवों' के प्रति हस्तक्षेपवादी दृष्टिकोण अपनाने के लिए तेजी से प्रोत्साहित किया जा रहा था, जैसे कि नहर में लड़कों का तैरना और कबूतर उड़ाने
गतिविधियाँ। [38] वालों द्वारा सार्वजनिक रास्ते को रोकना, 'अपने जूते काले करो' वाले लड़कों और सड़क पर व्यापारियों को रोकना। 39 पुलिस व्यवस्था के इस सख्त रूप के साथ-साथ सड़क पर जुए के खिलाफ कानून को भी सख्त किया गया। 1820 और 1849 के बीच स्थानीय समाचार पत्रों में पिच और टॉस के केवल छह उल्लेख थे - और केवल एक दोषसिद्धि से संबंधित था। लेकिन बाद में 1850 के दशक से, पिच और टॉस के लिए गिरफ्तारी के नोटिस में उल्लेखनीय वृद्धि हुई।

राष्ट्रीय स्तर पर, उन गतिविधियों पर मध्यम वर्ग की चिंता बढ़ रही थी जिन्हें तर्कसंगत मनोरंजन नहीं माना जाता था और जो कामकाजी वर्ग के युवाओं की बड़ी और संभावित रूप से अनियंत्रित भीड़ को आकर्षित करते थे, खासकर पूजा के दिन।
बर्मिंघम में, पिच और टॉस सभाओं के खिलाफ कार्रवाई का आह्वान मार्च 1856 में किया गया था, जब सेंट थॉमस चर्च के प्रभावशाली रेवरेंड जीएस बुल ने वार्षिक चर्च पास्टरल सोसाइटी की बैठक में दावा किया था कि 40 उस स्थिति में पुलिस को प्रोत्साहन नहीं दिया गया था। इस प्रथा को बंद करो. जल्द ही बदल गया और, 27 सितंबर 1857 'स्ट्रीट जुआ के खिलाफ धर्मयुद्ध' की घोषणा की। को, बर्मिंघम जर्नल ने

यह स्पष्ट किया गया कि कई मामले मजिस्ट्रेटों के सामने लाए गए थे और वजीफा देने वाले श्री किन्नर्सली ने टिप्पणी की थी कि पिच का खेल और

Machine Translated by Google

'सार्वजनिक सड़कों पर, विशेष रूप से रविवार को, टॉस करना प्रचलित हो गया था, और बड़ी सार्वजनिक झुंझलाहट का कारण था।' इससे उल्लंघन करते हुए पकड़े गए अपराधियों के उदाहरण बनाना आवश्यक हो गया। एक अत्यंत उदासीन चरित्र के व्यक्ति पर 10 शिलिंग का जुर्माना लगाया गया। वह एक अन्य व्यक्ति के साथ पकड़ा गया था जिसे उसके नियोक्ताओं ने अच्छा चरित्र प्रदान किया था।

[41] इस तरह के सकारात्मक संदर्भ के कारण मजिस्ट्रेटों को कुछ समर्थन मिला और इसलिए इस अपराधी पर दो शिलिंग की कम राशि का जुर्माना लगाया गया। फिर भी उन्हें दोषी ठहराया गया, और इस तरह, अन्यथा 'सम्मानित' कामकाजी लोग पुलिस से अलग हो सकते थे।

वास्तव में, ऐसा लगता है कि सड़क जुए के दमन का प्रयास पुलिस के खिलाफ बढ़ते हमलों और सड़क गिरोहों के उद्भव के लिए उत्प्रेरक था, जिसके कारण नारेबाज़ी करने वाले गिरोह और पीकी ब्लाइंडर्स का जन्म हुआ। 1853 में, बर्मिंघम अखबारों में पिच और टॉस के माध्यम से सड़क में बाधा उत्पन्न करने के लिए केवल एक गिरफ्तारी का उल्लेख किया गया था। नवंबर में एक शनिवार को, जासूस अधिकारी पामर ने 30 या 40 'चोरों' की भीड़ देखी, जैसा कि उनका वर्णन किया गया था, शहर के एक बहुत ही गरीब हिस्से थॉमस स्ट्रीट में खेल खेल रहे थे।

एक-दो मिनट तक उन्हें अदृश्य देखने के बाद, वह उनकी ओर गया, लेकिन 'वे सभी ऐसे भाग निकले जैसे कि कोई अकेला जासूस नहीं, बल्कि कोई पुलिस दल उनका पीछा कर रहा हो।' एक चतुराई से पीछा करते हुए, पामर जोसेफ रैनफोर्ड को पकड़ने में कामयाब रहा, 'लगभग छह फीट लंबा और अनुपात में मजबूत व्यक्ति'। जासूस पर बनाया गया था. [42] फिर भी कोई हमला नहीं

इसके विपरीत, चार साल बाद अप्रैल 1857 के अंत में रविवार को, जब पुलिस कांस्टेबल ओ'हारा दो 'पिच एंड टॉस फेलो' को स्टेशन ले जा रहा था, तो उन्हें बचाने का प्रयास किया गया। वेल लेन के एक स्ट्राइकर जेम्स जेनिंग्स ने अधिकारी पर पत्थर फेंका, 'जिसका उसके सिर पर हिंसक प्रभाव पड़ा'; जेनिंग्स ने अपने साथियों से उनके उदाहरण का अनुसरण करने का आग्रह किया। हालाँकि कैदी के नियोक्ता ने उसे निष्पक्षता का परिचय दिया, लेकिन हमले की गंभीर प्रकृति के कारण उस पर 20 शिलिंग और लागत का जुर्माना लगाया गया। यदि उसने भुगतान नहीं किया तो उसे 21 दिन की कैद होगी।

[43]

अगले वर्ष, 28 अप्रैल 1858 को, बर्मिंघम डेली पोस्ट में एक शीर्षक में सड़कों पर जुआ खेलने को सीधे तौर पर पुलिस पर हमले से जोड़ा गया। जब दो पुलिस अधिकारियों ने थॉमस स्ट्रीट में फिर से पिच और टॉस खेल रहे लोगों को गिरफ्तार करने की मांग की थी, तो 'लगभग तीस या चालीस साथियों की ओर से ओलों जितनी मोटी पत्थरों की बौछारें आने लगीं।' एक कांस्टेबल चोट लगने के कारण अपना सिर बाँधकर अदालत में उपस्थित हुआ। तीन लोगों पर जुर्माना लगाया गया, जबकि यह देखा गया कि सड़क पर जुआ खेलने और पुलिस पर पत्थर फेंकने के अपराध लगभग दैनिक घटनाएँ थीं।

[44]

'सड़कों पर पिच और टॉस के विरुद्ध पुलिस धर्मयुद्ध' ने जोर पकड़ लिया, और सितंबर 1860 में यह घोषित किया गया कि, पिछले कुछ समय से, जितने भी

Machine Translated by Google

एक दिन में सोलह लड़कों और युवाओं को 'बुराई' के आरोप में मजिस्ट्रेट के सामने लाया गया था जो 'कई मायनों में बहुत शरारती चरित्र' का था।
[45] फिर भी, पूरे 1860 के दशक में, स्थानीय समाचार पत्रों के लेखक पुलिस की निष्क्रियता की शिकायत करते रहे। ऐसे ही एक थे रेवरेंड एचएच हॉर्टन।
1861 में, वह डार्टमाउथ स्ट्रीट के अंत के सामने बंजर भूमि पर सब्बाथ तोड़ने के सबसे घृणित कृत्यों से इतने दुखी थे कि उन्होंने कार्रवाई की मांग करने के लिए ड्यूक स्ट्रीट पुलिस स्टेशन को बुलाया। इस आश्वासन के बावजूद कि समस्या का समाधान हो जाएगा, ऐसा नहीं हुआ और रेवरेंड ने खुद को पुलिस बल में कोई विश्वास नहीं होने की घोषणा की, लगातार पिच और टॉस के खेल को देखते हुए, और 46 ने व्यक्तिगत अधिकारियों से उनकी कार्रवाई की कमी के बारे में बात की।

यह आश्चर्य की बात नहीं है कि कुछ, यदि बहुत से नहीं, तो पुलिस अधिकारी पिच और टॉस खेलने वाले गिरोहों से मुकाबला करने के लिए अनिच्छुक थे, क्योंकि उन्हें अक्सर हिंसा का सामना करना पड़ता था। फ्लॉय ने इस बात पर जोर दिया कि सड़क पर अव्यवस्था के लिए सबसे अशांत अवधि 1867 और 1880 के बीच थी। इस अवधि के दौरान, पुलिस, संभवतः, इस तरह के प्रकोपों के प्रति अपनी प्रतिक्रिया में धीमी थी, क्योंकि जब वे गिरफ्तारी की मांग करते थे तो उन पर हमले होते थे। पुलिस को मध्यम वर्ग के दृष्टिकोण पर आधारित कानूनों को लागू करने का काम सौंपा गया था, लेकिन उनकी संख्या बहुत [47] इसके अलावा, सड़कों के लिए इस मध्य-विक्टोरियन लड़ाई में
कम थी। 1867 में, बर्मिंघम की अधिकृत पुलिस संख्या 400 थी, जिससे 813 लोगों पर एक अधिकारी मिलता था। उस वर्ष कांस्टेबलों पर 465 हमले हुए। 48

बेशक, ऐसे सभी हमले पिच और टॉस गिरोह से जुड़े नहीं थे। 1867 और 1877 के बीच बर्मिंघम में कानून तोड़ने वालों और कानून लागू करने वालों के अपने महत्वपूर्ण अध्ययन में, बारबरा वेनबर्गर ने दिखाया है कि 1870 के दशक में 'पुलिस के प्रति अधिकांश शत्रुता लाइसेंसिंग कानूनों को लागू करने के उनके प्रयासों, पब के आसपास उनकी उपस्थिति से पैदा हुई थी और श्रमिक वर्ग की शराब पीने की आदतों और पीने के स्थानों में उनके हस्तक्षेप से।' 49 फिर भी, पिच और टॉस खेलने वाले युवकों की भीड़ का जमा होना डराने वाला और संभावित रूप से खतरनाक था क्योंकि अगर जुआ रोकने की कोशिश की गई तो वे पुलिस पर हमला करने के लिए तैयार थे।

सड़क पर गुंडागर्दी

'उबड़-खाबड़ लोगों' पर बढ़ा हुआ ध्यान उनकी गतिविधियों के लिए एक नए विवरण के उपयोग से जुड़ा था: सड़क पर गुंडागर्दी। पहले, यह लंदन में गिरोहों से जुड़ा था और जाहिर तौर पर इसका पहली बार स्थानीय स्तर पर जून 1864 में उपयोग किया गया था, जब तीन युवकों पर बाधा उत्पन्न करने और अश्लील शब्दों का उपयोग करने का आरोप लगाया गया था।
लेडीवुड में कॉटेज लेन और नेल्सन स्ट्रीट वेस्ट के कोने पर भाषा। [50]

Machine Translated by Google

वे मैथ्यू बॉयल थे, उम्र अठारह वर्ष और एक गैस फिटर; अल्फ्रेड एलिस, छब्बीस वर्ष और एक मोची, और जॉन शेरिडन, बाईस वर्ष और एक ढलाईकार। नगर पुलिस के मुख्य अधिकारी ने कहा कि 'एक दिन भी नहीं बीता लेकिन उन्हें ऐसे बदमाशों के घृणित आचरण की शिकायत करने वाले चार या पांच पत्र मिले', जबकि वजीफा देने वाले मजिस्ट्रेट किन्नर्सली ने कहा कि कैदी 'साथियों के एक समूह' के थे असहनीय उपद्रव'. शेरिडन और एलिस दोनों को कड़ी मेहनत के साथ चौदह दिनों के लिए जेल भेज दिया गया, लेकिन बॉयल को छुट्टी दे दी गई क्योंकि उसे एक अच्छा चरित्र दिया गया था। 51

इन वाक्यों ने एक निवारक के रूप में कार्य नहीं किया, और जुलाई 1866 में कहा गया कि 'असभ्य लोगों का एक गिरोह' अभी भी कॉटेज लेन और नेल्सन स्ट्रीट पर आक्रमण कर रहा है, जिससे शांतिपूर्ण निवासियों को खतरा और परेशानी हो रही है। 52 अन्यत्र भी ऐसे ही प्रादेशिक गिरोह थे। मार्च 1868 में, पुलिस का ध्यान उस ओर गया जो गन क्वार्टर में लवडे स्ट्रीट और प्रिंसिप स्ट्रीट के कोने पर प्रतिदिन इकट्ठा होता था, जहाँ वे जुआ खेलकर और बुरी भाषा का उपयोग करके पड़ोस को परेशान करते थे।

हिंसक प्रतिक्रिया की संभावना वाली ऐसी भीड़ के खिलाफ कानून बनाने के प्रयास में, पुलिस ने अब एक अलग रणनीति अपनाई है। उन्होंने कुछ निश्चित पिच और टॉस स्थलों पर पुरुषों की बड़ी टुकड़ियों को भेजा, जिनमें सादे कपड़े वाले लोग भी शामिल थे। 1868 में एक सप्ताह में, 'लगभग पचास सड़क और उपमार्ग के कीट जो शहर के सभी हिस्सों में अपनी पिचकारी और उछल-कूद से जनता को परेशान करते थे और खुद को खुश करते थे' अदालत के सामने लाए गए। उनके तुरंत बाद अन्य पंद्रह लोग आ गए, जिनमें से प्रत्येक पर 2s 6d का जुर्माना लगाया गया। बारह से बाईस साल की उम्र के बीच, वे बोर्डेस्ले, हॉकले, हाईगेट, गन क्वार्टर, लेडीवुड, एशटेड, टाउन सेंटर और सेंट बार्थोलोम्यू (डिगबेथ) सहित बर्मिंघम के कामकाजी वर्ग की सड़कों से आए थे।

[53]

पिच और टॉस के स्थान जहां व्यापक क्षेत्र से जुआरी आकर्षित होते थे, वे शहर के केंद्र में थे। ऐसा ही एक एडमंड स्ट्रीट था, लेकिन जैसे ही यह क्षेत्र नागरिक और व्यावसायिक जिले में तब्दील हो गया, ये स्थल लुप्त हो गए। हालाँकि, श्रमिक वर्ग के पड़ोस के स्थान अप्रभावित रहे और उन्होंने स्थानीय भीड़ को अपनी ओर खींच लिया।

यह संभव है कि ऐसी सभाओं से ही बर्मिंघम के सड़क गिरोहों का उदय हुआ।
[54] ऐसा ही एक 1870 में सक्रिय था। अप्रैल में, बारफोर्ड स्ट्रीट और बिसेल स्ट्रीट के बीस से तीस युवाओं को एक पुलिसकर्मी ने रोका क्योंकि वे चिल्ला रहे थे और गाली दे रहे थे। लाठियों और पत्थरों से लैस होकर, उन्होंने उसे बताया कि वे सन स्ट्रीट के एक गिरोह से लड़ने जा रहे थे, जिसके साथ उनकी पिछली रात झड़प हुई थी। पक्षों को अलग रखने के लिए और अधिक पुलिस अधिकारी आए।

[55]

यह बारफोर्ड स्ट्रीट गैंग पिच और टॉस साइट से जुड़ा था। 1871 में, एक संवाददाता ने 'बारफोर्ड स्ट्रीट में प्रदर्शित अपमानजनक दृश्यों' की शिकायत की।

Machine Translated by Google

विशेषकर रविवार को।' बीट पर किसी पुलिसकर्मी से बहुत ही कम मुलाकात होती थी, और 'सब्बाथ पर न केवल असभ्य साथियों के गिरोह 'पिच-एंड-टॉस' खेलते हुए पाए जाते हैं, बल्कि खिड़कियां भी तोड़ दी जाती हैं और अराजक लोगों द्वारा फेंकी गई मिसाइलों द्वारा हिंसा की अन्य घटनाएं भी की जाती हैं। गुंडे, जो अच्छी तरह जानते हैं कि नीले रंग के सज्जनों से मिलने का कोई डर नहीं है।' 56 गिरोह की समस्या बढ़ती जा रही थी और यह श्रमिक वर्ग बर्मिंघम में व्यापक थी। 1870 में, इस्लिंगटन (फाइव वेज़ द्वारा) में एकत्र हुए उग्रवादियों को एक

स्थानीय समाचार पत्र में 'मोहॉक्स' करार दिया गया था, जबकि पूर्व में कुछ मील की दूरी पर, समर लेन जिले में हेनरीएटा स्ट्रीट के आसपास के एक गिरोह को आतंकवादी घोषित कर दिया गया था। निवासियों को. 57 उस वर्ष सितंबर में, पुलिस की निगरानी करने वाले पार्षदों के समूह, बर्मिंघम वॉच कमेटी की बैठक में एक पत्र पढ़ा गया था। लेखक ने उन सड़क बदमाशों की शिकायत की, जिन्होंने सैंडपिट्स के आसपास की सड़कों के कोनों पर मुख्य मार्गों को अवरुद्ध कर दिया था। उन्होंने इतनी गंदी भाषा का प्रयोग किया कि लोगों के लिए अपने घरों में आराम पाना भी असहनीय हो गया। स्मॉलब्रुक स्ट्रीट के एक्सेटर रो के एक सर्जन भी अपने घर के पास बिना बाड़ वाली जमीन पर लड़कों द्वारा किए गए खतरनाक पथराव से व्यथित थे, और एल्डरमैन मेंटन ने देखा कि पिछले दिन सोलह लड़कों को पत्थरबाजी के लिए मजिस्ट्रेट के सामने लाया गया था। निवासियों को परेशान करने के लिए फेंकना। 58 कुछ महीने बाद, रविवार, 30 अप्रैल 1871 को, एक गिरोह ने गन क्वार्टर में दंगा किया। फिर, परेशानी पिच-एंड-टॉस से जुड़ी थी। उस शाम, पुलिस अधिकारी फाल्वे और पामर वीमन स्ट्रीट में ड्यूटी पर थे, जहां उन्होंने कई लोगों को जुआ खेलते हुए देखा। अपराधी स्लेनी स्ट्रीट की ओर जाने वाले प्रवेश द्वार में भाग गए, और 'अंत में अपने हाथों में ईंटें लेकर खड़े हो गए, और कांस्टेबलों को धमकी दी कि अगर उन्होंने उन्हें छूने का प्रयास किया तो वे उन पर फेंक देंगे।' जैसे ही अधिकारी गिरोह की ओर दौड़े, उनमें से एक युवक ने पीसी पामर पर आधी ईंट फेंक दी। सौभाग्य से, वह चूक गया। पीसी फ़ालवे एडवर्ड लुंडी को पकड़ने में कामयाब रहे, 'जो बहुत हिंसक था और

उसकी हिरासत से बाहर निकलने का प्रयास कर रहा था।' इसके बाद वाल्टर जॉयस ने एक मिसाइल फेंकी, जो अधिकारी के माथे पर लगी और वह बेहोश होकर गिर पड़ा। यह एक गंभीर घाव था, और जब कांस्टेबल 'बेहोशी की हालत में पड़ा हुआ था, लुंडी ने उस पर कई पत्थर फेंके।' सत्रह साल की उम्र में, जॉयस को हिंसक हमले के लिए तीन महीने की कड़ी सजा सुनाई गई, जबकि लुंडी को रिमांड पर लिया गया। 59 अगले वर्ष की गड़बड़ी के कारण 'स्लॉगिंग गैंग' शब्द प्रयोग में आया।

संभवतः उनके उत्थान के जवाब में, 1873 में, बर्मिंघम में पुलिस अधिकारियों की संख्या पचास बढ़ाकर कुल 450 कर दी गई। फिर भी, यह प्रति 778 निवासियों पर केवल एक थी, और उस वर्ष कांस्टेबलों पर 473 हमले हुए। 60 मार्च को 'विभिन्न हिस्सों में हुए दंगाई आक्रोशों की एक सूची' थी 30 को

Machine Translated by Google

बर्मिंघम'. री स्ट्रीट साउथ में, भीड़ ने एक कैदी को पुलिस से छुड़ाने का प्रयास किया और उन पर पत्थरों से हमला किया। ग्रेट हैम्पटन स्ट्रीट में पूरे शहर में, अधिकारियों के साथ-साथ एक ऑम्निबस में सवार यात्रियों पर कीचड़ और पत्थरों से हमला किया गया। इसके बाद हमलावर युवक घरों की छतों पर चढ़ गए और वहां से उन्होंने पीछा कर रहे सिपाहियों पर स्लेट फेंकी। पास ही न्यूटाउन रो में, पुलिसकर्मी पत्थरों से घायल हो गए जब भीड़ ने एक कैदी को बचाने की कोशिश की और ग्रेट क्वीन स्ट्रीट में शहर के केंद्र में अन्य लोगों पर पथराव किया गया। एस्टन में भी परेशानी की सूचना मिली थी, जहां साठ बदमाशों का एक गिरोह 'सड़कों पर खिड़कियां तोड़ने और यात्रियों को पीटने की आदत में था' और 25 मार्च को उनके पास 61 वारविकशायर के थे, जिन्होंने पंद्रह पुलिसकर्मियों पर पत्थरों से हमला किया। एस्टन के समय पुलिस बल बर्मिंघम के बाहर था। इन एस्टन नारेबाज़ों के लिए इकट्ठा होने और दूसरों से लड़ने के लिए एवेन्यू रोड में नहर पुल एक पसंदीदा जगह थी। 62 1 अप्रैल को, बर्मिंघम डेली पोस्ट ने खेद व्यक्त किया कि बर्मिंघम में अपनी ड्यूटी के दौरान विशेष रूप से रविवार को होता था, जब पिच और टॉस का पुलिस पर गंभीर हमले असामान्य रूप से बढ़ रहे थे। ऐसा जमावड़ा अपने चरम पर होता था और जब 'क्रूर कायर अपनी 63 गुंडागर्दी को पूरी तरह से उजागर कर सकते थे'।

दस दिन बाद, अखबार ने अपराधों की एक श्रृंखला को सूचीबद्ध करते हुए 'बर्मिंघम में ग्यारह सप्ताह की गुंडागर्दी' पर शोक व्यक्त किया। 'पिछले कुछ समय से बर्मिंघम में व्याप्त अभूतपूर्व गुंडागर्दी का दुखद रिकॉर्ड' के रूप में अभिशप्त, इसमें लिवरी स्ट्रीट में एक अपमानजनक दृश्य शामिल था, जो फिर से रविवार को हुआ था। पुलिस ने एक टूटे-फूटे घर में इकट्ठे हुए कुछ लड़कों को तितर-बितर करने की कोशिश की थी, लेकिन उन पर ईंट-पत्थर (ईंट का हिस्सा) से हमला किया गया। चौदह अपराधियों को हिरासत में ले लिया गया, लेकिन 'एक बड़ी भीड़ उनके पीछे-पीछे स्टेशन तक आई, हंगामा करती रही और कीचड़ और पत्थर फेंकती रही।' जब पुलिस वैन कैदियों को मूर स्ट्रीट सार्वजनिक कार्यालय में ले जाने और बंद करने के लिए आई, तो दोनों लिंगों की लगभग सौ लोगों की भीड़ ने ग्रेट हैम्पटन स्ट्रीट, कॉन्स्टिट्यूशन हिल और स्नो हिल के साथ उसका पीछा किया और उस पर कीचड़, पत्थर फेंके। अन्य मिसाइलें'. 64 अब यह स्पष्ट हो गया था कि नारे लगाने वाले गिरोह तेजी से कुछ सड़कों से जुड़े हुए थे, जो अपने सख्त युवाओं के लिए प्रसिद्ध थे और पुलिस और निर्दोष दर्शकों पर हमला करने के साथ-साथ, ये शिथिल संगठित गिरोह एक-दूसरे से लड़ रहे थे। मार्च 1873 में, बर्मिंघम डेली पोस्ट ने नोट किया कि ब्रैडफोर्ड स्ट्रीट स्लॉगिंग बैंड के कई युवाओं ने पार्क स्ट्रीट गैंग

के एक सदस्य को बंधक बना लिया था। डंडे से मारने के बाद उसे नीचे गिरा दिया और फिर लातें मारीं. 65 उस वर्ष बाद में, लिटिल फ्रांसिस स्ट्रीट, डडेस्टन में एक नारा लगाने वाले गिरोह का दो पुलिस अधिकारियों से सामना हुआ, जिन्होंने कहा कि युवक गुटापर्चा 'नेडीज़' (रबर जैसे पदार्थ से बने कोष) से लैस थे।

Machine Translated by Google

और सिरों पर लोहे से चिपक जाता है। ग्रेट टिंडल स्ट्रीट, लेडीवुड में बदमाशों के एक अन्य गिरोह को 'पड़ोस के लिए आतंक' के रूप में वर्णित किया गया था। 66

सड़क के प्रति निष्ठा, रविवार के जुए को दबाने के लिए पुलिस के प्रयास और कोनों पर युवाओं का जमावड़ा नारेबाज़ी के बढ़ने में प्रमुख कारक थे और वे पुलिसिंग और अपराध के अग्रणी इतिहासकार वेनबर्गर द्वारा पहचाने गए एक व्यापक प्रवृत्ति का हिस्सा थे। उनके शोध में इस बात पर जोर दिया गया कि मजदूर वर्ग के बीच पुलिस के प्रति बढ़ती शत्रुता सबसे गरीब और सबसे अप्रतिनिधित्व वाले लोगों द्वारा सीधे तौर पर व्यक्त की गई थी। यह शत्रुता केंद्रीय और स्थानीय सरकार के निर्देशों में नए रुझानों के प्रतिरोध में निहित थी। पुलिसिंग की एक निष्क्रिय शैली, जिसके तहत सार्वजनिक व्यवस्था को केवल कदम से कदम मिला कर बनाए रखा जाता था, अब अधिक बलपूर्वक और दंडात्मक दृष्टिकोण का मार्ग प्रशस्त कर रही थी।

शहरी अनुशासन लागू करने के अभियान में, पुलिस तेजी से उन लोगों के साथ हस्तक्षेप कर रही थी जिनसे उन्हें पहले कोई परेशानी नहीं थी। परिणामस्वरूप, पुलिस के प्रति समग्र श्रमिक वर्ग की सहनशीलता कम हो गई, जबकि नशे और सड़क पर जुआ जैसे व्यवहार संबंधी अपराधों के खिलाफ नई पुलिस पहल ने प्रतिरोध को उकसाया। बदले में, इसके कारण 1870 के दशक में पूरे इंग्लैंड के कस्बों में कांस्टेबलों पर हमले बढ़ गए। विशेष रूप से, वेनबर्गर ने तर्क दिया कि सड़क गिरोहों ने पुलिस के दावों को खारिज कर दिया कि उन्हें गिरोह शासन के तहत क्षेत्रों में व्यवस्था बनाए रखने का अधिकार था। 67 फिर भी, हालांकि पुलिसिंग में बदलाव ने बर्मिंघम के सड़क गिरोहों के उदय को प्रेरित किया, उनमें शामिल कई युवा और पुरुष अप्रिय चरित्र के थे, जिन्होंने उन मेहनती और सम्मानित लोगों के जीवन को कलंकित कर दिया, जिनके बीच वे रहते थे। 24

जून 1873 को बर्मिंघम डेली पोस्ट के अनुसार , मजिस्ट्रेटों द्वारा कड़ी सजा सुनाए जाने के बावजूद, 'बर्मिंघम में गुंडागर्दी अभी भी काफी हद तक कायम है।' शहर के कुछ हिस्सों में, रविवार को 'उन लोगों का एकाधिकार था जो जुआ खेलकर अपना मनोरंजन करते थे, घरों पर ईंटें फेंकते थे, शांति से रहने वाले पैदल यात्रियों पर हमला करते थे और कैदियों को पुलिस की हिरासत से छुड़ाते थे।'

शनिवार शाम को इन इलाकों को भी भीड़ कानून के हवाले कर दिया गया। गोस्टा ग्रीन पड़ोस में 40 पॉटर स्ट्रीट के एडविन कुक उन शांतिप्रिय नागरिकों में से थे जिन पर नारेबाज़ों ने बेरहमी से हमला किया था। बंदूक बैरल बनाने वाला और फाइल करने वाला, रविवार, 8 जून की दोपहर को, वह अपने परिवार के साथ चाय पी रहा था, तभी उसने अपने घर के बाहर गाली-गलौज और किसी के सिक्के फेंकने की आवाज सुनी। वह बाहर गया और कई रफ लोगों को पिच और टॉस खेलते देखा। कुक ने उन्हें चले जाने के लिए कहा लेकिन उन्होंने बुरी भाषा का प्रयोग करते हुए उनका मजाक उड़ाया। जोसेफ फ्रेंच सरगना था और उसने धमकी दी थी कि 'अगर तुम यहां आओगे तो मैं तुम्हें फंसा दूंगा।' फिर उसने एक भारी चाबुक-स्टॉक निकाला जिसमें लोहे की छड़ लगी हुई थी और इस खतरनाक हथियार से, फ्रांसीसी ने बहादुरी दिखाते हुए कुक के माथे पर बेरहमी से वार किया।

Machine Translated by Google

गिरोह से संपर्क किया.

हालाँकि उन्हें एक बड़ा घाव था और उनके कपड़े खून से लथपथ थे, कुक ने फ्रांसीसी को पकड़ लिया, जिसने व्हिप-स्टॉक को दूसरे व्यक्ति को सौंप दिया, और उसे 'लेट ऑन द -' (अखबार की रिपोर्ट में डैश एक अपवित्रता का प्रतीक है) का आदेश दिया।
उसने ऐसा ही किया और फिर भाग गया। हालाँकि, एक कांस्टेबल के आने तक साहसी कुक फ्रांसीसी को पकड़ने में कामयाब रहा, लेकिन जैसे ही उसने अपने कैदी को स्टेशन पर ले जाने की कोशिश की, भीड़ ने उसे बचा लिया। अगले रविवार को, कुक ने अपने हमलावर को यॉर्क स्ट्रीट में देखा। उसने पुलिस को बताया और कड़ी मशक्कत के बाद फ्रांसीसी को पकड़ लिया गया। जब सार्जेंट मिलार्ड उन्हें पुलिस स्टेशन की ओर ले जा रहे थे तो 'एक भीड़ अप्रत्याशित रूप से आई और उन पर पथराव किया।' गड़बड़ी का फायदा उठाते हुए, फ्रांसीसी ने अपनी जैकेट उतार दी और भाग निकला। आख़िरकार उसे मजिस्ट्रेट के सामने लाया गया, उसे एक बहुत ही गंभीर हमले के लिए दो महीने की कठोर कारावास की सज़ा सुनाई गई। 68

आयरिश और अंग्रेजी गिरोह

कुक पर हमले के कारण पुलिस की सक्रियता बढ़ गई और, जुलाई 1873 की शुरुआत में, बर्मिंघम डेली पोस्ट ने आशावादी रूप से आशा व्यक्त की कि अब अधिकारियों को 'सड़क 69 की नव-विकसित बुराई की गंभीरता के बारे में पता चल गया है, बर्मिंघम में ऐसी गुंडागर्दी' यह जल्द ही इतिहास का विषय बन जाएगा। आशा ग़लत थी. फरवरी शुरुआत में, पंद्रह वर्षीय जॉन 'जैकी' जॉयस ने पार्क स्ट्रीट और मिल्क स्ट्रीट गिरोहों के बीच गड़बड़ी के 1874 की कारण पंद्रह वर्षीय जॉन थॉमस किर्कम की गर्दन पर चाकू से हमला कर दिया। पीड़ित की अस्पताल में मृत्यु हो गई और, वारविक एसिज़ेस में, जॉयस को जानबूझकर हत्या का दोषी पाया गया और एक महीने की कैद और सुधारगृह में पांच साल की सजा सुनाई गई।

[70]

अब तक यह आशंका थी कि मिल्क स्ट्रीट का इलाका दोनों लिंगों के "असभ्य लोगों" से इतना अधिक प्रभावित है कि एक पुलिसकर्मी के लिए "अकेले काम करना" खतरनाक है, भीड़ वास्तव में उसका शिकार कर रही है और उसे "सड़कों से हटाकर" पत्थर मार रही है।' [71] पास में, बार्न स्ट्रीट नारे लगाने वाले भी कुख्याति प्राप्त कर रहे थे और एलीसन स्ट्रीट नारा लगाने वाला गिरोह भी।
[72] वह बाद वाली सड़क पार्क स्ट्रीट के समानांतर चलती थी और संभावना है कि दोनों सड़कों के गिरोह एक ही थे। इस एलीसन स्ट्रीट स्लॉगिंग गिरोह का 'कप्तान' जॉन 'जैकी' जॉयस का भाई थॉमस जॉयस था।

[73]

बर्मिंघम में आयरिश माता-पिता के घर जन्मे जॉयस भाई 1870 के दशक में पार्क स्ट्रीट पड़ोस में चले गए थे।
[74] निश्चित रूप से, 1881 की जनगणना के अनुसार, थॉमस जॉयस पार्क स्ट्रीट की निरंतरता, पार्क लेन में रह रहे थे। वृद्ध

Machine Translated by Google

छब्बीस साल का, वह एक टिनस्मिथ था। 75 अपने छोटे भाई की तरह, थॉमस जॉयस हिंसक था। शुक्रवार, 23 सितंबर 1874 को, वह और बोर्डेस्ले स्ट्रीट के एक ट्यूब ड्रॉअर एंड्रयू टॉय, रिवर स्ट्रीट के अठारह वर्षीय विलियम स्मॉलवुड के साथ खूनी लड़ाई में शामिल थे। वे सिर पर अस्पताल की पट्टियाँ बाँधकर अदालत में उपस्थित हुए। जॉयस ने बताया कि काम से घर लौटने पर, वह डेरीटेंड ब्रिज के पास था जब स्मॉलवुड और लगभग बीस लोगों का एक गिरोह उसके पास आया। वे जानना चाहते थे कि वह और उसका दोस्त क्या देख रहे थे। इसके बाद जॉयस ने स्मॉलवुड पर आरोप लगाया कि उन्होंने उसे और टॉय को एक पट्टे से, जिसके साथ एक बकल जुड़ा हुआ था, सिर पर मारा, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं। टॉय ने इस साक्ष्य की पुष्टि करते हुए कहा कि उस पर चाकू से भी वार किया गया था जो उसने स्मॉलवुड से लिया था।

पुलिस कांस्टेबल बटलर को टॉय पर कोई चाकू नहीं मिला, जबकि स्मॉलवुड ने अदालत को बताया कि उसने अपनी बेल्ट का इस्तेमाल केवल तभी किया था जब 'एलिसन स्ट्रीट लॉट ने उसे चाकू मारने की कोशिश की थी।' इस संस्करण को एक स्वतंत्र गवाह, एक स्थानीय कारखाने के मालिक के बेटे, द्वारा समर्थित किया गया था। उसने जॉयस और टॉय को पुल के पास एक युवक के साथ कुश्ती करते देखा था और उनमें से एक को स्मॉलवुड के प्रति बहुत गंदी भाषा का उपयोग करते हुए सुना था, जिसने तब तक अपने बक्कल का उपयोग नहीं किया था जब तक उसके हमलावरों ने अपने चाकू नहीं निकाल लिए थे। मजिस्ट्रेटों ने फैसला किया कि आत्मरक्षा में, स्मॉलवुड ने जॉयस और टॉय को 'अच्छी पिटाई - अपनी दवा का स्वाद' दिया था। उन्हें छुट्टी दे दी गई.

[76]

ऐसा लगता है कि यह लड़ाई और पार्क स्ट्रीट और मिल्क स्ट्रीट गिरोहों के बीच पहले की लड़ाई, जब युवा किर्कम मारा गया था, जातीय शत्रुता से बढ़ गई थी। पार्क स्ट्रीट और निकटवर्ती एलिसन स्ट्रीट को आयरिश क्षेत्र माना जाता था। डिगबेथ से केवल पाँच सड़क नीचे, मिल्क स्ट्रीट को अंग्रेजी के रूप में देखा जाता था। वेनबर्गर के अनुसार '1870 के दशक के सड़क गिरोह डकैती के बजाय क्षेत्र और जातीयता के आधार पर एक साथ आए, प्रत्येक गिरोह बाहरी लोगों के खिलाफ अपने क्षेत्रीय दावों का बचाव करता था - चाहे वे पुलिस हों या प्रतिद्वंद्वी गिरोह'।

[77] फिलिप गुडर्सन ने यह भी प्रस्तावित किया कि 'जातीयता 1870 के दशक की शुरुआत के आधारों में से एक प्रतीत होती है, कम से कम डिगबेथ क्षेत्र में, हालांकि आयरिश के आत्मसात होने के कारण यह कम हो गई।' 78 यह स्वीकार करते हुए कि कुछ शुरुआती नारेबाज़ गिरोह जातीयता से जुड़े थे, यह महत्वपूर्ण है कि उनके उद्भव को आयरिश चीज़ के रूप में न माना जाए। यह नहीं था।

1871 तक, बर्मिंघम की आयरिश मूल की जनसंख्या एक दशक पहले अपने चरम से घटकर 9,076 हो गई थी। यह कुल 343,787 का केवल 2.64 प्रतिशत था, हालाँकि अगर प्रवासियों के अंग्रेजी में जन्मे बच्चों को शामिल किया जाए तो यह अनुपात बढ़ गया। आयरिश लोग शहर के सभी हिस्सों में पाए जाते थे लेकिन उनकी सघनता में स्पष्ट अंतर थे। रोसकॉमन और मेयो के गरीब मजदूर परिवार बर्मिंघम के पुराने, सबसे अस्वच्छ हिस्सों में फैली कई सड़कों पर बस गए। इसका मतलब यह था कि वहां कोई आयरिश यहूदी बस्ती नहीं थी

Machine Translated by Google

वैसे भी, हालांकि पार्क स्ट्रीट को व्यापक रूप से आयरिश क्वार्टर माना जाता था। यह वहां के आयरिश लोग थे जिन्हें 1867 के मर्फी दंगों में बहुत नुकसान उठाना पड़ा था, जब जातीय संघर्ष ने बर्मिंघम के कुछ हिस्सों को हिलाकर रख दिया था, और यह पार्क स्ट्रीट था जो शुरुआती नरसंहार गिरोहों में से सबसे कुख्यात था। इसलिए, इसका स्ट्रीट गैंग संभवतः आयरिश लोगों को पुलिस और अंग्रेज़ों दोनों से बचाने के लिए एक साथ आया था।

मर्फी दंगे 16 जून 1867 को शुरू हुए थे, जब पार्क स्ट्रीट के आयरिश विलियम मर्फी द्वारा आयोजित एक बैठक में फुसफुसाने, कराहने और पथराव करने के लिए एकत्र हुए थे, जो एक उपद्रवी प्रोटेस्टेंट उपदेशक था जो पोप, ननों और पर अपने गंदे और वीभत्स हमलों के लिए कुख्यात था। कैथोलिक चर्च। पुलिस के साथ विवाद शुरू हो गया और अगले दिन एक विशाल अंग्रेजी भीड़ ने पार्क स्ट्रीट पर हमला कर दिया। आयरिश ने असभ्य लोगों के इस समूह के खिलाफ खुद का बचाव किया, जिसे आयरिश के प्रति अधिक सहानुभूति रखने वाले पर्यवेक्षक ने 'मुख्य रूप से मुक्केबाजों, पिक-पॉकेटर्स, गैरोटर्स से बना बताया, और सामाजिक जीवन में उस ग्रेड को "खतरनाक वर्ग" कहा जाता है।

पुलिस की मदद से, इस गलत नाम वाली 'पार्टी ऑफ ऑर्डर' ने उन आयरिश लोगों को बाहर कर दिया जिन्होंने सड़क की रक्षा करने की कोशिश की और उनके घरों को जला दिया।

पार्क स्ट्रीट के लगभग हर घर को भीड़ ने तोड़ दिया और तबाह कर दिया। बिना किसी सुरक्षा के, आयरिश महिलाएं और बच्चे कोनों में दुबके हुए थे और अपने छोटे घरों के नष्ट होने पर शोक मना रहे थे। उन्होंने ऐसा 'एक मौन तरीके से किया जो केवल विलाप के आधे-अधूरे उन्मत्त विलाप या बच्चों के रोने की आवाज़ से बाधित हुआ।' 79 आख़िरकार, मेयर ने अष्टेड में बैरक से सेना को बुलाया और मजिस्ट्रेटों ने दंगा अधिनियम पढ़ा। इस कानून ने स्थानीय अधिकारियों को एक उद्घोषणा करने के लिए अधिकृत किया, जिसमें बारह या अधिक लोगों के किसी भी समूह को तितर-बितर करने का आदेश दिया गया, जो गैरकानूनी, दंगाई और उपद्रवी तरीके से इकट्ठे हुए थे। यदि वे उद्घोषणा के एक घंटे के भीतर ऐसा करने में विफल रहते हैं, तो अधिकारी उन्हें तितर-बितर करने के लिए बल प्रयोग कर सकते हैं।

मर्फी दंगों के दौरान, बर्मिंघम पुलिस की संख्या काफी कम हो गई थी, लेकिन उन पर अंग्रेजी भीड़ का साथ देने और गिरफ्तारी के लिए आयरिश लोगों को निशाना बनाने का आरोप लगाया गया था। इस दंगे के अपने विस्तृत अध्ययन में पैट्सी डेविस ने खुलासा किया कि जिन 450 विशेष कांस्टेबलों ने पुलिस का समर्थन करने की शपथ ली थी, वे अंग्रेजी भीड़ के अधीन हो गए। इसके अलावा, बर्मिंघम के पुलिस प्रमुख, जॉर्ज ग्लॉसॉप ने बताया कि कैसे सोमवार का दंगा समाप्त हो गया जब अंग्रेजी भीड़ का 'सम्मानित' हिस्सा पुलिस के सामने आ गया और आयरिश लोगों पर इतनी ताकत से पथराव किया कि पुलिस सड़क पर पूरी तरह से मालिक बन गई। '.

[80] अपनी संपत्ति को नष्ट होते देखने के बाद, आयरिश लोगों को दंगों के लिए दोषी ठहराया गया और उनके लिए दंडित किया गया।

पूरे 1867 में अशांति जारी रही, और अक्टूबर में, एक अंग्रेजी भीड़ ने सेंट एल्बन, एक एंग्लो-कैथोलिक चर्च पर मार्च किया और आयरिश क्षेत्रों पर हमला करने की कोशिश की।

Machine Translated by Google

और सेंट चाड, सेंट पीटर और सेंट माइकल के कैथोलिक चर्च। आयरिश द्वारा उनका बचाव किया गया। अगले कुछ वर्षों में तनाव बहुत अधिक रहा, और 28 अप्रैल 1872 को, नारेबाज़ी करने वाले गिरोहों के पहले उल्लेख के तीन सप्ताह बाद, कई पुलिस कांस्टेबलों को 'लगभग 400 बदमाश मिले, जो दो "गिरोहों" आयरिश और अंग्रेजी में विभाजित थे। जॉन मॉरिस को गड़बड़ी पैदा करने और पथराव करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था, जिसके लिए उन्होंने दूसरों को भी उकसाया था। चौंतीस साल की उम्र में, वह गॉलवे का एक राजमिस्त्री था और बारफोर्ड स्ट्रीट में अपने माता-पिता के साथ रहता था। दिलचस्प बात यह है कि यह अत्यधिक अंग्रेजी सड़क थी।

81

गुडरसन को 1874 में जातीय विरोध के और अधिक सबूत मिले, जब मुख्य अधीक्षक ग्लॉसॉप ने वॉच कमेटी को एक काले और हरे रंग का कागज का झंडा दिखाया, जिस पर एक खोपड़ी और क्रॉसबोन और एक शेमरॉक था। प्रतिद्वंद्वी बैंडों के बीच लड़ाई के बाद इसे एलीसन स्ट्रीट में रेलवे पुल पर फंसा हुआ पाया गया था। 82 फिर भी, डिगबेथ में और उसके आसपास एक-दूसरे के करीब रहने वाले अंग्रेजी और आयरिश गिरोहों के बीच स्थानीय दुश्मनी दूर हो गई क्योंकि आयरिश मूल की आबादी में गिरावट आई और अंतर्विवाह में वृद्धि हुई। इसके अलावा, जबकि मर्फी दंगों के दौरान पार्क स्ट्रीट की बोरी में बल की मिलीभगत से पार्क स्ट्रीट और एलिसन स्ट्रीट के युवा दूसरी पीढ़ी के आयरिश लोगों की पुलिस के प्रति शत्रुता बढ़ गई थी, उस विरोध को कई क्षेत्रों में सड़क गिरोहों द्वारा साझा किया गया था। जिस पर अंग्रेजी गरीबों का प्रभुत्व था। यह एक ऐसी नफरत थी जो उन लोगों के प्रति फैली हुई थी जो नारे लगाने वालों के खिलाफ गवाही देते थे और जिन्हें 'तांबा'-पुलिस मुखबिर के रूप में देखा जाता था। 83 यह 1874 की गर्मियों में एक दंगे में स्पष्ट हो गया था, जिसमें डिगबेथ क्षेत्र में 500 से 600 लोगों के शामिल होने की बात कही गई थी। कुछ दिन पहले ही एक स्थानीय व्यक्ति पुलिस पर हमले के गवाह के तौर पर सामने आया था. अपराधी को पकड़ लिया गया और छह सप्ताह के कारावास की सजा सुनाई गई। फिर, 13 जुलाई की रात को गवाह को स्थानीय स्तर पर देखा गया और उसका पीछा किया गया।

शरण की तलाश में, वह बॉर्डस्ले स्ट्रीट के एक घर में भाग गया जिस पर पथराव किया गया था। पंद्रह कांस्टेबलों और एक हवलदार की एक सेना ने एलीसन स्ट्रीट पर दंगाइयों का पता लगाया, लेकिन जब वे कोवेंट्री स्ट्रीट पहुंचे तो 'भीड़ द्वारा फेंके गए और ओलावृष्टि जैसे दिखने वाले पत्थरों ने उन्हें खड़ा कर दिया।'

पुलिस ने बीस से चौंसठ वर्ष की उम्र के चार सरगनाओं पर आरोप लगाया और उन्हें गिरफ्तार कर लिया। कई अन्य लोगों पर दंगाई आचरण का आरोप लगाया गया था, जिसमें न्यू कैनाल स्ट्रीट की छाता निर्माता पंद्रह वर्षीय जूलिया गिब्लिन भी शामिल थी। यह 1870 के दशक में स्लॉगर्स गिरोह की गड़बड़ी में एक युवा महिला का एक दुर्लभ मामला है, हालांकि सदी के अंत में स्लॉगर्स और पीकी ब्लाइंडर्स के साथ महिला की भागीदारी के कुछ और सबूत हैं। गिरफ़्तार किए गए कुछ अन्य लोगों की तरह गिब्लिन भी आयरिश मूल का था - लेकिन उनमें अंग्रेजी मूल के लोग भी शामिल थे।

पार्षद आर्थर चेम्बरलेन, मेयर जोसेफ के छोटे भाई

Machine Translated by Google

चेम्बरलेन की फ़ैक्टरी उस क्षेत्र में थी जहाँ दंगा हुआ था। झगड़े के गवाह के रूप में, उन्होंने जिले में इन दंगों की आवृत्ति के बारे में बात की और पार्क स्ट्रीट और मिल्क स्ट्रीट गिरोहों का भी उल्लेख किया गया।

84

नेविगेशन स्ट्रीट दंगा

पुलिस पर हमले जारी रहे, साथ ही सड़क पर गिरोहों के बीच लड़ाई भी जारी रही। मार्च 1875 में, यह बताया गया कि एक रविवार की दोपहर को, हॉल स्ट्रीट, एशटेड में 100 से 200 युवा एक-दूसरे पर पत्थर और ईंट फेंक रहे थे, जबकि दो युवकों पर पत्थर फेंकने के लिए दो शिलिंग और छह पेंस का जुर्माना लगाया गया था 85 उस महीने , 7 मार्च 1875 को कोलशिल स्ट्रीट में और एक पीसी मॉर्ले पर हमला। नेविगेशन स्ट्रीट में एक हिंसक अव्यवस्था तब हुई जब दो जासूसों ने शामिल होने के संदेह में गिरफ्तार कर लिया। उसे बुल्स हेड इन, व्हार्फ विलियम डाउन्स नामक एक व्यक्ति को डकैती में स्ट्रीट से पकड़ा गया, जहां उसके दोस्तों की भीड़ थी। जैसे ही डाउन्स को नेविगेशन स्ट्रीट पर मार्च किया गया, अधिकारियों पर 'एक पार्टी द्वारा पत्थरों और कीचड़ से हमला किया गया, और जल्द ही एक विशाल भीड़ इकट्ठी हो गई'। जब सार्जेंट फ्लेचर उनकी सहायता के लिए आए और भीड़ को रोकने की कोशिश की तो उन्हें चोट लगने और अपने कैदी को बचाए जाने का बड़ा खतरा था। बीस से तीस बदमाशों ने उसे घेर लिया और उस पर हमला कर दिया, उन्होंने उसे नीचे गिरा दिया, उसे पत्थरों और डंडों से पीटा और उस पर कूद पड़े।

अब तक, जासूस सफ़ोल्क स्ट्रीट के कोने तक पहुँचने में कामयाब हो गए थे, जहाँ उन्होंने पीसी लाइन्स को आते देखा था। उनमें से एक ने कहा, 'भगवान के लिए, सार्जेंट फ्लेचर के पास जाओ, वे उसकी हत्या कर रहे हैं!' साहसी अधिकारी तुरंत सड़क पर भागा, अपने कर्मचारियों को निकाला और सार्जेंट फ्लेचर को बचाने के लिए दौड़ा, जिनके चेहरे पर चाकू से हमला किया गया था और खोपड़ी पर कई घाव हो गए थे। फ्लेचर भागने में सफल हो गया, हालाँकि पीसी लाइन्स उपद्रवियों से घिरी हुई थी और, जैसा कि एक गवाह ने ग्राफिक रूप से इसका वर्णन किया, 'वे चूहों की तरह उससे चिपके रहे, और उसे नीचे लाने की कोशिश की लेकिन असफल रहे।' उसने उन्हें पीटा, लेकिन, 'झगड़े की गर्मी में एक बदमाश ने अपना चाकू उसकी गर्दन में, बाएं कान के पास घोंप दिया और फिर लाइन्स गिर गईं।' उसके हमलावरों ने उसे तब तक लात-घूंसों से पीटा जब तक कि चीख न मच गई कि और पुलिस आ रही है और वे तितर-बितर हो गए। पीसी लाइन्स को बाथ रो में क्वींस अस्पताल ले जाया गया, जहां 25 मार्च को उनकी मृत्यु हो गई।

नेविगेशन स्ट्रीट दंगा में भाग लेने के लिए बारह लोगों को गिरफ्तार किया गया था। सत्रह से तेईस वर्ष की आयु के बीच, यह कहा गया कि वे सभी दोषी चोर थे जिन्होंने पुलिस को बहुत परेशान किया था, जबकि उनमें से कई को पुलिस पर हमला करने के लिए कई बार दोषी ठहराया गया था।

86 में से एक

Machine Translated by Google

उन्हें, जेरेमिया कॉर्करी उर्फ कोरकोरन को पीसी लाइन्स की हत्या का दोषी पाया गया और फाँसी दे दी गई। चार अन्य लोगों को गैरकानूनी हमले का दोषी ठहराया गया और आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। वे जॉन क्रिसवेल, थॉमस व्हालिन थे, 1955 में बर्मिंघम वीकली न्यूज़ के एक संवाददाता के अनुसार , क्रिसवेल को बीस साल बाद रिहा कर दिया
87 थॉमस लियोनार्ड और चार्ल्स मी। गया था, और 1890 के दशक में वह एक सम्मानित
कामकाजी व्यक्ति के रूप में ब्रॉड स्ट्रीट के पास रह रहे थे।

88

विल थॉर्न, गैसवर्कर्स यूनियन के संस्थापक, का जन्म 1857 में हुआ था और फार्म स्ट्रीट, हॉकले में पले-बढ़े थे, और अपनी जीवन कहानी में उन्होंने लिखा था कि नेविगेशन में 'असभ्य लोगों का एक बहुत ही सख्त गिरोह था जो हमेशा परेशानी की तलाश में रहता था' गली मोहल्ले. ऐसा लगता है कि चोरी करने और पुलिस पर हमला करने के साथ-साथ, उन्होंने संरक्षणवाद का एक असभ्य रूप भी अपनाया। हालाँकि, पीसी लाइन्स की हत्या के बाद:

> पुलिस की कार्रवाई के परिणामस्वरूप पड़ोस को अंतिम रूप से साफ़ कर दिया गया। यह एक राहत थी, विशेषकर बर्मिंघम थिएटर रॉयल के संरक्षकों के लिए जो नेविगेशन स्ट्रीट के निकट था।
>
> गिरोह के संचालन के लिए यह पसंदीदा जगह थी।
>
> उनका एक खेल तब आना था जब लोग थिएटर में जाने के लिए कतार में खड़े थे। मैं अक्सर भीड़ में होता था, और जैसे ही दरवाज़े खुले होते थे, वे इंतज़ार कर रही भीड़ पर छलांग लगाते थे, गैलरी की ओर दौड़ते थे और सभी बेहतरीन केंद्र सीटों पर कब्ज़ा कर लेते थे। बाद में वे अपने लिए एक नंबर रखकर इनमें से कुछ सीटें बेच देते थे। दंगों के समय तक न तो पुलिस और न ही थिएटर अधिकारी इन छापों को रोकने में सक्षम थे।

जबकि थिएटर पर छापेमारी और एक पुलिस अधिकारी की हत्या हिंसा के पैमाने में बहुत भिन्न है, विल थॉर्न की गवाही उस समय की सामान्य अशांति को दर्शाती है, जिससे ऐसे माहौल का पता चलता है जो इस तरह की हिंसा को बढ़ाने के लिए प्रेरित करता है।
दुर्भाग्य से इस प्रकार की सामाजिक अशांति केवल इसी क्षेत्र तक सीमित नहीं थी।
नेविगेशन स्ट्रीट गैंग के टूटने के बावजूद, अन्य जगहों पर स्ट्रीट गैंग ने कड़ी मेहनत करने वाले और सम्मानित गरीबों के जीवन को उतना ही खराब कर दिया, जितना उन्होंने पुलिस कांस्टेबलों को परेशान किया। समस्या इतनी बुरी थी कि मई 1875 में डडेस्टन वार्ड के एक प्रतिनिधिमंडल ने नगर मजिस्ट्रेटों के प्रतिनिधियों से मुलाकात कर उनके इस विश्वास पर चर्चा की कि हिंसक अपराधियों को पर्याप्त रूप से कड़ी सजा नहीं दी गई थी। काउंसलर डेरिंगटन के नेतृत्व में, उन्होंने बताया कि डडेस्टन, नेचेल्स और सेंट बार्थोलोम्यू के वार्डों में बड़ी संख्या में सड़क पर झड़पें हुई थीं। इनमें से कई तो नशे के कारण उत्पन्न हुए, लेकिन अन्य भी ऐसे प्रतीत हुए

Machine Translated by Google

जैसे गुट 'पड़ोस में विरोधी ताकतों को इकट्ठा करने और सामान्य हाथापाई शुरू करने' के साथ लड़ता है। बर्मिंघम डेली पोस्ट ने सोचा कि प्रतिनियुक्ति ने गुमराह किया है, यह दावा करते हुए कि इसने हर छोटी सड़क पंक्ति को गुंडागर्दी के प्रकोप में बदल दिया है और इसके निराधार दावों को 89 आधिकारिक आपराधिक आंकड़ों द्वारा खारिज कर दिया गया था।

इस तरह की बर्खास्तगी से मार्गरेट मोरन को थोड़ी राहत मिली होगी। नेविगेशन स्ट्रीट पड़ोस की इक्कीस वर्षीय स्टील-खिलौना निर्माता, वह दंगाइयों के खिलाफ कई गवाहों में से एक थी जिन्हें सताया गया था और धमकाया गया था। उसके मामले में, कोरकोरन की बहन ने भी उसे चाकू मार दिया था और वह 'अपनी जान को लेकर डरी हुई थी'। 90 इसके विपरीत, मजिस्ट्रेटों ने स्वयं प्रतिनियुक्ति की शिकायतों को गंभीरता से लिया। एल्डरमैन मंटन ने बताया कि छह में से एक भी मामला

समाचार पत्रों में रिपोर्ट नहीं किया गया था, जबकि वजीफा देने वाले मजिस्ट्रेट, किन्नर्सली ने कहा कि यह स्पष्ट था कि 'बड़े पैमाने पर अत्याचार किए गए थे, लेकिन जो लोग लाए गए थे उनका अपराध से बहुत कम लेना-देना था और अक्सर पुलिस की मदद करने से इनकार करने के आरोप सामने आते थे।' उन लोगों को दंडित करना एक बड़ा अन्याय होगा जैसे कि वे अपराधी थे, जबकि असली सरगनाओं को शायद ही कभी स्टिल के सामने लाया गया था, और शायद प्रतिनियुक्ति और मजिस्ट्रेटों की हत्या से उन्हें प्रेरित किया गया था।

91

पीसी लाइन्स, वॉच कमेटी ने पुलिस बल में 50 लोगों की वृद्धि की ताकि सबसे खतरनाक क्षेत्रों में दोहरी कार्रवाई की जा सके।

ऐसा प्रतीत हुआ कि नेविगेशन स्ट्रीट के दंगाइयों पर इन कार्रवाइयों और कठोर सजाओं का असर हुआ, फरवरी 1876 में, बर्मिंघम डेली पोस्ट ने लिखा कि, 'हमने बर्मिंघम में सड़क की पंक्तियों से इतनी लंबी छूट का आनंद लिया है कि हम उम्मीद करने लगे थे स्थानीय "अवशेष" की दंगाई भावना अंततः काफी हद तक कम हो गई थी, यदि निश्चित रूप से समाप्त नहीं हुई थी।' हालाँकि, हाल ही में सड़क पर उपद्रवियों और पुलिस के बीच हुई लड़ाई और एक संगठित उपद्रव के कारण ऐसी उम्मीदें धराशायी हो गई थीं। 92 एक साल बाद, यह बताया गया कि कई महीनों तक 'ग्रेट चार्ल्स स्ट्रीट के कोने पर बड़ी संख्या में असभ्य युवा एकत्र हुए थे, और उस काम में लगे थे जिसे अश्लील भाषा में मारपीट कहा जाता था।' उन्होंने एक-दूसरे पर बड़ी-बड़ी लाठियों से हमला

किया और एक-दूसरे पर पत्थर और ईंट-पत्थर बरसाए, जबकि वे पुलिस का इंतजार कर रहे थे और जब पुलिस दिखी तो भाग गए।

93

बर्मिंघम में गुंडागर्दी अब राष्ट्रीय स्तर पर अवांछित ध्यान आकर्षित कर रही थी। 1877 में, नॉर्थम्प्टन एसिज़ेस में, जस्टिस हॉकिन्स ने टिप्पणी की कि 'रात-दर-रात बर्मिंघम की सड़कें लगभग अपरिवर्तनीय हिंसा और क्रूरता का दृश्य बन जाती हैं।' इसके बाद द टाइम्स को एक पत्र लिखा गया, जिसमें लेखक ने बर्मिंघम को उसके नगरपालिका संस्थानों की पूर्णता के लिए दी गई प्रशंसा और बर्मिंघम के बीच विसंगति के लिए स्पष्टीकरण मांगा।

Machine Translated by Google

कस्बे में बड़ी संख्या में हिंसा के मामले। इसने वॉच कमेटी की बैठक में 'गर्मजोशी भरी चर्चा' को प्रेरित किया। पार्षद इस बात पर सहमत हुए कि हालिया टिप्पणियाँ गलतबयानी पर आधारित कलंक थीं। बर्मिंघम को न केवल इंग्लैंड के हर कोने में, बल्कि पूरे सभ्य विश्व में उपहास और तिरस्कार का सामना करना पड़ रहा था। हर जगह पूछा जाता, ' द टाइम्स क्या कहता है?' इसका उत्तर यह होगा कि बर्मिंघम में हिंसक अपराध रात में होने वाली घटनाएँ थीं। जवाब में, यह निर्णय लिया गया कि पुलिस के मुख्य अधिकारी मेजर बॉन्ड को आरोपों का खंडन करने के लिए आंकड़ों के साथ अखबार को लिखना चाहिए।

बर्मिंघम के नेताओं ने सुशासन, प्रगतिशील नीतियों और नगरपालिका समाजवाद के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हाल ही में हासिल की गई प्रतिष्ठा को बहुत महत्व दिया। चार साल पहले, 1873 में, परिषद पर लिबरल पार्टी के युवा सदस्यों ने कब्ज़ा कर लिया था। जोसेफ चेम्बरलेन के प्रभावशाली नेतृत्व में, महत्वपूर्ण सुधार किए गए, जिनमें निजी गैस और जल कंपनियों का नगरीकरण भी शामिल था। चेम्बरलेन की तरह, उनका समर्थन करने वाले कई पार्षद गैर-अनुरूपतावादी थे और बड़े निर्माताओं का प्रतिनिधित्व करते थे। यद्यपि उनका श्रमिक वर्ग के अधिक कुशल और नियमित रूप से नियोजित लोगों के साथ संबंध था, फिर भी वे हर तरह से गरीबों से अलग थे: आवासीय, आर्थिक, शैक्षिक और आकांक्षा के साथ-साथ भाषण, दृष्टिकोण और विश्वास के मामले में भी। नतीजतन, गरीबों को बर्मिंघम की नई नागरिक अवधारणा ने गले नहीं लगाया।

जैसा कि वेनबर्गर ने ठीक ही जोर दिया है, परिषद द्वारा अव्यवस्था के आरोपों का खंडन, साथ ही मजिस्ट्रेटों की ओर से निर्णायक कार्रवाई की कमी 'अधिकारियों की ओर से इस रवैये की ओर बहुत दृढ़ता से इशारा करती है कि शहर के कुछ क्षेत्रों में उपद्रव हो रहा है। स्थानीय निवासियों के अलावा कुछ लोगों के लिए चिंता का विषय था। वेनबर्गर का काम कथित 'आपराधिक वर्ग' पर केंद्रित था, जिसके प्रति उन्होंने निष्कर्ष निकाला कि शहरी अभिजात वर्ग द्वारा बहिष्कार की रणनीति लागू की गई थी क्योंकि इससे 'कोई वास्तविक राजनीतिक खतरा नहीं था, जबकि यह एक घटते आर्थिक कार्य को पूरा करने के लिए आया था।' 95 ये अंतर्दृष्टिपूर्ण टिप्पणियाँ सामान्य रूप से गरीब युवाओं पर भी लागू की जा सकती हैं। नागरिक इकाई से उनका बहिष्कार 1870 के दशक के बर्मिंघम में सड़क गिरोहों के विस्तार में एक और सहायक कारक था, इस दशक को अन्यथा एक सकारात्मक अवधि के रूप में माना जाता था जिसके दौरान बर्मिंघम का आधुनिकीकरण हुआ और आगे बढ़ा।

एस्टन स्लॉगर्स

सड़क पर गुंडागर्दी बर्मिंघम के मजदूर वर्ग के जिलों में व्यापक थी और 1878 में पुलिस पर 478 हमले हुए थे। उसके बाद

Machine Translated by Google

आंकड़ा उल्लेखनीय रूप से कम हो गया, 1883 में केवल 279 के साथ। रविवार के जुआरियों के प्रति बीट पर कांस्टेबलों के अधिक सतर्क दृष्टिकोण से प्रभावित[96] इन कुछ वर्षों में यह हुआ है। निश्चित रूप से, उनके विरुद्ध अभियोग चलते प्रतीत होते हैं

गिर गए और जो लोग गिरफ़्तार किए गए वे अधिक उम्र के युवाओं के बजाय लड़के थे।[97]
पुलिस के इस रवैये की जानकारी एस्टन के एक निवासी को हुई, जिसने लिखा कि केंसिंग्टन स्ट्रीट के आसपास उपद्रवियों की भीड़ के कारण पिच और टॉस एक असहनीय उपद्रव था। फिर भी, जबकि पोरचेस्टर स्ट्रीट में साल्वेशन आर्मी के सदस्यों पर हमलों की निगरानी के लिए एक पुलिस अधिकारी तैनात था, जुआरियों पर ऐसी कोई निगरानी नहीं थी।

[98]

बर्मिंघम में बंजर भूमि के भरने से पिच और टॉस खेलने के मुकदमों में गिरावट पर अस्थायी प्रभाव पड़ सकता है। बड़ी जगहों के नष्ट हो जाने के कारण, सिक्के फेंकने वाले लोग अब रविवार को मजदूर वर्ग के जिलों की सड़कों पर कम संख्या में एकत्र होते थे। 99 यह प्रथा 1920 के दशक तक जारी रही, और रविवार की दोपहर को जब पब बंद हो जाते थे तो मेरे नैन, लिल पेरी और अन्य युवा व्हाइटहाउस स्ट्रीट और एस्टन रोड नॉर्थ के कोने पर एल्बियन से बाहर आने वाले लोगों को 'पैनी उछालते हुए' देखते थे जब तक पुलिस नहीं आ जाती और वे भाग नहीं जाते।'

[100]

ऐसा हो सकता है कि पुलिस न केवल पिच और टॉस सभाओं के संबंध में बल्कि नारा लगाने वाले गिरोहों के संबंध में भी अधिक सावधानी से काम कर रही थी क्योंकि 1880 के दशक की शुरुआत में उनके बारे में रिपोर्टें कम हो गई थीं, लेकिन उनके गायब हो जाने की कोई भी आशा गलत थी। जून 1882 में, हार्डिंग स्ट्रीट और व्हाइटहाउस स्ट्रीट गिरोह मिलर स्ट्रीट के पास लड़े। बर्मिंघम मेल ने बताया कि, 'ऐसा लगता है कि यह मामला कई खुरदरे लोगों के अस्तित्व के कारण सामने आया है जो खुद को एक साथ जोड़ते हैं और खुद को "स्लॉगिंग गैंग" कहते हैं। ऐसा लगता है कि इनका मिशन कुछ खास गलियों से पक्षपात करने वालों को एक साथ लाना और लड़ाई में शामिल होना है, जिसके परिणामस्वरूप कई बार काफी चोटें आई हैं।' इस लड़ाई में ऐसा ही हुआ. थॉमस डैन के सिर में ईंट से वार किया गया और उसे नीचे गिरा दिया गया और फिर उसे फर्श पर लेटाकर लात मारी गई। उस पर हमला लोहे के टुकड़े के प्रहार से समाप्त हुआ जिससे उसकी खोपड़ी टूट गई। वह बेसुध हो गया, उसकी खोपड़ी में फ्रैक्चर हो गया, हाथ टूट गया और अंगूठा टूट गया। 101 उस वर्ष बाद में, एक गिरोह फेज़ली स्ट्रीट के साथ न्यू कैनाल स्ट्रीट के कोने पर परेशानी पैदा कर रहा था और नारेबाज़ी करने वाले गिरोहों के पुनरुद्धार की घोषणा की गई थी 102 पुलिस प्रमुख, श्री फ़र्नडेल ने प्रेस में वॉच कमेटी को आश्वस्त किया। हालाँकि, जिन्हें स्लॉगिंग गैंग कहा जाता है, उनके प्रचलन की कुछ शिकायतें मिली हैं, छुरा घोंपने के अधिकांश मामले बैक-टू-बैक या निजी घरों की अदालतों में हुए हैं। 103 यह खारिज करने वाला अवलोकन वेनबर्गर के इस विश्वास को बल देता

है कि गरीब लोगों पर हमले केवल उन लोगों के लिए चिंता का विषय थे

Machine Translated by Google

उनके पड़ोस में.

नारे लगाने वालों की चल रही समस्या 1884 में स्पष्ट हो गई थी जब समर लेन में नारे लगाने वालों को एक-दूसरे पर पत्थर फेंकने की सूचना मिली थी, और दो साल बाद एस्टन के नारे लगाने वाले गिरोह ने सुर्खियां बटोरीं। 104 जुलाई 1886 में, पुलिस कांस्टेबल डावसन और हॉटन अल्फ्रेड सिम्पसन को व्हाइटहाउस स्ट्रीट से पुलिस स्टेशन ले जा रहे थे 'तभी उन पर उपद्रवियों के एक गिरोह ने हमला कर दिया, जिन्होंने उन पर पथराव किया और अन्यथा बहुत हिंसक तरीके से व्यवहार किया।' अधिकारियों को एक दुकान में सुरक्षा लेने के लिए मजबूर होना पड़ा। इसके बाद सिम्पसन पीसी हॉटन के पास आए और कहा कि 'वह इसे उनके लिए रख देंगे, और इसके तुरंत बाद सभी दिशाओं में उड़ रहे पत्थरों में से एक ने उनके सिर के पीछे से वार किया, जबकि एक राहगीर को चोट लगी थी' एक पत्थर से वह बेहोश हो गया और उसे कैब से घर ले जाना पड़ा।

अदालत में यह कहा गया कि सिम्पसन उस गिरोह का सदस्य था जिसने एस्टन रोड, व्हाइटहाउस स्ट्रीट और आसपास के इलाकों को प्रभावित किया था।
वास्तव में, 'शायद ही कोई दिन होता था लेकिन जब एस्टन नारा लगाने वाला गिरोह बर्मिंघम गिरोह से मिलता था और घमासान युद्ध करता था, तो हथियारों का इस्तेमाल पत्थर और ईंटों से होता था।' समस्या इतनी गंभीर थी कि अतिरिक्त पुलिस को ड्यूटी पर लगाया गया था।
सिम्पसन, जो एक कुख्यात परिवार से था, को कड़ी मेहनत के साथ 21 दिनों के लिए जेल भेज दिया गया। 105 एक महीने बाद, बुधवार,

18 अगस्त को, अधीक्षक वाकर ने एस्टन पुलिस अदालत को बताया कि पिछले रविवार को, 'एस्टन नारा लगाने वाले गिरोह और एक अन्य गिरोह के बीच एक गंभीर लड़ाई हुई थी, और लड़ाई रॉकी लेन से लगभग एस्टन क्रॉस तक जारी रही .' पाँच बजे तक लगभग 2,000 लोग शामिल हो चुके थे।

उनमें तेरह से सोलह वर्ष की उम्र के लड़के और परिपक्व उम्र के पुरुष शामिल थे, जो भारी बेल्ट, लाठियों और ईंट-छोरों से लैस थे, जिनका वे सभी दिशाओं में स्वतंत्र रूप से उपयोग करते थे। उपद्रव इतना बड़ा था कि बर्मिंघम पुलिस को नगर सीमा पर अतिरिक्त बल भेजना पड़ा, जबकि लड़ाई को रोकने के लिए एस्टन में उपलब्ध पूरे बल की आवश्यकता थी। फिर भी, केवल दो आदमी

इसमें शामिल बड़ी संख्या में लोगों को गिरफ्तार किया गया और उन पर आरोप लगाए गए। 106

एस्टन के निकटतम नारा लगाने वाले गिरोह नेचेल्स के थे, जो चार्ल्स आर्थर स्ट्रीट पर केंद्रित थे, और डडेस्टन, जो ग्रेट लिस्टर स्ट्रीट और क्रॉमवेल स्ट्रीट पर केंद्रित थे। गिरोह डिगबेथ क्षेत्र में भी बने रहे, जैसे ऑक्सफोर्ड स्ट्रीट में, और, अक्टूबर 1888 तक, यह आशंका थी कि बर्मिंघम और एस्टन दोनों में गुंडागर्दी की गंभीरता बढ़ रही थी, जबकि सबूत थे 107 चार्ल्स फ्रिथ, एक उन्नीस वर्षीय कुछ गिरोहों के लिए एक अल्पविकसित संगठन। क्रॉमवेल स्ट्रीट के पुराने एक्सल फाइलर को चार्ल्स आर्थर स्ट्रीट गिरोह के 'राजा' के रूप में नामित किया गया था, जब उन पर गैरकानूनी रूप से घायल स्लोगिंग गैंग ब्लैकमेल में शामिल था। 108 करने का आरोप लगाया गया था, जबकि एस्टन

Machine Translated by Google

सितंबर 1888 में समाचार पत्रों की रिपोर्टों के अनुसार, जाहिरा तौर पर उत्तरार्द्ध में जुर्माने के खिलाफ अनिवार्य आश्वासन की एक प्रणाली थी, जिसके तहत गिरोह के सदस्य एक सामान्य निधि में योगदान करते थे। इस 'बीमा योजना' की जाँच एस्टन मजिस्ट्रेटों द्वारा गिरोह के सभी दोषी सदस्यों को जुर्माने का विकल्प दिए बिना जेल भेजकर की गई थी। जवाब में, एक और चाल अपनाई गई, जिसके तहत जेल से रिहा हुए किसी भी सदस्य के लाभ के लिए धन जुटाया गया। इसके अनुसरण में, सिम्पसन और एस्टन स्लॉगिंग गैंग के अन्य लोगों ने 'एक एस्टन निवासी को बुलाया, और फंड के लिए सदस्यता मांगी, और, जब उन्हें मना कर दिया गया, तो उन्होंने सीधे अपनी बकल वाली बेल्ट से उस व्यक्ति के सिर पर वार करना शुरू कर दिया।' . सिम्पसन को गिरफ्तार कर लिया गया और दो महीने के लिए जेल भेज दिया गया। 109 एस्टन स्लॉगर्स की बदनामी फरवरी 1889 में बढ़ गई, जब उनमें से पांच पर बर्मिंघम में पुलिस पर हमला करने का आरोप लगाया गया। व्हाइटहाउस स्ट्रीट स्लॉगिंग गैंग के सदस्यों के रूप में नामित, उन्हें डिगबेथ में एक गड़बड़ी के खिलाफ कुछ शिकायत थी और शनिवार की रात को पुराने हिसाब चुकाने के लिए दूसरों के साथ गए थे। दो पुलिस अधिकारियों ने

विलियम ग्रीनिंग और फ्रेडरिक रॉबिन्सन को अपनी बेल्ट उतारते और डिगबेथ की ओर भागते देखा, जहां उन्होंने एक अज्ञात व्यक्ति पर हमला किया। जैसे ही उन्होंने ऐसा किया, ग्रीनिंग चिल्लाया, 'व्हाइटहाउस स्ट्रीट उनके लिए! उन्हें यह लेने दो!' कांस्टेबलों में से एक ने उसे हिरासत में ले लिया, लेकिन उसने इतना हिंसक संघर्ष किया कि अधिकारी को अपने कैदी को पास की एक बेकर की दुकान में ले जाने के लिए मजबूर होना पड़ा। अंदर से, ग्रीनिंग ने पुकारा, 'अब, लड़कों, लेट जाओ; हार मत मानो. हम इन्हें चाट सकते हैं - ' (इन मामलों में पानी का छींटा अपवित्रता का प्रतीक है)। उसने पुलिसकर्मी के सिर पर कई बार प्रहार किया, जिसे रॉबिन्सन ने लात भी मारी।

बाहर गिरोह के सदस्यों की ओर से कई पत्थर फेंके गये. उनमें जॉन कोली भी शामिल थे, जो चिल्लाए, 'अब, एस्टन लड़कों, हम इसे ये दे सकते हैं -।' गिरोह के सात या आठ लोगों ने अपनी बेल्टें उतार दीं और कई पुलिसकर्मियों पर हमला कर दिया। वजीफा देने वाले मजिस्ट्रेट ने कहा कि गड़बड़ी एक सभ्य शहर के लिए अपमान थी, और यदि कानून उन्हें रोक सकता है तो उसे ऐसा करना चाहिए। कोली और फ्रेडरिक गिब्स को कड़ी मेहनत के साथ दो महीने की कैद की सजा सुनाई गई; पीटर रिडिंग को छह सप्ताह का समय दिया गया; और ग्रीनिंग और रॉबिन्सन प्रत्येक पर 20 शिलिंग और लागत का जुर्माना लगाया गया, या डिफ़ॉल्ट रूप से कठोर श्रम के साथ एक महीने की कैद की सजा दी गई। 110

एस्टन के भीतर, ऐसा लग रहा था कि नारे लगाने वाले बेलगाम थे। फरवरी 1889 में, जेम्स केसी और अन्य लोगों ने तीन कांस्टेबलों पर हिंसक हमला किया। प्रत्येक हमले के लिए उन्हें दो महीने की कठोर कारावास की सजा सुनाई गई थी, लेकिन जैसे ही उन्हें गोदी से दूर ले जाया गया, उन्होंने मजिस्ट्रेटों को सूचित किया कि 'जब वह बाहर आएंगे तो 'तांबे' के लिए इसे गर्म कर देंगे।' इस पर उसे वापस कठघरे में खड़ा करने का आदेश दिया गया और धमकी देने के लिए एक और महीने की सज़ा सुनाई गई। केसी ने अविचलित होकर घोषणा की, 'केवल सात महीने और एक पखवाड़ा बनता है, और मैं

Machine Translated by Google

जानता हूं कि आप मुझे बारह महीने से अधिक नहीं दे सकते, इसलिए मैं जो कहूंगा वह करूंगा।' [111]

जुलाई 1889 में नारेबाज़ों ने पुलिस पर जिस क्रूरता से हमला किया, वह स्पष्ट हो गया। उस महीने, एस्टन पुलिस कोर्ट को बताया गया कि जॉर्ज गाइ, एक मजदूर, ने पीसी पायने पर हमला किया था, जो एक हिंसक प्रहार से घायल हो गया था।

अपने पैरों पर वापस आने पर, पायने को गाइ, जोसेफ इंग्लिश और विलियम पर्किन्स द्वारा बेरहमी से लात मारी गई और पीटा गया। जमीन पर संघर्ष करते समय, कांस्टेबल से उसकी सीटी और बाजूबंद लूट लिया गया और उसका हेलमेट भी उससे छीन लिया गया। सौभाग्य से, पुलिस कांस्टेबल लैंडर और ग्रिफ़िथ उसकी सहायता के लिए आए। अब तक, भारी भीड़ जमा हो गई थी, और विलियम हेवुड पुलिस की मदद के लिए गए। वह एकांतप्रिय व्यक्ति थे। साक्ष्य में, उन्होंने न केवल गाइ की क्रूरता का उल्लेख किया, बल्कि भीड़ की उदासीनता का भी उल्लेख किया, जिनमें से किसी ने भी उन अधिकारियों की सहायता नहीं की, जिन्हें 'फुटबॉल बनाया जा रहा था'। हेवुड ने अधिकारियों को तीन कैदियों को पुलिस स्टेशन ले जाने में मदद की। उनमें से एक को फ्रॉग मार्च किया गया क्योंकि वह बहुत हिंसक था।

अधीक्षक वॉकर ने कहा कि कैदी एस्टन के तीन सबसे बड़े ब्लैकगार्ड थे और 'ऐसे बदमाशों की क्रूरता, जो नारेबाज़ी करने वाले गिरोह के प्रमुख सदस्य थे' के कारण अच्छे लोगों को कांस्टेबुलरी में रखना असंभव था।

[112]

केवल कुछ अन्य शहरों में ही बर्मिंघम और एस्टन जैसी गिरोह की समस्या थी।

लिवरपूल के पास कोने-कोने में लोग थे, और लंदन में 113 से लेकर 1880 के दशक तक सड़क पर गिरोह थे, जबकि और सैलफोर्ड में लूटपाट करने वाले गिरोह थे। स्कटलर्स को ब्रिटेन का पहला युवा पंथ माना गया है, लेकिन मैनचेस्टर यह पदनाम नारे लगाने वालों को संयुक्त रूप से दिया जाना चाहिए। युवाओं के दोनों समूह प्रादेशिक गिरोहों में शामिल हो गए। दोनों ने एक दूसरे से भयंकर युद्ध किया। और दोनों ने अपने दुश्मनों पर पत्थर फेंके और फिर बेल्टों से आपस में लड़ाई की। मैनचेस्टर और सैलफोर्ड के गिरोहों पर अपनी गहन शोध वाली पुस्तक में, एंड्रयू डेविस ने अलेक्जेंडर डिवाइन के 'स्कटलर्स एंड स्कटलिंग' पर एक लेख पर प्रकाश डाला। 1890 में गार्जियन में प्रकाशित , इसमें हथियार के रूप में बेल्ट के उपयोग की व्याख्या की गई:

> बेल्ट का सबसे खतरनाक हिस्सा बकल है, और यह पीतल से बना होता है, और आमतौर पर इसका व्यास लगभग तीन इंच होता है, हालांकि मैंने उन्हें बड़ा और छोटा दोनों देखा है। इनका उपयोग 'स्कटलर' द्वारा पट्टा के एक सिरे को बकल वाले सिरे में बांधने के द्वारा किया जाता है, और फिर, कलाई से पट्टा के चारों ओर अपना हाथ घुमाते हुए, वह चमड़े को पकड़ता है, जिससे बेल्ट का लगभग आठ या दस इंच हिस्सा उपयोग के लिए बच जाता है। एक हथियार, उसकी बांह के चारों ओर उसका घुमाव उसे लड़ाई में आसानी से खींचे जाने से रोकता है।

Machine Translated by Google

स्कूट्लर्स और स्लॉगर्स के बीच एकमात्र अंतर यह था कि पहले वाले ने पीतल की नोक वाले मोज़रे पहने थे, जबकि बाद वाले ने स्टील की नोक वाले 114 जूते पहने थे।

1880 के दशक के अंत तक, नारेबाज़ी करने वाले गिरोह बर्मिंघम के साथ-साथ एस्टन में भी परेशानी पैदा कर रहे थे। अखबारों ने बार-बार पथराव की खबरें दीं,
नामित नारा लगाने वाले गिरोहों द्वारा हमले और हमले: नेचेल्स, [115] फ्लडगेट स्ट्रीट, [116]
एलीसन स्ट्रीट, मिल्क स्ट्रीट और चार्ल्स हेनरी स्ट्रीट, साथ ही ब्लूचर स्ट्रीट
और लेग स्ट्रीट. [117] आश्चर्य की बात नहीं है कि एस्टन और बर्मिंघम के नारे लगाने वाले गिरोह स्थानीय स्तर पर कुख्यात थे, लेकिन उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर भी बदनामी मिली थी। 1882 में, शेफ़ील्ड डेली टेलीग्राफ ने व्यंग्यपूर्वक कहा: 'हमारे देश के संस्थानों को बर्मिंघम का नवीनतम उपहार "स्लॉगिंग गैंग" है। नाम सुंदर तो नहीं है लेकिन उचित वर्णनात्मक है। इसके सदस्य असभ्य हैं, शायद इसलिए उन्हें ऐसा इसलिए कहा जाता है क्योंकि उनके आचरण में संपत्ति के अधिकार और जीवन की पवित्रता में विश्वास से उत्पन्न सौम्यता का अभाव है।' 118 1890 से, नारे लगाने वालों और नारे लगाने वाले गिरोहों को एक और नाम से भी जाना जाने लगा जो और भी कुख्यात हो गया: पीकी ब्लाइंडर्स।

Machine Translated by Google

Machine Translated by Google

अध्याय दो

चरम अंधों का शहर

फ्लैट कैप और रेजर ब्लेड

यद्यपि टॉमी शेल्बी एक योजनाकार और विचारक है, फिर भी वह एक भयभीत लड़ाकू व्यक्ति है। वह श्रृंखला एक में रोमानी जिप्सी ली परिवार के साथ ग्रामीण इलाकों में टकराव में इसे स्पष्ट करता है। उनमें से तीन आर्थर शेल्बी का मज़ाक उड़ाते हुए हंसते हैं। गुस्से में, टॉमी उनकी ओर धमकी भरे अंदाज में बढ़ता है और जानना चाहता है कि क्या वे उसके भाई पर हंस रहे हैं। वे टॉमी का सामना करने के लिए आगे बढ़ते हैं लेकिन उसे जवाब नहीं देते, जिससे उसका गुस्सा और भड़क जाता है। फिर लीज़ में से एक ने टॉमी की माँ का अपमान किया।

क्रोधित होकर, टॉमी ने अपने दाहिने हाथ से अपनी न्यूजबॉय-प्रकार की टोपी के नरम, मध्य भाग को पकड़ लिया, जिसके सख्त शिखर से डिस्पोजेबल सुरक्षा रेजर ब्लेड बाहर निकल आए। धीमी गति से बढ़ाए गए एक लड़ाई के दृश्य में, वह आक्रामक ली की आंखों पर चोटी काट देता है। दर्द और रेजर ब्लेड से लगे घाव के खून से अंधा होकर, वह पीछे की ओर जमीन पर गिर जाता है, उसके हाथ उसकी भौंह पर होते हैं।

आर्थर तेजी से एक और ली को मारता है और फिर, एक और भाई, जॉन के साथ, शेल्बी रोमनी जिप्सी भाइयों को मुक्का मारने, लात मारने और सिर से मारने के लिए आगे बढ़ता है, जो अंततः फर्श पर गिर जाते हैं। 119

2013 में बोलते हुए, शो के निर्माता और लेखक, स्टीवन नाइट ने बताया कि उन्होंने इसे पीकी ब्लाइंडर्स कहा क्योंकि बीसवीं सदी के अंत में बर्मिंघम में 'युवा टीअवे इन रेजर-ब्लेड को अपनी टोपी में रखते थे और उन्हें पीकी कहा जाता था। ब्लाइंडर्स'. प्रथम विश्व युद्ध के बाद, 'ये युवा बच्चे जो परेशानी पैदा कर रहे थे, अधिक संगठित हो गए और इस विशेष गिरोह को पीकी ब्लाइंडर्स के नाम से जाना जाने लगा।' 120 यह स्पष्टीकरण समीक्षाओं में छा गया है और इसे एक ऐतिहासिक वास्तविकता के रूप में स्वीकार किया गया है। उदाहरण के लिए, सितंबर 2013 में, जॉन क्रेस ने लिखा था कि शो 'वास्तविक जीवन के एक गिरोह पर आधारित है (उन्हें अपना नाम उस रेजर ब्लेड से मिला है जो वे लोगों को अंधा करने के लिए अपनी टोपी में रखते थे) जो प्रथम विश्व युद्ध के बाद बर्मिंघम में संचालित था। , इसलिए मुझे यह मानना होगा कि शहर को एक अराजक चौकी के रूप में चित्रित करने में कुछ सच्चाई है जो कठोर और आघातग्रस्त दिग्गजों के गिरोह द्वारा संचालित है जो सशस्त्र खाइयों से लौटे हैं

Machine Translated by Google

दांतों तक'. [121]

लेकिन 1918 के बाद, बर्मिंघम कठोर और आघातग्रस्त दिग्गजों के गिरोह द्वारा संचालित एक अराजक चौकी नहीं थी, और वहां पीकी ब्लाइंडर्स नामक एक भी गिरोह नहीं था। इसके बजाय, 'पीकी ब्लाइंडर्स' शहर के बीहड़ों के लिए एक सामान्य शब्द था जो कम से कम 1890 से लोकप्रिय उपयोग में आया था और मूल रूप से उस समय किसी भी गिरोह के सदस्य के लिए एक लेबल के रूप में 'स्लॉगिंग गैंग' के साथ विनिमेय था। इसके अलावा, इस बात का कोई सबूत नहीं है कि असली पीकी ब्लाइंडर गिरोह ने हथियार के रूप में उपयोग करने के लिए अपने फ्लैट कैप की चोटियों में डिस्पोजेबल सुरक्षा रेजर ब्लेड सिल दिए।

इसके बजाय उन्होंने अपना नाम अपनी सपाट टोपी की चोटी को अपने सिर के एक तरफ खींचने की अपनी शैली से लिया - इस प्रकार एक आंख को लगभग ढक दिया या अंधा कर दिया। फिर भी, अपने सुनहरे दिनों में, ये असली पीकी ब्लाइंडर्स अपने काल्पनिक समकक्षों की तरह ही क्रूर और हिंसक थे, लेकिन उनके हथियार बकल वाले बेल्ट, पत्थर, चाकू, कॉश और जूते थे - ये सभी पीकी ब्लाइंडर्स अपने कपड़ों के हिस्से के रूप में रखते थे या फिर वे हाथ के करीब थे और प्राप्त करने के लिए मुफ़्त या सस्ते थे। हालाँकि कुछ गिरोह छोटी-मोटी सुरक्षा में लगे हुए थे, वे केवल शिथिल रूप से संगठित थे और अवैध रूप से पैसा कमाने की तुलना में लड़ाई में अधिक चिंतित थे। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि वे ग्लैमरस नहीं थे। वे क्रूर और नीच थे.

प्रथम विश्व युद्ध से पहले बर्मिंघम के मुख्य कांस्टेबल, चार्ल्स हॉटन राफ्टर के नेतृत्व में मजबूत पुलिस कार्रवाई द्वारा इन चोटीदार अंधों को हटा दिया गया था। वह एक उत्तरी आयरिश प्रोटेस्टेंट था, जैसा कि मुख्य निरीक्षक (बाद में मेजर) कैंपबेल था - शो की पहली श्रृंखला में एक चरित्र। हालाँकि, जबकि कैंपबेल आक्रामक रूप से शुद्धतावादी है, राफ्टर का आयरिश राष्ट्रवादियों द्वारा सम्मान किया जाता था और उनके उप मुख्य कांस्टेबल, माइकल मैकमैनस, कैथोलिक थे। पीछे की सड़कों पर कई कानून-पालन करने वाले लोगों द्वारा समर्थित, मजबूत सजा, और एसोसिएशन फुटबॉल की बढ़ती लोकप्रियता और एक संहिताबद्ध खेल के रूप में मुक्केबाजी के उद्भव से, राफ्टर और उनके लोगों ने बर्मिंघम को इससे छुटकारा दिलाकर एक अधिक शांतिपूर्ण शहर में बदल दिया। चोटीदार अँधेरे.

रेजर ब्लेड का मिथक

लोककथाओं में, पीकी ब्लाइंडर्स की बदनामी उनके नाम से बढ़ गई थी, क्योंकि यह गैंगस्टरवाद, हिंसा और भय से भरा हुआ था। यह मिथक कि वे अपने दुश्मनों के माथे को काटने के लिए अपनी सपाट टोपी की चोटियों में डिस्पोजेबल सुरक्षा रेजर ब्लेड सिल देते थे, जिससे उनकी आंखों में खून चला जाता था और वे अंधे हो जाते थे, वास्तव में पीक ब्लाइंडर और स्लॉगिंग गिरोहों के बाद ही एक पीढ़ी उत्पन्न हुई थी। डाल दिया गया और या तो समाचार पत्रों में शुरू हुआ या फिर उनके माध्यम से फैल गया। एक हथियार के रूप में टोपी के उपयोग का पहला उल्लेख 1929 में हुआ प्रतीत होता है, जब वारविक और वारविकशायर विज्ञापनदाता ने जेम्स रेवेनहॉल को श्रद्धांजलि दी,

Machine Translated by Google

काउंटी के उप मुख्य कांस्टेबल, उनकी सेवानिवृत्ति पर। उन्होंने 1892 में एस्टन में एक सार्जेंट के रूप में काम किया था, जहां, चोटी के लोगों के बीच, उन्होंने जासूसी के काम में योग्यता दिखाई थी - और बाद में वह एक जासूस निरीक्षक के रूप में वहां लौट आए। अपने पाठकों को पीकीज़ शब्द की व्याख्या करते हुए, अखबार ने कहा कि वे:

> · · · उन्हें पीकी-ब्लाइंडर्स के नाम से भी जाना जाता था, यह नाम उन्हें उनकी अनोखी साफ़ा के कारण मिला था। वे हिंसक चरित्र के थे और एक आंख पर पट्टी बांधकर नुकीली टोपी पहनते थे। शिखर में अक्सर स्टील धातु का एक नुकीला टुकड़ा होता था, जिससे बहुत ही भयानक हथियार बनाया जा सकता था। दूसरी आँख के ऊपर बालों का सावधानीपूर्वक प्रशिक्षित कर्ल था।
>
> वे प्रतिद्वंद्वी गिरोहों में घूमते थे जिन्हें 'स्लॉगिंग' गिरोह कहा जाता था, और उनके हमले के प्रमुख हथियार भारी बेल्ट थे जिनके साथ बड़ी बक्कल जुड़ी हुई थीं। एक गिरोह दूसरे गिरोह के साथ संघर्ष में आ जाता था और अक्सर भयानक चोटें लगती थीं। श्री रेवेनहॉल ने पुलिस स्टेशन का फर्श देखा है, जब एक 'पीकी-ब्लाइंडर' को खून से लथपथ गिरफ्तार किया गया है। उनकी पतलून पर विशाल बेल बॉटम्स उनकी पोशाक की एक और अनोखी विशेषता थी।

122

ये अखबार के शब्द थे, खुद रेवेनहॉल के नहीं।

उसी वर्ष, डेली मेल ने घोषणा की कि एक समय था जब बर्मिंघम को 'भयानक रात के शहर' के रूप में जाना जाता था, जो चरम अंधों का घर था, जिन्हें 'अपनी टोपी की चोटियों में स्टील की प्लेट पहनने की अनोखी आदत थी' जिसे उन्होंने खेल-खेल में अपने पीड़ितों की आँखों में चुभा दिया।

123

एक दशक बाद, अप्रैल 1939 में, 'बेल्ट एंड बकल डेज़' शीर्षक वाले एक लेख में।
बर्मिंघम के पीकी ब्लाइंडर्स की गाथा', बर्मिंघम मेल ने नोट किया कि 'गैंगस्टर की पोशाक को एक साधारण कपड़े की टोपी के साथ ताज पहनाया गया था - साधारण सिवाय इसके कि इसमें एक प्रबलित चोटी थी। इस हथियार को पहने हुए सिर का अचानक झुकाव
लड़ाई शुरू कर सकता है और अक्सर उसे उसी समय ख़त्म भी कर सकता है।' 124

1950 के दशक के उत्तरार्ध में, यह कहानी कि चरम अंधों ने हथियारों के रूप में अपनी सपाट टोपी का उपयोग किया था, प्रसिद्ध स्थानीय विवादास्पद, नॉर्मन टिपटाफ्ट द्वारा व्यापक रूप से प्रचारित अभियान के कारण गति पकड़ी, जिसके खिलाफ उनका मानना था कि बर्मिंघम में हिंसक अपराध में वृद्धि हुई थी। एक पूर्व लॉर्ड मेयर, उन्हें 125 नाम दिया गया था । यह एक ऐसी उपाधि थी जो उनकी भागीदारी के लिए उपयुक्त थी
'सतर्कता असाधारण'. हिंसा विरोधी
लीग की राष्ट्रीय समिति, जिसके वे संस्थापक थे और जिसने हिंसक अपराधियों के लिए कड़ी सजा के लिए अभियान चलाया था। इस प्रकार, 1957 से 1961 तक उन्होंने हिंसक अपराध के कुछ मामलों में कोड़े मारने की मांग करते हुए प्रेस को कई पत्र लिखे। इसके समर्थन में उन्होंने याद किया:

Machine Translated by Google

> ··· इस सदी की शुरुआत के दिन, 'पीकी ब्लाइंडर्स' युवाओं के दिन, जो अपनी नुकीली टोपी में रेजर ब्लेड से हमले करते थे।
> रिकॉर्डरों और मजिस्ट्रेटों द्वारा उन पर 10 और 5 का जुर्माना लगाया जा रहा था। तभी मिस्टर जस्टिस डे लिवरपूल से आये। उन्होंने एक युवा ठग को 20 कोड़े मारने का आदेश दिया, अन्य को सात, 14 और 20 साल के लिए जेल भेज दिया। उसने उन्हें नर्क दिया, जिसके वे पूरी तरह हकदार थे। दो साल के भीतर एक भी पीकी ब्लिंडर नहीं बचा। 126

टिपटाफ्ट ने इस अतिशयोक्तिपूर्ण अंश में जो कुछ भी दावा किया था वह गलत था। 1880 के दशक में, मिस्टर जस्टिस डे ने लिवरपूल में गिरोह के सदस्यों को कोड़े मारने का आदेश दिया था, लेकिन जब वह वारविक एसिज़ेस में थे तो उन्होंने पीकी ब्लाइंडर्स को ऐसी कोई सज़ा नहीं दी। ऐसा इसलिए था क्योंकि कोड़े मारने की सजा केवल सशस्त्र डकैती के मामलों में ही दी जा सकती थी। इसके अलावा, डे द्वारा गिरोह के किसी सदस्य को दी गई कारावास की सबसे लंबी अवधि दस साल थी - और वह असाधारण थी। आख़िरकार, सदी के अंत तक डे मिडलैंड्स में नहीं था और उसके कार्यों से दो वर्षों में चरम सीमाएँ कम नहीं हुईं। टिपटाफ्ट का यह दावा कि पीकी ब्लाइंडर्स ने अपनी नुकीली टोपी में रेजर ब्लेड से हमले किए, उनके बयान में दी गई हर बात की तरह ही गलत था।

हालाँकि उनका जन्म 1883 में हुआ था और वे दशकों के नारेबाज़ गिरोहों और पीकी ब्लाइंडर्स के दौरान बड़े हुए थे, लेकिन यह स्पष्ट है कि टिपटाफ़्ट को उनके बारे में बहुत कम पता था। एक युवा के रूप में वह स्प्रिंग हिल में अपने पिता की लोहे की दुकान के पीछे एक घर में रहते थे। उनका पालन-पोषण समृद्ध और धार्मिक था, उन्हें हैंड्सवर्थ के एक निजी स्कूल में भेजा गया, जो उस समय ज्यादातर मध्यवर्गीय क्षेत्र था। उनके पिता बाद में एक विनिर्माण जौहरी बन गए और 1898 में स्कूल छोड़ने के बाद टिपटाफ्ट ने इस व्यवसाय में प्रवेश किया, और दो साल बाद इसके वाणिज्यिक यात्री बन गए। ऐसे में उन्होंने काफी समय बर्मिंघम से दूर बिताया। उन्होंने अपनी आत्मकथा में कहीं भी सड़क पर गुंडागर्दी, चरमपंथी अंधभक्तों या मारपीट करने वाले गिरोहों का जिक्र नहीं किया है।

127

1960 के दशक तक, रेज़र ब्लेड के मिथक ने लोकप्रिय कल्पना में घर कर लिया था, जो इस तथ्य से मजबूत हुआ कि पीकी ब्लाइंडर नाम अपने आप में एक ऐसी चोटी का सुझाव देता था जो अंधा कर देती थी। 1977 में जॉन डगलस के व्यापक रूप से प्रचारित उपन्यास, ए वॉक डाउन समर लेन से इसे बढ़ावा मिला । अंतर-युद्ध के वर्षों में स्थापित, जिसे कई लोग बर्मिंघम के सर्वोत्कृष्ट गरीब मजदूर वर्ग के पड़ोस के रूप में मानते थे, इसने हंगामा पैदा कर दिया क्योंकि कई समर लेनर्स ने इसे क्षेत्र की नकारात्मक रूढ़िवादिता को बढ़ाने और मजबूत करने के रूप में देखा। कुछ लोग इस बात से नाराज थे कि ऐसा लगता है कि लेन को गंदगी, नशे में धुत लोगों, असभ्य लोगों और लड़ने वाले लोगों की जगह के रूप में चित्रित किया गया है। एक खंड में डगलस ने लिखा है कि:

Machine Translated by Google

पुरुषों के समूह पब खुलने की प्रतीक्षा में कोनों पर लटके हुए थे।
वे रविवार को अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन में थे; फटे हुए कफ़ वाली साफ़ कमीज़ें, कुछ कलफ़ लगी हुई; बहुतों के पास कॉलर और टाई नहीं थी, लेकिन वे गले पर बंधा हुआ एक सफेद रेशमी दुपट्टा पहनते थे और, यदि उनके पास एक था, तो एक पीकी-ब्लाइंडर पहनते थे। पीकी-ब्लाइंडर का शिखर आमतौर पर खुला होता था और पैनी या रेजर-ब्लेड या स्लेट के टुकड़े डाले जाते थे और फिर से सिल दिए जाते थे। टोपियाँ, पीकी-ब्लाइंडर्स, का उपयोग लड़ाई में सिर से उतारकर प्रतिद्वंद्वी की आंखों पर घुमाने के लिए किया जाता था, जिससे उन्हें क्षण भर के लिए अंधा कर दिया जाता था या गालों को काट दिया जाता था। 'ब्लिंडर' का चिह्न. नवीनतम प्रवृत्ति ज़िसमैन से पीक वाली टोपी खरीदने की थी, जो पूछेगा कि क्या आप चाहते हैं कि पीक को तोड़कर एक कोण पर आंख के ऊपर लाया जाए। स्मार्ट दिखने वाला.

समूहों में से कुछ पुरुष पिछली रात के शनिवार की रात के अवशेषों के बारे में बात कर रहे थे और कुछ के पास दिखाने के लिए कोई निशान नहीं था; ढेलेदार चेहरे, काली आँखें और फटे होंठ और कान। कुछ लोग कोनों पर अकेले खड़े थे, हाथ अपनी पीठ के पीछे बांधे हुए थे, 'ग्लोब' में 'चित्रों' में दिखने वाले गैंगस्टरों का अनुकरण करते हुए, एडवर्ड जी रॉबिन्सन प्रकार, टिप-पैर की अंगुली पर खड़े होकर और कंधों को तेजी से झुकाते हुए। 128

डगलस द्वारा समर लेन के चित्रण के जवाब में, पॉलीन और बर्नार्ड मैनियन ने युद्धों के बीच समर लेन के बारे में अधिक सीधी और यथार्थवादी पुस्तक लिखी। उन्होंने माना कि 'समर लेन के बारे में बहुत सारी कहानियाँ बताई गई हैं, कुछ सच्ची, कुछ काल्पनिक', लेकिन इस बात पर जोर दिया कि वे असली समर लेनर्स थे' जो चाहते हैं कि 1920 और 1930 के दशक में लेन में उनके जीवन की यादें सभी के लिए रिकॉर्ड में दर्ज हो जाएँ। 'के बारे में पढ़ने के लिए. मैनियन्स के व्यावहारिक दृष्टिकोण ने लोगों के पड़ोसीपन और उनकी सड़क पर उनके गौरव पर जोर दिया - वे गुण जो उन्होंने शहरी ब्रिटेन के गरीब श्रमिक वर्ग के इलाकों में रहने वाले कई लोगों के साथ साझा किए। उन्होंने स्वीकार किया कि झगड़े हुए थे, खासकर शनिवार की रात को, लेकिन इंग्लैंड के कई जिलों में भी झगड़े हुए, जबकि बगल की सड़कों पर गिरोह के झगड़े भी हुए: 'शायद एक पब दूसरे के खिलाफ था, और ब्लैक मारिया वैन सेट थे [पुलिस] स्टेशन से रवाना और अपराधियों से भरी हुई वापसी। फिर भी मैनियन्स ने पीकी ब्लाइंडर्स का कोई उल्लेख नहीं किया। यह आश्चर्य की बात नहीं है क्योंकि बर्मिंघम में कोई भी नहीं था

1920 और 1930 के दशक। 129

जहां तक 1890 के दशक और बीसवीं सदी के अंत के असली पीकी ब्लाइंडर्स की बात है, तो यह संकेत देने के लिए कोई सबूत नहीं है कि उन्होंने अपनी टोपी की चोटियों में डिस्पोजेबल सुरक्षा रेजर ब्लेड सिल दिए थे। पुलिस, अदालत और अखबारों में मारपीट करने वाले गिरोहों और पीक ब्लाइंडर्स के हमलों से जुड़े झगड़ों की रिपोर्टों में उल्लेखित सभी हथियारों में से किसी में भी पीक ब्लाइंडर्स द्वारा सिल दिए गए डिस्पोजेबल रेजर ब्लेड के उपयोग का उल्लेख नहीं किया गया है।

Machine Translated by Google

एक सपाट टोपी. इसी तरह, उस समय के लोगों की यादों में भी ऐसा कोई हथियार याद नहीं है।

जॉर्ज मॉरिस का जन्म 1885 में थॉर्प स्ट्रीट में हुआ था और उन्होंने इस बात पर जोर दिया था कि यह एक ऐसा जिला है जो 1890 के दशक में परेशानी का केंद्र था, जब 'कभी-कभी दो पुलिस कांस्टेबलों को भी बिना हस्तक्षेप के अनुमति नहीं दी जाती थी।' उनके पिता का जन्म ब्रेड स्ट्रीट में न्यू स्ट्रीट स्टेशन की वर्तमान साइट के एक हिस्से में हुआ था और वह बर्मिंघम में 'पीकी ब्लाइंडर्स' और 'गैंग वॉर के बुरे पुराने दिनों' की कहानियाँ सुनाया करते थे, यह याद करते हुए कि 'एक लड़के के रूप में, मैं रिवॉल्वर, चाकुओं, संगीनों, बक्कल बेल्टों, बोतलों और आधी ईंटों से लड़ाई और सिर कुचलते देखा है!'

सबसे प्रासंगिक बात यह है कि बर्मिंघम पौराणिक कथाओं और श्रृंखला दोनों में पीकी ब्लाइंडर्स के लिए जिस प्रकार के डिस्पोजेबल सुरक्षा रेजर ब्लेड को जिम्मेदार ठहराया गया था, वे उस समय आसानी से उपलब्ध नहीं थे जब गिरोह अपने सबसे बड़े पैमाने पर थे। उन्नीसवीं सदी में, पुरुष या तो गला काटने वाले (सीधे) रेजर से अपनी दाढ़ी बनाते थे या नाई के पास जाते थे, क्योंकि ऐसे रेजर महंगे होते थे। सुरक्षा रेज़र, जिसमें ब्लेड के किनारे और त्वचा के बीच एक गार्ड होता था, का विज्ञापन 1830 के दशक से किया गया था, लेकिन वे डिस्पोजेबल नहीं थे, जो इस मिथक की जांच के मामले में महत्वपूर्ण है। कैप में फिट करने के लिए रेज़र को डिस्पोजेबल होने की आवश्यकता होगी - जो उस समय उपलब्ध थे वे इस उद्देश्य के लिए उपयुक्त नहीं होंगे। 1880 तक अमेरिका में हटाने योग्य ब्लेड वाले सुरक्षा रेज़र का पेटेंट पंजीकृत नहीं किया गया था। इसमें एक सिर पर समकोण पर एक हैंडल लगा हुआ था जिसमें एक हटाने योग्य ब्लेड रखा गया था। हालाँकि, ब्लेड डिस्पोजेबल नहीं था और गला काटने वाले रेजर की तरह, इसके किनारे को काटना और तेज करना पड़ता था। इसका मतलब यह हुआ कि सेफ्टी रेजर से शेविंग करना महंगा था।

1883 के एक विज्ञापन में विभिन्न सुरक्षा रेज़रों की कीमत एक से छह शिलिंग तक बताई गई थी। कामकाजी वर्ग के पुरुषों के लिए ये निषेधात्मक कीमतें थीं, यह देखते हुए कि एक अकुशल श्रमिक प्रति सप्ताह पंद्रह शिलिंग कमाने के लिए भाग्यशाली होगा - और इसके शीर्ष पर, शेविंग साबुन, स्ट्रॉप्स, ब्रश और ब्लेड खरीदने होंगे। बीसवीं सदी की शुरुआत तक, गरीबी रेखा प्रति सप्ताह लगभग एक पाउंड (20 शिलिंग) दी जाती थी। 1904 में, नवीनतम विल्किंसन स्वोर्ड सेफ्टी रेजर आठ शिलिंग और सिक्सपेंस में बिक रहा था, जिसमें छह अतिरिक्त ब्लेड सहित एक केस की कीमत 35 शिलिंग थी। कुल मिलाकर यह गरीबी रेखा से दोगुने से भी अधिक था।

बीसवीं सदी की शुरुआत तक किंग सी. जिलेट डिस्पोजेबल सुरक्षा रेजर ब्लेड बनाने में सफल नहीं हुए थे। उनके लिए पहला मुख्य विज्ञापन 1910 तक ब्रिटेन में दिखाई नहीं दिया, जैसे ही पीकी ब्लाइंडर्स और स्लॉगिंग गिरोह गायब हो गए थे। 12 डबल-एज ब्लेड वाले मखमली-रेखा वाले चमड़े के केस में एक मानक रेजर सेट की कीमत 21 शिलिंग थी, जबकि जिलेट शेविंग साबुन और जिलेट शेविंग ब्रश सहित एक संयोजन सेट 25 शिलिंग और £ 3 के बीच बिक्री पर था। ऐसी रकम भी कामकाजी वर्ग के पुरुषों की पहुंच से बाहर थी -

Machine Translated by Google

और जैसा कि था, शुरुआती पीकी ब्लाइंडर्स वैसे भी फ्लैट कैप नहीं पहनते थे।

बिलीकॉक्स और फ्लैट कैप्स

आर्थर मैथिसन ने पीकी ब्लाइंडर्स का एक दुर्लभ और महत्वपूर्ण प्रत्यक्ष विवरण प्रदान किया। वह 1890 के दशक में अपने उत्कर्ष के दिनों में समर लेन में रहते थे। 1870 में जन्मे, जब वह लगभग अठारह या उन्नीस वर्ष के थे, उनके पिता को सेंट जॉर्ज जिले के जन्म और मृत्यु के लिए रजिस्ट्रार नियुक्त किया गया था। ऐसे में, उन्हें इस क्षेत्र में रहना पड़ा और समर लेन में एक काफी बड़ा घर लेना पड़ा। 1937 में लिखते हुए, मैथिसन को याद आया कि यह था:

> · · · बर्मिंघम की औसत सड़कों में से एक, जिसके चारों ओर बहुत सारी झुग्गियां हैं, और ब्रुमगेम का मिलन स्थल, जिसे उस दिन 'पीकी ब्लाइंडर' के रूप में जाना जाता था। गरीबी, गंदगी और झुग्गी-झोपड़ी के माहौल का यह उत्पाद लगभग चालीस साल पहले सम्मानित लोगों के लिए एक आतंक था। उन्हें अपनी व्यक्तिगत उपस्थिति पर गर्व था और उन्होंने अपने किरदार को कुशलता से तैयार किया।
>
> बेल-बॉटम पतलून जिसमें एक बकल बेल्ट, हॉबनेल वाले जूते, एक प्रकार की जैकेट, एक भड़कीला स्कार्फ और एक लंबी लम्बी किनारी वाली बिलीकॉक टोपी होती है। यह टोपी एक आंख के ऊपर अच्छी तरह पहनी जाती थी, इसलिए इसका नाम 'पीकी ब्लाइंडर' पड़ा। उसके पूरे सिर पर बाल कटे हुए थे, सामने एक 'क्विफ़' को छोड़कर जो लंबा हो गया था और उसके माथे पर तिरछा चिपका हुआ था। वह आम तौर पर एक 'स्लॉगिंग' गिरोह से संबंधित होता था, और प्रतिद्वंद्वी गिरोहों के बीच भयानक झगड़े होते थे। वह पुलिस के लिए भी एक आतंक था, जो हर शनिवार रात को जोड़े में समर लेन पर जाता था, लेकिन उसने कभी भी मेरे परिवार के किसी भी सदस्य से छेड़छाड़ नहीं की। शायद चूँकि हम उनके दरवाजे पर रहते थे, इसलिए शिष्टाचार या गोद लेने के कारण हमारे साथ गिरोह के सदस्यों जैसा व्यवहार किया जाता था। मुझे टेलीग्राफ कार्यालय में काम करने के घंटों के अनुसार चौबीसों घंटे घर जाना पड़ता था, और स्थानीय दबंग हमेशा मुझे कामरेडशिप का संकेत देते थे। एक रात, मैं एक शौकिया प्रदर्शन में अभिनय कर रहा था और आधी रात के लगभग बारह बजे, जो पोशाक मैंने पहनी हुई थी, घुड़सवार सेना की वर्दी में घर आया। मैं एक कुख्यात अदालत के प्रवेश द्वार पर आराम कर रहे सुंदरियों के समूह के पास से गुजरा। उनमें से एक ने कहा, 'चलो सॉजर की पलक झपकाने वाली गति को खत्म कर दें,' जब दूसरे ने मेरी ओर अच्छी तरह से देखते हुए कहा, 'स्ट्रेथ, यह सोजर नहीं है; यह केवल रजिस्ट्रार का बदमाश है।' इसमें कोई संदेह नहीं कि मेरी अनुमानित नाजायजता ने मुझे उस अवसर पर हिंसक हमले और मारपीट से बचा लिया, लेकिन मुझे एक आदमी और एक भाई के रूप में पहचाने जाने पर काफी गर्व महसूस हुआ।

Machine Translated by Google

अपराध. [131]

मैथिसन द्वारा वर्णित वस्त्रों की पुष्टि समसामयिक विवरणों से होती है। 1890 में, आर्थर कॉटन नामक एक दुष्ट को चार्ल्स हेनरी स्ट्रीट 'बेल-बॉटम' गिरोह के सदस्य के रूप में नामित किया गया था। बेल-बॉटम पतलून को स्लॉगर के विनियमन पतलून के रूप में घोषित किया गया था, और एक साल बाद गिरोह 132 पतलून के घंटी वाले हिस्से को अक्सर 'बेल-बॉटम क्रू' कहा जाता था। मोती बटनों की एक पंक्ति से सजाया गया। 133 जहां तक 1890 के दशक की बिलीकॉक का सवाल है, यह एक प्रकार की गेंदबाज शुरुआत में पीकी ब्लाइंडर्स के हेडगियर के रूप में विख्यात टोपी थी। इसे व्यापक रूप से कामकाजी आदमी की एक विशेषता के रूप में माना जाता था, जैसा कि 19 मई 1891 को बर्मिंघम डेली पोस्ट में स्पष्ट किया गया था। साल्टली में नहर में मृत पाया गया एक वृद्ध व्यक्ति 'स्पष्ट रूप से श्रमिक वर्ग का था' क्योंकि उसने गहरे नीले रंग की पोशाक पहनी थी। सर्ज सूट, कॉर्ड ट्राउजर, लेस-अप जूते और बिलीकॉक टोपी। 134

मैथिसन के लेख में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि पीकी ब्लाइंडर्स का नाम मूल रूप से एक लम्बी रिम के साथ बिलीकॉक पहनने से पड़ा है, जो एक आंख पर अच्छी तरह से पहना जाता है, यह एक महत्वपूर्ण है और दूसरों की यादों द्वारा समर्थित है, जिनके पास प्रत्यक्ष ज्ञान भी था। 1936 में, एक एफ. एटकिंस ने बर्मिंघम वीकली पोस्ट को लिखा था, जिसमें कहा गया था कि पीकी ब्लाइंडर्स के कपड़ों में पतलून शामिल थे, जिनकी माप नीचे से 22 इंच और घुटने के चारों ओर 15 इंच थी, हालांकि कुछ लोग मोलस्किन या डोरियों को पसंद करते थे। वे रेशम का 'डफ़' भी पहनते थे, जैसा कि इसे कहा जाता था, उनकी गर्दन के चारों ओर दो बार लपेटा जाता था और सिरों पर बांधा जाता था। तब इसे 'चोकर' कहा जाता था। जहाँ तक टोपी की बात है, यह एक गेंदबाज़ था जिसका किनारा किनारों पर फिट होने के लिए बनाया गया था, जबकि किनारे का अगला हिस्सा लगभग एक जग की टोंटी की तरह एक बिंदु पर आ गया था। यह किनारे को गीला करके, उसे आग से गर्म करके और फिर उसे आवश्यक आकार देकर प्राप्त किया गया था।

जैसा कि मैथिसन ने भी देखा, नोर्मा एल. बीट्टी के पिता ने ब्रिम को सिर के किनारे पहना था दूसरी तरफ के बालों को 'क्विफ़' में दिखाएँ। उनका जन्म 1879 में लैंगली [135] रोड, स्मॉल हीथ में हुआ था। वह पुष्टि करती हैं कि पीकी ब्लाइंडर्स 'निश्चित रूप से 1920 के दशक में नहीं थे'। जब उसके पिता युवा थे, तब वे आसपास थे और 'उन्होंने जो टोपियाँ पहनी थीं, वे गेंदबाज टोपियाँ थीं और सामने की ओर एक चोटी में खींची गई थी और उनकी आँखों पर अच्छी तरह से खींची गई थी - इसलिए 'पीकी ब्लाइंडर्स'। 136 बर्मिंघम पुलिस हिरासत में लोगों की तस्वीरें रिकॉर्ड करने वाली देश की पहली फोर्स थी और वेस्ट मिडलैंड्स पुलिस संग्रहालय में कैदियों की तस्वीरों

का ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण संग्रह है, जिसमें बड़ी संख्या में कैदी शामिल हैं। 137 टोपी पहनने वालों में से 64 के पास गेंदबाज/बिलीकॉक हैं। , 1892 से 1895 तक 59 फ़्लैट। किसी प्रकार की टोपियाँ और चार अन्य प्रकार की टोपियाँ। इसके विपरीत, की तस्वीरों में

Machine Translated by Google

1903-7, 479 के कैदियों के पास किसी न किसी प्रकार की फ़्लैट टोपियाँ और 73 बॉलर/बिलीकॉक्स हैं, जिनमें से केवल कुछ ही अन्य प्रकार की टोपी पहनते हैं। फैशन में यह उल्लेखनीय बदलाव पीकी ब्लाइंडर्स के हेडगियर में परिलक्षित हुआ।

1892 में जन्मे वीडब्ल्यू गैरेट बाथ रो पड़ोस में गरीबी में पले-बढ़े।
1939 में प्रकाशित अपनी जीवन कहानी में, उन्होंने देखा कि उनके युवा दिनों में, खुरदरे लोगों के प्रतिद्वंद्वी गिरोह चोटी वाले अंधों से बने थे, जो लंबी चोटी वाली टोपी और चौड़े, बेल-बॉटम पतलून पहनते थे जो घुटनों की ओर पतले होते थे। सामने की ओर चमकीले पीतल के बटनों की एक पंक्ति ने अतिरिक्त विशिष्टता प्रदान की।' जहां तक हथियारों की बात है, वे बेल्ट और नक्कल डस्टर का इस्तेमाल करते थे। 138

फ्रेड सटन का जन्म 1898 में हुआ था और वह एस्टन में पले-बढ़े थे और वह एक अन्य व्यक्ति थे जो पीकी ब्लाइंडर्स को प्रत्यक्ष रूप से जानते थे। वह भी उनकी टोपियों का उल्लेख करते हुए बताते हैं: 'वे केवल चोटीदार टोपियां थीं क्योंकि वे एक टोपी पहनते थे जिसे वे आंखों पर अच्छी तरह से मोड़ते थे। आप शिखर को जानते हैं, ठीक है, वे शिखर को अपनी आंखों पर झुका लेते थे और आप मुश्किल से उनकी आंखों को देख पाते थे और यदि वे आपसे बात कर रहे होते थे तो आपको उन्हें देखने के लिए उसी तरह जाना पड़ता था, आप जानते हैं कि मेरा क्या मतलब है।

शिखर एकदम नीचे झुका हुआ था, ऐसा ही था।' 139 प्रथम विश्व युद्ध से पहले, उनकी टोपी की चोटी को चेहरे पर अच्छी तरह से खींचने की इस चरम-अंधा शैली पर विभिन्न समाचार पत्रों में टिप्पणी की गई थी।

बिलीकॉक की तुलना में फ्लैट कैप की प्राथमिकता में बदलाव के साथ-साथ बालों के फैशन में भी बदलाव आया, 1890 के दशक के अंत तक, पीकी ब्लाइंडर्स
गधे की फ्रिंज के साथ छोटे कटे हुए बालों को प्राथमिकता दी। [140] बर्मिंघम मेल के एक समकालीन लेखक के अनुसार , यह गुच्छा 'पहनने वाले के चेहरे को एक बुरा रूप देता था'।
[141] 1906 की गर्मियों में, जब पीकी ब्लाइंडर्स अपने अंत की ओर आ रहे थे, बर्मिंघम के विक्टोरिया लॉ कोर्ट में 'पीकी' हेयरड्रेसिंग में एक नई शैली देखी गई। आम तौर पर, 'स्थानीय गुंडे के बाल छोटे कटे होते हैं, सिवाय एक झालर के, जिसे वह अपने माथे के किसी भी विस्तार पर सावधानीपूर्वक चिपका लेता है। यह विशेष विधा जाहिर तौर पर फैशन से बाहर हो गई है और इसकी जगह सेंटर पार्टिंग ने ले ली है।' कटे हुए सिर के साथ संयोजन में, प्रभाव को काफी उत्सुक माना जाता था।

[142]

गुंडागर्दी और गिरोहों पर शोध के अग्रणी जेफ्री पियर्सन ने कहा कि लंदन के गुंडों ने भी 'चोटीदार टोपी, गर्दन स्कार्फ, बेलबॉटम "संकीर्ण-गो-चौड़े" पतलून, घुटनों तक कसकर कट, भारी चमड़े की बेल्ट का एक समान ड्रेस कोड अपनाया। धातु के स्टड में डिज़ाइन किए गए डिज़ाइन के साथ, और एक हेयर स्टाइल जिसे माथे पर लटकते हुए 'गधा फ्रिंज' के साथ खोपड़ी के करीब काटा गया था। 143 मैनचेस्टर और सैलफोर्ड के स्कैटलर्स ने इसी तरह के फैशन का समर्थन किया। उन्होंने बेल-बॉटम पतलून और गर्दन के चारों ओर आकर्षक रेशम स्कार्फ पहना था, जबकि उनके बाल पीछे और किनारों पर छोटे कटे हुए थे। हालाँकि, उनके पास लंबी झालरें थीं, जिन्हें घिसकर बाईं आंख के ऊपर माथे पर चिपका दिया गया था। कबूतर-बोर्ड नुकीली टोपियाँ

Machine Translated by Google

इन्हें बायीं ओर झुका हुआ भी पहना जाता था, और फ्रिंज को प्रदर्शित करने के लिए कोण पर रखा जाता था।' [144]

फिर भी, कम से कम बर्मिंघम में, पीकी ब्लाइंडर की आय के आधार पर कपड़ों में कुछ अंतर थे, जैसा कि 1899 की सेंट्रल लिटरेरी मैगज़ीन में एक लेखक ने टिप्पणी की थी, जिस पर जेआरसी के रूप में हस्ताक्षर किए गए थे। लेखक ने बताया कि पीकी ब्लाइंडर आम तौर पर पहना जाता था। 20 या उससे अधिक का गिरोह और उसके कपड़े अलग-अलग हों:

> · · · अच्छी तरह से तैयार सम्मानजनकता से, मखमली जैकेट में, चमकीले रंग का स्कार्फ, विशाल धातु की अंगूठी और मुकुट वाली सिगरेट से लेकर, कम पसंदीदा कॉरडरॉय तक - एक फटा हुआ, मैला-कुचैला, गन्दा और भद्दा टॉग्स का सेट, पिन किया हुआ या यहां तक कि एक साथ कीलों से ठोंका हुआ - सामूहिक रूप से वे कुछ हद तक प्रभावशाली सेना बनाएं, छोटे दुकानदार के लिए आतंक, पुलिसकर्मी की अन्यथा नीरस धड़कन पर हमेशा परेशान करने वाला चारा, उसकी शांति और खुशी के लिए लगातार खतरा, सुरक्षा का तो जिक्र ही नहीं, या अक्सर जीवन के लिए।

इस लेखक ने पीकी ब्लाइंडर्स को सच्ची नागरिकता वाले लोगों से एक अंतर द्वारा अलग किए गए युवाओं के रूप में माना। लापरवाह या उदासीन माता-पिता से जन्मे, कम उम्र से ही सड़कें उनका एकमात्र खेल का मैदान थीं। यहीं पर उसने अपने दोस्तों को उसी तरह के बुरे लोगों के बीच पाया, उसे लगा कि किसी को उसकी परवाह नहीं है, और बदले में उसे किसी की देखभाल की ज़रूरत नहीं है, पीकी जल्द ही अपने दुश्मनों की पूरी ताकत को जानना और मापना सीख जाता है। , जिसमें उनके विचार से, स्कूल उपस्थिति अधिकारी, श्रम के नियोक्ता, गृह संपत्ति के जमींदार, "तांबे" और "चोंच" जैसे बेकार प्राणी शामिल हैं। उनका दैनिक जीवन भोजन के बाद लगातार हाथापाई, शरारत या खेल, 'सड़क फुटबॉल से लेकर कोर्ट या गली के एकांत में पिच और टॉस तक' में से एक था।

[145]

फिर भी, भले ही वे व्यापक समाज से अलग-थलग थे, चरमपंथी अंधभक्त और नारेबाज़ अपने ही समुदाय से बाहर नहीं थे। वे श्रमिक वर्ग के पड़ोस में रहते थे और अधिकांश विभिन्न प्रकार के व्यवसायों में काम करते थे। जिन अदालती मामलों पर चर्चा की गई और जिन पर चर्चा की जानी है, उनसे पता चलता है कि कई मजदूर थे, लेकिन अन्य पीतल के व्यापार में थे और एक सोना पीटने वाला था - जबकि कुछ को पुलिस ने कड़ी मेहनत करने वाले लड़के के रूप में वर्णित किया था।

हालाँकि सत्ता में कई लोग चरमपंथी अंधभक्तों और नारेबाज़ों को नागरिक जीवन के हाशिए पर एक अलग समूह से आने वाले के रूप में देखते थे, लेकिन करीब से जांच करने पर एक अलग तस्वीर सामने आती है। व्यावसायिक दृष्टि से, वे अक्सर 'अवशेष', आपराधिक वर्ग और बेरोजगार से नहीं, बल्कि औद्योगिक श्रमिकों की श्रेणी से आते थे, जो बर्मिंघम के युवा पुरुष कार्यबल का बहुमत बनाते थे। इसे 'ब्रेड एंड बॉर्न ब्रम' ने एक पत्र में उजागर किया था

Machine Translated by Google

1936 में बर्मिंघम वीकली पोस्ट , जिसने इस बात पर जोर दिया था कि पीकी ब्लाइंडर 'सिर्फ एक साधारण कामकाजी आदमी था, वह हमेशा किसी पीतल की·फाउंड्री में दिन के दौरान काम पर पाया जा सकता था, खराद या वाइस पर या शायद पॉलिशर के रूप में या में अपना काम करते हुए। कास्टिंग की दुकान।' लंदन की सड़क पर लड़ने वाले गिरोहों और गुंडों पर हीदर शोर का गहन शोध [146]

इस राय का समर्थन करता है। उन्होंने सड़क पर हिंसा में शामिल लड़कों और युवाओं को उनके कामकाजी वर्ग के समुदायों में रखा, जो केवल झुग्गियां नहीं थीं। अधिकांश भाग में, ये युवा 'मिश्रित वर्ग समुदायों में रहते थे जिनमें वे काम भी करते थे, शराब पीते थे और मेलजोल भी रखते थे।' विक्टोरियन प्रेस की बयानबाजी ने गुंडों को आपराधिक वर्ग के सदस्यों के रूप में लेबल किया हो सकता है, लेकिन 'वास्तव में सड़क गिरोहों की सदस्यता और पहचान समकालीन लोगों की तुलना में अधिक असंगठित, अधिक लचीली और अधिक क्षणभंगुर थी।'

जिन युवाओं के साथ उसने लंदन में पढ़ाई की, उनमें से अधिकांश काम करते थे, लेकिन ज्यादातर निम्न-स्तर और कम-कुशल व्यवसायों में, जैसा कि बर्मिंघम में मामला प्रतीत होता है, और यह हो सकता है कि गिरोह ने उन्हें शरण की जगह की पेशकश की हो। सामाजिक रूप से हाशिए पर महसूस करना, जिस छोटे से क्षेत्र में वे रहते थे, उससे जुड़े एक सड़क गिरोह से संबंधित होने की पहचान का तमगा अर्थ रखता था।
[147]

पीकी ब्लाइंडर्स वाली लड़की

1901 के अखबार के एक अंश में, पीकी ब्लाइंडर्स को ''एरी'' और उनसे जुड़ी युवतियों को ''एरियट'' कहा गया था। इन सामान्य शब्दों का इस्तेमाल अपमानजनक तरीके से किया गया था और इनकी तुलना आधुनिक समाज में 'केविन' और 'शेरोन' के अपमानजनक इस्तेमाल से की जा सकती है। हालाँकि, आमतौर पर पीकी ब्लाइंडर्स से जुड़ी युवा महिलाओं का समाचार पत्रों में बहुत कम उल्लेख किया गया था, सिवाय उन लोगों के कभी-कभार संदर्भ के अलावा जिन पर हमला किया गया था। उदाहरण के लिए, 1901 में, बर्मिंघम डेली गजट के पाठक लोअर लवडे स्ट्रीट के डेनिस कैनेडी नामक एक व्यक्ति के मामले से परेशान थे, जिसे इसाबेल मैडेन पर फ़ाइल से हमला करने और कई कट लगाने के आरोप में दो महीने के लिए जेल भेज दिया गया था। उसने हाल ही में अपनी बहन पर हमला करने के लिए तीन महीने की सजा काट ली थी। अदालत में, मैडेन ने कहा कि कैनेडी ने उसके बच्चे को कमीने कहा था, लेकिन इस बात से इनकार किया कि वह उसके साथ संगति कर रही थी। हालाँकि, उसने बताया कि, 'मैं जिस युवक के साथ बाहर निकलती हूँ, वह हमेशा मेरे प्रति उदासीन रहता था। उन्होंने हमेशा मेरे साथ अच्छा व्यवहार किया।' उसने स्वीकार किया कि उसने कैनेडी को अपने हेयर पिन से खरोंच दिया होगा, और उसके चेहरे पर एक पतली लाल रेखा थी, लेकिन हालाँकि उसने पहले उसे मारा था लेकिन उसने उसे माफ कर दिया। 148 रिपोर्टर ने कहा कि इस मामले ने शहर में निम्न जीवन पर कुछ बहुत सुखद प्रकाश नहीं डाला, लेकिन श्रमिक वर्ग के बारे में बहुत सारे सबूत मिले और

Machine Translated by Google

विशेष रूप से गरीबों के लिए, इसे मध्यवर्गीय परिप्रेक्ष्य के माध्यम से फ़िल्टर किया गया था। इसे ध्यान में रखते हुए, देर से विक्टोरियन समाचार पत्रों में 'मलिन बस्तियों' के सनसनीखेज प्रतिनिधित्व पर इतिहासकार एलन मेने के शोध और निष्कर्षों पर ध्यान देना महत्वपूर्ण है। कुल मिलाकर, मध्यम वर्ग के पर्यवेक्षकों ने गरीब इलाकों को अंधेरे, उदास और अन्यायपूर्ण स्थानों के रूप में बदनाम किया, जहां न केवल गरीबी थी, बल्कि हिंसा, बुराई, आपराधिकता और नशे की लत भी थी। पुरुष ठग थे और महिलाएँ या तो अच्छी या बुरी थीं - गृहिणी या गंदी - और अक्सर क्रूर प्रेमी और पतियों की शिकार होती थीं। 149

डेविस ने देर-विक्टोरियन बर्मिंघम में युवाओं, हिंसा और प्रेमालाप पर अपने गहन लेख में इन लैंगिक मुद्दों पर चर्चा की। यह अठारह वर्षीय मेटल पॉलिशर जेम्स हार्पर के मामले पर केंद्रित था। दिसंबर 1898 में, उन्हें अपनी पूर्व 'प्रिय' एमिली पिम की हत्या का दोषी पाया गया था, जिसे उन्होंने उस समय सिर और शरीर पर लात मारी थी जब वह झुकी हुई थी।

बर्मिंघम प्रेस में हार्पर पर टिप्पणियाँ एक गिरोह के सदस्य, या 'पीकी ब्लाइंडर' के रूप में उनकी कथित स्थिति पर केंद्रित थीं, जबकि उनकी और पिम की पहचान शहर के सबसे कुख्यात जिलों में से एक, समर लेन में झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वालों के रूप में की गई थी। फिर भी हार्पर के खिलाफ सबूतों ने यह स्पष्ट कर दिया कि वह और उसका परिवार दोनों, कम से कम कुछ हद तक, सम्मानजनक थे, और उन्होंने चोटीदार अंधों की तरह कपड़े नहीं पहने थे। फिर भी, स्थानीय प्रेस और न्यायिक प्रणाली में, मामले को आसानी से सुलझा लिया गया: हार्पर को एक हिंसक गिरोह के सदस्य के रूप में शापित किया गया था, जिसने 'झुग्गी' पति द्वारा अपनी पत्नी को पीटने के विशेषाधिकार की आशंका जताई थी। एक झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाले और इस प्रकार सामाजिक रूप से हाशिये पर रहने वाले व्यक्ति के रूप में, उन्हें अपने क्रूर आवेगों को रोकने में असमर्थ माना जाता था और उनका व्यवहार सभ्यता पर एक दाग था। हार्पर की हरकतें निस्संदेह हिंसक और नैतिक रूप से भ्रष्ट थीं, लेकिन इसका दोष पूरी तरह से उसकी सामाजिक परिस्थितियों पर मढ़ना उन लोगों पर गलत और अन्यायपूर्ण है, जिन्होंने जीवन में उसकी स्थिति को साझा किया था। हिंसा के पीछे की वास्तविकता को डेविस ने विस्तार से बताया है, जिसका विश्लेषण हार्पर की हिंसा को केवल 'झुग्गी-झोपड़ी' निवासियों तक सीमित बताने पर संदेह पैदा करता है। हालाँकि प्रेमालाप और विवाह के भीतर हिंसा सार्वभौमिक नहीं थी, फिर भी यह प्रथागत थी - और सामाजिक वर्गों में फैली हुई थी। 150

हार्पर के व्यवहार पर आक्रोश के दौरान, बर्मिंघम मेल ने स्थानीय युवाओं के विचार जानने के लिए एक रिपोर्टर को समर लेन भेजा। साक्षात्कार लेने वालों में से एक पीकी का 'मोल' था। उसके माध्यम से, पाठकों को 'प्रेम-निर्माण के उन तरीकों' के बारे में 'अंतर्दृष्टि' दी गई जो आज बेल-बॉटम बिरादरी के बीच प्राप्त होते हैं। इसमें कोई शक नहीं कि अखबार के कई पाठक इस 'विदेशी' शख्सियत के वर्णन से काफी रोमांचित हुए होंगे, जिसे वे 'अंडरक्लास' मानते होंगे। पीकी के मोल को उसकी पोशाक और हेयर स्टाइल के माध्यम से आसानी से पहचाना जा सकता था, जो कि पीकी की छवि को प्रतिबिंबित करता था। उसके पास मोती के बटनों का एक भव्य प्रदर्शन था, एक झालर उसके पूरे हिस्से को अस्पष्ट कर रही थी

Machine Translated by Google

माथा जो लगभग उसकी आँखों तक उतर रहा था, एक भड़कीले रंग का रेशमी नेकर उसके गले को ढँक रहा था, और उसका सिर पंखों और पोपियों से सजी एक विस्तृत टोपी के नीचे छिपा हुआ था।

लेख के लेखक के अनुसार, चोटीदार अंधी का तिल उसके प्रेमी के बारीकी से काटे गए सिर पर घावों को गौरवान्वित करता है, प्रत्येक को उसकी मर्दानगी के प्रमाण के रूप में मानता है। 151 इस बात को छह साल बाद एक अन्य पत्रकार ने दोहराया जब यह पता चला कि एक पीकी ब्लाइंडर बंद-काटे हुए बालों को प्राथमिकता देता था ताकि बकल-बेल्ट और पुलिसकर्मी की छड़ी से बने घावों को पहचाना जा सके।

उन्होंने इन घावों को उसी दृष्टि से देखा जैसे एक सैनिक पदकों को अपने कार्यों के सम्माननीय साक्ष्य के रूप में देखता है। लेकिन उन्होंने न केवल इन निशानों की सराहना की, क्योंकि 'उनकी माँ - जैसा कि वह अपनी प्रेमिका को बुलाते हैं - उन्हें दिखावटी गर्व के साथ देखती हैं। जितने अधिक निशान "पीकी" के बारीकी से काटे गए पैट को सजाते हैं, उतने ही अधिक संख्या में लड़की प्रेमी हैं जो "ब्लाइंडर" को पसंद करते हैं।' 152 यह जानना महत्वपूर्ण है कि पीकी ब्लाइंडर्स और उनसे जुड़ी युवा महिलाओं के प्रतिनिधित्व को मध्यवर्गीय पत्रकारों के चश्मे से देखा जाता है और वे वर्ग पूर्वाग्रह से ग्रस्त हैं। जैसा कि बेनी ग्रीन ने गहराई से देखा है, समग्र रूप से शहरी जनता कभी भी स्वयं के यह है रूप में प्रकट नहीं हुई 'बल्कि केवल कुछ ऐसी चीज़ के रूप में जिसे किसी और चीज़ में बदला जा सकता है।' 153 यह श्रमिक वर्ग के हाशिये पर मौजूद समूहों के लिए और भी अधिक था, जैसे कि पीकी ब्लाइंडर्स - जिनमें से कोई भी अपने लिए नहीं बोलता था।

इन मध्यवर्गीय वृत्तांतों के विपरीत, पीकी ब्लाइंडर्स और उनकी गर्लफ्रेंड्स के बारे में गरीब कामकाजी वर्ग के परिप्रेक्ष्य से एक दुर्लभ और मूल्यवान स्रोत सेसिलिया कोस्टेलो, नी केली द्वारा प्रदान किया गया है। 1884 में जन्मी, वह बुल रिंग के आसपास विभिन्न गलियों में बैक-टू-बैक आवास में पली-बढ़ी, लेकिन उसके माता-पिता आयरलैंड के पश्चिम से थे और उसके पिता, एडवर्ड ने उसे पारंपरिक गाने सिखाए जो उन्होंने प्रवास से पहले सीखे थे। . सेसिलिया की खोज स्वयं 1951 में लोक-संगीत विद्वानों द्वारा की गई थी, और 1967 में, चार्ल्स पार्कर और पाम बिशप ने उनसे बड़ी संख्या में यादें और गीत एकत्र किए। उन्होंने बताया कि, उनके समय में, 1890 के दशक में, युवाओं के पतलून:

> · · · महिलाओं की स्कर्ट की तरह फड़फड़ाते थे, वे बेलबॉटम ट्राउजर थे।
> उनके पास हमेशा मेल खाने वाली एक टोपी होती थी, और उनके पास फूलों वाला एक काला रेशमी दुपट्टा होता था। यदि वे आयरिश होते तो यह हरा शेमरॉक होता; यदि वे अंग्रेजी होते तो यह डेल्स [डैफोडील्स?] होते, सभी कटे हुए, स्कार्फ पर बुने हुए। और उन्होंने उन्हें आज की तरह कभी नहीं बांधा था, उन्होंने उन सभी को ढीला कर दिया था और बाहर की ओर झूल रहे थे; एक तरफ टोपी, एक तरफ बेल बॉटम पतलून। अगर हमने आप जैसे किसी साधारण आदमी को आते देखा, तो हम आपको देखने का सपना भी नहीं देखेंगे - 'क्या वह आम नहीं है?' और औरत भी.

Machine Translated by Google

वहां तक दस्ताने पहने महिला जैसी, और उसकी टोपी ठीक से लगी हुई थी। जबकि पीकी ब्लाइंडर्स वाली लड़की के पास एक बहुत बड़ी टोपी होगी, और वह व्यक्ति उसके साथ सड़क पर आ रहा होगा।

तो वे गा रहे होंगे:

मेरा लड़का एक पीकी है, उसके लिए इससे बुरा कोई नहीं है, उसके
पास बेल बॉटम ट्राउजर और एक पीकर
ब्लाइंडर की टोपी है, उसकी उंगलियों पर

अंगूठियां हैं और उसकी गर्दन पर एक
डैफ है, इसलिए आप सभी

नासमझ पार्कर इसे उसमें से निकाल सकते हैं! 154

मैनचेस्टर और सैलफोर्ड में, डेविस को महिला स्कैटलर्स के सबूत मिले हैं और ऐसे संकेत हैं कि बर्मिंघम में कुछ युवा महिलाएं भी चरम ब्लाइंडर गिरोह में सक्रिय रूप से शामिल थीं।

[155] अपने समसामयिक लेख में, जेआरसी ने उल्लेख किया कि पीक ब्लाइंडर्स केवल पुरुष नहीं थे, और 'उनकी बहनें भी अक्सर समान रूप से निषिद्ध हिंसा पर उतरती हैं, और अक्सर सड़क पर अपने पुरुष साथियों की सहायता और उकसाने वाली भी होती हैं।'

[156] इस कथन के लिए कुछ समर्थन मई 1897 की एक रिपोर्ट में मिलता है, जिसमें टिप्पणी की गई थी कि दो गिरोह बाथ रो क्षेत्र में पुलिस को कुछ चिंता दे रहे थे। ओवेन स्ट्रीट में एक लड़ाई का जवाब दे रहे दो पुलिस कांस्टेबलों को युवाओं के एक गिरोह का सामना करना पड़ा, जिनमें से अधिकांश लाठियों से लैस थे, और उनमें लगभग बीस लड़कियां थीं।

[157]

असली चरम ब्लाइंडर्स

1890 के दशक के अंत तक, बर्मिंघम ने अपनी प्रभावी और कुशल परिषद के कारण दुनिया में सबसे अच्छा शासित शहर माने जाने का दावा किया था, जो विशेष रूप से गैस, पानी और अन्य सेवाओं के प्रावधान के नगरपालिका स्वामित्व से जुड़ा था। जैसा कि शेफ़ील्ड इवनिंग टेलीग्राफ ने स्वीकार किया, 'सार्वजनिक भावना की कई प्रदर्शनियों के मामले में, मिडलैंड्स की राजधानी निश्चित रूप से आगे बढ़ती है।' फिर भी यह शहर के लिए अपमान की बात थी कि वहां क्रूरता उतनी ही सस्ती थी जितनी प्रचलित थी। मामलों की एक बहुत ही गंभीर स्थिति बनी हुई थी जिसमें सड़क के किनारे आवारा लोगों द्वारा अत्याचार किए गए थे, 'जिनमें से संख्या के संदर्भ में बर्मिंघम एक अविश्वसनीय बढ़त रखता प्रतीत होता है'। यॉर्कशायर अखबार ने इस बात पर जोर दिया कि ये आवारा लोग पृथ्वी पर सबसे घृणित चरित्र थे और शहर के मजिस्ट्रेटों को प्रत्येक मामले में अधिकतम कारावास की सजा देने की आवश्यकता थी।

Machine Translated by Google

एक चरम अंधभक्त द्वारा की गई हिंसा जिसका अपराध उनके सामने साबित हो चुका था। 158 वास्तव में, इन बदमाशों का शासन इतना बुरा था कि बर्मिंघम को अक्सर 'पीकी ब्लाइंडर्स के शहर' के रूप में देखा जाता था। 159

शहर के नारा लगाने वाले गिरोहों के सदस्यों के लिए यह नया शब्द पहली बार 1890 के वसंत में प्रेस में नोट किया गया था, जिससे पता चलता है कि यह पहले से ही आम उपयोग में था क्योंकि नारे लगाने वाले अपने बिलीकॉक को एक आंख से अच्छी तरह से खींचकर पहनते थे। शनिवार, 22 मार्च को, चाय के समय और ग्यारह बजे के बीच, जॉर्ज ईस्टवुड नामक एक युवक हाई स्ट्रीट बोर्डेस्ले और एडरले स्ट्रीट के कोने पर स्थित रेनबो पब्लिक हाउस में गया। शराब से पूरी तरह परहेज करने के लिए उन्होंने जिंजर बियर की एक बोतल का ऑर्डर दिया। कुछ ही समय बाद, 'पीकी ब्लाइंडर गैंग' के नाम से जाने जाने वाले कई लोग पब में आए। एक पीतल ढलाईकार, बीस वर्षीय ईस्टवुड पास के स्मॉल हीथ में आर्थर स्ट्रीट का रहने वाला था और गिरोह को दृष्टि से जानता था क्योंकि वे एक ही पड़ोस में रहते थे। उन लोगों ने, जिनकी बुरी प्रतिष्ठा थी, 'तुरंत उसके शराब पीने वाले होने और जिंजर बीयर पीने के बारे में आपत्तिजनक टिप्पणी करना शुरू कर दिया। उसने मकान मालिक से केवल यह अपील की थी कि क्या वह अपनी पसंद की चीज़ मंगाने के लिए स्वतंत्र है या नहीं, तभी एक पक्ष ने उसे पीछे से ठोकर मार दी।' सौभाग्य से मामला शांत हो गया और तीनों लोग चले गए, लेकिन जब ईस्टवुड घर के लिए निकले, तो उनका पीछा किया गया:

> एडरली स्ट्रीट के एक सुनसान हिस्से में पहुंचने पर, जहां दो पुल पार होते हैं, गिरोह का कप्तान, एडरली स्ट्रीट का थॉमस मक्लो नाम का एक व्यक्ति चिल्लाया, 'अब, लड़कों, इसे गर्म कर दो!' फिर उन्होंने उस पर मुक्कों से प्रहार करना शुरू कर दिया और ईस्टवुड ने अपना बचाव करने की कोशिश की। आख़िरकार, ग्रूम नाम के एक व्यक्ति ने बकल वाली बेल्ट से भयानक प्रहार करके उस पर काबू पा लिया। वह गिर गया और ज़मीन पर रहते हुए उसे सड़क पर लात मारी गई, और बक्कल बेल्ट से उसके सिर पर कई बार वार किया गया। आख़िरकार, ईस्टवुड ने अपने पैर जमाए, और, भीड़ द्वारा पीछा किए जाने पर, ऑलकॉक स्ट्रीट बोर्ड स्कूल के पिछले प्रवेश द्वार तक भाग गया, और दीवार को फांदकर, खेल के मैदान को पार करके, और फिर दूसरी दीवार पर चढ़कर, ऑलकॉक स्ट्रीट में घुस गया, जहां उन्होंने मिस्टर टर्नर के घर में शरण ली। ईस्टवुड तब बहुत थकी हुई हालत में थे, और उन्हें लगी चोटों के कारण बहुत खून बह रहा था। मिस्टर टर्नर के घर के बाहर गिरोह के रवैये के कारण, जो चिल्लाया, 'अगर हमने उसका पीछा किया तो हम उसे मार डालेंगे!' घायल व्यक्ति को क्वीन्स अस्पताल ले जाने में लगभग बारह बज चुके थे।

Machine Translated by Google

दुर्भाग्यशाली जॉर्ज ईस्टवुड को सिर पर गंभीर घाव और पूरे शरीर और दोनों पैरों पर चोटें आई थीं। उनके माथे के दाहिनी ओर एक इंच लंबा घाव था और ललाट की हड्डी बुरी तरह टूट कर बिखर गई थी, जबकि 'मस्तिष्क का पदार्थ भी घायल हो गया था।' उसकी खोपड़ी पर एक और गंभीर घाव था, जो तीन चौथाई इंच लंबा था और हड्डी नंगी थी।

सिर में चोट लगने के कारण ईस्टवुड को जेल में डाल दिया गया। बढ़ई के ब्रेस और बिट जैसे एक उपकरण का उपयोग करके, चिकित्सा कर्मचारियों ने उसकी खोपड़ी से हड्डी का एक गोलाकार खंड हटा दिया। अप्रत्याशित रूप से, वह कुछ हद तक गंभीर स्थिति में थे और 24 दिनों तक अस्पताल में रहे। पुलिस को हमले की सूचना मिलने के बाद, अपराधियों की तलाश की गई और शनिवार की पूरी रात और रविवार को तलाश जारी रखी गई। लेकिन अपने कृत्य के परिणाम के डर से वे भाग गये थे। उनकी गिरफ्तारी का वारंट जारी किया गया था. 160

ठीक दो सप्ताह बाद, बर्मिंघम के एक निवासी ने लंदन के अखबार सेंट जेम्स गजट को पत्र लिखकर इसकी पुष्टि की:

> बर्मिंघम और एस्टन के पड़ोसी मनोर में 'स्लॉगिंग गैंग' के नाम से जाने जाने वाले लोग मौजूद हैं, जो सुनसान सड़कों पर अनजान लोगों को घेरने और अनजाने में उन पर हमला करने और उनके साथ क्रूर व्यवहार करने में प्रसन्न होते हैं। हाल ही का एक उदाहरण है जिसमें इन बदमाशों ने एक आदमी को नीचे गिरा दिया और उसे लात मार रहे थे तभी एक गरीब महिला आई और उनसे ऐसा न करने की विनती करने लगी। उन्होंने उसे नीचे गिराकर जवाब दिया। एक अन्य मामले में, जो पिछले शनिवार को हुआ था, ईस्टवुड नाम के एक युवक पर स्मॉल हीथ 'पीकी ब्लाइंडर्स' नामक गिरोह के कई सदस्यों द्वारा जानलेवा हमला किया गया था। इस सज्जन की गवाही से ऐसा प्रतीत होता है कि पुलिस आ रही है
>
> इस तरह के आक्रोशों का असाधारण रूप से बड़ा हिस्सा। [161]

इस पत्र को एबरडीन से चिचेस्टर तक के अखबारों में व्यापक कवरेज मिला, ज्यादातर 'स्लॉगिंग गैंग्स' शीर्षक के तहत। [162] हालाँकि, हालांकि गिरोह को स्मॉल हीथ पीकी ब्लाइंडर्स के रूप में जाना जाता था, क्योंकि गुडरसन ने 163 बनाए हैं , सभी केंद्रीय जिलों की तरह, एडरली डेरिटेंड, कैंप हिल, सेंट बार्थोलोम्यू और वास्तव में स्मॉल हीथ जैसे स्ट्रीट वास्तव में बोर्डेस्ले में है। बर्मिंघम का, यह निकटवर्ती क्षेत्रों के साथ लगभग अदृश्य रूप से विलीन हो गया। यह उत्तरार्द्ध मुख्य कोवेंट्री रोड तक फैला हुआ था, जो एडरली स्ट्रीट के करीब शुरू हुआ था, और हालांकि स्मॉल हीथ के शहर की तरफ की सड़कों पर बहुत सारे बैक-टू-बैक आवास थे, आगे मध्यम वर्ग से जुड़ी सड़कों पर बड़े घर थे।

Machine Translated by Google

एडरली स्ट्रीट गैंग में पकड़ा गया एकमात्र व्यक्ति थॉमस मुकलो था, जो एडरली स्ट्रीट का ही एक चौबीस वर्षीय मजदूर था। मई में, उन पर ईस्टवुड पर हिंसक हमला करने का आरोप लगाया गया था और बर्मिंघम मेल में, यह कहा गया था कि जब पीड़ित ने जिंजर बियर का ऑर्डर दिया था, तो मक्लो ने कहा था, 'तुम वह चीज़ किस लिए पीते हो?' ईस्टवुड ने उत्तर दिया, 'अपने काम से काम रखो,' और फिर मक्लो द्वारा लड़ने की चुनौती दी गई। जाहिर है, ईस्टवुड ने मना कर दिया। गिरोह ग्यारह बजे से थोड़ा पहले चला गया लेकिन बाहर इंतजार करने लगा कि ईस्टवुड कब घर के लिए रवाना होगा। उन्होंने स्वीकार किया कि मुकलो के प्रहार के कारण उन्हें चोट नहीं आई थी, बल्कि अन्य दो व्यक्तियों में से एक को चोट लगी थी - हालाँकि रॉबर्ट्स नाम के एक लड़के ने कैदी को अपने साथियों को ईस्टवुड को देने के लिए उकसाते हुए सुना था। सबूतों के आधार पर, मजिस्ट्रेटों ने मुकलो को मुकदमे के लिए सत्र न्यायालय में भेज दिया। उन्हें 50 पाउंड की अपनी ज़मानत राशि और इतनी ही राशि की एक अन्य जमानत पर जमानत की अनुमति दी गई थी। एक अकुशल श्रमिक वर्ग के व्यक्ति के लिए यह बहुत बड़ी रकम थी, यह देखते हुए कि वह प्रति सप्ताह 17 शिलिंग और छहपेंस कमाने के लिए भाग्यशाली होगा। 164 जून में, मुकलो को दुर्भावनापूर्ण रूप से गंभीर शारीरिक नुकसान पहुँचाने का दोषी पाया गया। दिलचस्प बात यह है कि डिटेक्टिव इंस्पेक्टर ड्रिंकवाटर ने कहा कि वह सड़क पर चलने वाला गुंडा नहीं बल्कि मेहनती आदमी था। यह एक महत्वपूर्ण बिंदु पर प्रकाश डालता है: कई चोटी के अंधे लोग केवल बेकार या ऐसे पुरुष नहीं थे जो जीविकोपार्जन के लिए पूरी तरह से छोटी-मोटी आपराधिक गतिविधियों पर निर्भर थे, बल्कि ऐसे युवा और पुरुष

थे जो सम्मानजनक नौकरियां रखते थे लेकिन जिनका काम के बाहर का जीवन आंतरिक रूप से लड़ाई से जुड़ा हुआ लगता था। दुर्भाग्य से मक्लो के लिए, पंक्ति में नेता नहीं होने के बावजूद, पुलिस उस व्यक्ति की गिरफ्तारी के लिए पर्याप्त सबूत प्राप्त करने में असमर्थ रही जिसने दुर्भाग्यपूर्ण ईस्टवुड पर बेल्ट का इस्तेमाल किया था। मक्लो को सजा सुनाते समय, सहायक बैरिस्टर ने कहा कि मामला 'बहुत बुरा था, लेकिन वह कैदी के अच्छे चरित्र को ध्यान में रखेगा और परिणामस्वरूप उसे कड़ी मेहनत के साथ नौ महीने की कैद होगी।' 165

मक्लो के लिए यह एक कठिन अनुभव रहा होगा। जेलों में 'साइलेंट सिस्टम' का पालन किया जाता है, जो पूर्ण मौन और ट्रेडमिल पर चलने जैसे लंबे, निरर्थक और थका देने वाले कठिन श्रम के माध्यम से दोषियों की इच्छा को तोड़ने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह स्लैट्स वाला एक विशाल पहिया था। कैदी एक पट्टी को पकड़कर दस मिनट तक पहिए पर चलते रहे और उसके बाद पांच मिनट का ब्रेक लिया। यह आठ घंटे की शिफ्ट के लिए चला और 8,000 फीट से अधिक की चढ़ाई के बराबर था।

एक अन्य कार्य कैदी के लिए था कि वह अपना भोजन कमाने के लिए अपनी कोठरी में क्रैंक को एक निश्चित संख्या में घुमाए। यह क्रैंक रेत के एक डिब्बे में पैडल घुमाता था।

कड़ी मेहनत, कठिन किराया और कठिन बोर्ड के कारावास से रिहा होने के बाद, मक्लो को 1891 की जनगणना में एक नौकरीपेशा कार्टर के रूप में दर्ज किया गया था, जो अपनी पत्नी एलिजाबेथ के साथ अपने सास-ससुर के घर 160 अडरले स्ट्रीट पर रहता था:

Machine Translated by Google

जॉर्ज ग्रूम एक माल ढोने वाला व्यक्ति था और उसकी पत्नी, मैरी, एक मोती बटन कारीगर थी। घर में पांच अन्य लोग भी रहते थे। उनमें दूल्हे का बेटा, जॉर्ज भी शामिल था, जो 166 वर्ष का था । बेशक, यह ग्रूम नाम का एक व्यक्ति था, जो पहचान उस व्यक्ति के रूप में की थी जिसने बीस वर्ष का था और एक सामान्य कार्टर था। ईस्टवुड ने उसकी बकल वाली बेल्ट से भयानक प्रहार करके उसे ज़बरदस्ती कुचल दिया था। वह न्याय से बच गया।

गुंडागर्दी के ख़िलाफ़ धर्मयुद्ध

जॉर्ज ईस्टवुड पर क्रूर हमले के बाद एक पखवाड़े के दौरान, मिल्क स्ट्रीट और बर्र स्ट्रीट नारा लगाने वाले गिरोहों के बीच झगड़े के कारण मिल्क स्ट्रीट क्वार्टर में सात अतिरिक्त पुलिसकर्मी तैनात किए गए थे। यह वर्चस्व के लिए एक स्थानीय लड़ाई थी क्योंकि दोनों सड़कें एक-दूसरे से कुछ सौ गज की दूरी पर थीं। 5 अप्रैल 1890 को, दोनों गिरोहों के पांच युवकों पर मारपीट का आरोप लगाया गया। प्रत्येक पर 20 शिलिंग और लागत का जुर्माना लगाया गया या, यदि वे भुगतान करने में विफल रहे, तो कठोर श्रम के साथ एक महीने की कैद की सजा दी गई। एक अन्य गिरोह की लड़ाई में, एक आदमी ने पिस्तौल से गोली चलाई थी और दूसरा बदमाश कुल्हाड़ी के चारों ओर घूम रहा था। गिरफ़्तारी करने के प्रयास में, जॉन ब्लॉक्सविच द्वारा फेंकी गई आधी ईंट से पीसी बर्टी को चोट लगी - जो कि हमले के लिए पहले से दोषी ठहराए गए एक अन्य बदमाश थे - जिसके बाद उन्हें तीन महीने की कड़ी मेहनत के लिए जेल भेज दिया गया था।

21 कोर्ट, 4 हाउस, मिल्क स्ट्रीट का ब्लॉक्सविच का भाई, बेंजामिन, उर्फ ब्लॉक, उतना ही हिंसक था। उन पर 7 अप्रैल को ग्रेट बर्र स्ट्रीट के फ्रैंक नोलन पर हमला करने का आरोप लगाया गया था। नोलन बर्र स्ट्रीट गैंग का था और जब वह उस शाम कोवेंट्री स्ट्रीट से गुजर रहा था तो ब्लॉक्सविच ने उसे नीचे गिरा दिया। उसके साथ कई बार मारपीट की गई और फिर उसने नोलन की छाती पर अपना पैर रखा और बेल्ट के बक्कल वाले सिरे से उसके सिर पर बुरी तरह वार किया। पीसी मीसन पहुंचे और ब्लॉक्सविच को यह कहते हुए सुना कि वह अपने शिकार का दिमाग काट देंगे। जैसा कि ब्लॉक्सविच ने लड़ाई दिखाई, अधिकारी को गिरफ्तारी करने के लिए अपने कर्मचारियों को खींचना पड़ा और उसे नीचे गिराना पड़ा।

अदालत में, आर्थर चेम्बरलेन ने कहा, 'यह स्पष्ट था कि कैदी एक खतरनाक गिरोह का था, जो सड़क पर लड़ाई करता रहता था और मजिस्ट्रेट उस तरह की चीज़ों और बक्कल के इस्तेमाल पर रोक लगाने के लिए दृढ़ थे; और कैदी को कड़ी मेहनत के साथ दो महीने के लिए जेल जाना होगा।' जहां तक नोलन की बात है तो उसे बेहोशी की हालत में क्वींस हॉस्पिटल ले जाया गया था। उसकी खोपड़ी पर ग्यारह घाव हुए थे, जिनमें से चार की हड्डी बाहर आ गई थी। 167 इन झगड़ों की रिपोर्टिंग में, बर्मिंघम डेली पोस्ट ने 'रूफ़ियनिज़्म के ख़िलाफ़ धर्मयुद्ध' को शीर्षक दिया। लेकिन यह एक ऐसा अभियान था जो विफल हो रहा था। बुधवार, 9 अप्रैल 1890 को, हाईगेट स्ट्रीट स्लॉगिंग गैंग, 'ब्लैकगार्ड्स का एक कुख्यात गिरोह', ने लॉन्गमोर

स्ट्रीट, बाल्साल में हिंसक गड़बड़ी पैदा कर दी।

Machine Translated by Google

हीथ - फिर वॉर्सेस्टरशायर में। उनमें से कुछ के पास एक प्रकार का भरा हुआ भारतीय रबर स्टाफ था। दूसरों के पास कैटगट स्ट्रिंग से जुड़े सीसे के टुकड़े थे, जिनका उपयोग लोगों पर फेंकने के लिए किया जाता था, या भारी और दुर्जेय बकल के साथ बेल्ट का उपयोग कर रहे थे।
पीसी डायसन्स ने अव्यवस्था को दबाने की कोशिश की और सबसे अशांत व्यक्तियों में से एक, हेनरी बटरवर्थ, एक पीतल ढलाईकार और गिरोह के नेता को गिरफ्तार कर लिया। उसे हथकड़ी पहनाई गई और वह बहुत हिंसक हो गया, जबकि उसके साथियों ने अधिकारी पर बेरहमी से हमला किया। उन्होंने उसे किनारे पर लात मारी, उसके सिर पर प्रहार किया और उसके घुटने को बुरी तरह काट दिया, जबकि बटरवर्थ ने उसके बाएं हाथ को बुरी तरह काट लिया।

एक युवक ने अधिकारी की मदद करने की कोशिश की, लेकिन उस पर भी हमला किया गया और भाग गया.
एक बड़ी भीड़ जमा हो गई थी, लेकिन 'हमले के डर से किसी अन्य व्यक्ति ने पुलिसकर्मी को बचाने के लिए हाथ उठाने की हिम्मत नहीं की, जबकि अधिकारी इतना घिरा हुआ था कि उसके लिए उन हमलों से बचना बहुत मुश्किल था।' हमले को देखने वालों में से एक 'अधिकारी को सहायता देना चाहता था, लेकिन अगर मैंने ऐसा किया होता तो नतीजा यह होता कि मेरा सिर टूट जाता या चेहरे या पसलियों पर लात लगती।' गवाह ने बताया कि अपने 'दोस्त' को बचाने की कोशिश कर रहे आवारा लोगों को देखना भयावह था। वे सड़क पर ईंट-पत्थर ढूंढ़ रहे थे और एक ने कहा, 'इस रास्ते पर आओ; यहां पुलिसकर्मी पर फेंकने के लिए कोयले के कुछ ढेर हैं।' अंत में बकल वाली पट्टियाँ भी उनकी जेबों से बनाई जाती थीं।

आख़िरकार, पीसी डायसन्स अपने कैदी को श्री स्वैडकिन्स की कसाई की दुकान में खींचने में कामयाब रहे, लेकिन बदमाशों ने उसे फिर से बाहर खींच लिया। एक बार फिर, कॉन्स्टेबल दुकान में वापस जाने में कामयाब रहा और, 'मिस्टर स्वैडकिन्स, निष्क्रिय रूप से देखने वाली भीड़ के विपरीत भावना के साथ, अपने चाकू के साथ दरवाजे पर खड़े हो गए और खुरदुरे लोगों को वापस रखा।' इसके बाद बर्मिंघम के दो पुलिस अधिकारी डायसन्स की सहायता के लिए आए। बटरवर्थ को छह महीने का कठिन परिश्रम दिया गया। 168 इस विकार के उसी सप्ताह, बर्मिंघम के एक स्लॉगिंग गिरोह द्वारा पेरी बर्र में एक व्यक्ति पर हमला करने की सूचना मिली थी, जबकि स्पार्कब्रुक स्लॉगिंग गैंग पैदल यात्रियों, विशेषकर महिलाओं और बच्चों को रास्ते में रोककर

पड़ोस को इतना आतंकित कर रहा था कि वहां पुलिस बल बढ़ा दिया गया था। . 169

बर्मिंघम डेली पोस्ट खरीदने वाले मध्यम वर्ग की तुलना में कामकाजी वर्ग के पाठकों को नारेबाज़ी करने वाले गिरोहों के उत्पीड़न का सामना करने की अधिक संभावना है , बर्मिंघम मेल इस 'बर्मिंघम में भीड़ कानून' के बारे में गहराई से चिंतित था, उसने 11 अप्रैल को घोषणा की कि उपद्रव, एक और हिंसक व्यवहार के लिए शब्द बढ़ रहे थे। शहर के कई इलाकों में नारेबाज़ी करने वाले गिरोह थे। कुछ लोग इतने हानिरहित थे क्योंकि उन्होंने खुद को सड़क पर अश्लील भाषा का उपयोग करने तक ही सीमित रखा था, 'लेकिन गिरोहों में से अधिक कुख्यात युवाओं से बने होते हैं, जो व्यक्तिगत रूप से हो सकते हैं, पुलिस का दावा है, सबसे बड़े कायर, लेकिन जो सामूहिक रूप से सबसे हताश गुंडों में से हैं '. रफ बैंडेड के ये संयोजन

Machine Translated by Google

बिना किसी निश्चित इरादे के एक साथ: 'उनका एकमात्र उद्देश्य आपसी सुरक्षा लीग बनाना है। ऐसा माना जाता है कि प्रत्येक जिले के लिए अपना स्लॉगिंग गिरोह होना चाहिए, जिसमें 17 से 21 वर्ष की उम्र के युवा शामिल हों। वे युवा सड़क के किनारों पर उपद्रव करते हैं, अगर पुलिस सतर्क है तो वे कम कॉफी हाउसों में चले जाते हैं, जहां वे अपनी गतिविधियों के बारे में निर्णय लेते हैं।' सबसे कुख्यात में से एक था डिगबेथ गैंग, जो हाल ही में कैंटरबरी म्यूज़िक हॉल के प्रबंधक पर एक भयानक हमले में शामिल था, जिसके कारण उनकी मृत्यु हो गई थी।

दूसरा व्हाइटहाउस स्ट्रीट गिरोह था, जो 'अप्रभावी व्यक्तियों पर हमलों के लिए कुख्यात था, जो देर रात एस्टन में बंजर भूमि पर पाए जाते थे।' फिर सफ़ोल्क स्ट्रीट और समर लेन बैंड थे, जो 'अपनी अराजकता और बर्बरता के लिए प्रसिद्ध' थे। कारावास की छोटी अवधि का इन बदमाशों पर बहुत कम प्रभाव पड़ा, पार्क स्ट्रीट गिरोह ने दावा किया कि उसके सबसे प्रमुख सदस्यों में से एक एक युवा था जिसने पिछले 12 में से लगभग 11 महीने जेल में बिताए थे।

11 अप्रैल की बर्मिंघम मेल रिपोर्ट में यह बताया गया कि एक नया
नारेबाज़ी करने वाले गिरोहों का पसंदीदा हथियार कोश था:

> एक छोटी, भारी छड़ी, जो अंत में अच्छी तरह से भरी हुई होती है, जिसे आस्तीन के ऊपर छुपाया जा सकता है, लेकिन वे पोकर के टुकड़ों और अंत में बंधे पत्थरों वाले मजबूत रूमाल के लिए भी पक्षपात करते हैं। ऐसे हथियार भी हैं, जिनका अभ्यास करके झगड़े में काफी प्रभाव डाला जा सकता है। यह गुट्टा परचा का टुकड़ा है, कभी-कभी बिल्ली की आंत का उपयोग किया जाता है, जिसके अंत में पत्थर जुड़े होते हैं। फिर, निस्संदेह, उपयोगी ईंट-छोर, बकल्ड बेल्ट और बड़ा अकवार चाकू है। जो असभ्य व्यक्ति एक पंक्ति में चाकू का उपयोग करता है, उसे नेता द्वारा 'चिवियर' कहा जाता है। इसका मतलब है कि उसे पीड़ित की पीठ में छुरा घोंपना है, घातक नहीं अगर वह इसमें मदद कर सकता है, जब उस पर हमला करने के अन्य सभी तरीके आजमाए जा चुके हैं और अप्रभावी पाए गए हैं।

प्रत्येक गिरोह का एक नेता होता था और अन्य गिरोहों के साथ स्वतंत्र लड़ाई के साथ-साथ वे कभी-कभी दुश्मन गिरोह द्वारा समर्थित सार्वजनिक घर पर हमला करते थे, उसे नष्ट कर देते थे और वहां मौजूद सभी ग्राहकों पर हमला करते थे। इस तरह की कार्रवाइयों ने गिरोहों की क्षेत्रीयता पर जोर दिया।

इन सभी सबूतों के बावजूद कि हिंसा बढ़ रही थी, जिसमें उनके अपने अधिकारियों की रिपोर्ट भी शामिल थी, 22 अप्रैल 1890 को वॉच कमेटी की एक बैठक में, मुख्य कांस्टेबल, जोसेफ फर्नडेल ने जोर देकर कहा कि, 'उनके पास शहर में लूटपाट करने वाले गिरोहों का कोई सबूत नहीं था।' बहुत लंबे समय तक, और अधीक्षकों ने बताया कि वर्षों से उनकी संख्या और शक्ति में कमी आ रही थी।' हालाँकि, फ़र्नडेल का

Machine Translated by Google

23 अप्रैल को बर्मिंघम मेल में दावे का उपहास किया गया था , जिसमें बर्मिंघम के रिकॉर्डर द्वारा सड़क पर गुंडागर्दी की व्यापकता पर चिंताओं को उद्धृत किया गया था, महत्वपूर्ण रूप से, मुख्य कांस्टेबल श्री डगडेल के विश्वास को चुनौती देने के लिए सबूत थे। अनुकरणीय वाक्यों [170] स्लॉगिंग की समस्या को दूर करने की कोशिश करने से कुछ समय पहले पारित किए गए कई में प्रदान किया गया है।

अप्रैल की शुरुआत में वॉर्सेस्टर क्वार्टर सत्र में, स्पार्कब्रुक स्लॉगिंग गैंग के जॉन हार्पर को पीसी बेलिस पर क्रूर हमले के लिए अठारह महीने की कैद हुई थी। ऐसा करते हुए, उपसभापति ने टिप्पणी की कि अदालत ने निवारक के रूप में एक गंभीर सजा पारित की है।

[171] हार्पर के ख़िलाफ़ बड़ी संख्या में दोष सिद्ध हुए थे, जैसे उसके भाई थॉमस के ख़िलाफ़ थे, जिसने पीसी बेलिस को लात मारी थी। इसके लिए उन्हें छह महीने की सश्रम कारावास की सजा सुनाई गई। भाई जिस पड़ोस में रहते थे, उसके लिए वे एक आतंक थे। वे अक्सर लोगों पर हमला कर रहे थे, खासकर शनिवार की रात को और अक्सर पुलिस से शिकायत की जाती थी।'

[172]

16 अप्रैल को बर्मिंघम के रिकॉर्डर द्वारा अठारह वर्ष के एक मजदूर थॉमस हेनरी एवरॉल को कारावास की लंबी अवधि की सजा दी गई थी। पिछले साल नवंबर में, उसने और बीस साल के अल्बर्ट चैपलिन और एक अन्य मजदूर ने जॉर्ज ओनियंस पर हमला किया था, जिनसे वे अपने गिरोह के एक सदस्य के कुत्ते को लात मारने के कारण नाराज थे। समर लेन में ओनियन्स से मिलने पर, उन्होंने उसे नीचे गिरा दिया और लात मारी और लोहे की चेन से मारा। गंभीर चोटों के कारण ओनियन्स ग्यारह सप्ताह तक अस्पताल में रहे। दोनों व्यक्तियों को सजा सुनाते हुए, रिकॉर्डर ने कहा, 'यह मामला उन मामलों में से एक था जो अब शहर में पिछले लंबे समय की तुलना में अधिक प्रचलित हो रहे थे। अगर इस तरह की चीजों पर रोक नहीं लगाई गई तो इसका अंत हत्या के रूप में होगा।' उन्होंने आगे कहा, यह काफी असहनीय है कि 'युवाओं के गिरोह सड़कों पर घूमें और शांतिप्रिय लोगों के लिए रात में बिना मारपीट और मारपीट के घूमना असंभव बना दें।' उस गिरोह के नेता के रूप में जिसे वह हमला करने के लिए एक साथ लाया था, एवरॉल को पांच साल की कैद हुई थी और चैपलिन को 15 महीने की कड़ी मेहनत की सजा सुनाई गई थी। 173 बर्मिंघम मेल ने जोर दिया:

> पिछले कुछ महीनों से बर्मिंघम में अपना सिर उठा रहे गुंडागर्दी के नेताओं में दहशत पैदा करने के लिए सज़ाओं की अच्छी तरह से गणना की गई है। हम उम्मीद करेंगे कि वे अशांत पड़ोस पर शांतिपूर्ण प्रभाव डालेंगे; और कोई भी उनकी गंभीरता से झगड़ने को तैयार नहीं होगा। रिकॉर्डर देखता है, बाकी सभी को अवश्य देखना चाहिए, कि जब तक प्रकोप पर तुरंत रोक नहीं लगाई जाती, यह नेविगेशन स्ट्रीट के रूप में समाप्त हो जाएगा

Machine Translated by Google

> दंगा ख़त्म हो गया, किसी को फाँसी पर लटका दिया गया और ऐसी संभावना को ध्यान में रखते हुए, दया के पक्ष में झूठी भावना चरम सीमा पर शरारतपूर्ण है। [174]

चिंताजनक रिपोर्टिंग की अनुमति देते हुए, यह स्पष्ट था कि, 1880 के दशक के अंत तक, बर्मिंघम के कई गरीब हिस्से वास्तव में सड़क गिरोहों से त्रस्त थे - और ऐसे गिरोह को छोड़ना मुश्किल था, जैसा कि हॉस्पिटल स्ट्रीट के विलियम डेविस को पता चला।
18 जून 1890 को उनकी मुलाकात बेलमोंट रो के एक पीतल कर्मचारी जेम्स कैन और मोलैंड स्ट्रीट के विलियम कोपले से हुई। डेविस ने बाद में अदालत में बताया कि कैन चाहता था कि वह बागोट स्ट्रीट गिरोह का सफाया कर दे लेकिन उसने ऐसा नहीं किया क्योंकि उसके लिए यह काफी हो चुका था। वफ़ादारी की इस कमी के कारण कैन ने डेविस के सिर के किनारे पर हमला किया और कोपले ने बकल वाले बेल्ट से उसकी पीठ पर वार किया, जिससे उसे घाव हो गए जिससे बहुत अधिक खून बहने लगा। क्रॉस स्ट्रीट स्लॉगिंग गिरोह के एक प्रसिद्ध सदस्य कैन को 21 दिन की कैद की सजा सुनाई गई और कोपले को 14 दिन की सजा सुनाई गई।
[175]

खतरनाक पीकी ब्लाइंडर्स

ऐसा लगता है कि 1890 में पारित कठोर सजाओं से नारे लगाने वालों की गतिविधियाँ थोड़े समय के लिए कम हो गईं, और अगले कुछ वर्षों में स्थानीय समाचार पत्रों में गिरोहों का उल्लेख कम हो गया। फिर भी, इस स्पष्ट शांति के बावजूद, नारेबाज़ी करने वाले गिरोहों पर लगाम नहीं लगाई गई थी। जुलाई 1891 में, इंस्पेक्टर मैकमैनस ने कहा कि वे एक सार्वजनिक उपद्रव थे और उनके बीच मुठभेड़ों को रोकने के लिए उन्हें एक दर्जन सादे कपड़े वाले अधिकारियों को मूर्सम स्ट्रीट पर भेजने के लिए मजबूर किया गया था।

जॉन हार्पर पर लंबी सज़ा के बावजूद स्पार्कब्रुक में भी स्लॉगिंग जारी रही और हाईगेट में पास के चार्ल्स हेनरी स्ट्रीट में एक कुख्यात 176 गिरोह था , पहले और बाद के अन्य गिरोहों की तरह, इसे छोड़ना मुश्किल था - स्लॉगिंग गैंग। समय काटने क्षमता सुनिश्चित नहीं या पाक-साफ निकलने की कोशिश करने से पूर्व आपराधिक सहयोगियों के साथ संबंध तोड़ने की होती। मार्च 1891 में, उन्नीस वर्षीय जॉर्ज रटर ने एक साथी पर हमला किया क्योंकि उसने दंगाई अभियान में गिरोह में शामिल होने से इनकार कर दिया था। माना जाता है कि गिरोह ने उनमें से एक को जेल भेज दिया था; और चार्ल्स हेनरी स्ट्रीट पर चल रहे दो किशोरों पर ईंटों और बेल्ट से हमला किया गया। दोनों को सिर में चोट लगने के कारण अस्पताल में इलाज कराया गया, [177] अगले महीने, विलियम रैबिट ने के एक पूर्व सदस्य पर हमला किया
जबकि उनमें से एक को चाकू भी मारा गया था। 178

फिर 1891 की शरद ऋतु में, आर्थर क्रोटन को चार्ल्स हेनरी स्ट्रीट 'बेलबॉटम' गिरोह के रूप में वर्णित किया गया था, जब उसे सड़क पर जलपान कक्ष रखने वाली एक बूढ़ी महिला एम्मा ब्लेड पर हमले का दोषी पाया गया था। . क्रोटन ने एक खरीद से अपने परिवर्तन पर उसके साथ बहस की थी

Machine Translated by Google

काउंटर पर रखे ब्रेडनाइफ से उस पर वार करने की कोशिश की। उसने चाकू गिरा दिया और फिर विज्ञापन बोर्ड उठाकर दुकानदार पर दे मारा। हालाँकि मजिस्ट्रेटों ने सोचा कि यह बहुत बुरा मामला है, क्रोटन पर केवल 179 का जुर्माना लगाया गया, यदि वह भुगतान करने में विफल रहा तो उसे एक महीने की कड़ी मेहनत करनी होगी। यह वाक्य वेनबर्गर के दावे देता है कि मजिस्ट्रेटों को बर्मिंघम के गरीब हिस्सों में उपद्रव की कोई परवाह नहीं थी, जब यह को अतिरिक्त औचित्य केवल स्थानीय लोगों को प्रभावित करता था।

समर लेन और एस्टन रोड पर स्लॉगिंग गिरोहों की भी पहचान की गई 180 बाद वाला संभवतः लंबे समय से 1892 में. स्थापित एस्टन स्लॉगर्स और व्हाइटहाउस स्ट्रीट स्लॉगर्स गैंग की एक और अभिव्यक्ति थी। बर्मिंघम के भीतर, 2 अगस्त को, यह कहा गया था कि पिछले पखवाड़े में क्लीवलैंड स्ट्रीट और वीमन स्ट्रीट नारे लगाने वाले गिरोहों के बीच हर रात पत्थरबाजी की लड़ाई हुई थी, और, अक्टूबर 1893 में, जॉन कैंब्रिज, बीस साल की उम्र का एक मजदूर। रूपर्ट स्ट्रीट के दो लोगों को नेचेल्स को प्रभावित करने वाले नारेबाज़ी गिरोह के प्रमुख के रूप में नामित किया गया था। 181

इन रिपोर्टों के बावजूद, जून 1894 में स्थानीय टिप्पणीकारों का मानना था कि 182 यह कायम नहीं रहा, कि बस गई थी। हालाँकि, 1895 के अंत की तरह, नारेबाज़ी करने वाले गिरोहों और पीकी 'गुंडागर्दी की महामारी' शहर में ब्लाइंडर्स ने एक बार फिर प्रतिकूल ध्यान आकर्षित किया। हालाँकि बाद वाले शब्द का पहली बार उल्लेख 1890 में किया गया था, लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि अगले पाँच वर्षों तक बर्मिंघम समाचार पत्रों में इसका दोबारा उपयोग नहीं किया गया। जब यह था, तो यह स्पष्ट है कि यह नारे लगाने वालों और नारे लगाने वाले गिरोहों का दूसरा नाम था। 27 जून 1895 को, 'बर्मिंघम स्लोगिंग गैंग्स' शीर्षक के तहत, मैनचेस्टर इवनिंग न्यूज ने नोट किया कि बर्मिंघम रिकॉर्डर ने एक तीसरे व्यक्ति के साथ भरी हुई जीवन रक्षक, एक धातु की थैली और आग के साथ दुर्व्यवहार करने के लिए दो लोगों को छह महीने की कैद की सजा सुनाई थी। लोहा. वे 'पीकी ब्लाइंडर्स' के प्रतिद्वंद्वी गिरोहों के सदस्य थे, जो राहगीरों पर हमला करने के लिए सड़क के किनारों पर खड़े होते थे, या अन्य गिरोहों के साथ खुलेआम लड़ाई करते थे। रिकार्डर ने कहा कि उपद्रव तब तक नहीं रुकेगा

मजिस्ट्रेटों ने अपराधियों को जेल भेज दिया।' 183

इस घटना के बाद अक्टूबर 1895 में ब्रॉम्सग्रोव स्ट्रीट में गड़बड़ी हुई। पुलिस कांस्टेबल बेनेट और टेल्फ़र को 20 से 30 पीक ब्लाइंडर्स के एक गिरोह को पकड़ने के लिए पर्शोर स्ट्रीट के कोने पर स्टैग और तीतर पब में बुलाया गया था, जिन्होंने परेशानी पैदा की थी। एजबेस्टन स्ट्रीट के बीस वर्षीय गोल्डबीटर चार्ल्स वार्नर को बाहर निकालने के प्रयास में, उन पर हमला किया गया और 'गिरोह ने उन्हें लात मारना और पीटना शुरू कर दिया।' चेप्ससाइड के अट्ठाईस वर्षीय मजदूर जेम्स क्यूसन ने कांस्टेबल बेनेट के पेट में लात मारी, जिससे उसे वार्नर को छोड़ना पड़ा, जबकि क्यूसन भी भाग गया। कॉन्स्टेबल टेल्फ़र ने टर्नर का पीछा किया और उसे इंगे स्ट्रीट में एक प्रवेश द्वार पर पुनः पकड़ लिया

Machine Translated by Google

'एक और हताश मुठभेड़ शुरू हुई, और बेनेट के सामने आने पर टेल्फ़र को बुरी तरह से संभाले जाने का खतरा था।' सत्रह वर्षीय थॉमस ग्रोव्स, हर्स्ट स्ट्रीट का पीतल ढलाईकार, वार्नर की मदद के लिए गया, और अधिकारियों के सिर पर बकल वाली बेल्ट का इस्तेमाल किया गया। क्यूसन को पता चल गया और वारंट पर गिरफ्तार कर लिया गया। उन पर पिछली 18 सज़ाएँ थीं और उन्हें छह सप्ताह के लिए जेल भेजा गया था। वार्नर, जिन्हें बहुत बुरे चरित्र वाला बताया गया था, को छह महीने की सजा दी गई, जबकि ग्रूव्स, जिनका नाम पुलिस की किताबों में भी अक्सर दिखाई देता था, को तीन महीने की कड़ी सजा दी गई। तीनों लोग पब के आसपास रहते थे और जाहिर तौर पर एक स्थानीय गिरोह का हिस्सा थे।

184

एक महीने बाद, यह बताया गया कि नॉर्थवुड स्ट्रीट और केन्योन स्ट्रीट, हॉकले के पड़ोस में एक नारा लगाने वाला गिरोह काम कर रहा था। एक पुलिस अधिकारी ने यह भी बताया कि एस्टन में पार्क लेन गैंग और लिचफील्ड रोड गैंग के बीच झगड़ा हुआ था। दिलचस्प बात यह है कि उन्होंने कहा कि उत्तरार्द्ध कड़ी मेहनत करने वाले लड़कों से बना था, जिससे उनकी तुलना उन लोगों से की गई जो आवारा थे और जो छोटे चोरों के रूप में या अपनी पत्नियों या गर्लफ्रेंड्स के काम के माध्यम से काम करते थे। इस लिचफील्ड रोड गैंग के तीन लोगों पर विलियम लैथम को गंभीर शारीरिक नुकसान पहुंचाने के इरादे से गंभीर रूप से घायल करने का आरोप लगाया गया था। वे सैमुअल प्रीस, अल्बर्ट मेडलिकॉट और सैमुअल ग्रीर थे। 24 अगस्त को, उन्होंने लैथम को बेल्ट के बक्कल सिरे से मारा और उसकी छाती में चाकू घोंप दिया। जब लैथम गिर गया, तो उसे जमीन पर लात मारी गई। बेहोशी की हालत में अस्पताल ले जाया गया, वह छह सप्ताह तक वहां रहा, इस दौरान यह आशंका थी कि वह अपनी चोटों से मर जाएगा।

दिसंबर 1895 में वारविक एसेसीज़ में हमलावरों पर मुक़दमा चलाया गया और न्यायाधीश, मिस्टर जस्टिस डे ने घोषणा की कि वह 'लिचफ़ील्ड रोड 185 को तोड़ देंगे , जिसे 'जजमेंट डे' के नाम से जाना जाता है, वह व्यवस्था के दंडित करना। 186 लिए प्रसिद्ध हो गए थे।' लिवरपूल में गिरोह के सदस्यों को कैट ओ' नाइन टेल्स से कोड़े मारकर तीन लोगों को सजा सुनाते समय उन्होंने उन्हें 'बर्मिंघम के उपनगरों में घुसपैठ करने वाले गुंडों का एक गिरोह' कहा, पुलिस से और अधिक कार्रवाई करने का आग्रह किया और समस्या को खत्म करने के लिए अपना दृढ़ संकल्प व्यक्त किया। ग्रीर को दस साल की सज़ा दी गई और मेडलिकॉट और प्रीस को दो साल की सश्रम सज़ा दी गई। 187 उसी महीने, विशेष रूप से पीकी ब्लाइंडर कहे जाने वाले पहले व्यक्ति को अदालत में लाया गया। हेनरी लाइटफुट बाईस साल के थे और असामान्य रूप से उनका कोई निश्चित ठिकाना नहीं था। बीयर हाउस में शराब पी रहे कुछ लोगों से शिकायत होने पर वह अंदर घुस गया और कई लोगों पर डंडे से हमला कर दिया। लाइटफुट को बाहर फेंकने में मकान मालिक और उसकी पत्नी के हाथ पर काट लिया गया। इसके बाद 'रफ़ियन' ने हर्स्ट स्ट्रीट से ब्रॉम्सग्रोव स्ट्रीट तक मार्च किया, और जब तक वह डिटेक्टिव टिंगल के पास नहीं आया, तब तक वह हर मिलने वाले पर हमला करता रहा। 'तुम एक जैक हो!' लाइटफुट चिल्लाया. 'उतर जाओ!' उसने छड़ी को उसके सिर के ऊपर उठाकर एक ऐसा प्रहार किया जो नीचे गिर गया

Machine Translated by Google

टिंगल की रक्षा की और उसके सिर पर प्रहार किया'। जासूस ने लाइटफुट के चेहरे पर प्रहार किया और उसे गिरा दिया, लेकिन लाइटफुट का एक सहयोगी उसके बचाव में आया और पुलिसकर्मी को गिरा दिया, जिससे लाइटफुट को फिर से छड़ी से मारना पड़ा। आख़िरकार लाइटफ़ुट को गिरफ़्तार कर लिया गया। अदालत में, सार्जेंट रिचर्ड्स ने कहा कि पुलिस पर हमले के लिए उसे कई बार जेल भेजा गया था, और हे मिल्स में हमले के लिए उसके साथ गंभीर व्यवहार किया गया था। मजिस्ट्रेटों ने कहा कि जाहिर तौर पर वह खतरनाक किस्म का 'पीकी-ब्लाइंडर' है और उसे छह महीने के लिए जेल भेजा जाएगा। 188

लाइटफ़ुट अपने परिवार में क़ानूनी समस्या में फँसने वाले पहले व्यक्ति नहीं थे। जनवरी 1877 में, उनके बड़े भाई सैमुअल पर बाल्साल हीथ पुलिस कोर्ट में एक शिलिंग और लागत का जुर्माना लगाया गया था। उनका अपराध 'सार्वजनिक सड़कों पर बेंडी [एक हॉकी जैसा खेल] खेलने की खतरनाक प्रथा' के लिए था। जुर्माना लगाने वाले मजिस्ट्रेटों में धनी विनिर्माण परिवारों के पुरुष शामिल थे। तत्कालीन ग्यारह वर्षीय सैमुअल लाइटफुट पर उनके जुर्माने ने कामकाजी वर्ग के कठिन खेलों पर मध्यवर्गीय हमले और मनोरंजन मैदान के रूप में सड़क के उपयोग पर जोर दिया।

189

छह साल बाद, सैमुअल लाइटफुट बाल्सल हीथ रोड में 'एक सामान्य हाथापाई' में शामिल था। उन्हें पीसी रुडनिक द्वारा शेरबोर्न होटल कॉन्सर्ट हॉल छोड़ने से इनकार करने के लिए गिरफ्तार किया गया था, जहां वह 'दुर्व्यवहार' कर रहे थे। यह बताया गया कि 1878 के बाद से, निम्न, बेईमानी गिरोहों द्वारा 'अपमानजनक दृश्य और दंगे'

शनिवार की रात को इस जगह के बाहर मुंहबोले ब्लैकगार्ड हुए थे। 190
इस अवसर पर, लाइटफुट ने 'एक भीड़ को उकसाया, जो उसके चारों ओर इकट्ठा हो गई थी, उसे रिहा करने के लिए, जो उन्होंने किया।' फिर से हिरासत में लिया गया, उसने 'पागलों की तरह व्यवहार किया, पुलिस को लात मारी और हमला किया।' भीड़ की संख्या अब लगभग 200 हो गई और एक बार फिर लाइटफुट को रिहा कर दिया गया। उन पर 40 शिलिंग और लागत का जुर्माना लगाया गया। 191

जहां तक हेनरी लाइटफुट का सवाल है, उनका पहला अपराध 1886 में एक बत्तख चुराने का था। वह तेरह वर्ष का था और उसे सात दिनों के लिए जेल में डाल दिया गया। दो साल बाद, उसे 'कठोर अपराधी' के रूप में वर्णित किया गया जब उसे आठ पीतल के दरवाज़ों के कुंडी चुराने के लिए कड़ी मेहनत के साथ नौ महीने की कैद की सजा सुनाई गई। 192 पहले, उसने फल, एक जैकेट और कबूतर चुराए थे और उसे अन्य छोटी-मोटी चोरियों के साथ-साथ जुआ, नशे, चोरी, जानबूझकर नुकसान पहुंचाने और अश्लील भाषा के लिए कई बार जेल जाना पड़ा। हालाँकि, एक छोटा चोर होने के साथ-साथ, लाइटफुट एक हिंसक व्यक्ति भी था। दिसंबर 1892 में, दुर्भावनापूर्ण घाव के लिए उन्हें नौ महीने की जेल की सजा दी गई थी; 1894 में एक कांस्टेबल पर हमला करने के आरोप में उन्हें छह महीने और जेल की सज़ा काटनी पड़ी और उन्हें छह अन्य हमलों के लिए दोषी ठहराया गया। 1907 में उनका अंतिम स्पष्ट अपराध 12 स्क्रबिंग ब्रशों की चोरी के लिए था। 193

सात साल बाद, 14 सितंबर 1914 को, प्रथम विश्व के फैलने के तुरंत बाद, लाइटफुट रॉयल वारविकशायर रेजिमेंट में शामिल हो गए। इस व्यक्ति ने, जिसने अपना अधिकांश जीवन अपने देश के कानूनों को तोड़ने में बिताया था, ने लड़ने का फैसला किया

Machine Translated by Google

उनका देश, जैसा कि इस तथ्य से रेखांकित होता है कि उन्होंने अपनी उम्र चौंतीस वर्ष बतायी जबकि वास्तव में वे इकतालीस वर्ष के थे। फिर भी पुरानी आदतें आसानी से नहीं मिटतीं और उसी साल नवंबर में उन्हें एक गैर-नियुक्त अधिकारी को धमकाने और बदतमीजी करने के लिए 14 दिनों की हिरासत की सजा सुनाई गई। अपनी नज़रबंदी ख़त्म करने के कुछ ही दिनों के भीतर, लाइटफ़ुट को सेना से छुट्टी दे दी गई क्योंकि एक कुशल सैनिक बनने की संभावना नहीं थी। 194

वह तब रोविंग्टन टेरेस, बर्कले रोड, हे मिल्स में रह रहे थे
जनवरी 1915 में वह फिर से शामिल हुए, इस बार रॉयल वारविकशायर रेजिमेंट की 2/5 बटालियन, जो एक वां संरक्षित
प्रादेशिक सेना इकाई थी, के साथ।
हालाँकि, लाइटफ़ुट अभी भी एक परेशानी भरा सैनिक था। अगस्त 1915 में, उन्होंने एक वरिष्ठ अधिकारी के प्रति अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया और 'उन्हें हिंसा की पेशकश की', जिसके लिए उन्हें 28 दिनों के लिए हिरासत में लिया गया। अगले महीने, उन्हें एक आदेश की अवज्ञा करने और दुर्भावनापूर्ण व्यवहार करने के लिए आठ महीने की हिरासत दी गई। अपनी सजा पूरी करने के तुरंत बाद, 21 मई 1916 को, उनकी बटालियन को 48वीं डिवीजन की 143वीं ब्रिगेड के हिस्से के रूप में ब्रिटिश अभियान बल के साथ सेवा करने के लिए फ्रांस भेजा गया था। जैसे, लाइटफुट 1 जुलाई 1916 को सोम्मे की खूनी लड़ाई के पहले दिन में शामिल था। अगले दिन वह दाहिनी आंख और बाजू में घायल हो गया था। दो दिन बाद उन्हें वापस इंग्लैंड भेज दिया गया और अप्रैल 1917 में उन्हें सेना से छुट्टी दे दी गई क्योंकि अब वे सक्रिय सेवा के लिए शारीरिक रूप से फिट नहीं थे।

195 हेनरी लाइटफुट की 1936 में तिरसठ वर्ष की आयु में मृत्यु हो गई।

पैसे की मांग करना

जनवरी 1896 में, बर्मिंघम मेल के एक संवाददाता ने खेद व्यक्त किया कि 'बर्मिंघम पुलिस की सारी ऊर्जा के बावजूद, प्रोफेशनल रफ कम-पीकी ब्लाइंडर के आचरण के कारण वर्तमान समय वास्तव में आतंक का शासन है।'

रिपोर्टर ने जोर देकर कहा कि पड़ोस में एक पीकी ब्लाइंडर का होना पूरे जिले को आग में झोंकने के लिए पर्याप्त था, क्योंकि, 'उसके पास निश्चित रूप से अनुयायी होंगे, और युवा पीकी उसके उच्छृंखल आचरण का अनुकरण करते हैं और शनिवार की रात अंधेरा होने पर उस पर कार्रवाई करने का प्रयास करते हैं। गिरता है, और असंख्य अनुयायियों का ज्ञान उनके व्यवसाय के लिए अनुकूल प्रतीत होता है।' वह व्यवसाय शराबी बाजार विक्रेताओं और अन्य लोगों को पीटना और लूटना था। यदि संयोग से उनमें से कुछ पकड़े भी गए, तो अखबार के अनुसार, वे अदालत में 'जितना संभव हो सके हानिरहित और निराश दिखते थे, और एक अनावश्यक पट्टी पहने हुए थे। वे निवेदन करते हैं कि उन्हें बहुत खेद है, लेकिन वे शराब के नशे में थे, और पुलिस कोर्ट की सहायता से वकीलों को एक छोटे से जुर्माने के साथ उनके दोस्तों को लौटा दिया जाता है।' फिर वे एक मील के भीतर सभी पबों में जाने के लिए भीख मांगने की सूची बनाते हैं, और उन गरीबों के लिए इकट्ठा करते हैं, जो "थोड़ी सी परेशानी" में पड़ गए थे और जो लोग ऐसा नहीं करते, उनके लिए धिक्कार है।

Machine Translated by Google

इस फंड में योगदान करें'. 196

पैट कोलिन्स एक प्रसिद्ध शोमैन थे, जो मिडलैंड्स में कई मेलों के लिए ज़िम्मेदार थे और जब उन्होंने सितंबर 1890 में बर्मिंघम के प्याज मेले पर कब्ज़ा कर लिया था, तब उन्होंने इस तरह के अपरिष्कृत संरक्षणवाद का विरोध किया था। 1400 से पहले, यह शहर के केंद्र में हुआ था, लेकिन माना जाता है एक उग्र और अश्लील तमाशा, परिषद ने इसे 1875 में समाप्त कर दिया था। जवाब में, शोमैन के राजा रैंडल विलियम्स ने इसे बर्मिंघम के सबसे उत्तरी छोर पर ओल्ड प्लीक में स्थानांतरित कर दिया। एस्टन के साथ सीमा के करीब, इसे सेंट स्टीफंस स्ट्रीट द्वारा काट दिया गया था और जल्द ही 'यह कट्टरपंथियों और गिरोहों का खुशहाल शिकार स्थल बन गया, जो शोमैनों से छेड़छाड़ न करने के बदले में उनसे श्रद्धांजलि लेते थे।' 197 पीकी ब्लाइंडर्स द्वारा सुरक्षा की वसूली करने से उत्पन्न परेशानी के कारण, विलियम्स ने पट्टा पैट कोलिन्स को बेच दिया।

कहानियों में कहा गया था कि उन्होंने नक्कलडस्टर के जोरदार इस्तेमाल से गिरोहों को नष्ट कर दिया था, इस कहानी पर उन्हें नाराजगी थी क्योंकि उन्होंने इस बात पर जोर दिया था कि यह कहना बकवास है कि उन्होंने किसी हथियार का इस्तेमाल किया था। इसके बजाय, कोलिन्स ने याद किया:

> मैं जानता था कि मेरा मुकाबला किससे है। गिरोह आते थे और स्टालों को अकेले छोड़ने के लिए पैसे की मांग करते थे - या तो 2। 6डी या, पीकी ब्लाइंडर्स के मामले में, 'अठारह साल के लड़के जो इसे मिला सकते हैं,' एक शिलिंग। मैंने कहा कि मैं पट्टा लूंगा और इसे साफ करूंगा ताकि आप मेले के बीच में अपनी घड़ी और चेन को पीट सकें और जब आप इसके लिए जाएं तो इसे फिर से पा सकें। मैंने इंस्पेक्टर मैकमैनस (बाद में बर्मिंघम के उप मुख्य कांस्टेबल) से बीस पुलिसकर्मी मांगे; उसे पन्द्रह मिले, और पैसे की मांग करने वाले गैंगस्टरों में से सबसे पहले उसने अपनी मुट्ठी से उसे मार डाला। सादे कपड़े पहने लोग बुरी दिखने वाली लाठियों के साथ आए और जल्द ही वे गिरोह हमारे सामने आ गए। 198

टेरी प्रॉक्टर को बताया गया कि कैसे उनके दादाजी ने 89 समर लेन में कसाई की दुकान में सुरक्षा राशि की मांग करने आए चरमपंथियों से निपटा था।
एडविन प्रॉक्टर एक सख्त, साहसी व्यक्ति थे जो धमकी बर्दाश्त नहीं करने वाले थे, और उन्होंने उन्हें आदेश दिया, 'जल्दी हट जाओ, नहीं तो!' उन्होंने ऐसा नहीं किया और, टेरी के अनुसार, 'एडविन पीछे की मांस रेल का एक बड़ा कुंडा मांस हुक पकड़ता है, उसे काउंटर पर घुमाता है, उनमें से एक को गर्दन के चारों ओर फंसाता है, उसे काउंटर पर खींचता है और दिन के उजाले को उससे दूर कर देता है, फिर उसे दुकान की खुली खिड़की से फेंक देता है। उसके बाद उन्हें कभी कोई परेशानी नहीं हुई!' 199 दुकानदारों पर छोटे पैमाने पर जबरन वसूली को धमकाने और डराने-धमकाने के बराबर किया गया। उदाहरण के लिए, दिसंबर 1896 में, कई युवा, 'गुंडों के एक गिरोह से संबंधित थे, जिन्होंने कुछ लोगों के लिए लेडीवुड के पड़ोस में घुसपैठ की थी।

Machine Translated by Google

टाइम पास्ट', स्मिथ नाम के एक क्लर्क से तम्बाकू की माँग की जब वह रात के खाने के समय शेरबोर्न स्ट्रीट में अपना कार्यस्थल छोड़ रहा था। उन्होंने उसे पकड़ने के लिए दौड़ लगाई, लेकिन वह वापस काम में भाग गया। मैनेजर, जोशिया ग्रिफिथ्स ने खुद को चाबुक से लैस किया और स्मिथ के साथ बाहर गया, लेकिन दोनों को तुरंत गिरोह ने पकड़ लिया। ग्रिफ़िथ से चाबुक छीन लिया गया और 'बकल्ड-एंड बेल्ट और चाकू का स्वतंत्र रूप से उपयोग किया गया। आख़िरकार, काम करने वाले लोगों की एक मजबूत सेना ने बदमाशों को खदेड़ दिया। मिस्टर ग्रिफ़िथ, जो सबसे गंभीर रूप से घायल थे, को अस्पताल ले जाया गया।'

200

असभ्य का शासन

1895 में नारेबाज़ गिरोह की लड़ाइयों और पीक ब्लाइंडर्स के हमलों ने एक बार फिर बर्मिंघम पर प्रतिकूल ध्यान आकर्षित किया था, कोवेंट्री इवनिंग टेलीग्राफ ने दावा किया था कि शहर बहुत लंबे समय से क्रूरता के लिए कुख्यात था।

बमुश्किल एक महीना बीता 'लेकिन हमें हिंसा की कुछ चौंकाने वाली घटनाएं रिकॉर्ड करनी हैं' और कुख्यात नारेबाज़ी करने वाले गिरोह कुछ क्षेत्रों में आतंक बने रहे। 201

हालाँकि अगले वर्ष सामूहिक हिंसा की कोई बड़ी घटना नहीं हुई, फिर भी कई नागरिक चरम अंधड़ से भयभीत थे। बर्मिंघम मेल के एक संवाददाता ने शहर के मजिस्ट्रेटों पर उनके बारे में अज्ञानता का आरोप लगाया क्योंकि, काफी हद तक, 'जो लोग इस शहर में न्याय करते हैं वे या तो फैशनेबल उपनगरों में रहते हैं, या देश में रहते हैं।' उन्होंने उनसे कभी-कभी समर लेन, हॉस्पिटल स्ट्रीट, यहां तक कि कैमडेन स्ट्रीट या स्प्रिंग हिल के अधिक सम्मानजनक पड़ोस में शनिवार को जाने का आग्रह किया। यदि वे ऐसा करते, तो वे कुछ अंदाजा लगा सकते थे कि जनता को क्या झेलना पड़ता है क्योंकि बर्मिंघम के सड़क किनारे 'इन मानव परजीवियों से भरे हुए थे, जो किसी गुजरती लड़की या महिला के अवसर की तलाश में रहते हैं और प्रदूषित करने के लिए सबसे गंदी भाषा बोलते हैं।' उनके कान'.

202

1897 में, राज्य भर के अखबारों ने एक बार फिर बर्मिंघम की खराब प्रतिष्ठा पर ध्यान केंद्रित किया, जैसे 'द रेन ऑफ द रफ इन 203 दिस वेयर बर्मिंघम' और 'बर्मिंघम रफ्स ऑन द रैम्पेज'। पुलिस कांस्टेबल स्निप की हत्या से 18 जुलाई 1897 को, वह हॉकले हिल पर ड्यूटी पर थे और पब बंद होने के बाद: उपजी। देर रात, रविवार,

> किलेन नाम के एक व्यक्ति ने शराब के नशे में इतना उच्छृंखल व्यवहार किया कि स्नाइप, जो पुलिस-कांस्टेबल मीड के साथ था, उसे गिरफ्तार करने के लिए आगे बढ़ा। किलेन ने कड़ा प्रतिरोध किया और जब कांस्टेबल एक व्यक्ति के साथ संघर्ष कर रहे थे

Machine Translated by Google

> चार्ल्स एल्विस नाम का व्यक्ति आया और उन पर हमले में शामिल हो गया। एक हताश हाथापाई हुई, जिसके दौरान एक तीसरे व्यक्ति जेम्स फ्रैंकलिन ने एक ईंट फेंकी जो स्नाइप के सिर पर लगी जिससे वह बेहोश हो गया। स्नाइप को एम्बुलेंस द्वारा सामान्य अस्पताल ले जाना आवश्यक पाया गया, जहाँ उसकी मृत्यु हो गई
>
> . . . [204]

पुलिस कांस्टेबलों के सामने आने वाले खतरों को इस तथ्य से रेखांकित किया जाता है कि, पिछले छह वर्षों में, अपनी ड्यूटी करने के दौरान, पीसी स्निप पर आठ बार हमला किया गया था।
[205]

1875 में पीसी लाइन्स की हत्या की तरह, पीसी स्निप की हत्या से आक्रोश फैल गया। उनकी विधवा के लिए एक कोष स्थापित किया गया था और उनके अंतिम संस्कार के दिन वारस्टोन लेन कब्रिस्तान की ओर जाने वाली सड़कों पर भारी भीड़ जमा थी। [206] हालाँकि फ्रैंकलिन पर हत्या का मुकदमा चलाया गया था, लेकिन उसे बरी कर दिया गया क्योंकि सबूतों से संकेत मिलता है कि किसी अन्य व्यक्ति ने ईंट फेंकी थी। यह जॉर्ज 'क्लोगी' विलियम्स थे, जिन्हें हत्या का दोषी पाया गया और आजीवन दंडात्मक दासता की सजा सुनाई गई। चार अन्य लोगों को कम शर्तों के लिए जेल भेज दिया गया। जब पीसी स्निप फर्श पर बेहोश था, तो किलेन (जिसे कोलेरेन भी कहा जाता है) ने उसके सिर में लात मारी थी, जिसने पीसी मीड को भी लात मारी थी। उन्हें अठारह महीने की सश्रम कारावास की सजा सुनाई गई। थॉमस हेजेस, चार्ल्स एडवर्ड एल्विस और थॉमस मोरन को भी दो पुलिसकर्मियों पर गैरकानूनी तरीके से हमला करने का दोषी ठहराया गया और उन्हें नौ महीने की कड़ी सजा दी गई। 207 , हालांकि, शुक्र है कि इन जैसे चरम अंधभक्तों का शासन जल्द ही समाप्त होने वाला था।

Machine Translated by Google

Machine Translated by Google

अध्याय तीन

शिखर का शासनकाल

ब्लाइंडर्स ख़त्म

क्रूरता की महामारी

जब एक अकेला सवार पथरीली सड़क पर सरपट दौड़ रहा होता है तो घंटी अशुभ रूप से बजती है। एक बड़ा आदमी, वह सीधी पीठ वाला है और एक गेंदबाज टोपी, एक खुला लंबा कोट और एक सूट और टाई पहनता है। वह घुड़सवार पुलिसकर्मियों की एक पंक्ति की ओर खींचता है, जिनमें से प्रत्येक के पास डंडा था। सड़क के उस पार धमकी भरे ढंग से पंक्तिबद्ध, केवल वे ही लोग हैं।
उनके पीछे एक बड़ा, बदसूरत कारखाना मंडरा रहा है। इसका दबाव तेज़ होता है, जिससे वातावरण की उदासी और उदास मनोदशा तीव्र हो जाती है। घुड़सवार स्पष्ट उत्तरी आयरिश लहजे में अधिकारियों से जोरदार ढंग से बात करता है। उन्हें कोई कसर नहीं छोड़नी है और जो भी बंदूक और गोली उन्हें मिले उसे उसके निरीक्षण के लिए लाना है।

घुड़सवार पुलिस सड़क पर चल रही है, हर कोई बीच-बीच में दोनों तरफ के घरों की ओर मुड़ रहा है। उनके साथ टोपी पहने सिपाहियों की एक बड़ी फौज होती है जो सड़क पर दौड़ते हैं और दो-दो को रोकते हैं। अपने नेता के संकेत पर, पैदल पुलिसकर्मी प्रत्येक घर के सामने के दरवाजे तोड़ देते हैं और कम्युनिस्टों की तलाश में अंदर घुस जाते हैं। जैसे ही पुलिस की सीटी बजती है, पुरुषों को बेरहमी से बाहर खींच लिया जाता है। मांस पर लाठियों के प्रहार की आवाज सुनी जा सकती है।

महिलाओं के चिल्लाने पर बच्चे डरकर सड़क पर भाग जाते हैं और उन्हें एक तरफ धकेल दिया जाता है। 208 यह पीकी ब्लाइंडर्स की श्रृंखला एक का एक और ज्वलंत और मनमोहक दृश्य है।
शेल्बी के पावर बेस के केंद्र में इस सड़क पर हमले का प्रभारी मुख्य निरीक्षक कैंपबेल है। शारीरिक रूप से प्रभावशाली, वह छल से भरा हुआ है और बेलफ़ास्ट को अपराध और भ्रष्टाचार से मुक्त कराने की प्रतिष्ठा के साथ आता है। अब उसे विंस्टन चर्चिल द्वारा बीएसए, बर्मिंघम स्मॉल आर्म्स कंपनी से गायब हुई बंदूकों और अन्य हथियारों की एक खेप को बरामद करने के लिए बर्मिंघम भेजा गया है। मुख्य संदिग्ध टॉमी शेल्बी के नेतृत्व वाले पीकी ब्लाइंडर्स हैं, जिनके लिए कैंपबेल के मन में तीव्र नफरत पैदा हो जाती है। वह इरा फेनियन और कम्युनिस्टों से भी नफरत करता है। पीकी ब्लाइंडर्स के साथ, वे 'तीन सिर वाले जानवर' हैं और उनका मानना है कि उनका सिर काटना उनका काम है।

Machine Translated by Google

बर्मिंघम पुलिस पर अविश्वास करते हुए, वह बेलफास्ट से नए लोगों को लाता है, जाहिर तौर पर उसके जैसे प्रोटेस्टेंट। ये वे लोग हैं जो शेल्बीज़ के गढ़ पर हमले में उसके चौंकाने वाले सैनिक हैं। कैंपबेल अंततः पीकी ब्लाइंडर्स को हराने में विफल रहता है। हालाँकि, बेलफ़ास्ट के एक प्रोटेस्टेंट पुलिस अधिकारी ने वास्तव में बर्मिंघम के असली चरमपंथी अंधों और सड़क गुंडों के शासन को समाप्त करने में अग्रणी भूमिका निभाई। उसका नाम चार्ल्स हॉटन राफ्टर था। 1899 में बर्मिंघम में फैली 'क्रूरता की महामारी' पर हुए उपद्रव के बाद उन्हें मुख्य कांस्टेबल नियुक्त किया गया था।

209

पीसी स्निप की हत्या के बाद, सड़क पर हिंसा के लिए कोड़े मारने की व्यवस्था की मांग की गई, यह देखते हुए कि कानून केवल उस सज़ा की अनुमति देता है यदि हमला डकैती के साथ हुआ हो। मुख्य कांस्टेबल फ़र्नडेल सहमत हुए और उन्हें डर था कि पुलिस बल की ताकत के साथ वह और कुछ नहीं कर सकते। 210 पुलिस कांस्टेबलों पर हमले के लिए कानून की अनुमति के अनुसार छह महीने की कैद की बजाय जुर्माने से दंडित करने में मजिस्ट्रेटों की कथित उदारता के खिलाफ भी शिकायतें की गईं। जवाब में, अगस्त 1897 में, मजिस्ट्रेट के अध्यक्ष और जोसेफ चेम्बरलेन के भाई आर्थर चेम्बरलेन ने अपने साथियों से कहा कि 'मामलों को धैर्यवान गृहस्थ के दृष्टिकोण से देखें, न कि उन अपराधियों के दृष्टिकोण से जो उनके सामने बहुत पश्चाताप करते थे। , लेकिन जो, जब शनिवार और रविवार को सड़कों पर होते थे, तो शांत लोगों के लिए सबसे भयानक उपद्रव करते थे।' यह स्पष्ट करने की आवश्यकता है कि व्यक्ति के विरुद्ध अपराध संपत्ति के विरुद्ध अपराधों की तुलना में अधिक गंभीर थे।

211

चार्ल्स एंथोनी विंस एक अकादमिक, बर्मिंघम पोस्ट के अग्रणी लेखक और जोसेफ चेम्बरलेन के कट्टर समर्थक थे, और, बर्मिंघम निगम के इतिहास पर अपने खंड में, उन्होंने शहर को सर्वोत्तम संभव रोशनी में प्रस्तुत करने का प्रयास किया। फिर भी उन्होंने स्वीकार किया कि 1890 के दशक में जनता का ध्यान हिंसा के अपराधों में गंभीर वृद्धि की ओर आकर्षित हुआ था। लोकप्रिय भावना की परिणति इस बुराई के दमन के लिए और अधिक कठोर उपायों की मांग में हुई

पुलिस कांस्टेबल स्निप की हत्या के बाद बनाया गया था'। 212 यह व्यापक भावना 1898 में चरम पर पहुंच गई। उस वर्ष, जेफ्री पियर्सन के अनुसार, 'गुंडे' शब्द ने लंदन में अत्यधिक उपद्रवी अगस्त बैंक हॉलिडे उत्सव के मद्देनजर गर्मी के दौरान आम अंग्रेजी उपयोग में अचानक प्रवेश कर लिया। इसके परिणामस्वरूप बड़ी संख्या में लोगों को अव्यवस्था, नशे, पुलिस पर हमले के आरोप में अदालतों में लाया गया

अधिकारी, सड़क डकैती और लड़ाई'। 213

उस वर्ष बर्मिंघम में, पुलिस कांस्टेबलों पर हमले के लिए मुकदमों की संख्या 623 तक पहुंच गई - अधिकारियों सहित पुलिस बल से संबंधित 214 , 1898 में पुलिस पर हुए हमलों में पुलिस कांस्टेबल 700 भी शामिल थे।

लीच, तेईस वर्षीय 'चेल्टनहैम का उत्तम शरीर' वाला। ए लेने में

Machine Translated by Google

जब वह नशे में धुत होकर पुलिस स्टेशन जा रहा था, तो लिस्टर स्ट्रीट में युवकों के एक गिरोह ने उस पर हमला कर दिया। उनमें से एक ने उस पर बोतल या ईंट फेंकी। इससे उसे चोट लगी और उसकी खोपड़ी टूट गई, जिससे उसे ट्रेपैनिंग ऑपरेशन की जरूरत पड़ी। इसके तुरंत बाद, जासूस सार्जेंट ब्राउन और कई कांस्टेबलों ने सत्रह से बाईस साल की उम्र के सात स्थानीय लोगों को गिरफ्तार कर लिया।

215

इन जैसे पीकी ब्लाइंडर गिरोह के सदस्यों को जो चीज़ अन्य युवाओं से अलग करती थी, वह थी उनका हेयर स्टाइल और पहनावा। लेकिन उस शैली का अधिकांश हिस्सा असभ्य लोगों द्वारा भी अपनाया गया था जो आवश्यक रूप से किसी गिरोह में नहीं थे। इसका मतलब यह हुआ कि सार्वजनिक स्थानों पर लड़ने और नुकसान पहुंचाने वाले हिंसक व्यक्ति के लिए पीकी ब्लाइंडर नाम भी तेजी से लागू किया जाने लगा। जैसा कि डेली मेल ने अपने पाठकों को सूचित किया, 'लंदन के कुछ जिलों की तरह, बर्मिंघम में भी गुंडे हैं, हालांकि मिडलैंड्स में गुंडों को "पीकी ब्लाइंडर्स" के शानदार नाम से जाना जाता है।' जॉन ग्रोव्स ऐसे ही एक युवा व्यक्ति थे। अठारह वर्ष के होनहार युवक के रूप में वर्णित, उस वर्ष मई में उसने एक पुलिस कांस्टेबल पर बोतल फेंकी थी। कांच से अधिकारी का बायां गाल बुरी तरह कट गया और उन्हें अस्पताल में इलाज कराना पड़ा. चूंकि ग्रूव्स पर पहले से कोई दोषसिद्धि नहीं थी, इसलिए उन्हें तीन महीने की कड़ी मेहनत के लिए जेल की सजा सुनाई गई थी।

हालाँकि इस बात का कोई सबूत नहीं दिया गया कि वह किसी गिरोह में था, फिर भी उसे पीकी ब्लाइंडर कहा गया, जो उन 'आतंकवादियों में से एक था जो सड़कों पर मिलने वाले असहाय व्यक्तियों के साथ दुर्व्यवहार करने के आदी होते हैं।' पीकी ब्लाइंडर के उपयोग में इस विस्तार के साथ-साथ हिंसक पुरुषों और छोटे चोरों का वर्णन करने के लिए दो नए शब्द सामने आए - 'पीकी प्रकार' और 'पीकी क्लास'।

राफ्टर का आगमन

बर्मिंघम में क्रूरता की महामारी के कारण 'पीकी ब्लाइंडिज्म' के खतरनाक तत्व को खत्म करने की मांग बढ़ गई। जैसा कि एक टिप्पणीकार ने व्यक्त किया, बेल-बॉटम बिरादरी ने 'बहुत लंबे समय तक शासन किया था, और पुलिस और नागरिकों पर किए गए हमलों को मजिस्ट्रेटों द्वारा पर्याप्त रूप से पूरा नहीं किया गया था जो बहुत उदार थे।' 216 कार्रवाई का शोर तेज़ हो गया और राष्ट्रीय स्तर पर सुना गया।

जनवरी 1899 में, लंदन के एक अखबार ग्लोब ने रिपोर्ट दी कि 'बिना किसी अच्छे कारण के बर्मिंघम के नागरिक सड़क पर बदमाशों द्वारा किए जाने वाले क्रूर अत्याचार की कड़वी शिकायत करते हैं।' इसमें स्पष्ट किया गया है कि कुछ समय पहले, मजिस्ट्रेटों ने 'बेतुके नरम दंड' के बजाय निवारक दंड लगाया था। उन्होंने कहा, प्रभाव तत्काल लाभकारी था, लेकिन बाद में शांति के न्यायाधीश अपने पुराने दयालु मूड में लौट आए, जिससे कि गुंडागर्दी ने फिर से अपना सिर उठा लिया। हाल ही में, बेल्ट और चाकुओं से लैस एक गिरोह ने एक अप्रभावी व्यक्ति पर हमला कर दिया था

Machine Translated by Google

घर जा रहा था, और 'उसे बेरहमी से पीटने के अलावा, उसे चाकू मारकर लगभग मार डाला।' गवाही देने वाले एक गवाह पर गिरोह के कुछ लोगों ने उस समय हमला किया और उसे चाकू मार दिया जब वह अदालत से बाहर निकल रहा था। यह अनुकरणीय गंभीरता का मामला था लेकिन सरगना को केवल दो महीने की जेल की सजा दी गई थी।
217

तीन महीने बाद, मुख्य कांस्टेबल फ़र्नडेल ने खराब स्वास्थ्य के कारण इस्तीफा दे दिया।
हालाँकि उन्होंने 'गुंडागर्दी की महामारी' के बीच ऐसा किया, लेकिन कुछ पर्यवेक्षकों ने उनकी प्रशंसा की। विशेष रूप से, एक स्थानीय प्रकाशन, द आउल ने लिखा है कि वह एक सराहनीय सेवक था जिसने 218 के प्रभाव क्षेत्र को कम करने के लिए बहुत कुछ किया था। यह दावा बहस का विषय था। जबकि नारे लगाने वाले गिरोहों के बीच बड़े पैमाने पर लड़ाई थे, और न ही पिछली होती है। विभिन्न सड़कों से नारेबाज़ी करने वाले गिरोह कम हो गए थे, पुलिस पर हमले नहीं हुए सड़कों पर चरमपंथियों की शक्ति कम हुई थी।
219

यह फ़र्नडेल का उत्तराधिकारी, उत्तरी आयरिश चार्ल्स हॉटन राफ्टर था, जिसे उस व्यक्ति के रूप में लोकप्रिय रूप से प्रशंसित किया गया था जिसने चोटी के अंधों के शासन को समाप्त कर दिया था।
36 साल की सेवा के बाद, 1935 में कार्यालय में उनकी मृत्यु, स्थानीय स्तर पर पहले पन्ने की खबर थी और बर्मिंघम डेली गजट में इसे 'क्लीन्ड अप ब्लैक 220 राफ्टर का अंतिम संस्कार एक नागरिक कार्यक्रम था जिसमें सरकारी ऑनर के अधिकारियों ने भाग लिया था' के रूप में शीर्षक दिया गया था। और सैकड़ों पुलिस अधिकारियों के गार्ड ऑफ साथ। लेकिन उनके जीवन और कार्य के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि बुल रिंग में सेंट मार्टिन की आधिकारिक स्मारक सेवा में नहीं थी, बल्कि इस तथ्य में थी कि अंतिम संस्कार के दौरान सेंट मार्टिन के आसपास की सड़कें और हरबोर्न पैरिश की सड़कें भर गईं। चर्च, बिना किसी आधिकारिक स्थिति वाले पुरुषों और महिलाओं के साथ, जो एक ऐसे व्यक्ति की मृत्यु पर शोक मनाते थे जो पहले एक पुरुष था और यदि आवश्यक हो तो एक अधिकारी था।' बर्मिंघम के औसत पुरुष और महिलाएं अपने घरों से आए और हजारों की संख्या में सड़कों पर खड़े होकर 'एक ऐसे अधिकारी को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की, जिसने अपना काम उत्कृष्टता से करने के अलावा, लोगों का स्नेह भी प्राप्त किया था।' कानून का पालन करने वाले बहुसंख्यक कामकाजी वर्ग के लोगों के लिए, वह स्नेह राफ्टर के नेतृत्व के माध्यम से हासिल किया गया था, जो कि चरमराती अंधों को खत्म करने और सड़कों को सुरक्षित बनाने में था। 221

बेलफ़ास्ट में एक प्रोटेस्टेंट परिवार में पले-बढ़े, वह 1882 में एक कैडेट अधिकारी के रूप में रॉयल आयरिश कांस्टेबुलरी में शामिल हो गए थे। यह एक अशांत समय था जब आयरलैंड एक स्वतंत्र आयरलैंड की मांग करने वाले ज्यादातर कैथोलिक राष्ट्रवादियों और यूनाइटेड के भीतर रहने की इच्छा रखने वाले ज्यादातर प्रोटेस्टेंट संघवादियों के बीच विभाजित हो गया था। साम्राज्य। वह जिला निरीक्षक बन गए और उन्हें मेयो के बैलिनरोब क्षेत्र का प्रभार दिया गया, जहां लैंड लीग सक्रिय थी। यह जमींदारी प्रथा के खिलाफ एक लोकप्रिय अभियान था - जब जमानतदार बेदखली नोटिस देने पहुंचे तो उन्हें भारी प्रदर्शन का सामना करना पड़ा। जिन लोगों को अपने घरों से मजबूर किया गया था, उन्हें उनके पड़ोसियों द्वारा सहायता दी गई थी और उन खेतों पर प्रतिबंध लगा दिया गया था, जहां से किरायेदारों को बाहर निकाल दिया गया था, जबकि जो लोग भूमि लीगर्स के साथ नहीं आए थे, उन्हें बहिष्कृत कर दिया गया था।

Machine Translated by Google

राफ्टर बाद में टिपरेरी में पुलिसिंग में शामिल हो गए, जहां उन्हें होम रूल सांसद काउंट आर्थर मूर की प्रशंसा मिली, जिन्होंने बर्मिंघम वॉच कमेटी को अपने आवेदन में राफ्टर के लिए एक शानदार प्रशंसापत्र लिखा था।

मूर ने इस बात पर जोर दिया कि राफ्टर के कार्यकाल के दौरान टिपरेरी में भावना इतनी अधिक थी कि 'रणनीति या निर्णय की कोई भी इच्छा दो उत्साहित पार्टियों के बीच एक पल की सूचना पर मुठभेड़ का कारण बन सकती थी। उस पूरे समय के दौरान, मिस्टर राफ्टर ने शांत, स्पष्ट दिमाग रखा और उस घटनापूर्ण अवधि की परेशानियों से उबर गए, 222 राफ्टर के साथ बड़ी संख्या में सशस्त्र और उत्साहित लोगों को संभाला, वह अपने संगठनात्मक अचूक अच्छे स्वभाव और चातुर्य के लिए भी जाने जाते थे।' क्षमता और वह संपूर्णता और कौशल जो उन्होंने अपने काम में से, वह शॉर्टलिस्ट किए गए आठ उम्मीदवारों को दिया। 223 बर्मिंघम के मुख्य कांस्टेबल पद के लिए 50 उम्मीदवारों में से एक थे और पूरी वर्दी में अपने साक्षात्कार में भाग लेने वाले एकमात्र व्यक्ति थे।

हालांकि यह प्रभावशाली था, उससे भी अधिक प्रभावशाली राफ्टर की न केवल संभावित हिंसक स्थितियों से शांत और प्रभावी तरीके से निपटने की स्पष्ट क्षमता थी, बल्कि अपराध में कमी की निगरानी करने की भी थी। ये ही गुण थे

चोटीदार अंधों को दबाने की जरूरत है। [224] बर्मिंघम मेल के अनुसार, उन्होंने 1899 में 'अत्यधिक सावधानी के साथ' अपनी नौकरी शुरू की । उन्होंने शहर और इसकी विशेषताओं का पूरी तरह से अध्ययन किया, जबकि वह चाहते थे कि उनके लोग स्मार्ट हों, अच्छे शरीर वाले हों और उस कानून के बारे में जानकार हों जिसके तहत गिरफ्तारियां की गईं।

राफ्टर ने आयरलैंड में अपना व्यक्तिगत साहस दिखाया था, और अपने शांत और सरल तरीके से उन्होंने बर्मिंघम और मिडलैंड इंस्टीट्यूट में दक्षिण अफ़्रीकी युद्ध के बारे में बैठक में इसका प्रदर्शन किया था। बैठक में भारी भीड़ जमा हो गई और उनमें से कुछ ने खतरनाक हरकतें कीं। जैसे ही ऐसा हुआ, राफ्टर ने कमरे के कोने में अपना विनीत स्थान छोड़ दिया और यदि आवश्यक हो तो हस्तक्षेप करने के लिए तैयार होकर, मंच के सामने चला गया। अखबार के मुताबिक, 'फिर एक भयानक भीड़ आई और कुछ लोग पुलिस के घेरे को पार कर गए और स्पीकर के पास पहुंच गए। तुरंत, राफ्टर ने नेता को चुना और उसके पास गया, और उसका कॉलर पकड़ लिया।' कद में छोटा होने के कारण, उसने मुख्य कांस्टेबल की पकड़ के खिलाफ व्यर्थ संघर्ष किया। दृढ़ निश्चयी लेकिन अपनी पकड़ में बहुत मजबूत नहीं होने के कारण, राफ्टर ने चुपचाप लेकिन निर्णायक रूप से कुछ कहा और वह व्यक्ति चला गया। 225 उस घटना में कुछ ऐसी तकनीकों का खुलासा हुआ जिनके साथ पीक ब्लाइंडर्स से निपटा जाएगा: शारीरिक शक्ति, संकल्प, बहादुरी और दृढ़ संकल्प के माध्यम से। उनकी आवश्यकता होगी क्योंकि राफ्टर के प्रारंभिक वर्ष निरंतर हिंसा से चिह्नित थे।

कांस्टेबल की पिटाई

जून 1900 में, और अव्यवस्था की रिपोर्ट पर, पांच कांस्टेबलों को बारफोर्ड भेजा गया

Machine Translated by Google

गली। यह 1870 से बर्मिंघम के नारेबाज़ों और सड़क गिरोहों से जुड़ी सड़कों में से एक थी। जब वे पहुंचे और दो भाइयों को गिरफ्तार करने की कोशिश की, तो अठारह वर्षीय पीतल पॉलिशर अल्बर्ट हैरिस ने पीसी हर्स्ट को बकल वाले बेल्ट से मारा। सोलह वर्षीय पॉलिशर पर्सी लैंग्रिज ने फिर पीसी बार्कर की पीठ पर चाकू से वार किया और कांस्टेबल लॉसन और वॉटसन के पैरों पर भी लात मारी, जिन पर पंद्रह वर्षीय फाइलर फ्रेड्रिक लॉन्ग ने भी हमला किया था। अंततः, बीस वर्ष की आयु के हेनरी अटवुड ने पीसी मैकाले की बांह में छुरा घोंपा। सभी चार अपराधियों को अत्यधिक अंधे किस्म का बताया गया। हैरिस को तीन महीने और लॉन्ग को एक महीने की जेल की सजा सुनाई गई, दोनों को कड़ी मेहनत के साथ।

उनके आरोपों की गंभीरता के कारण - गैरकानूनी और दुर्भावनापूर्ण रूप से पुलिस कांस्टेबलों को घायल करना - लैंग्रिज और एटवुड पर मजिस्ट्रेट द्वारा मुकदमा नहीं चलाया जा सका और इसके बजाय उन्हें किसी भी काउंटी में सबसे महत्वपूर्ण अदालत, जो कि एक वर्ष में चार बार आयोजित की जाती थी, में भेजा गया था। न्यायाधीश। ब्राइटन में जन्मे लैंग्रिज 5 फुट 5½ इंच लंबे थे और उनके शरीर पर कई टैटू थे। उन्हें और एटवुड दोनों को पांच साल की कैद की लंबी सजा दी गई, जो अपने आप में इस बात पर जोर देती है कि अदालतें अब पुलिस पर हमलों को गंभीरता से लेना शुरू कर रही हैं। लैंग्रिज की रिहाई के बाद, डिस्चार्ज्ड प्रिज़नर्स एड सोसाइटीज़ द्वारा उनके लिए देखभाल प्रदान की गई, जिसने उन्हें लंदन में एक स्ट्राइकर के रूप में काम करने का मौका दिया। 226 इस मामले की रिपोर्ट करते हुए, बर्मिंघम मेल ने कई लोगों की भावनाओं को व्यक्त करते हुए कहा कि 'पुलिसवालों की स्थिति खुशहाल नहीं है।' यह पता चला कि, 1899 में, पुलिस के खिलाफ हमलों के लिए 585 मुकदमे चलाए गए थे और उस समय, 227 के खिलाफ हमलों के कारण नौ लोग विकलांग हो

गए थे । अगले वर्ष, पुलिस बल में कुल 700 लोग थे और उनकी संख्या 496 थी। उन पर हमले के लिए मुकदमा. यह आंकड़ा 1898 जितना ऊंचा नहीं था लेकिन यह स्पष्ट था कि अभी भी बहुत सारे हमले हुए थे, और 1901 में यह आंकड़ा 228 बढ़कर 507 हो गया।

कांस्टेबल बेनेट उस वर्ष घायल हुए लोगों में से एक था। जनवरी 1901 में, एक लंबे पॉकेट चाकू का ब्लेड उनकी पीठ में घोंप दिया गया था। घाव बहुत गहरा था और अगर झटका एक इंच भी नीचे पड़ता तो तुरंत घातक हो सकता था। पीसी बेनेट को थॉमस वाल्टर्स ने चाकू मार दिया था, जो उच्छृंखल आचरण के लिए साल्टली थिएटर से निकाले गए युवाओं की एक पार्टी में से एक था और जिसके साथ पीसी बेनेट ने विरोध किया था। वाल्टर्स को दुर्भावनापूर्ण घाव देने के लिए पांच साल की दंडात्मक दासता 229 की सजा सुनाई गई थी , जिसका नाम कुछ समाचार पत्रों में पीकी ब्लाइंडर के रूप में रखा गया था। दूसरों ने उसे गुंडा और दिलचस्प बात यह है कि गुंडा कहा।

पीकी ब्लाइंडर्स के कारण चल रही समस्याओं पर 1901 की गर्मियों में जोर दिया गया था, जब एक प्रतिनिधिमंडल ने उपद्रव के कारण गैरीसन लेन पड़ोस में एक पुलिस स्टेशन की मांग के लिए वॉच कमेटी से संपर्क किया था। वे

Machine Translated by Google

वे अतिशयोक्ति नहीं करना चाहते थे, उन्होंने समझाया, 'लेकिन वर्तमान समय में आतंक और अराजकता की ऐसी स्थिति है कि शहर में लांछन लग रहा है। हर रात, और शनिवार और रविवार को, उस स्थान पर सचमुच अफरा-तफरी मच जाती थी, चरम अंधड़ और उग्रता का बोलबाला रहता था।' स्थिति इतनी खराब थी कि हाल ही में एक प्रतिनिधिमंडल को अपनी जान बचाने के लिए उड़ान भरनी पड़ी जब उसे लगभग 50 उपद्रवियों ने देखा जो एक निर्माणाधीन इमारत पर पथराव कर रहे थे।

231

मेरे बड़े चाचा वाल ने मुझे गैरीसन लेन और समर लेन के गिरोहों की कुख्याति के बारे में बताया। 1897 में स्टडली स्ट्रीट, स्पार्कब्रुक में जन्मे, उन्होंने याद किया कि उनके बचपन में, 'बीयर पीने के एक सत्र के बाद, नक्कलडस्टर्स, बकल्ड बेल्ट और अन्य हथियारों से लैस होने के बाद, इलाके में रहने के लिए टीम बनाने की प्रथा थी। प्रतिद्वन्द्वी गिरोह जिसके कारण "धूल में" पड़ा हुआ था, जब हमेशा इसका मतलब सेट-टू होता था जब कोई क्वार्टर नहीं मांगा जाता था या दिया नहीं जाता था।'

232

जैसा कि बर्मिंघम मेल ने नवंबर 1901 में शोक व्यक्त किया था, 'अभी भी पीकी हमारे साथ है, और यह धारणा कि पुलिसकर्मी केवल ईंट-पत्थर के लिए एक लक्ष्य के रूप में मौजूद है, अभी तक उसके दिमाग से नहीं निकला है।' 233 उस वर्ष बर्मिंघम डेली गजट में इसके प्रमुख लेखक, जे. कमिंग वाल्टर्स द्वारा लिखे गए तीखे लेखों की एक श्रृंखला द्वारा पुलिस के प्रति निर्देशित हिंसा को उजागर किया गया था । स्लमलैंड में तथाकथित दृश्य: बर्मिंघम में काले धब्बों के चित्र, 'दुनिया के सबसे अच्छे शासित शहर' में गरीबी और 'झुग्गी जमींदारी' की सीमा के बारे में इसके खुलासे ने आक्रोश पैदा कर दिया। उन्होंने अपने पाठकों को 'स्लमलैंड' की मनहूस सड़कों की ओर आकर्षित किया, जिनमें से आधे थे:

> · · · उदास नीले-पत्थरों वाले रेलवे पुलों से गुज़रा, जिन पर से रेलगाड़ियाँ लगातार गड़गड़ाहट के साथ गुजर रही हैं, और ये तोरणद्वार स्वयं एक निराशाजनक और अप्रकाशित तस्वीर का अंतिम पड़ाव हैं। एक या दो 'शिखर' लगभग निश्चित रूप से कोनों पर झुके हुए पाए जाएंगे, और कम-बार-बार आने वाली सड़कों पर उनके द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले खतरे को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। पुलिस दुर्लभ नहीं है, हालाँकि ऐसा माना जाता है कि उनका सामना अधिक आसानी से किया जा सकता है; लेकिन एक तथ्य जिसे महत्वहीन नहीं समझा जाना चाहिए वह यह है कि वे लगभग हमेशा जोड़ों में पाए जाते हैं। जहां एक कांस्टेबल को स्वाभाविक दुश्मन माना जाता है, और उसकी उपस्थिति ही भीड़ का अपमान है, वहां बहुत अधिक सावधानी नहीं बरती जा सकती। अब एक अपराधी की गिरफ्तारी का बदला लेने के लिए बर्मिंघम के इस क्वार्टर में एक अकेले पुलिसकर्मी की आधी हत्या कर दी गई है या उसे जीवन भर के लिए अपंग कर दिया गया है, और इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि बदला - जो आमतौर पर ईंटों और बेल्ट का रूप लेता है - दिया गया था या नहीं वास्तविक अधिकारी जिसने नाराजगी जताई थी, या उसका कोई सहकर्मी।

कॉन्स्टेबल-बेटिंग के बाद कम रोमांचक लेकिन बहुत संतोषजनक बात आती है

Machine Translated by Google

पत्नी को पीटने का शगल, लेकिन जो जानवर इसमें शामिल होते हैं, उनके खिलाफ पूरी तरह से समझे गए कारणों से शायद ही कभी मुकदमा चलाया जाता है। 234

इस निराशाजनक अवलोकन के कुछ महीने बाद, बर्मिंघम की पिछली सड़कों पर एक और पुलिस कांस्टेबल की हत्या कर दी गई। 22 जुलाई 1901 की शाम को, जॉर्ज फाउल्स, एक उन्नीस वर्षीय ब्रास फाइलर, 23 वर्षीय जोसेफ एडे और 33 वर्षीय जॉन डेविस, दोनों पॉलिशर के साथ, गोस्टा ग्रीन इलाके में स्टैनिफोर्थ स्ट्रीट के आसपास शराब पी रहे थे। आधी रात के करीब, उन्होंने सड़क पर गाना शुरू कर दिया। पीसी गुंटर ने 'बहुत ही उचित अनुरोध किया कि वे आगे बढ़ें और पड़ोस में गड़बड़ी करने से बचें।' इसके बाद वह एक घरेलू विवाद को शांत करने गया

235

ब्रूस परिवार के घर के पास।

उनकी मौत की जांच में, पड़ोस के कई गवाहों ने तीन लोगों के खिलाफ सबूत दिए। उनमें मैरी एन ब्रूस भी शामिल थीं। उसने कहा कि जब पीसी चार्ल्स गुंटर झगड़ा शांत करने के लिए उनके घर में आए तो सात लोगों ने उनका पीछा किया, जिनमें फाउल्स और एडी भी शामिल थे। उनकी चचेरी बहन एम्मा बटलर ने बताया कि जैसे ही पीसी गुंटर घर से बाहर निकले, 'वे सभी उनके पास आ गए।' जब कोरोनर ने पूछा कि क्या हुआ, तो उसने तपाक से जवाब दिया, 'ईंटें चली गईं। लगभग चार. मुझे सोचना चाहिए।' फिशर स्ट्रीट की दिशा से और अधिक ईंटें फेंकी गईं, और कांस्टेबल को लगभग पंद्रह लोगों ने घेर लिया। वह जमीन पर गिर गया.

बटलर की मां फैनी ने कहा कि ब्रूस परिवार के साथ रहने वाले विलियम विलिस ने उन्हें बताया कि पीसी गंटर ने सड़क पर गा रहे युवकों को आगे बढ़ने का आदेश दिया था, उनमें से एक ने कहा था, 'चलो नीचे चलते हैं और उसे अंदर करो.' इसके बाद जो हुआ उसे लैंकेस्टर स्ट्रीट में पेरी एंड कंपनी की पास की बड़ी पेन फैक्ट्री के रात्रि चौकीदार थॉमस स्मॉलबोन ने देखा।

उसने ट्रिलबी टोपी पहने एक आदमी को ईंट उठाते और उसे फुटपाथ पर तोड़ते देखा था। एक प्रवेश द्वार के नीचे खड़ी एक लड़की चिल्लाई, 'अगर तुम ऐसा करोगे, तो मैं तुम्हें उड़ा दूंगी,' (पुलिस को सूचित करें), जिस पर उस आदमी ने उसे मारा।

उसके बाद दो आदमी उसके साथ आ गए, एक ने शर्ट की आस्तीन पहन रखी थी और दूसरे ने पुआल टोपी पहन रखी थी। वे सड़क पर कुछ गज ऊपर चले गये। उनमें से एक व्यक्ति ने कुछ फेंका और पुलिस अधिकारी गिर गया। स्मॉलबोन काम से भागा और कांस्टेबल को जमीन पर पड़ा हुआ पाया, माथे पर चोट लगने से खून बह रहा था।

अगली सुबह एक पुलिस सार्जेंट वहां गया जहां पीसी गुंटर गिरा हुआ था और उसने पाया कि वहां ईंटें बिखरी हुई थीं। उस दिन, एक अन्य स्थानीय गवाह ऐलिस ली ने फाउल्स को अपनी पत्नी से यह कहते हुए सुना कि वह विवाद में था और उसने 'एक या दो ईंटें तोड़ दीं'।

कांस्टेबल गुंटर को 30 जुलाई को जनरल अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उन्हें आठ दौरे आए और उनका ऑपरेशन किया गया, लेकिन उनकी हालत गंभीर बनी रही

Machine Translated by Google

और दाहिनी ओर से लकवाग्रस्त हो गया था और बोलने में असमर्थ था। प्रत्येक मामले में मस्तिष्क में फोड़े के लिए तीन और ऑपरेशन किए गए। चौथे ऑपरेशन के बाद, पीसी गुंटर की हालत में सुधार हुआ लेकिन उन्हें फिर से बीमारी का सामना करना पड़ा और 26 अक्टूबर को उनके माथे में घाव के कारण मस्तिष्क फोड़े के कारण होने वाले मेनिनजाइटिस के कारण उनकी मृत्यु हो गई। 236 उन्होंने अपनी पत्नी और बच्चे को छोड़ दिया और उनके अंतिम संस्कार के लिए उन्हें कार्मेर्थशायर वापस ले जाया गया। उनके पार्थिव शरीर को 100 पुलिस कांस्टेबलों और अधिकारियों द्वारा स्नो हिल स्टेशन तक ले जाया गया। उनका नेतृत्व मुख्य कांस्टेबल राफ्टर ने किया। 237 जांच में जूरी ने इरादतन हत्या का फैसला सुनाया था, लेकिन तीनों आरोपियों के मुकदमे में उन्हें हत्या का दोषी पाया गया - न्यायाधीश, न्यायमूर्ति बीघम को आश्चर्य हुआ।

उन्होंने प्रत्येक को 15 साल की कैद की सजा सुनाई, यह आशा और विश्वास करते हुए कि यह 'इस शहर में आपके वर्ग के लोगों के लिए एक चेतावनी होगी, जो नहीं जानते कि अपने जुनून को कैसे नियंत्रित किया जाए और जो शराब या अन्य कारणों से खुद को ऐसा करने देते हैं। ले जाया गया, ताकि वे हिंसा करें।' सज़ा सुनाए जाने से अदालत में सनसनी फैल गई और कई महिलाएँ उन्मादी हो गईं - हालाँकि बर्मिंघम डेली गजट ने इस बात पर ज़ोर दिया कि पुरुषों को आजीवन कारावास की सज़ा दी जानी चाहिए थी। इसने स्टैनिफोर्थ स्ट्रीट के पड़ोस को 'शापित "पीकी ब्लाइंडर" मानव रूप में एक क्रूर जानवर का अड्डा' के रूप में बदनाम किया। 238 कॉन्स्टेबल गुंटर को सेंट लॉरेंस के पल्ली में मार दिया गया था, इस क्षेत्र की व्यापक रूप से 'ब्लैकएस्ट बर्मिंघम' में सबसे काले स्थानों में से एक के रूप में निंदा की गई थी और फिर भी उनकी स्मारक सेवा उसी पल्ली के चर्च में आयोजित की गई थी। गुंटर ने पास के ड्यूक स्ट्रीट पुलिस स्टेशन में रहते हुए वहां पूजा की थी। सेवा में इतने सारे लोग शामिल हुए कि स्कूल में एक अतिप्रवाह आयोजित करना पड़ा 239 और यह कथित रूप से निचले और ऊबड़-खाबड़ पड़ोस के गवाह थे जिन्होंने गवाही दी जो उसकी हत्या के आरोपी तीन लोगों की सजा के लिए महत्वपूर्ण थी। डराने-

धमकाने के बावजूद उन्होंने ऐसा किया। यह इन जैसे गरीब लोगों द्वारा पुलिस के लिए बहादुरीपूर्ण समर्थन होगा, जो चरमपंथी अंधों और सड़क पर रहने वाले गुंडों के आतंक के शासन से क्रोधित और थके हुए थे, जो पिछली सड़क को समाप्त करने में एक महत्वपूर्ण कारक होगा। गुंडागर्दी.

कमरे.

240

पीसी गुंटर की मृत्यु के तुरंत बाद एक पुलिस कांस्टेबल पर एक और क्रूर हमले ने बर्मिंघम को स्तब्ध और निराश कर दिया। जनवरी 1902 में, पीसी अर्नेस्ट ब्लिंको को 'चॉपर [छोटी कुल्हाड़ी] से इतनी बेरहमी से काटा गया कि उनकी मौत हो गई।' उनके हमलावर दो भाई, डेविड और फ्रैंक चेरी थे, जो 'चरम अंधभक्त' अनुनय के रूप में जाने जाते थे।

241 पिछले दिन, कॉन्स्टेबल ब्लिंको पीसी स्टीवंस के साथ डेविड चेरी को पुलिस सम्मन देने गए थे। ऐसा लगता है कि वह और उसका भाई इसका बदला लेना चाहते थे, क्योंकि हमले से पहले दोनों भाइयों को जिले में संदिग्ध तरीके से घूमते देखा गया था

Machine Translated by Google

मानो वे किसी की तलाश कर रहे हों।

जब पीसी ब्लिंको प्रकट हुए, तो भाई शेरबोर्न रोड की ओर भागे और लॉन्गमोर स्ट्रीट तक उनका पीछा किया। कॉन्स्टेबल से आगे निकलते हुए, डेविड चेरी ने अपनी जेब से एक चॉपर निकाला, और 'उसके सिर पर जोरदार प्रहार किया जिससे वह गिर गया।' जब असहाय कांस्टेबल जमीन पर था, चेरी ने उसके सिर पर फिर से तीन या चार जोरदार वार किए। उसका भाई, फ्रैंक, पूरे समय मौजूद था और, थॉमस स्टीडमैन नामक एक लड़के के अनुसार, उसने अपने भाई से कहा, 'चलो, तुमने उसे अंदर कर लिया है।' इस विवरण की पुष्टि अन्य गवाहों द्वारा की गई थी।

242

जो कुछ हुआ था उसे देखने वाली महिलाओं की चीखें घटनास्थल पर कई लोगों को ले आईं और दोनों भाई भाग गए, जबकि उनके पीड़ित को एक टैक्सी में अस्पताल ले जाया गया। 243 वह बेहोश था और उसका बहुत सारा खून बह रहा था। केवल एक बार वह बोलने की स्थिति में आए और कहा, 'मुझे उठाओ: मैं जा रहा हूं।' अब तक पुलिस की टीमें भाइयों की तलाश कर रही थीं। उन्हें कोई कठिनाई नहीं हुई क्योंकि कई लोगों ने उन्हें देखा था, क्योंकि वे स्पष्ट थे क्योंकि उनमें से एक हेलिकॉप्टर ले जा रहा था।

अंततः दोनों भाई लेडीपूल रोड, स्पार्कब्रुक पर जॉर्ज पब में पाए गए। उन्हें गिरफ्तार करने के लिए संघर्ष हुआ, जो तब समाप्त हुआ जब फ्रैंक चेरी ने टिप्पणी की, 'हम चुपचाप चले जायेंगे। डेविड. हम बुरी तरह हार गए।'

चेरी बंधुओं को द्वेष का दोषी पाया गया और हत्या और हत्या के इरादे से विचार किया गया। न्यायमूर्ति बिघम ने फैसला सुनाया कि यदि डॉ जॉर्डन लॉयड के कौशल नहीं होते, जिन्होंने पीसी ब्लिंको की जान बचाई थी, तो उन्हें फांसी दे दी गई होती। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि, 'ऐसा प्रतीत होता है कि बर्मिंघम में आपके पद पर बैठे लोगों की प्रवृत्ति है कि वे पुलिसकर्मियों को मौत के घाट उतार दें। इसलिए इसे रोकने के लिए मैं तुम्हें जो दंड दूँगा, उससे मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करूँगा।' प्रत्येक चेरी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। यह एक घोषणा थी जिसका अदालत के पीछे तालियों से स्वागत किया गया, जबकि बर्मिंघम डेली गजट ने आशा व्यक्त की कि ये अनुकरणीय वाक्य 'अनियंत्रित गुंडागर्दी पर रोक लगाएंगे जो चरम प्रकार के लोगों के बीच मौजूद है' और जिसके कारण अकारण हिंसा होती है

और पुलिस पर जानलेवा हमले किये। 244

पीकी ब्लाइंडर्स का गायब होना

प्रारंभ में ऐसा लगा कि पीसी गुंटर के हत्यारों को दी गई सज़ा प्रभावी नहीं रही। 1902 में पुलिस कांस्टेबलों पर हमले के मुकदमों में 91 की गिरावट आई, और यद्यपि यह एक 'एक संतुष्टिदायक कमी' थी, अन्य हिंसक अपराधों की उच्च संख्या के कारण बर्मिंघम डेली गजट ने घोषणा की कि, 'परिणाम किसी भी आशा के लिए अनुकूल नहीं है पीकी-ब्लिंडर को वश में कर लिया गया है और

Machine Translated by Google

गुंडे ने उसकी सबसे विशिष्ट विशेषताएं लूट लीं।' 245 आंकड़े इस निष्कर्ष का समर्थन करते प्रतीत होते हैं, 1903 में, पुलिस पर हमलों के लिए अभियोजन नाटकीय रूप से बढ़कर 459 हो गया और 1905 में 487 तक पहुंच गया।
246

इसके बावजूद, 13 सितंबर 1905 को बर्मिंघम डेली गजट
घोषणा की गई कि, जबकि शहर को पीकी-ब्लाइंडर के निवास के रूप में जाना जाता था:

> उसके बुरे दिन, जब वह विजय के शिखर पर था, और अपने आक्रोश से शहर के रिकॉर्ड को अपमानित किया था, काफी समय बीत चुके हैं। आज का 'शिखर', सौभाग्य से, अपनी पिछली प्रतिष्ठा पर जी रहा है, और मुख्य रूप से पुलिस के परिश्रम और सतर्कता के कारण वह व्यावहारिक रूप से सक्रिय सेवा से सेवानिवृत्त हो गया है। फिर भी, समय-समय पर गुंडागर्दी का प्रकोप हमें यह याद दिलाने के लिए होता है कि जो भावना अन्य वर्षों में बर्मिंघम के उपद्रवियों को जीवंत बनाती थी, वह वर्तमान शहर के गुंडों के बीच कभी-कभार पुनर्जीवित होने के लिए उत्तरदायी है। आज हमारे समाचार स्तंभों में शहर में अराजकता की इस भावना के प्रमाण हैं, लेकिन हमें सड़क पर उपद्रव और गुंडागर्दी के पुराने दिनों की वापसी की संभावना से चिंतित होने की आवश्यकता नहीं है।
>
> पुलिस ने हमें आश्वासन दिया कि बर्मिंघम एक अच्छा आचरण वाला शहर है, और इसके बुरे रास्ते पर चलने का कोई खतरा नहीं है। मजिस्ट्रेट अनुकरणीय सजाएँ पारित करके बर्मिंघम को दबाने के काम में भौतिक रूप से मदद कर सकते हैं।
> 247

इस सकारात्मक रिपोर्ट के एक सप्ताह बाद, 20 सितंबर 1905 को, स्लॉगिंग/पीकी ब्लाइंडर गैंग के सदस्य विलियम लेसी ने समर हिल गैंग में से एक को गोली मार दी।
पांच दिन बाद उनकी मृत्यु हो गई। दोनों व्यक्तियों और उनके सहयोगियों को 'एक ऐसे वर्ग से संबंधित घोषित किया गया था जिस पर कोई भी शहर गर्व नहीं कर सकता था, जो गिरोहों में सड़कों पर घूमते थे, लगातार प्रतिद्वंद्वी गिरोहों से मिलते थे, और उनके साथ संघर्ष में प्रवेश करते थे, विशेष रूप से शनिवार की रात को।' फिर भी, मेल का अंश बोधगम्य था क्योंकि इस तरह के गिरोह के झगड़े दुर्लभ होते जा रहे थे और चरम अंधेरों के दिन वास्तव में बीत चुके थे, सक्रिय 248 सेवा से सेवानिवृत्त होने में ज्यादा समय नहीं बचा था।

अगले वर्ष, 1906 में, बर्मिंघम में कांस्टेबलों पर हमले के लिए मुकदमों की संख्या 249 थी, जो नाटकीय रूप से 150 घटकर 337 हो गई।
डेली गजट में जनवरी 1907 में न्यूटन रो में एक 'गुंडागर्दी का आक्रोश' था - जो पहले एक पीक ब्लाइंडर गढ़ था - जब पीक ब्लाइंडर प्रकार के तीन लोगों ने देर रात एक व्यापारी पर बर्बरतापूर्वक हमला किया और उसे लूट लिया, लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि इसका कोई उल्लेख नहीं है। उसके बाद पीक ब्लाइंडर्स द्वारा हमले या झगड़े। 250 उनका गायब होना इतना पूर्ण था कि 1912 में अखबार यह लिख सका,

Machine Translated by Google

'एक समय था जब बर्मिंघम से स्लमलैंड होते हुए किसी उपनगर तक आधी रात को पैदल चलना जोखिम से भरा साहसिक कार्य था। किनारे की सड़कों पर अंधेरे काम किए गए, कुख्यात "पीकी ब्लाइंडर्स" द्वारा छेड़े गए युद्ध ने रात में घूमने वालों को डरावना बना दिया।' 251

क्लब, खेल और तस्वीरें

पीकी ब्लाइंडर्स के तेजी से गायब होने का क्या कारण था? 1898 में, वे बड़े पैमाने पर थे और सात साल बाद भी, वे अभी भी पुलिसकर्मियों और नागरिकों को समान रूप से गंभीर चोटें पहुंचा रहे थे। फिर भी, 1907 तक, उन्हें भूतकाल में संदर्भित किया जाने लगा था और 1920 के दशक तक वे केवल एक स्मृति बनकर रह गये थे। इस घटना में कई सहायक कारक थे, जैसा कि मैनचेस्टर और सैलफोर्ड के लुटेरे गिरोहों के गायब होने के साथ हुआ था। वहां के गिरोहों पर गहराई से शोध की गई अपनी पुस्तक में, डेविस ने उल्लेख किया है कि 1890 के दशक के अंत और प्रथम विश्व युद्ध के फैलने के बीच गिरोह के संघर्ष कम हो गए थे।

यह 'आउटकास्ट मैनचेस्टर', 'ब्लैकएस्ट बर्मिंघम, और 'स्क्वालिड लिवरपूल' के प्रति दृष्टिकोण में बदलाव के साथ मेल खाता है। ऐसी आशंकाएँ थीं कि प्रदूषित और भीड़भाड़ वाले बड़े शहरों में, गरीब युवा अपने निराशाजनक वातावरण के परिणामस्वरूप पीड़ित हो रहे थे, वे जिन ख़राब परिस्थितियों में रहते थे, उनके कारण वे शारीरिक रूप से अयोग्य और अस्वस्थ हो रहे थे। कामकाजी लड़कों के लिए क्लबों का विकास एक महत्वपूर्ण प्रतिक्रिया थी। इन्हें 1880 के दशक के उत्तरार्ध से गति मिलनी शुरू हो गई थी, लेकिन युवाओं की बढ़ती पीढ़ी के बीच अधिक शांतिपूर्ण शगल के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देने में एक दशक लगेगा।

252

गुडर्सन ने बर्मिंघम में इसी तरह की एक प्रक्रिया को देखा, जिसमें 1896 से सेंट जूड्स के प्रभारी इंग्लैंड के उच्च चर्च के पादरी अर्नोल्ड पिंचर्ड के काम पर ध्यान केंद्रित किया गया था। यह चर्च हिल स्ट्रीट में था, जो बर्मिंघम के सबसे गरीब हिस्सों में से एक था और जहां नेविगेशन था। 1875 में सड़क पर दंगा हुआ था।

पिंचर्ड ने अठारह से बीस वर्ष की उम्र के 'उभरते पीकी ब्लाइंडर्स' और सड़क के किनारे के आवारा लोगों के लिए एक क्लब शुरू किया, जिसमें प्रति सप्ताह एक पैसे की सदस्यता ली जाती थी। यह हर शाम खुला रहता था और पिंचर्ड को उसके संरक्षक, एक सामान्य व्यक्ति और चर्च सेना के कप्तान द्वारा मदद की जाती थी। लड़के ड्राफ्ट, डोमिनोज़ और कार्ड खेल सकते थे, लेकिन, जैसा कि गुडर्सन ने माना, 'बॉक्सिंग दस्ताने के दो जोड़े अधिक महत्वपूर्ण थे'।

खुद एक हार्ड हिटर और चतुर मुक्केबाज के रूप में पहचाने जाने वाले, पिंचर्ड अपना क्लब शुरू करने के दो महीने के भीतर एक मुक्केबाजी प्रतियोगिता आयोजित करने में सक्षम थे - 'हालाँकि कोई रस्सियाँ नहीं थीं, इसलिए मुक्केबाज़ आगे की पंक्ति के दर्शकों की गोद में गिर गए।'
लड़कों ने फलालैन शर्ट, कॉरडरॉय पतलून, बेल्ट और भारी जूतों की साधारण पोशाक पहनकर पहले पुरस्कार के लिए एक सूट और दूसरे पुरस्कार के लिए एक जोड़ी जूते के लिए प्रतिस्पर्धा की।

Machine Translated by Google

विजेता को कोपस्टिक कहा जाता था और उसके पास 'सर्वोत्तम लाभ के लिए दिखाया गया एक शिखरदार फ्रिंज' था। पिंचर्ड ने लड़कियों के लिए एक मनोरंजन क्लब और अठारह वर्ष से कम उम्र के उन लोगों के लिए एक चर्च लैड्स ब्रिगेड भी प्रदान किया, जिन्हें सेना में भर्ती किया गया था और
जिम्नास्टिक सिखाया. [253]

पीक ब्लाइंडर्स के बीच अपने लिपिकीय प्रयासों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर जाने जाने वाले पिंचर्ड, ओल्ड निकोल में होली ट्रिनिटी के पादरी, प्रसिद्ध फादर जे के समान ही थे, जिन्हें लेट विक्टोरियन लंदन में सबसे कुख्यात आपराधिक क्षेत्र के रूप में जाना जाता था। 254 1886 में पैरिश पर कब्ज़ा करने के बाद, उन्होंने अपने चर्च के तहखाने में एक व्यायामशाला और बॉक्सिंग रिंग की स्थापना की। उस समय तक, बॉक्सिंग गरीबों के लिए ईस्ट एंड मिशन के काम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा था। ऐसा इसलिए था, क्योंकि जैसा कि इतिहासकार सारा वाइज ने संकेत दिया है, धर्मार्थ और विश्वविद्यालय निपटान आउटरीच कार्यकर्ताओं को यह एहसास हुआ था कि गरीब पुरुषों को शामिल करने का सबसे अच्छा तरीका पहले से मौजूद जुनून को औपचारिक बनाना था; इसलिए सड़क पर पुरस्कार-लड़ाई - अक्सर, भयावह रूप से, नंगे पोर के साथ की जाती थी, और गंभीर चोट का कारण बनती थी - एक अनुशासित, संरचित और इसलिए अधिक "नैतिक" खोज में बदल दी गई थी।

फादर जे के प्रयासों ने पब से बॉक्सिंग को हटाने का तख्तापलट कर दिया, जिससे खेल और शराब के बीच संबंध टूट गया। 255

क्वींसबरी नियमों के अनुसार मुक्केबाजी - एक कोड जो दस्ताने के उपयोग को लागू करता था - एक नया खेल था जिसका गहरा और सकारात्मक प्रभाव पड़ा, खासकर उन युवाओं पर, जिनके पीक ब्लाइंडर्स बनने की संभावना अधिक थी। 1899 से उन पर एक अंतर्दृष्टिपूर्ण लेख में, एक लेखक ने स्वीकार किया कि, कई संगठनों के काम के बावजूद, वह जानता था कि 'एक शहर के अलावा कोई भी मौजूदा एजेंसी पीकीज़ में जाने और उन्हें सभ्य मर्दानगी और कानून का पालन करने वाली नागरिकता दिलाने के लिए तैयार नहीं है' चर्च जो अपने मिशन में सफल रहा था। यह निस्संदेह सेंट ज्यूड्स का पिंचर्ड चर्च था, इसकी सफलता 'व्यायामशाला और दस्तानों के माध्यम से प्राप्त की गई थी।'

[256]

मुक्केबाजी ने वास्तव में कई युवाओं पर रचनात्मक प्रभाव डाला, जिससे अधिकांश युवाओं में गंदी लड़ाई के बजाय निष्पक्ष लड़ाई के प्रति सम्मान पैदा हुआ। बर्मिंघम एमेच्योर बॉक्सिंग क्लब की शुरुआत 1881 में हुई थी, लेकिन यह शहर के केंद्र में स्थित था और मुख्य रूप से कुशल कामकाजी वर्ग के युवाओं के लिए काम करता था और पिंचर्ड के क्लब की तरह यह गरीब युवाओं तक नहीं पहुंचता था। 257 लेकिन बीसवीं सदी की शुरुआत से, मजदूर वर्ग के इलाकों में छोटे पैमाने के बॉक्सिंग क्लब खुलने लगे। इनमें स्पार्कब्रुक एमेच्योर बॉक्सिंग क्लब भी शामिल था। 1906 में अल्बर्ट स्मिथ द्वारा मेन स्ट्रीट में स्थापित, दो वर्षों के भीतर इसकी सदस्यता लगभग 80 तक पहुंच गई थी और इसे कैंप हिल के नजदीक सैम्पसन रोड नॉर्थ में बड़े और अधिक उपयुक्त ग्राउंड फ्लोर परिसर में स्थानांतरित करना पड़ा। 258 जे की तरह, पिंचर्ड एक एंग्लो-कैथोलिक थे, और 1934 में उनकी मृत्यु पर, बर्मिंघम डेली गजट ने शहर में उनके अग्रणी काम की ओर ध्यान आकर्षित किया: 'द

Machine Translated by Google

"बॉक्सिंग क्लब" की स्थापना, एक कारखाने में पूरे दिन काम करने वाली लड़कियों के लिए एक क्लब की स्थापना शायद ईसाई परोपकार में नई शुरुआत थी, लेकिन पादरी अपने लोगों को जानता था, और लोगों को जो अधिक महत्व मिला वह था

उनके पादरी को जानें'. [259]

सिस्टर बीटा, बाद में श्रीमती हॉर्नब्रुक, एक संपन्न पृष्ठभूमि की एक अन्य व्यक्ति थीं, जिन्होंने गरीब युवाओं की भलाई के लिए काम किया। वेस्लेयन मंत्री की बेटी, वह कॉर्पोरेशन स्ट्रीट में सेंट्रल हॉल मिशन से जुड़ी वेस्लेयन बहन बन गई। उसने वहां छह साल तक काम किया और 'कई उद्यम शुरू किए - उन छोटे लड़कों के लिए एक शनिवार की पार्टी जो उन दिनों सड़क पर मैच और शाम के अखबार बेचते थे, और एस्टन "पीकी-ब्लाइंडर्स" के लिए एक क्लब, युवा गुंडे जो सबसे पहले उसका स्वागत करते थे पत्थरों की बौछार के साथ उनके बीच में उपस्थित हुए, लेकिन बाद में उन्होंने इसके बारे में बेहतर सोचा, और जब वह सबसे कठिन इलाकों में चल रही थीं, तो उनकी रक्षा के लिए खुद को एक अंगरक्षक के रूप में तैयार कर लिया। 260

हालाँकि, इस अवधि का सबसे बड़ा और सबसे सफल क्लब जुलाई 1889 में किर्ल सोसाइटी द्वारा शुरू किया गया था, जब इसने लॉरेंस स्ट्रीट में लड़कों का क्लब खोला था। यह प्रयोग उस स्थान पर किया गया था जिसे बर्मिंघम के सेवन डायल्स के नाम से जाना जाता था - जो उस समय लंदन का एक कुख्यात किला था।

[261] इसके

तुरंत बाद, एक लड़कियों का क्लब शुरू किया गया और 1893 में शीप स्ट्रीट में पास में ही नया परिसर खोला गया।

[262] किर्ल हॉल का दीर्घकालिक और सकारात्मक प्रभाव होगा और वह अपने बॉक्सिंग क्लब के लिए प्रसिद्ध हो जाएगा। 1911 में, इसे बर्मिंघम बॉयज़ एंड गर्ल्स क्लब यूनियन को दे दिया गया। इसकी शुरुआत पांच साल पहले बर्मिंघम कैथेड्रल के रेक्टर कैनन कार्नेगी ने की थी, जब वह शहर में पहुंचे थे और स्टेशन पर फटे-पुराने कपड़ों में नंगे पैर लड़कों को अखबार बांटते हुए देखा था, तो वह परेशान हो गए थे। उनकी मदद करने के लिए दृढ़ संकल्पित होकर, उन्होंने एक क्लब स्थापित किया जहाँ वे बातचीत कर सकते थे, एक कप चाय पी सकते थे और खेल खेल सकते थे। दो साल के भीतर उनके आठ क्लब बन गए और 1909 से लड़कियों के लिए भी क्लब बनने लगे।

[263]

हालाँकि, इस सफलता के बावजूद, केवल कुछ ही लड़के क्लबों में शामिल हुए, और उन लोगों को शामिल करना कठिन था जिन्हें सबसे कठोर माना जाता था। बर्मिंघम में, स्ट्रीट चिल्ड्रेन्स यूनियन का गठन स्पष्ट रूप से लड़कों और लड़कियों के बड़े वर्ग की मदद करने के लिए किया गया था, 'जिनके व्यवसाय या खराब घरेलू परिस्थितियों के कारण उन्हें अपना अधिकांश जीवन सड़कों पर बिताना पड़ता है।' फिर भी, 1914 तक, यूनियन के आठ वरिष्ठ क्लबों में चौदह वर्ष से अधिक उम्र के केवल 400 ऐसे लड़के थे, जबकि शहर के कई अन्य क्लबों ने अधिक 'सम्मानजनक' कामकाजी वर्ग की पृष्ठभूमि के लड़कों को आकर्षित किया।

[264] फिर भी, जैसा कि डेविस का कहना है, यह संभव है कि क्लबों का अप्रत्यक्ष प्रभाव इस मायने में अधिक महत्वपूर्ण था कि उन्होंने खेलों में सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित किया। 1890 के दशक में इसमें उल्लेखनीय वृद्धि हुई, एक दशक में एसोसिएशन फुटबॉल की लोकप्रियता में भारी वृद्धि देखी गई, खासकर सड़कों पर।

महत्वपूर्ण रूप से, मैनचेस्टर और सैलफोर्ड में, सड़क-आधारित टीमों ने एक नया आउटलेट दिया

Machine Translated by Google

हिंसा के अलावा क्षेत्रीय प्रतिद्वंद्विता। 265 बर्मिंघम में,

एसोसिएशन फुटबॉल उतना ही लोकप्रिय था। 1880 के दशक के उत्तरार्ध से स्कूल की टीमें लीग में प्रतिस्पर्धा कर रही थीं, जबकि बीसवीं शताब्दी की शुरुआत में, टीमें कारखानों, चर्चों, चैपलों और पीछे के पबों में प्रतिस्पर्धा कर रही थीं।

सड़कें स्मॉल हीथ और डिस्ट्रिक्ट लीग जैसी लीगों में शामिल थीं। 266
इसके अलावा, कई कामकाजी वर्ग के लड़के लगभग दैनिक आधार पर तदर्थ खेल खेलते थे।

'एचवी' उनमें से एक थी. उन्होंने 1914 की शुरुआत में शहर में 'बाल श्रम' की स्थितियों की विस्तृत जांच के हिस्से के रूप में एक सप्ताह तक एक डायरी रखी। यह परिषद की ओर से अर्नोल्ड फ्रीमैन द्वारा किया गया था। उन्होंने सत्रह वर्ष की आयु के 71 लड़कों के सावधानी से चुने गए नमूने पर ध्यान केंद्रित किया, जिसे 'बर्मिंघम में अशिक्षित लड़कों के श्रम के लिए विशिष्ट' माना जाता था। प्रत्येक सप्ताह के खाने के समय, एचवी ने खुलासा किया कि वह खाना खाने के लिए घर जाता था और फिर दोबारा काम शुरू करने से पहले अन्य लड़कों के साथ फुटबॉल का एक छोटा खेल खेलता था। फिर शनिवार की सुबह, वह और उसके साथी फुटबॉल के बारे में बात करते थे, जैसा कि वे हमेशा करते थे, और रात के खाने के बाद वह और उसके दोस्त 'हमारी दुकान और केप हिल मिशन के साथ एक फुटबॉल मैच देखने गए'।

सर्वे में 'केएल' ने भी हिस्सा लिया. अपनी डायरी में उन्होंने प्रेस्टन नॉर्थ एंड के विरुद्ध बर्मिंघम सिटी मैच के बारे में विस्तार से लिखा, जो उन्होंने शनिवार को देखा था। रविवार को नाश्ता करने के बाद वह तैयार होकर 9.50 बजे अपने दोस्तों के पास चला गया। उन्होंने लगभग दोपहर 2 बजे तक किसी बेकार मैदान पर फुटबॉल खेला।

उस दोपहर के बाद, वह कहते हैं, 'हम एक साथ इकट्ठे हुए और हमारी गली के दूसरे छोर पर रहने वाले कुछ लड़कों को देखा और उनसे पूछा कि क्या वे हमारे लिए फुटबॉल खेलेंगे।' वे सहमत हो गए और केएल की टीम 8-5 से जीत गई, जिसके बाद वे सभी कॉफी हाउस में चले गए। 267 सिनेमा लोकप्रिय मनोरंजन का एक और रूप था जिसका सकारात्मक

प्रभाव पड़ा, यह तब उभरकर सामने आया जब पीक ब्लाइंडर्स और स्कटलर्स का चलन कम हो रहा था।

1900 से, पैट कोलिन्स अपने मेले के मैदानों में चलती-फिरती तस्वीरें दिखा रहे थे और उनके उदाहरण का जल्द ही अन्य उद्यमियों ने अनुसरण किया, जिन्होंने थिएटरों, हॉलों और मीटिंग रूमों में सिनेमा शो रखे, जिनमें से कुछ को 'पेनी गैफ़्स' में बदल दिया गया। ये तंग और असुविधाजनक थे, संरक्षकों को अशर या बार्कर के बेंत से कसकर पैक की गई लकड़ी की बेंचों पर एक साथ कुचलने के लिए उकसाया जाता था।

इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि लोगों की अस्वच्छ प्रेस के कारण उन्हें 'पेनी क्रश' या फिर 'पिस्सू पिट' कहा जाता था। फिर 1910 से, सिनेमैटोग्राफ अधिनियम ने यह सुनिश्चित किया कि 'चित्रों' को स्थायी परिसर में दिखाया जाना चाहिए जो लाइसेंस प्राप्त थे और निरीक्षण के अधीन थे।

जैसा कि डेविस ने मैनचेस्टर और सैलफोर्ड के संबंध में स्पष्ट किया, वरिष्ठ पुलिस अधिकारी 'इतने सारे लड़कों और लड़कियों को तीन के बराबर खर्च करते हुए देखकर आभारी थे'

Machine Translated by Google

या सप्ताह में चार शाम सड़कों की बजाय चित्र घरों में। यह इतना लोकप्रिय साबित हुआ कि अपने अध्ययन[268] सिनेमा में फ्रीमैन ने कहा कि उन्होंने 'लड़के से यह पूछना छोड़ दिया कि क्या वह सिनेमा देखने गया था क्योंकि प्रतिक्रिया हमेशा सकारात्मक थी।' प्रत्येक लड़का सप्ताह में लगभग दो बार बर्मिंघम के 46 चित्र महलों में से एक में जाता था, और व्यावहारिक रूप से पूरी शाम वहाँ बिताता था।

फ़्रीमैन ने एक अन्य कारक की पहचान की, जिसका, उनकी राय में, युवाओं पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा - स्कूली शिक्षा। 1906 की न्यू लिबरल सरकार के सुधारों के कारण, स्कूल आंशिक रूप से न केवल बच्चों की शिक्षा बल्कि उनके चिकित्सा उपचार, भोजन और यहां तक कि आवास से संबंधित संगठनों में बदल गए थे। फ़्रीमैन का मानना था, यदि देश के बच्चों के जीवन पर इस महान प्रभाव को हटा दिया गया, तो 'हमें गुंडों की एक जाति का निर्माण करना चाहिए'। इसके बजाय, स्कूलों ने बच्चों को सैकड़ों भयावह प्रभावों से बचाया और अपूर्ण लेकिन स्थिर और सशक्त रूप से आकार दिया

उन्हें उत्पादक रूप से अच्छे कार्यकर्ता और योग्य नागरिक बनाएं।[269]

क्या वे लड़ सकते हैं?

सामाजिक ताकतों के सभी महत्व के लिए, चरम अंधों को गिराना तीन अन्य कारणों पर निर्भर था। पहला, सदी की शुरुआत से हिंसक पुरुषों पर कड़ी सजा। दूसरा, मजदूर वर्ग के लोगों का पुलिस के प्रति और चरमपंथी अंधेरों के खिलाफ समर्थन। और तीसरा, सशक्त पुलिसिंग. तीनों कारक आपस में जुड़े हुए थे। मुख्य कांस्टेबल राफ्टर ने मजबूत पुलिस व्यवस्था की शुरुआत की, जिससे कामकाजी वर्ग के लोगों को पुलिस का समर्थन करने का विश्वास मिला, और यह वह व्यक्ति भी था जिसने मजिस्ट्रेटों को पुलिस पर हमला करने वाले अपराधियों के साथ सख्त रुख अपनाने के लिए प्रेरित किया।

नवंबर 1901 में पीकी ब्लाइंडर्स पर अपने लेख में, बर्मिंघम मेल ने पीकी ब्लाइंडर्स वर्ग के लोगों के खिलाफ वजीफा देने वाले मजिस्ट्रेट श्री टीएम कोलमोर द्वारा हाल ही में की गई कड़ी कार्रवाई की ओर ध्यान आकर्षित किया। उन पर दिए गए वाक्यों की 'अनुचित रूप से उदारता के रूप में शिकायत नहीं की जा सकती'। उन्होंने उन अपराधियों को भी बिना जुर्माने के विकल्प के जेल भेज दिया, जिनके खिलाफ 270 धाराएं थीं । स्थानीय समाचार पत्र बिना किसी उपद्रव के इस बदलाव की मांग कर रहे थे। कई वर्षों तक दृष्टिकोण और यह राफ्टर के कारण आया।

उनके कहने पर, अभियोजन पक्ष के वकील ने श्री कोलमोर से पुलिसकर्मियों पर हमलों के दोषी लोगों को कारावास की पर्याप्त शर्तों की अनुकरणीय सजा देने के लिए कहा था। इसका उद्देश्य एक पुलिस कांस्टेबल के लिए अपनी ड्यूटी को बिना किसी छेड़छाड़ के करना संभव बनाना था।

[271] राफ्टर और उसके पुलिस बल में मजिस्ट्रियल विश्वास कामकाजी वर्ग के लोगों से मेल खाता था, जिनमें से कुछ थे

Machine Translated by Google

अब चरमपंथियों के ख़िलाफ़ खड़े होने के लिए साहस जुटाया गया है।

1875 के नेविगेशन स्ट्रीट दंगे के बाद, 'तिमाही में उग्रवादियों द्वारा किए गए आतंकवाद' के कारण पुलिस को गवाहों को सुरक्षित करने में अत्यधिक कठिनाई हुई। मैरी एन बेल पर हुए हमले को देखते हुए यह आश्चर्य की बात नहीं है। पुलिस को कुछ जानकारी देने के संदेह में, एक आरोपी की माँ सहित कई लोगों ने उस पर बेरहमी से हमला किया, और उसकी आँखें काली कर दीं और उसकी खोपड़ी पर गंभीर चोटें आईं।

272

चोटीदार अंधेर प्रतिशोधी और क्रूर थे। शहर के सबसे गरीब इलाकों में से एक में सेवा करते हुए, रेवरेंड टीजे बैस ने 1898 में अपने पैम्फलेट, एवरीडे लाइफ इन ब्लैकेस्ट बर्मिंघम: फैक्ट्स नॉट फिक्शन के माध्यम से अपने पैरिश के लिए व्यापक नोटिस प्राप्त किया। जिला था:

> · · · 'पीकी ब्लाइंडर' का घर, और उन लोगों के प्रति इस ब्लैकगार्ड राजा का प्रतिशोध भयानक है जो पूजा करने से इनकार करते हैं। ये सड़कें उसके छोटे से राज्य का गठन करती हैं, और उसके क्रोध का आतंक सभी हाथों पर प्रकट होता है। किसी अरुचिकर कृत्य का बदला चुकाने के उनके तरीके अप्रिय हैं - बहुत ही सौम्य अभिव्यक्ति का उपयोग करना। अँधेरे में एक झटका या छुरा घोंपना, आपकी खिड़कियों को पूरी तरह से नष्ट कर देना, और सैकड़ों छोटे-मोटे अत्याचार इतने सरल तरीके से किए जाते हैं कि पता ही नहीं चलता। यहां तक कि यदि वह किसी अवैध कार्य में पाया गया था, तो अदालतों की पेचीदगियों से तेजी से पीछे हटने से, जिससे वह परिचित है, न केवल मुश्किल हो जाती है, बल्कि व्यावहारिक रूप से अनुपलब्ध हो जाती है।

273

फिर भी कुछ वर्षों के भीतर, कुछ कामकाजी वर्ग के लोग अब ब्लैकगार्ड पीकी ब्लाइंडर्स को श्रद्धांजलि नहीं दे रहे थे, बल्कि वे उनके खिलाफ और पुलिस के समर्थन में काम कर रहे थे। यह मई 1901 में स्पष्ट हो गया जब गुंडों के एक गिरोह ने ब्रॉम्सग्रोव स्ट्रीट पर परेड की और अपने रास्ते में आने वाले सभी लोगों के साथ धक्का-मुक्की और मारपीट की। एक डॉक्टर को ऑफल के टुकड़े से मारा गया और फिर मुक्का मारा गया; एक मजदूर जो उसकी मदद करने गया था, उसके सिर पर बकल वाली बेल्ट से हमला किया गया, उसे नीचे गिरा दिया गया और चेहरे पर लातें मारी गईं, और एक अन्य व्यक्ति के चेहरे पर हमला किया गया और उसका एक दांत तोड़ दिया गया।

हैरियट चैपलिन नामक एक युवा महिला, जो हर्स्ट स्ट्रीट में स्थानीय रूप से रहती थी, ने यह देखा। गिरोह द्वारा की गई हिंसा की परवाह न करते हुए, उसने उनका पीछा किया और पुलिस को बताया कि क्या हुआ था और हमलावर कहाँ थे। चौबीस साल के जेम्स थॉर्नटन की पहचान डॉक्टर और मजदूर पर हमला करने वाले व्यक्ति के रूप में की गई। उन्हें दो महीने की कैद की सजा सुनाई गई।

इसके बाद मजिस्ट्रेटों ने हैरियट चैपलिन को 'उनके साहसी आचरण' के लिए धन्यवाद दिया

Machine Translated by Google

पुरुषों का अनुसरण करते हुए और सिफारिश की कि मुख्य कांस्टेबल को उसे कुछ भत्ता देना चाहिए'। उसकी बहादुरी और भी उल्लेखनीय थी क्योंकि अपराधी थॉर्नटन भी हर्स्ट स्ट्रीट में रहता था।

274

चार साल बाद, मार्च 1905 में, की हिल में 'पुलिस और तीन चरम अंधों के बीच रोमांचक संघर्ष' हुआ। पीसी जेम्स स्मिथ ने पार्क रोड, हॉकले में जेम्स ब्रॉ को नशे में पाया। बाईस साल की उम्र में, वह लेडीवुड में सेंट मार्क स्ट्रीट का एक पॉलिशर था। उसने गिरफ्तारी का विरोध किया और कांस्टेबल को नीचे गिराने के बाद उसके शरीर और चेहरे पर लात मारी। अन्य अधिकारी सामने आए लेकिन तभी ब्रौ के दो दोस्तों ने जेम्स ब्रौ को खींचकर ले जाने की कोशिश की। वे शायद सफल हो गए होते 'लेकिन कई दर्शकों द्वारा प्रदान की गई त्वरित सहायता के लिए, जो कैदियों से मजबूती से चिपके हुए थे और उनके साथ जमीन पर लोट रहे थे।'

विशेष रूप से, श्री टिलर ने 'अद्भुत साहस का प्रदर्शन किया, और यह मुख्य रूप से उनके साधन के माध्यम से था कि एक घंटे के संघर्ष के बाद कैदियों को हथकड़ी लगायी गयी।' पीसी स्मिथ बेहोश थे और उन्हें अस्पताल ले जाना पड़ा, साथ ही जेम्स ब्रौ भी, जिनके कपड़े लगभग फट चुके थे। उन्हें और मुलिस को एक महीने की कड़ी मेहनत की सजा दी गई, जबकि विलियम ब्रौ पर 20 शिलिंग या एक महीने की कड़ी मेहनत का जुर्माना लगाया गया। मजिस्ट्रेट के अध्यक्ष ने जनता के उन सदस्यों की सराहना की जिन्होंने पुलिस को त्वरित और मूल्यवान सहायता प्रदान की थी।

275

पुलिस की सक्रिय रूप से मदद करने की इच्छा को मुख्य कांस्टेबल राफ्टर द्वारा लागू की गई मजबूत पुलिस व्यवस्था द्वारा सुगम बनाया गया था। अपने कार्यालय की शुरुआत से ही, वह इस बात से अच्छी तरह परिचित थे कि बर्मिंघम जैसे शहर की जरूरतों के लिए उनके पास अपर्याप्त लोग थे। सौभाग्य से, महामहिम के कांस्टेबुलरी इंस्पेक्टर द्वारा इस दृश्य की तुरंत पुष्टि की गई। 1900 में, माननीय कैप्टन। सी. लेगे ने घोषणा की कि बर्मिंघम में बहुत कम पुलिस थी और उन्होंने 220 लोगों को शामिल करने की सिफारिश की, क्योंकि बीट्स में लगभग 200 कर्मचारी कम थे, जबकि जासूसी विभाग में कम कर्मचारी थे और अधिक काम किया गया था।

वॉच कमेटी इन अभ्यावेदनों से आश्वस्त थी, लेकिन फिर भी उसने परिषद से 'एक झटके में सुझाई गई पूर्ण वृद्धि' के लिए नहीं कहा। संभवत: चरमपंथियों और गुंडागर्दी के खिलाफ कार्रवाई की चल रही मांग से प्रभावित होकर, फरवरी 1901 में, काउंसिल ने 'बिना किसी आपत्ति के एक सौ की तत्काल वृद्धि पर सहमति दे दी, जिसके बाद प्रत्येक में बीस पुरुषों की छह वार्षिक वेतन वृद्धि की जाएगी।'

276

इसका उद्देश्य 1907 तक सेना को 920 की संख्या तक ले जाना था।

उनकी कमान के तहत पुरुषों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि ने यह सुनिश्चित किया कि राफ्टर एकल अधिकारियों की बीट पर चलने की प्रथा को समाप्त कर सके। जोड़ियों में काम करते हुए, पुलिस अपनी रक्षा करने और चरम अंधड़ से लड़ने में अधिक सक्षम थी। राफ्टर समझ गया कि 'शहर के कुछ हिस्से ऐसे हैं जहां पुलिस गश्ती दल सचमुच अपनी जान हथेली पर लेकर चलते हैं, और जहां गुंडे दिखते हैं

Machine Translated by Google

पुलिसकर्मी की वर्दी पहनने वाले किसी भी व्यक्ति पर हमला करना उसका विशेषाधिकार और मनोरंजन है।' 277 फिर भी, स्थानीय समाचार पत्र इस बात से चिंतित थे कि जब पीसी गुंटर पर हमला हुआ तो वह अकेले ही थे, लेकिन जैसा कि राफ्टर ने वॉच कमेटी को सूचित किया, कॉन्स्टेबल पीसी हीली के साथ आधी रात के दस बजे तक शामिल हुआ था, जब सब कुछ शांत लग रहा था। उनके अलग होने के कुछ देर बाद ही जानलेवा हमला हो गया। राफ्टर ने यह भी खुलासा किया कि उस रात चौदह बीट्स ने दोगुना काम किया था, और जब पीसी गुंटर ने अपनी सीटी बजाई तो इसे बल के तीन अन्य सदस्यों के साथ-साथ पड़ोस के अन्य लोगों ने भी सुना।

इसके अलावा, जिस डिवीजन में पीसी गंटर ने सेवा की थी, उसे वॉच कमेटी द्वारा अधिकृत 100 लोगों का पूरा कोटा पहले ही मिल चुका था, जबकि 'पुरुषों का अधिग्रहण उतनी तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा था, जितना 278 कर्मचारियों के प्रशिक्षण से निपटना संभव था। रंगरूटों'.

शहर के पुलिस बल में एक परंपरा के अनुसार, राफ्टर ने अपने रंगरूटों से तीन प्रश्न पूछे: 'क्या वे पढ़ सकते हैं? क्या वे लिख सकते हैं? क्या वे लड़ सकते हैं?' अक्टूबर 1901 के शेफ़ील्ड डेली टेलीग्राफ के एक विज्ञापन से पता चलता है कि उन्होंने जिन गुणों की तलाश की उनमें साक्षरता और शारीरिक शक्ति शामिल थी। इसने अच्छे चरित्र और कुछ शिक्षा वाले युवाओं से बर्मिंघम सिटी पुलिस में शामिल होने के लिए आवेदन आमंत्रित किए, जिनकी लंबाई कम से कम 5 फुट 9 इंच और छाती की माप 36 इंच थी। नौ साल बाद, 'अच्छे चरित्र, शारीरिक गठन और शिक्षा वाले बुद्धिमान पुरुषों;'' से भर्ती की मांग की गई; अकेला; उम्र इक्कीस से छब्बीस वर्ष; ऊंचाई, 5 फुट 10 इंच; छाती का माप, 37 इंच'. वेतन प्रति सप्ताह 25 शिलिंग था, जो बढ़कर 33 शिलिंग हो गया।

279

जो रंगरूट लड़ने के लिए तैयार नहीं थे, उनका स्वागत नहीं किया गया। सितंबर 1903 में राफ्टर के सामने कायरता का एक अनोखा मामला लाया गया। एक पुलिस कांस्टेबल दो युवकों को जुआ खेलने के आरोप में गिरफ्तार करने गया था, तभी एक अन्य व्यक्ति ने उस पर हिंसक हमला कर दिया। अधिकारी के साथ एक युवा रंगरूट भी था जो 'न केवल अपने वरिष्ठ की सहायता लेने में असफल रहा, बल्कि, ऐसा कहा जाता है, उसने अपनी जान बचाने के लिए एड़ी-चोटी का ज़ोर लगा दिया।' वृद्ध कांस्टेबल के साथ गंभीर दुर्व्यवहार किया गया और वह एक सप्ताह से अधिक समय तक अस्पताल में था, जबकि भर्ती को बर्खास्त कर दिया गया था। 280 यह विश्वास कि राफ्टर के लंबे और अच्छी तरह से निर्मित कांस्टेबलों ने गिरोह को कुचलने के लिए शारीरिक बल का इस्तेमाल किया था,

मुख्य निरीक्षक जेम्स मैकआर्डेल की यादों से समर्थित है। बर्कशायर के रहने वाले, वह जनवरी 1896 में बर्मिंघम पुलिस में शामिल हुए और 'इसके तुरंत बाद कुख्यात "पीकी ब्लाइंडर" गिरोह में शामिल हो गए, जिसने बर्मिंघम को आतंकित कर दिया था। महीने-दर-महीने वह इस गुंडागर्दी के दमन में लगे रहते थे' और याद करते हैं कि 'अक्सर हमें इन गिरोहों के साथ अपने जीवन के लिए लड़ना पड़ता था।'

281 1955 में इन वर्षों को देखते हुए, बर्मिंघम वीकली पोस्ट के एक पाठक, आरडब्ल्यू हॉकिन्स ने कहा कि यह माना जाता है कि यदि चरम अंधा गिरोह के एक सदस्य को गिरफ्तार किया गया था तो उसे पुलिस का विरोध करना चाहिए और '

Machine Translated by Google

गिरोह उसे छुड़ाने का प्रयास करेगा। चूंकि उस समय की पुलिस अधिकतर बड़ी और ताकतवर थी, और टाइक्स (जैसा कि उन्हें बुलाया जाता था) आमतौर पर छोटे और सख्त होते थे, गिरोह के साथ आमतौर पर सबसे खराब स्थिति होती थी।' 282

इस दावे के लिए थोड़ा सा आधिकारिक सबूत है कि पुलिस चरमपंथियों के साथ शारीरिक लड़ाई की इच्छुक थी, हालांकि, 1900 की गर्मियों में, कुछ पुलिस अधिकारियों को नागरिकों के प्रति अनुचित हिंसा का दोषी पाया गया और उन्हें दंडित किया गया।

[283] दो साल बाद, 1 मई 1902 को, पुलिस ऑर्डर बुक्स में दर्ज किया गया कि शांति के न्यायाधीशों द्वारा मुख्य कांस्टेबल को कुछ मामलों के बारे में शिकायतें की गई थीं, जहां कैदियों को पुलिस स्टेशनों में लाया गया था और कांस्टेबल द्वारा उन पर हमला किए जाने की शिकायत की गई थी। उन्हें गिरफ्तार करते समय, रिजर्व सार्जेंट या कांस्टेबल द्वारा ऐसी शिकायत का कोई ज्ञापन नहीं दिया जाता है और इस विषय पर डिवीजन के अधीक्षक को कोई रिपोर्ट नहीं दी जाती है।'

इसलिए, यह आदेश दिया गया कि अधीक्षक यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाएंगे कि भविष्य में ऐसी सभी शिकायतों को रिजर्व सार्जेंट द्वारा नोट किया जाएगा और उचित समय पर रिपोर्ट की जाएगी। मुख्य कांस्टेबल ने इस बात पर भी जोर दिया कि आत्मरक्षा ही एकमात्र ऐसी परिस्थिति है जिसमें पुलिसकर्मी अपने कर्मचारियों का उपयोग कर सकते हैं - और तब केवल अत्यंत आवश्यकता के मामले में। इसके अलावा, किसी के सिर पर डंडे से वार करना मना था और इसका इस्तेमाल उन कैदियों पर नहीं किया जा सकता था जिनके साथ अनावश्यक हिंसा का व्यवहार नहीं किया जाना था। 284 1880 के दशक के उत्तरार्ध से, पुलिस द्वारा उपयोग की जाने वाली लाठियाँ लिग्नम विटे, एक कठोर लकड़ी से बनी होती थीं। हालाँकि, 1890 में प्रेस में आक्रोश फैल

गया था क्योंकि उनमें से कई टूट गए थे जब कांस्टेबल हिंसक अपराधियों के खिलाफ उनका इस्तेमाल कर रहे थे। परिणामस्वरूप, परीक्षण किए गए और 501 सीढ़ियों में से 157 या तो टूट गईं या इस तरह से टूट गईं कि आगे उपयोग के लिए अनुपयुक्त हो गईं। यह कहा गया था कि, यदि ठीक से काटा जाए, तो सीढ़ियाँ लगभग अटूट होनी चाहिए, लेकिन जो टूट गईं उनमें से अधिकांश लकड़ी के दाने के साथ नहीं काटी गई थीं, और लगभग हर मामले में वे पकड़ के ऊपर पतले हिस्से में टूट गईं।

[285] इस सबूत को देखते हुए, वॉच कमेटी ने पुलिस को हिकॉरी लकड़ी से बनी नई लाठियों से लैस करने का फैसला किया। इसे इसलिए चुना गया क्योंकि यह सख्त था लेकिन लचीला था, लेकिन ऐसा नहीं था
आसानी से तोड़ें, और एक अच्छे तेज़ झटके से निपटा जा सकता है। [286]

मेरे परदादा वाल ने मुझे बताया था कि प्रथम विश्व युद्ध से पहले, कुछ
हालाँकि, राफ्टर की पुलिस ने लड़ने के लिए एक और हथियार को प्राथमिकता दी:

> उस समय वे लगभग सभी आयरिश तांबे थे। चार्ल्स हॉटन राफ्टर मुख्य कांस्टेबल थे और उनके रंगरूट आयरलैंड से आते थे और वे सभी बड़े, व्यापक आयरिश लोग थे। वे वह कार्य कर सकते थे जो वह करता
>
> था

Machine Translated by Google

> वे चाहते थे; थोड़ा सा आदेश. . . अगर उन्हें गेट या किसी अन्य पब में कोई गड़बड़ी मिलती थी, तो वे एक-दो के पास आते थे और वे अपनी बेल्ट पर एक केप लपेटकर पहनते थे। वे पता लगाएंगे कि अपराधी कौन था और उन्हें चेतावनी देंगे, उन्हें सड़क से हटा देंगे और कहेंगे, 'घर से चले जाओ!' यदि वे तांबे के आदेशों का पालन नहीं करते थे, तो वे उनके साथ मारपीट करते थे। उन्होंने अपने डंडों का उपयोग नहीं किया था, उन्होंने उपयोग किया था
>
> उनकी टोपी का उपयोग करने के लिए. [287]

पुलिस केप आमतौर पर मेल्टन कपड़े से बना होता था, हालाँकि बर्मिंघम में ऐसा होता था
वूल सर्ज का था. उपयोग [288] मोटा, ठोस और कठोर, इसने एक भारी हथियार बना दिया
करना आसान था और हाथ में जल्दी आ जाता था, यह उनकी बेल्ट पर लपेटा हुआ था।

दिलचस्प बात यह है कि पूर्व रॉयल आयरिश कांस्टेबुलरी के लोगों को राफ्टर ने स्वीकार नहीं किया था, क्योंकि अपनी पृष्ठभूमि के बावजूद, वह अपने बल में पूर्व पुलिसकर्मियों को रखने में विश्वास नहीं करते थे। 289 इसके अलावा, फरवरी 1901 में, यह बताया गया कि वह केवल पूर्व सैनिकों से मुकाबला करेंगे यदि उन्हें बहुत अच्छे या उत्कृष्ट चरित्र के साथ छुट्टी दी गई हो, लेकिन अधिमानतः बाद वाले को। यह भी नोट किया गया कि बल के लिए अधिकांश आवेदक आयरिशवासी थे। 290 इससे यह सुझाव मिलने लगा कि शहर की पुलिस 'हाइबरनाइज़्ड' होती जा रही है। 291 लेकिन, जैसा कि अक्टूबर 1901 में बर्मिंघम मेल में बताया गया था, आयरलैंड में युवाओं से लगातार बड़ी संख्या में आवेदन प्राप्त होते थे क्योंकि पुलिस के लिए वेतन की दर इंग्लैंड में बेहतर थी, जबकि अंग्रेजी आवेदकों की कमी थी। व्यापार की अच्छी स्थिति. 292 वास्तव में, आयरिश बर्मिंघम पुलिस बल का एक छोटा लेकिन महत्वपूर्ण अल्पसंख्यक हिस्सा थे। 1909 में, इसकी वास्तविक ताकत 950 पुरुषों की थी और उनमें 832 अंग्रेज, 64 आयरिश, 45 वेल्श और नौ अन्य शामिल थे। 293 आयरिश लोग लगभग 7 प्रतिशत थे, उस समय जब सामान्य आबादी का केवल 1 प्रतिशत आयरिश था।

बर्मिंघम में अग्रणी आयरिश पुलिसकर्मियों में से एक माइकल मैकमैनस, राफ्टर का उप मुख्य कांस्टेबल था, और वह व्यक्ति जिसने फेयरग्राउंड शोमैन पैट कोलिन्स के बचाव में अपनी मुट्ठी से एक चोटीदार ब्लाइंडर को गिरा दिया था।

मैकमैनस का करियर उत्कृष्ट और उल्लेखनीय था। न्यूफील्ड, मेयो में पले-बढ़े और पहले एक मजदूर, वह 1873 में सेना में शामिल हुए और 1918 में सेवानिवृत्त हुए। कई वर्षों तक, वह ड्यूक स्ट्रीट डिवीजन से जुड़े रहे, जिसे शहर का सबसे कठिन हिस्सा माना जाता था। एक सख्त और दृढ़निश्चयी व्यक्ति, उन्होंने अपना करियर तब शुरू किया जब 'वहां आज की तुलना में कहीं अधिक अराजकता थी - जब बर्मिंघम की झुग्गी बस्तियों में कुछ सड़कों पर पुलिसकर्मियों के लिए अकेले जाना असुरक्षित था।' उनके शुरुआती अनुभवों में से एक 'असभ्य लोगों की भीड़ के साथ हाथापाई थी, जिनमें से एक ने उनके सिर पर ईंट से हमला किया था'

Machine Translated by Google

जिससे उन्हें पांच सप्ताह तक अस्पताल में हिरासत में रखना जरूरी हो गया।' 294 एक अन्य अवसर पर, मैकमैनस ने अपने दम पर राजमार्ग लुटेरों के एक गिरोह का मुकाबला किया। लात मारी, चाकू मारा और बेल्ट बक्कल से पीटा, उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया गया, लेकिन 'उसे कुछ सांत्वना मिली 295 वह सवारी के लिए प्रसिद्ध था क्योंकि बदमाशों बर्मिंघम, मैकमैनस और कई अन्य आयरिश पुलिस अधिकारियों के आसपास को उसके साथ अस्पताल जाना पड़ा।' बड़ा सफेद घोड़ा स्थानीय श्रमिक वर्ग की लोककथाओं में बदल गया।

एस्टन में भी सख्त पुलिस व्यवस्था स्पष्ट थी। यहां, अपने खूंखार नारेबाज़ गिरोहों के ख़िलाफ़ पुलिस की लड़ाई का नेतृत्व अधीक्षक एचए वॉकर ने किया था, जिन्हें 1882 में उनके पद पर नियुक्त किया गया था। 1900 में अपनी सेवानिवृत्ति के बाद, उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि इन कुख्यात बैंडों से सड़कों से छुटकारा पाना कहना आसान था, लेकिन करना जितना आसान था। नारे लगाने वालों ने 'पुलिस की ओर से किसी भी हस्तक्षेप का विरोध किया, और धर्मयुद्ध के दौरान बड़ी संख्या में अधिकारियों के साथ न केवल बुरी तरह से दुर्व्यवहार किया गया, बल्कि उनमें से कुछ इतने गंभीर रूप से घायल हो गए कि वे आगे की सेवा के लिए व्यावहारिक रूप से अक्षम हो गए।' नारेबाज़ों के ख़िलाफ़ वॉकर के अभियान की शुरुआत में, इस उम्मीद में भारी जुर्माना लगाया गया कि इसका असर होगा।

वे असफल रहे क्योंकि गिरोहों के पास अपने सदस्यों के लिए संग्रह था इसलिए उन्हें दंडित किया गया। जुर्माने के स्थान पर कारावास की छोटी अवधि की सजा दी गई, लेकिन उनका वांछित प्रभाव नहीं पड़ा। नारेबाज़ी करने वाले लगातार बढ़ते रहे और 'पुलिस पर रोज़ दिखावा किया जाता था और बार-बार बेरहमी से हमला किया जाता था।' फिर मजिस्ट्रेटों ने प्रत्येक अलग-अलग अपराध के लिए अधिकतम छह महीने की सजा देना शुरू कर दिया और नारे लगाने वाले धीरे-धीरे गायब हो गए। लेकिन यह स्पष्ट है कि एस्टन पुलिस ने भी आग से लड़ाई लड़ी,

'गंभीर दमनकारी उपायों' से गिरोहों को तोड़ना। [296] एक पुलिसकर्मी जिससे नारे लगाने वाले विशेष रूप से डरते थे, वह थे 'बिग जिमी', पीसी हॉडसन, जो गिरोहों से निपटने में कभी नहीं हिचकिचाते थे, चाहे उनका रवैया कितना भी खतरनाक क्यों न हो। 297

पीकी ब्लाइंडर्स का क्या हुआ?

अधीक्षक वाकर की सेवानिवृत्ति के बाद एस्टन में गुंडागर्दी का प्रकोप हुआ, लेकिन जिले में गुंडागर्दी करने वाले गिरोहों का शासन लगभग समाप्त हो गया था।
कुछ ही वर्षों के भीतर, बर्मिंघम में चोटीदार अंधों को भी हटा दिया गया था।
तो उनका क्या हुआ? 1915 में, बर्मिंघम मेल ने रिपोर्ट दी थी कि, कठोर युवा आवारा लोगों की तरह, जो घूमती हुई जिंदगी को पसंद करते थे, जिसमें काम एक हिस्सा था, कई चरम अंधे लोग भी सेना में शामिल हो गए थे और अच्छे सैनिक बने थे। दूसरों को अकुशल श्रमिकों को नियुक्त करने के लिए तैयार नियोक्ताओं के साथ सम्मानजनक नौकरियां मिलीं। इस बात पर जोर दिया गया कि, 'स्थानीय पुलिस से अधिक प्रसन्न कोई नहीं है, जिनके लिए ये युवा "पीकी ब्लाइंडर्स", जैसा कि उन्हें कहा जाता था, परेशानी का कभी न खत्म होने वाला स्रोत थे।' 298

Machine Translated by Google

चालीस साल बाद याद करते हुए, बर्मिंघम वीकली पोस्ट के पत्र लेखक हॉकिन्स ने सहमति व्यक्त की कि प्रथम विश्व युद्ध में गिरोहों का अंत हुआ: 'कई लोग पुराने मिलिशिया में थे और उन्हें बुलाया गया और कई नियमित सेना में शामिल हो गए।

कुछ लोग वापस लौटे और वे अधिक उम्र के और अधिक अनुशासित थे और बस गए।' 299

हेनरी लाइटफुट, पहले व्यक्ति जिन्हें विशेष रूप से पीकी ब्लाइंडर कहा जाता है, हॉकिन्स की अवधारणात्मक टिप्पणियों का उदाहरण देते हैं। जॉर्ज हिकलिंग भी ऐसा ही करते हैं। हिक्लिंग एस्टन के कुख्यात टेन आर्चेस गैंग में से एक था, जिसका नाम बर्मिंघम से होलबोर्न हिल में फेज़ली नहर को पार करने वाले रेलवे वियाडक्ट के नाम पर रखा गया था, और पहली बार 1883 में इसका उल्लेख किया गया था।

300 मई 1900 में, जॉर्ज हिकलिंग और उनके भाई, थॉमस, 'चोटीले किस्म के दो युवकों' पर आरोप लगाया गया था कि उन्होंने लिचफील्ड रोड पर चर्च इन में पत्थर फेंके और ईंट-पत्थर फेंके, जिससे एक खिड़की टूट गई, जहां एक आदमी जिसे वे नापसंद करते थे वह शराब पी रहा था। भाइयों को दोषी पाया गया और एक महीने की जेल हुई क्योंकि वे आवश्यक हर्जाना, जुर्माना और लागत का भुगतान नहीं कर सके। 301 पंद्रह साल बाद, जॉर्ज हिक्लिंग सेना में शामिल हो गए, लेकिन अस्थायी रूप से अयोग्य होने के कारण मई 1916 में रॉयल बर्कशायर रेजिमेंट के साथ फिर से

जुड़ने से पहले उन्हें रिजर्व में स्थानांतरित कर दिया गया था। केवल पांच फीट, 4 इंच लंबा, वह वृद्ध थे उनतीस और एक बिल पोस्टर। इसके तुरंत बाद, हिकलिंग ने सेंट मैरीज़, एस्टन ब्रूक में क्लारा टिमिन्स से शादी कर ली। वे सत्रह वर्षों से एक साथ रह रहे थे और उनके दो नाजायज बच्चे थे। पॉवेल स्ट्रीट में एक पिछले घर में रहते हुए, उन्होंने शादी की ताकि, संभवतः, क्लारा और उनके बच्चों को अलगाव भत्ता मिल सके। बाद में, हिकलिंग को 17वीं कंपनी, तीसरी लेबर बटालियन को सौंपा गया। इसमें वे पुरुष शामिल थे जिन्हें चिकित्सकीय दृष्टि से फ्रंट लाइन सेवा के लिए आवश्यक 'ए1' स्थिति से नीचे का दर्जा दिया गया था। हिक्लिंग बीआईआई था। मार्च 1919 में उन्हें बहरेपन की 20 प्रतिशत विकलांगता और 26 सप्ताह के लिए 5 शिलिंग और प्रति सप्ताह छह पैसे की पेंशन के साथ छुट्टी दे दी गई। उनके किरदार को अच्छा बताया गया.

302

पीकी ब्लाइंडर्स के बारे में लिखा जाना जारी रहा, लेकिन अब भूतकाल में।
1925 में, बर्मिंघम में सुधारों पर एक लेख में, इस बात पर जोर दिया गया था कि एक महत्वपूर्ण सकारात्मक बदलाव शांति बनाए रखने में था, 'बेलबॉटम पतलून और अपमानजनक टोपी वाले असभ्य लोगों के लिए, जो खतरे का नहीं तो झुंझलाहट का एक वास्तविक स्रोत थे, आम जनता और अधिकारियों के लिए कुछ दशक पहले' चला गया था।

303

1929 में शहर को चोटी के अंधों से मुक्त करने पर और अधिक जोर दिया गया, जब बर्मिंघम डेली गजट ने अपने पाठकों को सूचित किया:

> लंदन के एक अखबार द्वारा बर्मिंघम के बारे में की गई हल्की-फुल्की खबर का खंडन मुख्य कांस्टेबल (सर चार्ल्स एच. राफ्टर) द्वारा प्रस्तुत रिटर्न से किया गया।

Machine Translated by Google

> बर्मिंघम वॉच कमेटी, कल। हाल के एक लेख में अखबार ने घोषणा की, 'तीन ब्रिटिश शहर हिंसा के अपराधों के लिए कुख्यात हैं: बर्मिंघम, शेफ़ील्ड और ग्लासगो।' सर चार्ल्स राफ्टर ने 1899 से 1928 तक बर्मिंघम में अपराध की वापसी प्रस्तुत करते हुए कहा कि विचाराधीन लेख ने शहर को बेहद खराब नाम दिया है, और जहां तक इसकी टिप्पणियाँ बर्मिंघम पर लागू होती हैं, वे सच्चाई से परे थीं। रिटर्न से पता चलेगा कि शहर अपराध के संबंध में तुलनात्मक रूप से खुशहाल स्थिति में था; वृद्धि होने के बजाय, काफी कमी आ गई थी।

चेयरमैन (पार्षद वी ली) ने कहा कि रिटर्न में कुछ तुलनाएं थीं जो अलग करने लायक थीं। 1913 की स्थिति की तुलना 1928 की स्थिति से करने पर, यह देखा जाएगा कि पुलिस पर हमले 387 से गिरकर 123 हो गए थे; 877 से 484 तक आम हमले। ये सभी कमी इस तथ्य के बावजूद हुई थी कि 1923 की तुलना में 1929 में शहर में 120,000 अधिक लोग थे। 1899 का चरम अंधा बहुत पहले गायब हो गया था, और गिरोह भी गायब हो गए थे।

304

निःसंदेह, सभी हिंसक लोग अचानक शांत नहीं हो गए और पुलिस को अभी भी हिंसा का सामना करना पड़ा, यद्यपि काफ़ी कम। सितंबर 1910 में, दो कांस्टेबलों ने एसेक्स स्ट्रीट में एक रेस्तरां के बाहर पुरुषों की भीड़ को आगे बढ़ने के लिए कहा। उनमें से एक से बहुत गंदी भाषा सुनी गई और, जैसे ही पुलिसकर्मी अपराधियों की ओर बढ़े, रॉबर्ट डेली ने अपने हाथ में एक सैन्य बकल बेल्ट घुमाया और उसे पीसी क्लार्क के हेलमेट से टकरा दिया और उनका सिर काट दिया। तब वह और उसका सहयोगी दोनों हिट हो गए थे। डैली भाग गया लेकिन पीसी क्लार्क ने उसे पकड़ लिया और 'उसके कर्मचारियों के साथ जमीन पर गिरा दिया गया।' वह दो मिनट तक जमीन पर पड़ा रहा और फिर उठकर अधिकारियों पर और हमला कर दिया। अब तक भीड़ उग्र हो चुकी थी और दोनों पुलिसकर्मियों पर ईंटें और बोतलें फेंकी गईं. डैली को दो महीने की सश्रम कारावास की सज़ा सुनाई गई। 305 कुछ छोटे-छोटे गिरोह भी चलते रहे। जून 1920 में, डेल एंड में रॉबर्ट ग्रेव्स और अल्बर्ट वुडिन पर लात मारकर हमला करने के लिए छह युवकों को छह महीने की कड़ी सजा दी गई थी। जबकि बर्मिंघम डेली गजट ने अपराधियों को गुंडे और सड़क आतंकवादी कहा, मजिस्ट्रेट के अध्यक्ष ने उन्हें गुंडे और नारेबाज़ नाम दिया।

यह सुझाव देता है कि उन्हें पीकी ब्लाइंडर्स नहीं कहा जाता था। ऐसा प्रतीत होता है कि यह अवसर 'स्लॉगर्स' शब्द का अंतिम प्रयोग है और यह समाचार पत्रों में स्लॉगर्स गैंग के पिछले उल्लेख के पंद्रह साल बाद आया है।

306 फिर भी, और किसी भी बड़े शहर की तरह, गरीब श्रमिक वर्ग के इलाकों में बहुत सारे अन्य कठोर लोग थे, जिनमें से कुछ अपनी युवावस्था में चरम अंधे थे और जिनमें से कुछ गुंडे थे।

Machine Translated by Google

बाद वाले लोगों में किर्बी उल्लेखनीय थे। मार्च 1927 में, छब्बीस साल के जेम्स किर्बी और चौबीस साल के फ्रेडरिक किर्बी को एक पुलिसकर्मी पर क्रूर हमले के लिए दो महीने के लिए जेल भेज दिया गया था। वे दोनों समर लेन पड़ोस में टावर स्ट्रीट में रहते थे, और अदालत में इंस्पेक्टर शेरेस्टन ने कहा

जिला इतना तनावपूर्ण हो गया था कि अतिरिक्त पुलिस बुलानी पड़ी।
तीन साल बाद, किर्बीज़ और दो अन्य को 'शहर के सबसे कुख्यात व्यक्ति' के रूप में वर्णित किया गया और न्यूटाउन रो पड़ोस के लोग 'उनके खिलाफ सबूत देने के लिए अदालत में आने की हिम्मत नहीं करते'। एक फैक्ट्री में तोड़फोड़ करने का दोषी ठहराते हुए, जेम्स किर्बी को बारह महीने की कड़ी मेहनत की सजा सुनाई गई। उनका भाई बर्मिंघम दौड़ के बाद हिंसा के लिए पहले से ही जेल में था और उसे पंद्रह महीने की कड़ी सजा दी गई थी। 308 महत्वपूर्ण बात यह है कि, हालांकि, 1920 के मामले या किर्बीज़ के बारे में रिपोर्टों के बाद बर्मिंघम समाचार पत्रों में चरम अंधापन या गुंडागर्दी के पुनरुद्धार के बारे में कोई चिंता नहीं जताई

गई थी। जहां तक गैरीसन लेन/वाटरी लेन पड़ोस का सवाल है, जहां शेल्बी और उनका गिरोह मूल रूप से पीकी ब्लाइंडर्स श्रृंखला में स्थित हैं, 1920 के दशक के या उससे संबंधित किसी भी उपलब्ध कामकाजी वर्ग के खाते में पीकी ब्लाइंडर्स का उल्लेख नहीं है। 309

गैरीसन लेन पड़ोस

हालाँकि, अन्य गरीब इलाकों की तरह, स्मॉल हीथ की सीमा पर बोर्डेस्ले के इस क्षेत्र में एक परिवार था जिससे डर लगता था - हार्पर बंधु। बीट्टी हैमिल का जन्म 1907 में आर्टिलरी स्ट्रीट में हुआ था और वह 44वें नंबर पर रहती थीं। 1920 के दशक में एक किशोरी के रूप में, उन्होंने गैरीसन लेन में मछली की दुकान पर काम किया था, और याद करते हुए कहा, 'जब वे नशे में होते थे तो वे वहां आते थे, आप जानते हैं, और वे खेलते रहेंगे, और शुक्रवार की रात को आप हमेशा उनसे नशे में आने की उम्मीद कर सकते हैं। एक विशेष शुक्रवार की रात को, दोनों भाई नशे में धुत होकर आये और बिली हार्पर मछली और चिप्स के बदले कुछ संतरे लेना चाहते थे। हैमिल ने उससे कहा कि वह ऐसा नहीं कर सकती। 'किसी भी सड़क पर, गैफ़र रहने की जगह से अंदर आया और उन्हें ऑर्फ़ साफ़ करने के लिए कहा और निश्चित रूप से वे तब उग्र होने लगे, और वे उस पर संतरे फेंक रहे थे और एक वसा के पैन में चला गया।'

उस पर, हैमिल 'घर के पीछे से होकर गया और रात के पुलिसकर्मी की तलाश करने के लिए प्रवेश द्वार से नीचे आया, जिसे आप हमेशा गॉर्डन स्ट्रीट या वोल्स्ले स्ट्रीट या कहीं और पाएंगे, क्योंकि उन्होंने हर दरवाजे की कोशिश की थी।' कांस्टेबल आया और उसे अपनी छड़ी का इस्तेमाल करना पड़ा और भाइयों को हथकड़ी लगानी पड़ी। बिली को उन सभी में सबसे बड़े आतंक के रूप में याद किया जाता था, और वह, उसका भाई, वैगर, और उनके साथी वोल्स्ले स्ट्रीट और गॉर्डन स्ट्रीट के कोने पर खड़े रहते थे,

Machine Translated by Google

जहां वे गैरीसन लेन में गए। पब से बाहर आने के बाद, पुरुष वहाँ खड़े होकर गाते थे, और यहीं पर वे अपने पैसे जमा करते थे।
जिस गिरोह के वे प्रमुख सदस्य थे, उसका नाम फाइव वेज़ एल्बियन था। 310 1915 में जन्मे और 312 गैरीसन लेन में पले-बढ़े,

विक्टर एंड्रयूज ने पड़ोस में अपने युवा दिनों का एक विचारोत्तेजक विवरण लिखा। उनका घर बर्मिंघम सिटी मैदान, सेंट एंड्रयूज के सामने 'पहाड़ी पर' था। मैदान की छत के पीछे पुराने मिट्टी के गड्ढों में औद्योगिक कचरे के लिए एक टिप थी। लाखों टन लाल मिट्टी खोदने से पहाड़ी में भारी गड्ढा हो गया था।

हालाँकि इसे बंद कर दिया गया था, स्थानीय लोगों ने इसमें प्रवेश करने के रास्ते खोज लिए, और बच्चों के लिए यह 'उत्साह और खतरे की निषिद्ध भूमि' थी। और स्थानीय बेरोजगार पुरुषों के लिए यह एकांत का स्थान था और जब वे सिक्के उछालते थे तो पुलिस की नजरों से बच जाते थे।

हालाँकि यह हानिरहित था, यह अवैध था और पुलिस की छापेमारी अक्सर होती थी। एंड्रयूज सांत्वना और अपने दयनीय अस्तित्व से मुक्ति चाहने वाले गरीब लोगों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई से आहत थे और उन्हें आश्चर्य हुआ कि पुलिस ने 'खतरनाक अपराधियों के कुछ गिरोह' को पकड़ने के बजाय अपने अभियान को कैसे उचित ठहराया। 1926 में रविवार की एक शांत सुबह में एक छापा उनकी स्मृति में अंकित हो गया। वह अपने घर के दरवाजे पर बैठा था, अन्य बच्चों को होपस्कॉच खेलते हुए देख रहा था, जब:

> एक ब्लैक मारिया वैन सड़क के दूसरी ओर से ट्रामलाइन को पार कर गई और मिट्टी के गड्ढे की ओर जाने वाले पुल-डी-सैक के कोने पर तेजी से ब्रेक लगाकर रुक गई। एक अन्य पुलिस वैन पहाड़ी से नीचे चली गई और रेलवे पुल के पास दूसरे पुल-डी-सैक पर रुक गई। गाड़ियों के पिछले दरवाजे खुल गए और दर्जनों वर्दीधारी बाहर निकल आए। कुछ लोग सड़कों पर गड्ढे की ओर भागे, जबकि अन्य लोग रेलवे पुल की रेलिंग पर चढ़कर रेलवे बैंकिंग पर जा गिरे। मुझे बाद में पता चला कि पचास से अधिक पुलिसकर्मियों वाले इस ऑपरेशन में सभी निकासों को कवर कर लिया गया था। 'बैग' में लगभग तीस आदमी थे। उन्हें सामने आई कुछ कारों में बांध दिया गया था। कुछ क्रोधित माताएँ, पत्नियाँ और बहनें इस समय तक अपने पार्लरों और रसोई से बाहर आ गई थीं और सिपाहियों को चीख-चीखकर गालियाँ दे रही थीं। अधिकारियों की मुट्ठियों में चमचमाती काली डंडियों को देखकर बचाव के प्रयास के बारे में कोई विचार नहीं आया। उनके निष्क्रिय, उदास लोगों को छीन लिया गया। बाद में पत्नियों ने अपने बाहरी कोट या शॉल पहने और निकल पड़ीं, कुछ ने सहानुभूति रखने वाले रिश्तेदारों या दोस्तों से जमानत राशि जुटाने की कोशिश की, दूसरों ने पुलिस स्टेशन जाने की कोशिश की

Machine Translated by Google

अपने कैद पतियों को नैतिक समर्थन दें। 311

बाद में, उन्नीसवीं सदी में, इस तरह की पुलिस छापेमारी से स्थानीय नारेबाज़ों और चरमपंथियों की ओर से हिंसक प्रतिक्रिया हुई होगी। फिर भी यद्यपि चरम अँधेरे दूर हो गए थे, फिर भी उनमें से सभी शांत नहीं हुए और शांतिपूर्ण नागरिक नहीं बन पाए। कुछ लोग कुख्यात बर्मिंघम गिरोह का हिस्सा बन गए, जिसने इंग्लैंड के रेसकोर्स को आतंकित किया, जबकि अन्य एक खूनी और लंबे समय तक चलने वाले झगड़े में शामिल हो गए, जिसे गैरीसन लेन वेंडेटा के नाम से जाना जाने लगा। यह बिली बीच नामक एक व्यक्ति और उसके सहयोगियों के बीच शेल्डन्स नामक एक हिंसक और प्रतिशोधी परिवार के खिलाफ लड़ा गया था, जिनका पीकी ब्लाइंडर्स के काल्पनिक शेल्बीज़ से संबंध है।

Machine Translated by Google

Machine Translated by Google

चौथा अध्याय

अवैध सट्टेबाज और ए

प्रतिशोध

अवैध सट्टेबाजी

प्रथम विश्व युद्ध में वीरता के लिए सम्मानित टॉमी शेल्बी एक जटिल चरित्र है। सुंदर, बुद्धिमान और करिश्माई, उसकी विशेष शाखा फ़ाइल में रिकॉर्ड है कि वह एक गैंगस्टर, रैकेटियर, सशस्त्र डाकू, पीकी ब्लाइंडर्स का नेता और स्मॉल हीथ में अपने बेस से संचालित होने वाला सट्टेबाज भी है। पहली श्रृंखला के पहले एपिसोड के शुरुआती दृश्य में, वह परिवार के घर से गुजरता है और, एक भारी पर्दे को पीछे खींचने के बाद, दरवाजा खोलता है और गतिविधि से भरी बड़ी, शोरगुल वाली सट्टेबाजी की दुकान में चला जाता है। अग्रभूमि में, एक क्लर्क सिगरेट खींच रहा है और सट्टेबाजी को एक किताब में दर्ज कर रहा है, जबकि पृष्ठभूमि में जॉन शेल्बी एक चौड़े और ऊंचे ब्लैक बोर्ड के सामने एक मंच पर खड़ा है। यह आगामी दौड़ के लिए घोड़ों के चाक-चौबंद नामों और बाधाओं के साथ-साथ पहले से दौड़ रहे घोड़ों के परिणामों से भरा हुआ है।

जैसे ही छोटा भाई नवीनतम सट्टेबाजी लगाता है, पुरुष विनिंग पोस्ट स्पोर्टिंग पेपर को देखते हैं, अपनी पसंद का चयन करते हैं, जबकि एक आवाज उन्हें केम्पटन में 2.30 बजे के लिए अपना दांव लगाने के लिए बुलाती है। एक टिकर टेप मशीन रेसकोर्स से जानकारी रिले करती है, जबकि सट्टेबाज (सट्टेबाज) दांव लगाने वाले क्षेत्र में एक मेज पर शीर्ष टोपी में कागज के स्क्रैप पर अपना दांव लगाते हैं। जैसे ही सिगरेट का धुआं ऊपर की ओर बढ़ता है, दो जोड़ी हाथ सिक्कों को जोड़ते हैं। उत्साहित जॉन शेल्बी फिर टॉमी को किताब दिखाता है, वह बहीखाता जिसमें दांव दर्ज किए गए हैं। 312 यह एक जीवंत, वायुमंडलीय दृश्य है और, जैसा कि बीबीसी प्रचार ने कहा, पहली श्रृंखला में सेट का समग्र उद्देश्य 'उस समय की सड़कों, घरों और जुए के अड्डों को वापस जीवंत करना' था। 313 फिर भी 1920 के दशक में बैक-स्ट्रीट बर्मिंघम में ऐसे कोई जुए के अड्डे नहीं थे क्योंकि सट्टेबाजी एक सड़क गतिविधि थी।

1853 में बेटिंग हाउस एक्ट द्वारा परिसर में रेसकोर्स से दूर नकदी के लिए सट्टेबाजी को गैरकानूनी घोषित कर दिया गया था। जो लोग इन्हें रखने के दोषी पाए गए उन पर £100 से अधिक का जुर्माना नहीं लगाया जा सकता था, अन्यथा उन्हें जेल भी भेजा जा सकता था।

Machine Translated by Google

6 महीनो के लिए। सट्टेबाजी घरों के विज्ञापन पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया था, और यदि किसी स्थान को कानून का उल्लंघन माना जाता था, तो उसे तोड़ा जा सकता था और अंदर मौजूद लोगों को गिरफ्तार किया जा सकता था, जबकि रेसिंग और सट्टेबाजी से संबंधित किसी भी दस्तावेज को जब्त किया जा सकता था। बर्मिंघम में, कुछ सट्टेबाजों ने बाहर बेकार जमीन पर बड़े पैमाने पर स्थायी बाजार स्थापित करके कानून से बचने की कोशिश की, जबकि कुछ प्रचारकों ने अपने परिसर में सट्टेबाजी को प्रोत्साहित करके कानून की अवहेलना की।

दोनों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई की गई, लेकिन नकदी के लिए ऑफ-कोर्स सट्टेबाजी की मांग बनी रही और सट्टेबाज सड़कों पर खड़े होकर सट्टेबाजों से दांव वसूलने लगे।

उन पर सड़क अवरोध के लिए मौजूदा परिषद उपनियमों के तहत मुकदमा चलाया गया था लेकिन यह कार्रवाई अप्रभावी थी। 1900 में विशेष रूप से पारित एक उप-कानून भी था जिसमें कहा गया था कि 'सट्टेबाजी के उद्देश्य से कोई भी व्यक्ति किसी अन्य व्यक्ति के साथ किसी भी सड़क या सार्वजनिक स्थान पर इकट्ठा नहीं होगा।' अधिकतम जुर्माना पाँच पाउंड था।
इसी तरह के उपनियम अन्यत्र भी सड़क सट्टेबाजी को रोकने में विफल रहे और राष्ट्रीय स्तर पर इसके विकास पर चिंता के कारण 1906 का स्ट्रीट सट्टेबाजी अधिनियम लागू हुआ। इसने किसी भी व्यक्ति के लिए अपनी ओर से सड़कों या सार्वजनिक स्थानों पर बार-बार घूमना या घूमना अपराध बना दिया। या सट्टेबाजी, या सट्टेबाजी, या दांव लगाने, या दांव लगाने या दांव लगाने के लिए सहमत होने, या भुगतान करने या प्राप्त करने या दांव का निपटान करने के उद्देश्य से किसी भी व्यक्ति का।

पहले उल्लंघनकर्ताओं पर £10 तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। दो बार दोषी ठहराए गए लोगों के लिए यह राशि दोगुनी कर दी गई थी, और तीसरे या बाद के उल्लंघनों के लिए, कानून तोड़ने वालों पर या तो अधिकतम £ 50 लगाया जा सकता था, या फिर उन्हें कठोर श्रम के साथ या बिना छह महीने से अधिक की कैद नहीं हो सकती थी। इसके अलावा, पुलिस को किसी भी सामान को जब्त करने का अधिकार दिया गया था जो सट्टेबाजी से संबंधित था और जिसे उन्होंने गिरफ्तार किया था, उसके पास से पाया गया था। अंततः, व्यक्तियों के अधिकारों को कुचलने और ब्रिटिश स्वतंत्रता के बहुप्रतीक्षित सिद्धांत को निरस्त करने में, कानून के अधिकारियों को 'इस अधिनियम के तहत अपराध करते पाए जाने वाले किसी भी व्यक्ति को बिना वारंट के हिरासत में लेने' का अधिकार दिया गया।

क्योंकि इसने रेस के दिनों में रेसकोर्स पर क्रेडिट सट्टेबाजी और नकद सट्टेबाजी को छूट दी थी, नए कानून को कई लोगों ने एक अन्यायपूर्ण वर्ग कानून के रूप में माना था जिसका उद्देश्य विशेष रूप से कामकाजी वर्ग के लोगों की नकद सट्टेबाजी को रोकना था। इस प्रकार, यह तर्क दिया गया है कि स्ट्रीट बेटिंग अधिनियम विक्टोरियन काल के अंत में श्रमिक वर्ग के क्षेत्रों में पुलिस शक्ति का विस्तार करने और वहां स्थान को नियंत्रित करने के लिए किए गए प्रयासों का हिस्सा था। इसके अलावा, इसके पारित होने के समय, वरिष्ठ पुलिस अधिकारी सड़क सट्टेबाजी और सट्टेबाजी को सामाजिक बुराइयों के रूप में मानते थे और मानते थे कि दोनों को खत्म किया जा सकता है। 315 प्रारंभ में, उन्हें नीचे गिराने में उनका विश्वास उचित प्रतीत हुआ। चार्ल्स विंस के अनुसार, स्ट्रीट बेटिंग अधिनियम द्वारा लगाए गए अधिक गंभीर जुर्माने ने

बर्मिंघम में एक मजबूत निवारक प्रदान किया, क्योंकि पिछले की तुलना में

Machine Translated by Google

सात साल की अवधि में, 1907 और 1914 के बीच दोषसिद्धि की संख्या में 50 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई और 1883 हो गई। [316] हालाँकि, मुख्य कांस्टेबल राफ्टर ने इस गिरावट का कारण बताया क्योंकि 'सट्टेबाजों की चतुराई के कारण पुलिस की कठिनाइयाँ काफी हद तक बढ़ गई थीं, जो कानून से बचने के लिए कई हथकंडे अपनाते हैं।' 317 प्रथम विश्व युद्ध के बाद वे कठिनाइयाँ और भी बढ़ गईं क्योंकि सड़क पर सट्टेबाजी का उल्लेखनीय रूप से विस्तार हुआ - जैसा कि पीकी ब्लाइंडर्स श्रृंखला में दर्शाया गया है। 318 इस प्रवृत्ति को 1919 के लिए राफ्टर की वार्षिक रिपोर्ट में उजागर किया गया था। उन्होंने टिप्पणी की कि सड़क सट्टेबाजी के लिए

चौंकाने वाली संख्या में सजाएं हुई हैं, जो 1918 में केवल 97 से बढ़कर 535 हो गई हैं। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि '109 से अधिक सट्टेबाजी "पिच" हुई हैं पुलिस की नज़र में आते हैं, जिन पर उन लोगों के "स्काउट्स" द्वारा नज़र रखी जाती है जो उनके पास आते हैं।' 319 पिच सड़क पर वह स्थान था जहाँ सट्टेबाज दांव लगाता था। अगले दशक में, पिचों की संख्या में वृद्धि हुई और 1932 में, राफ्टर ने लॉटरी और सट्टेबाजी पर रॉयल कमीशन को बताया कि व्यावहारिक रूप से यह पूरी पिच सट्टेबाजी 'श्रमिक वर्ग के जिलों और औद्योगिक क्षेत्रों में की गई थी।' उन्होंने देखा कि इसका स्थान आम तौर पर एक प्रवेश द्वार था, जैसे कि संकीर्ण मार्ग-मार्ग जो सड़क को पीछे-पीछे घरों के आंगन से जोड़ता था। 320

पिच सट्टेबाज

किसी प्रविष्टि में दांव लगाने की लोकप्रियता को हैरी वोक्स द्वारा समझाया गया था। उन्होंने नोट किया कि एस्टन में उनके पड़ोस ने 'सट्टेबाजों के दलालों, लेने वालों, धावकों और सट्टेबाजों के लिए प्रविष्टियों, यार्डों, पिछली गलियों, सभी गेटअवे रन की एक खरगोश वॉरेन छाप दी।' [321] दलालों, लेने वालों और धावकों सभी ने किसी न किसी क्षमता में सट्टेबाज के लिए दांव लगाया। वोक्स द्वारा बताए गए फायदों को सांप्रदायिक इमारतों जैसे 'मिस्किन्स'-आउटहाउस द्वारा बढ़ाया गया था जो कचरा जमा करने के लिए बनाए गए थे और जो कभी-कभी दो गज की दूरी तक जाते थे। नतीजतन, अगर पुलिस दिख जाती, तो कोई सट्टेबाज या उसका दांव लेने वाला उनमें से भाग सकता था और अगले यार्ड में भाग सकता था। अन्य साझा सुविधाएं भी उतनी ही उपयोगी थीं और कभी-कभी सट्टेबाज प्रवेश द्वार से दूर चले जाते थे और एक यार्ड में सामुदायिक वॉशहाउस, ब्रू 'अस के दरवाजे के पीछे छिपकर दांव लगाते थे। गरीब इलाकों में एक और विशेषता 'डबल नैक' थी। बैक-टू-बैक घरों के अधिकांश यार्डों में केवल एक ही प्रवेश द्वार था, लेकिन कुछ में सड़क पर कहीं और प्रवेश द्वार था या फिर एक अलग सड़क पर। ये दोहरे कौशल एक सट्टेबाज के लिए अमूल्य थे जो पुलिस की पकड़ से भाग रहा था।

कुछ अवैध सट्टेबाजों के पास कई पिचें थीं, लेकिन अधिकांश ने किसी एक में ही काम किया

Machine Translated by Google

वह सड़क जहां वे रहते थे या फिर उस स्थान के करीब। मेरे दादाजी, अल्फ चिन, एक स्थानीय सट्टेबाज थे। उन्होंने 1922 में स्टडली स्ट्रीट में शुरुआत की, जहां उन्होंने और उनके परिवार ने 'नैक' कैरी और उनके चचेरे भाई बिल प्रेस्टन द्वारा खाली की गई पिच पर कब्जा करते हुए एक बैक-टू-बैक घर किराए पर लिया। दादाजी स्टडली स्ट्रीट से लेडीपूल रोड पर ओलंपिया पिक्चर हाउस की ओर जाते हुए दोहरी आदत में खड़े थे, जहां अगर पुलिस उनका पीछा करती तो वह खरीदारों की भीड़ के बीच खो सकते थे। काल्पनिक टॉमी शेल्बी की तरह, मेरे दादाजी, नैक कैरी और बिल प्रेस्टन प्रथम विश्व युद्ध के अनुभवी थे।

कई अन्य बैक-स्ट्रीट सट्टेबाज पूर्व सैनिक थे। उनमें सिड भी शामिल था
हाईगेट के क्लैंप, जैसा कि उनकी बेटी हेट्टी ब्रैडबरी ने याद किया:

> जब 1914 के युद्ध में मेरे पिता को पदच्युत कर दिया गया, तो उन्होंने उस घर में सट्टेबाजी का व्यवसाय शुरू किया, जहां हम रहते थे, जो नंबर 50 डार्विन स्ट्रीट था, जिसमें नीचे केवल एक कमरा था, जिसमें एक शयनकक्ष और एक अटारी थी। व्यवसाय फल-फूल गया और हम सड़क के उस पार एक बड़े घर, नंबर 165 में रहने चले गए। वहाँ हमने बहुत व्यस्त समय बिताया। नियमित आदमी प्रवेश द्वार पर खड़ा होगा और अन्य दो आदमी सड़क के कोनों पर एक ऊपर और एक नीचे खड़े होंगे। जैसे ही उनमें से कोई एक पुलिसकर्मी को देखता तो वे डेव (लेने वाले) को संकेत देते और वह घर में भाग जाता। अंदर जाने पर दरवाजे के पार दो लोहे के ब्रैकेट में लकड़ी का एक बहुत मोटा तख्त रखा गया था। 322

एक लेने वाले की यह प्रणाली, जिसे ब्रुमी भाषण में टेकर कहा जाता है, वास्तव में सड़क पर सट्टेबाजों से दांव लेती है और फिर उन्हें अपने घर में या किराए के सामने वाले कमरे में सट्टेबाज को सौंप देती है, प्रथम विश्व युद्ध से पहले उभरी थी। इसे अधिकांश बैक-स्ट्रीट सट्टेबाजों द्वारा अपनाया गया था, जिनमें से कुछ ने इसे 1961 में वैध होने तक जारी रखा था। इस पद्धति को लागू किया गया था क्योंकि यदि सट्टेबाज या खरीदार को गिरफ्तार किया गया था, तो उन पर स्ट्रीट सट्टेबाजी अधिनियम के तहत आरोप लगाया जाएगा, जिसमें बहुत कम जुर्माना लगाया जाएगा। सट्टेबाजी हाउस अधिनियम के तहत की तुलना में.

323

अधिकांश सड़क सट्टेबाजों की कमाई की भरपाई आसपास की फैक्टरियों में मौजूद सट्टेबाजों से होती थी। इन कामगारों को कमीशन के आधार पर भुगतान किया जाता था। यह प्रथा इतनी व्यापक थी कि 1923 तक, यह स्पष्ट रूप से कहा गया था कि 'देश में शायद ही कोई ऐसा काम हो जिसमें 20 से अधिक कर्मचारी काम करते हों, जहां कोई सट्टेबाज का एजेंट न हो।'

बच्चों द्वारा सट्टा भी वसूला जाता था। 324 वास्तव में, स्टीवन नाइट ने कहा है कि 1920 के दशक के स्मॉल हीथ में एक युवा के रूप में, उनकी माँ सट्टेबाजों की धावक थीं। एक में

Machine Translated by Google

साक्षात्कार में, उन्होंने कहा कि सट्टेबाजों ने बच्चों का इस्तेमाल किया क्योंकि उनके गिरफ्तार होने की संभावना कम थी - हालाँकि उन्हें अभी भी छल का सहारा लेने की ज़रूरत थी। जैसा कि उन्होंने बताया: 'बच्चे कभी-कभी कपड़े धोने की टोकरी लेकर सड़क पर चलते थे, और लोग उस घोड़े के नाम के कागज के टुकड़े में सिक्के डालते थे, जिस पर वे दांव लगा रहे थे। बच्चा सभी दांव लेगा और उन्हें सट्टेबाजों तक पहुंचाएगा। 325 स्मॉल हीथ क्षेत्र में दो मुख्य सड़क सट्टेबाज थे। एक चार्ली राइट था, जिसकी आर्थर स्ट्रीट में एक पिच थी, साथ ही पास में एक अन्य पिच थी जिसे उसके भाई और भाभी चलाते थे। दूसरा

टकर राइट था, जिसका क्षेत्र कोवेंट्री रोड के दूसरी ओर था। उनके शुरुआती अक्षरों, टीके द्वारा बुलाए जाने वाले, उनकी मुख्य पिच ग्रीन लेन में थी, लेकिन उनके पास विक्टोरिया स्ट्रीट में एक और गैरीसन लेन पड़ोस में कई अन्य पिचें भी थीं, जिनमें से सभी पर धावकों द्वारा काम किया गया था। बर्मिंघम के एक प्रसिद्ध पात्र अल्बर्ट जुड ने टकर राइट को एक सज्जन और 'एक अच्छे व्यक्ति' के रूप में याद किया। स्थानीय स्तर पर सबसे उल्लेखनीय सट्टेबाज, 326 यह सकारात्मक दृष्टिकोण एक श्री द्वारा दोहराया गया था, उनके कोट में हमेशा एक फूल होता था।

एटी रिचर्डसन, जिन्होंने पुष्टि की कि 'टकर द बुकी' को 'स्मॉल हीथ के चारों ओर बहुत पसंद किया गया क्योंकि वह भुगतान करने में कभी असफल नहीं हुआ।' [327]

जॉर्ज लैंगहम 1920 के दशक में राइट स्ट्रीट, स्मॉल हीथ में पले-बढ़े और ग्यारह साल के थे जब उन्होंने अपना पहला दांव लगाया था - यही वह समय था जब उन्होंने अपने परिवार की छत पर पड़ोसियों से बैक-टू-बैक और टकर राइट के लिए दांव लेना शुरू किया था। राइट स्ट्रीट में अन्यत्र। श्री लैंघम को यह याद आया:

> सट्टेबाज टकर राइट द्वारा मुझे हर शनिवार की रात 2/- प्रति सप्ताह का भुगतान किया जाता था। मुझे स्कूल के लिए कई बार देर हो जाती थी जब मैं अपना दांव का बैग ले जाता था क्योंकि सट्टेबाज का धावक तांबे से बचने के लिए दौड़ लगाता था।
> इसका मतलब था कि मुझे धावक के वापस आने तक वहीं रुकना था। उन दिनों, दांव लगाने वाले किसी भी व्यक्ति को सट्टेबाज पर ईमानदारी से भरोसा करना पड़ता था और आपको अपने दांव की एक प्रति नहीं मिलती थी, जैसी अब मिलती है।

टकर राइट जैसे स्ट्रीट सट्टेबाजों को स्थानीय शाम के अखबार के बाद के संस्करणों से रेसिंग के परिणाम मिले और, मेरे दादाजी की तरह, कई लोगों ने स्थानीय पब में जीत का भुगतान किया - एक ऐसी प्रक्रिया जो अवैध नहीं थी। टकर राइट से मिलने वाले वेतन, विजेता पंटर्स से टिप्स और राइट स्ट्रीट में कोयला यार्ड चलाने वाली ग्रैनी प्लमली के लिए कोयला निकालने के लिए सप्ताह में दो शिलिंग के अलावा, श्री लैंगहम अपनी मां को प्रति सप्ताह लगभग सात शिलिंग देकर उनकी मदद करने में सक्षम थे।

Machine Translated by Google

डॉग आउट और ग्रीसिंग कॉपर्स

जॉर्ज लैंगहम ने यह भी याद किया कि 'कॉपर्स सट्टेबाज के धावक को पकड़ने के लिए हर तरह की चालें अपनाते थे।'[328] ऐसी परिस्थितियों में, स्काउट्स, टाउट्स, डॉग-आउट्स या नार्कर्स के रूप में जाने जाने वाले लुकआउट महत्वपूर्ण थे ताकि अवैध सट्टेबाज अपना व्यवसाय जारी रख सकें, जैसा कि हैरी वोक्स ने समझाया:

> लाभ की जगह पर, आम तौर पर कोने में, एक अखबार पढ़ता हुआ या फाग पीते हुए, आम तौर पर अपने काम से काम रखता हुआ, लेकिन वास्तव में तेज़ नज़र वाला खड़ा होता था। सभी असंभावित अजनबियों पर संदेह किया गया, कुछ क्षेत्रों में हतोत्साहित किया गया। टोपी उठाना, सिर खुजलाना और इस तरह की बातें सट्टेबाजों के घर के बाहर निगरानी करने वालों के लिए खतरे के संकेत थे, जिन्होंने संदिग्ध दिखने वाले किसी भी व्यक्ति को दरवाजे के माध्यम से दांव लगाने से रोक दिया था, जिससे विशेष दस्तक पर केवल एक दरार खुलती थी। सट्टेबाजी की पर्चियाँ हाथ में आने वाले कागज के टुकड़े थीं, लिफाफे पुराने और मैले-कुचैले थे, जिन पर कुछ भी लिखा जा सकता था और उनके अंदर पैसे लपेटे जा सकते थे। पर्ची पर कोई नाम नहीं था, केवल उपनाम था। ब्लैक जैक, चार्ली चेज़, लॉबी लुड सभी प्रकार की अजीब चीज़ें। टोइंग और फ्रॉइंग की मात्रा देखने लायक थी। पड़ोसियों और बाकी सभी ने इसे सामान्य दृश्य के हिस्से के रूप में लिया जब तक कि सभी तांबे के बारे में जानने वाले ने चेतावनी नहीं दी। तब असली मज़ा तब शुरू होगा जब पुलिस नहाने में साबुन का टुकड़ा पकड़ने की तरह लेने वाले को पकड़ने की कोशिश करेगी। 329

सट्टेबाजों को अपने दांव के साथ एक नाम शामिल करने की आवश्यकता होती है ताकि यदि उनका घोड़ा अंदर आए तो उन्हें सट्टेबाज द्वारा पहचाना जा सके, लेकिन यदि वे अपने वास्तविक नाम का उपयोग करते हैं और पुलिस लेने वाले या धावक को पकड़ लेती है, तो उन्हें गिरफ्तार भी किया जा सकता है, इसलिए उपनाम, या उपनाम, आवश्यक गुमनामी प्रदान की गई।[330]

बीट सिस्टम पर काम करने वाले वर्दीधारी पुलिस कांस्टेबलों को निगरानीकर्ताओं द्वारा आसानी से देखा जा सकता था। श्री एटी रिचर्डसन का जन्म 1919 में हुआ था और वे बर्मिंघम सिटी मैदान के करीब कैटेल रोड, स्मॉल हीथ में पले-बढ़े। एक युवा के रूप में शनिवार और स्कूल की छुट्टियों के दौरान, वह और स्कूल के कुछ दोस्त टकर राइट के लिए काम करने वाले सट्टेबाजों को देखते थे। वे कैटेल रोड और टेम्पलफ़ील्ड स्ट्रीट के कोने पर अपनी बाइक पर बैठकर इस बात पर नज़र रखते थे कि पुलिसकर्मी कब गुज़र रहा है। यदि उसे देखा जाता था, तो वे सड़क पर चढ़ जाते थे और सट्टेबाज के संचालकों को चिल्लाते थे, जो फिर एक छोटे बैग में दांव के साथ सट्टेबाज के घर के बगल से प्रवेश करते थे और पिछले दरवाजे पर जाते थे जो खुला होता था। . वह बैग अंदर फेंक देता और फिर बगीचे के ऊपर से छलांग लगा देता

Machine Translated by Google

बाड़ और काफी दूर दूसरे घर में।' इन युवा लुक-आउट्स को थ्रुपेंस या सिक्सपेंस दिया गया। जीतने वाले दांव का भुगतान आमतौर पर सट्टेबाज के घर में किया जाता था। धावक प्रवेश के निचले हिस्से में खड़ा होता था और जीतने वाले पंटर्स को तब तक ऊपर जाने देता था जब तक हम अपनी बाइक पर कोने पर थे और उन्हें सब कुछ स्पष्ट कर देते थे। अगर हम इसे स्कूल के बाद करते हैं तो इसका मतलब आम तौर पर एक और 3डी होता है, लेकिन अगर हम इसे पूरे शनिवार दोपहर को करते हैं तो इसका मतलब 6डी होता है।' 331

नज़रों से बचने और टेकर्स और धावकों को पकड़ने की कोशिश करने के लिए, वर्दीधारी पुलिस अधिकारियों को सादे कपड़ों में ड्यूटी सौंपी गई और वे अपने काम को अंजाम देने के लिए धोखे का इस्तेमाल करते थे। श्री एबरी के पिता 1920 के दशक में बाल्साल हीथ क्षेत्र में पुलिसकर्मी थे और एक अवसर पर उनकी बहन ने उन्हें 'महिलाओं के कपड़े पहने हुए' देखा था।

वह दौड़कर उसके पास गयी और बोली, “एह, पिताजी? आप क्या कर रहे हो?" और वह जो करने की कोशिश कर रहा था वह सड़क पर सट्टेबाज को पकड़ने के लिए किसी प्रकार का भेष बदलना था। वे सड़क सट्टेबाज को पकड़ने के लिए प्रविष्टियों में प्रतीक्षा करते थे और वे उसे पकड़ने की कोशिश में कुछ दिन बिताते थे।' 332 1928 में स्थानीय प्रेस में एक और चाल को नवीन और सफल बताया

गया।

एक कांस्टेबल ने कहा कि उसे कपड़े धोने के रास्ते में आने वाली वस्तुओं के नीचे एक बड़ी टोकरी वाली गाड़ी में छिपा दिया गया था। फिर उसे सादे कपड़ों में एक अन्य अधिकारी द्वारा सड़क पर धकेल दिया गया। छिपा हुआ कांस्टेबल उस स्थान पर पहुँचकर बाहर कूद गया जहाँ सट्टेबाज दांव लगा रहा था। वह शुरू में भागने में कामयाब रहा, लेकिन फिर पकड़ लिया गया, और कहा, 'यह ठीक है; यह एक निष्पक्ष पुलिस वाला है।' सट्टेबाजों, टेकर्स और धावकों को पकड़ने की कठिनाइयाँ उनके पड़ोस में उनके लिए सामान्य समर्थन के कारण बढ़ गई थीं। इसे 1932 में मैनचेस्टर के मुख्य कांस्टेबल, [333]

राफ्टर और जॉन मैक्सवेल दोनों ने मान्यता दी थी, जिन्होंने पुष्टि की थी कि यह समर्थन एक वर्ग कानून के रूप में व्यापक रूप से निंदा की जाने वाली घृणा पर आधारित था। परिणामस्वरूप, कानून और पुलिस कार्रवाई दोनों सड़क सट्टेबाजी को खत्म करने में विफल रहे। उनके स्थानीय सड़क सट्टेबाज, जैसे कि मेरे दादाजी, के साथ आवास। मेरे बड़े चाचा बिल ने मुझे बताया कि 'वह उन्हें थोड़ी सी चांदी, आधा मुकुट, कुछ इस तरह से चिकना करते थे।' 335 'बिग' होरेस फोस्टर स्पार्कब्रुक के किरविक्स लेन के पास एक सट्टेबाज था।

[334] निराश होकर कई पुलिसकर्मी आ गए

उनकी बेटी, श्रीमती वीजी पुलिन ने बताया कि कैसे उनके पिता कभी-कभी सादे कपड़े वाले अधिकारी के साथ गुप्त बैठक करते थे ताकि उस दिन की पुष्टि की जा सके जब उनके लेने वाले को गिरफ्तार करने के लिए छापा मारा जाएगा। फिर वह उस दिन के लिए अपने नियमित आदमी को छोड़ सकता था और 'सीढ़ी पर खड़े होने के लिए एक और आदमी ढूंढ सकता था जिसे गिरफ्तार किया जाता था, मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया जाता था और जुर्माना लगाया जाता था, जिसे पिताजी अपराधी को उसके अच्छे काम के लिए उदारतापूर्वक प्रतिपूर्ति करने के बाद तुरंत भुगतान करते थे।

बार तक सामान्य हो जाएंगे।' 336 ऐसे 'डमी' या जीवन अगली

Machine Translated by Google

'स्टूग्स' को कुछ दांव और थोड़ी सी धनराशि दी गई।

इस प्रणाली से सट्टेबाजों को तीन तरह से लाभ हुआ: सबसे पहले, इसका मतलब था कि यदि उनका स्टैंड-इन पहला अपराधी था तो उन्हें कम जुर्माना देना होगा; दूसरा, यह सुनिश्चित किया गया कि उनका नियमित ग्राहक सुरक्षित रहे, जिसका अर्थ है कि उन्हें उसे नौकरी से नहीं निकालना पड़ेगा क्योंकि उसे दूसरे अपराध के लिए अधिक जुर्माना देना पड़ा था; तीसरा, इससे व्यवसाय में कोई हस्तक्षेप नहीं हुआ क्योंकि अगर पुलिस सट्टेबाज को दांव लगाने से रोकना चाहती थी तो वह बस मैदान पर खड़ी हो सकती थी। स्थानीय पुलिस की ओर से, समझ संतोषजनक थी क्योंकि इसने एक ज्ञात पिच के लिए उनकी गिरफ्तारी के आंकड़े बनाए रखे; इससे उन्हें समुदाय के साथ संघर्ष में नहीं आना पड़ा और जो लोग रिश्वत लेते थे, इससे उनकी आय में इजाफा हुआ। अंत में, 'डमी' या 'स्टूग' खुश था क्योंकि उसे अपनी सेवाओं के लिए £2 या £3 की एक महत्वपूर्ण राशि प्राप्त हुई थी, और यदि वह बेरोजगार था, जैसा कि अधिकांश बेरोजगार थे, तो उस अतिरिक्त आय का स्वागत था।

अवैध सट्टेबाजी की दुकानें

न तो सट्टेबाजी और न ही सट्टेबाजी लैंगिक गतिविधियां थीं। कई महिलाओं ने छोटे-छोटे दांव लगाए, जबकि अन्य पिच सट्टेबाज बन गईं - और कुछ मामलों में वे पीकी ब्लाइंडर्स श्रृंखला की मातृसत्तात्मक छवि आंटी पोली से मिलती जुलती थीं। वह काल्पनिक शेल्बी परिवार के व्यावसायिक मामलों में अग्रणी भूमिका निभाती है। मजबूत, बुद्धिमान, स्वतंत्र और मुखर, वह एक सशक्त व्यक्तित्व है जो अपने रिश्तेदारों और समुदाय दोनों के लिए महत्वपूर्ण है। डार्विन स्ट्रीट, हाईगेट में एक लोकप्रिय सट्टेबाज रोज़ पिकरिंग भी ऐसा ही था। उनकी बेटी, ओल्गा पैकर ने बताया कि उनकी माँ की पीछे एक छोटे से कमरे में मछली और चिप की दुकान थी जहाँ वह दांव लगाती थीं:

> ख़ैर, यह एक आँगन में था और आँगन में हम चार लोग थे। वहां सूअर का मांस कसाई की दुकान थी, वहां हमारी मछली की दुकान थी और अगले दरवाजे पर इलियट नाई की दुकान थी और उसके बगल में इंग्राम कसाई की दुकान थी और हम सभी इस एक यार्ड में थे, और एक कसाई होने के नाते उसके पास यार्ड में एक फ्रिज था . तो उसने आँगन में दो बड़े बड़े दरवाजे लगवाए ताकि यह सब निजी हो और बड़े दरवाजे में एक छोटा सा दरवाज़ा कट गया था और निश्चित रूप से वे वहाँ अपना दांव लगाते थे और निश्चित रूप से आपके पास एक आदमी होता था पुलिस के कारण दरवाजा, यह तब कानूनी नहीं था और इस तरह वे दरवाजे के पीछे आदमी को दांव देते थे और वह उन्हें एक बैग में रख देता था और हम उन्हें घर में लाते थे और माँ और पिताजी इस्तेमाल करते थे उन्हें घर में करने के लिए.

Machine Translated by Google

दांव लगाने के लिए डबल गेट दोपहर 12 बजे से दोपहर 2.30 बजे तक बंद रहता था, और पिकरिंग ने पुलिस पर नज़र रखने के लिए पास के कोने पर एक दलाल को भी भुगतान किया था। अगर वह सादे कपड़ों में किसी पुलिसकर्मी को देखता, तो वह फुटपाथ पर चढ़ जाता और दूर चला जाता। वह सब कुछ साफ़ होने तक गेट पर छोटे दरवाजे को बंद करने का संकेत था। 337

ब्रिस्टल स्ट्रीट में अपने बेटे, रिचर्ड द्वारा संचालित एक और पिच के साथ, पिकरिंग ने सट्टेबाजों के विजयी दांव की गिनती की और वह अपने समुदाय के भीतर एक लोकप्रिय व्यक्ति भी थी। अन्य सड़क सट्टेबाजों की तरह, दांव केवल कारखाने के श्रमिकों के रात्रिभोज के समय ही लगाए जाते थे। यह कार्यस्थल के अनुसार दोपहर 12 बजे से दोपहर 2 बजे के बीच था, हालांकि आम तौर पर स्ट्रगलरों को अनुमति देने के लिए 2.30 बजे तक दांव लगाए जाते थे। इस प्रकार कोई रेस-दर-रेस सट्टेबाजी नहीं थी जैसा कि पीकी ब्लाइंडर्स श्रृंखला में देखा गया था । रेसिंग के परिणाम बर्मिंघम मेल या इवनिंग डिस्पैच के अंतिम संस्करणों से लिए गए थे , टिकर टेप मशीन से नहीं। 1950 के दशक की शुरुआत में अन्य सड़क सट्टेबाजों की तरह, और अपने बेटे द्वारा प्रोत्साहित किए जाने पर, पिकरिंग ने अंततः मछली और चॉप की दुकान के पीछे घर में ऐसा उपकरण स्थापित किया। इसने पंटर्स के समूहों को डबल गेट के पीछे यार्ड में आकर्षित किया, जिससे उसे पूरे दिन दांव लगाने की अनुमति मिल गई।

1950 के दशक के मध्य में, कोने पर कसाई की दुकान बंद हो गई और, क्योंकि उनकी रसोई यार्ड में आ गई, पिकरिंग ने इसे अपने कब्जे में ले लिया। उन्होंने रसोई को गिरा दिया और उसके चारों ओर बेंचों वाला एक लकड़ी का शेड लगा दिया। जैसे ही परिणाम टिकर टेप पर आते, उन्हें एक बोर्ड पर कागज के टुकड़े पर रख दिया जाता। 338 पिकरिंग अब सड़क से हट गए थे और एक अवैध सट्टेबाजी की दुकान चला रहे थे, जैसा कि पीकी ब्लाइंडर्स श्रृंखला में दिखाया गया था - लेकिन 30 से अधिक वर्षों के बाद। मेरा परिवार उस बदलाव को करने वाले अन्य सड़क सट्टेबाजों में से था। यह मेरे पिता, अल्फ्रेड 'बक' चिन द्वारा देखा गया एक कदम था, लेकिन यह एक धीमा बदलाव था और ऐसा बदलाव था जो सक्रिय होने के बजाय प्रतिक्रियाशील था, जैसा कि उन्होंने समझाया।

शनिवार को, वस्तुतः पिच के आसपास दर्जनों लोग होंगे:

> तो हम एक आदमी को काम पर रखते थे जो संभवतः बीस पाउंड मूल्य का परिवर्तन करता था, एक दिन में तीस पाउंड मूल्य का परिवर्तन, और वह इस गली में रहता था जो लगभग दस फीट चौड़ा था और यह लगभग छह फीट तक सीमित हो गया था चौड़ी थी, लेकिन यह दुकान की लंबाई थी ताकि ग्राहक वहां जा सकें और दांव लिख सकें और तब तक हम दरवाजे पर एक बॉक्स रख रहे थे और खिड़की में हम दौड़ का वास्तविक समय डाल देते थे जो हम तब थे परिणाम दे रहे हैं क्योंकि तब तक हमें टिकर-टेप मिल गया था और हम ग्राहक को सेवा देने की कोशिश कर रहे थे, इसलिए हमें विंडो में थोड़ा प्रयास करना पड़ता था और इसमें हमारे पास 'अगली दौड़ है' होती थी और हम हमने 2 बजे, 2.15 और 2.30 का समय रखा ताकि हम उस बक्से को उतार दें और फिर हम प्रत्येक पर मोहर लगा दें

Machine Translated by Google

2.30 की दौड़ के लिए उस बॉक्स में दांव लगाएं।

हालाँकि, पिच के चारों ओर इतने सारे सट्टेबाज जमा हो गए थे कि यह स्थिति असंतोषजनक हो गई थी। इसलिए, 1958 की शुरुआत में, और इस विश्वास के साथ कि रेसकोर्स से दूर नकद सट्टेबाजी का वैधीकरण आसन्न था, पिताजी ने अल्फ्रेड स्ट्रीट और क्वीन स्ट्रीट के कोने पर पास में एक आउटडोर (बिना लाइसेंस के) खरीदा। उन्होंने शो में रेसिंग पेपर, एक टिकर-टेप मशीन और रेस-बाय-रेस सट्टेबाजी के साथ इसे एक उचित सट्टेबाजी की दुकान में बदल दिया। इस विकास से व्यवसाय का कारोबार शानदार ढंग से बढ़कर प्रति सप्ताह £2,000 हो गया।

दुकान पर सट्टा लगने के कुछ महीने बाद पुलिस ने छापा मारा।
वहाँ दो इंस्पेक्टर, एक हवलदार और चार सिपाही थे। उन्होंने मेरे पिता और उनके भाई वाल पर 48 अल्फ्रेड स्ट्रीट, स्पार्कब्रुक स्थित एक कार्यालय का उपयोग 'सट्टेबाजी अधिनियम, 1853 की धारा 1 और 3 के विपरीत व्यक्तियों के साथ सट्टेबाजी के उद्देश्य से' करने का आरोप लगाया। प्रत्येक पर £75 का जुर्माना लगाया गया। मेरे बड़े चाचा बिल भी दुकान में काम कर रहे थे लेकिन उनकी उम्र के कारण उनसे शुल्क नहीं लिया गया।

339

असुधार्य दुष्ट: शेल्डन

शेल्बीज़ पीकी ब्लाइंडर्स की श्रृंखला एक में अवैध सट्टेबाजों के रूप में अपना अधिकांश पैसा कमा रहे हैं, और स्टीवन नाइट ने बताया है कि उनके पिता के मामा 'शेल्डन्स नामक परिवार से थे, जो कल्पना में शेल्बीज़ बन गया। वे सट्टेबाज थे और उन्हें और इलाके के बाकी सभी लोगों को पीकी ब्लाइंडर्स के नाम से जाना जाता था।' 340 शेल्डन्स के बारे में एक पारिवारिक कहानी विशेष रूप से सामने आई। नाइट के पिता को कागज के एक टुकड़े पर एक संदेश के साथ उसके चाचाओं के पास भेजा गया था। जब वह उनके घर में गया तो लगभग आठ आदमी एक मेज के चारों ओर बैठे थे। वे बेदाग कपड़े पहने हुए थे, टोपियाँ पहने हुए थे और उनकी जेबों में बंदूकें थीं। मेज पैसों से ढकी हुई थी - ऐसे समय में जब किसी के पास एक पैसा भी नहीं था - और वे सभी जैम जार से बीयर पी रहे थे क्योंकि ये लोग गिलास या कप पर पैसे खर्च नहीं करते थे।' 'बर्मिंघम की इस झुग्गी में धुआं, शराब और बेदाग कपड़े पहने इन पुरुषों' की उस विचारोत्तेजक छवि ने नाइट को इस विचार से प्रभावित किया - 'यही पौराणिक कथा है, यही कहानी है, और यही वह पहली छवि है जिसके साथ मैंने काम करना शुरू किया।' 341

इनमें से तीन शेल्डन भाई एडवर्डियन बर्मिंघम में कुख्यात अपराधी थे और कुख्यात बर्गर बॉयज़ और जॉनसन क्रू के बीच हालिया झगड़े तक दंगों, गोलीबारी, क्रूर हमलों और शहर के इतिहास में सबसे खराब गिरोह युद्ध में शामिल थे।

342

शेल्डन एक बड़े परिवार से थे जिनका पालन-पोषण सैमुअल और रोज़हन्ना ने किया था।

Machine Translated by Google

दोनों डुडले से थे और 1871 में वे शहर के एक गरीब हिस्से में रह रहे थे 343 एक और लड़का, उनके दो साल का जॉन और दो साल का सैमुअल। सबसे बड़े बेटे, चार थॉमस का जन्म डुडले में हुआ था, उनकी सबसे बड़ी बेटी मैरी की तरह, हालांकि परिवार का अगला कदम बर्मिंघम में हुआ था। ब्लैक कंट्री में व्यापार में भारी मंदी के कारण जोसेफ था, जिसका जन्म 1879 में उन्हें धक्का लगा। बेरोज़गारी, कम मज़दूरी और अस्थिर भविष्य से त्रस्त होकर, कई लोगों ने हजारों व्यवसायों वाले शहर बर्मिंघम में काम की तलाश में जिला छोड़ दिया। 345

शेल्डन्स ने ग्लोवर स्ट्रीट, डेरीटेंड में एक के बाद एक मकान किराए पर लिया और उसके बाद उसी क्षेत्र में रहने लगे। 1891 तक, वे वाटरी लेन से गैरीसन स्ट्रीट, बोर्डेस्ले तक की छोटी दूरी तय कर चुके थे। उनका घर विटन स्ट्रीट पर स्थित था, जिसके दूसरे छोर पर असली गैरीसन टैवर्न था। लिजी, अन्ना, एडिथ और आर्थर के जन्म के साथ, परिवार अब चार लोगों तक बढ़ गया था। 346 उनके पिता की 1910 में मृत्यु हो गई और, एक साल बाद, उनकी अड़सठ वर्षीय पत्नी को जनगणना में 6 घर, नंबर 2 कोर्ट, ऑलकॉक स्ट्रीट, डेरिटेंड - जहां से कोने पर घर के मुखिया के रूप में दर्ज किया गया था पहला नामित पीकी ब्लाइंडर हमला हुआ था। उसके साथ दो भतीजियाँ और उसकी एकल बेटियाँ रहती थीं।

347

पांच भाइयों में से, थॉमस एक गैस स्टोव ग्राइंडर और बाद में एक एजेंट बन गया, और 1911 तक वह अपनी पत्नी, मैरी एन, चार बच्चों और एक भतीजी के साथ 348 में रह रहा था । इसके अलावा कुछ भी उनके छोटे भाई, आर्थर, सुझाव देने के लिए कोई सबूत नहीं है कि वह 686 बोर्डेस्ले ग्रीन का था। और ईमानदार थे। हालाँकि, जॉन, सैमुअल और जोसेफ शेल्डन का जीवन बिल्कुल विपरीत था।

1881 में, पंद्रह साल की उम्र में और पहले भी गुंडागर्दी का आरोप लगने के बाद, जॉन, सबसे बड़े भाई, को थोड़ी मात्रा में लकड़ी चुराने के लिए एक महीने की कड़ी मेहनत के लिए जेल में डाल दिया गया था। उन्होंने स्वयं को पीतल ढलाई करने वाले के रूप में प्रस्तुत किया, लेकिन यह कई व्यवसायों में से एक था जिसमें वह कहते थे कि वह लगे हुए थे। एक साल बाद उन्हें एक प्रतिष्ठित चोर के रूप में तीन महीने के लिए जेल में डाल दिया गया, वही सज़ा जो उन्हें 1883 में चोरी करने के लिए दी गई थी। टोकरी, एक चाकू और अन्य सामान। इन दो अपराधों के बीच, उन्हें आवारागर्दी और रुकावट के लिए संक्षिप्त सजा सुनाई गई। 349 फिर, 1884 में, उन्हें तीन बुरे चरित्रों में से एक के रूप में वर्णित किया गया था, जिनमें से प्रत्येक पर किराया चुकाए बिना ट्रेन में यात्रा करने के लिए 10 शिलिंग और लागत का जुर्माना लगाया गया था। 350 जॉन शेल्डन न केवल एक छोटा चोर था, बल्कि एक दुष्ट और प्रतिशोधी व्यक्ति भी था। यह नवंबर 1895 में स्पष्ट हो गया जब उन्होंने और विलियम ग्रीन ने थॉमस ओ'नील पर अकारण हमला किया जब वह ऑलकॉक स्ट्रीट में ग्रेट वेस्टर्न पब्लिक हाउस से बाहर आ रहे थे। शेल्डन चिल्लाया, 'मैं तुम्हें ढूंढ रहा था!' और अपने शिकार के सिर पर जोरदार प्रहार किया। ओ'नील ने जवाबी कार्रवाई करने की कोशिश की और अपने हमलावर के साथ बंद हो गया, लेकिन फिर ग्रीन ने उसके सिर पर एक भारी बेल्ट से हमला कर दिया, जिसने दावा किया कि उसने गलती से ऐसा किया था। मार्गरेट

Machine Translated by Google

पीड़ित की बेटी ओ'नील असहमत थी क्योंकि उसने अपने पिता पर बेल्ट घुमाते हुए देखा था और अपने हमलावरों से उसे न पीटने की अपील की थी। इसके बाद ग्रीन ने उसके बाल पकड़कर उसे जमीन पर खींच लिया और जब वह वहां लेटी हुई थी, शेल्डन ने उसे लात मारी जिससे वह बुरी तरह घायल हो गई। दोनों व्यक्तियों को हमले का दोषी पाया गया और उन्हें कड़ी मेहनत के साथ छह सप्ताह जेल की सजा सुनाई गई। उनतीस साल की उम्र में, और पामर स्ट्रीट में रहने वाले, शेल्डन को अदालत में एक आवारा - एक बेकार, बेकार के रूप में अस्वीकार कर दिया गया था। अगले वर्ष, उन्हें जानबूझकर नकली सिक्के पेश करने के लिए नौ महीने की सजा सुनाई गई।

[351] उसने अपने पड़ोस के चार लोगों की कंपनी में, वारविक के कई सार्वजनिक घरों में ऐसा किया था। [352]

दो साल छोटा, सैमुअल शेल्डन अपने बड़े भाई की तरह ही ढला हुआ था। विभिन्न पुलिस विवरणों के अनुसार, भूरे बालों वाला और मजबूत कद-काठी वाला, वह हरे या नीली आंखों वाला था। महज 5 फुट 1¼ इंच का काफी छोटा, इन सबके बावजूद उसने जल्द ही हिंसा के लिए ख्याति प्राप्त कर ली। 353 जून 1886 में, और सत्रह साल की उम्र में, उन्होंने और माइकल कैरोल ने डिगबेथ क्षेत्र में एक साइकिल चालक पर पत्थर फेंककर उसे नीचे गिरा दिया था। बाद में कैरोल ने दो पुलिस अधिकारियों पर पत्थर फेंके और उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। शेल्डन ने वैसा ही किया. अदालत में, दोनों युवाओं को 'सड़कों पर एक आदर्श उपद्रवी' के रूप में वर्णित किया गया था। उन्हें पहले भी इसी तरह के अपराधों के लिए दोषी ठहराए जाने के बाद तीन महीने की कैद की सजा सुनाई गई थी। 354 निडर होकर, एक वर्ष के भीतर, शेल्डन ने वही अपराध किया। मई 1888 की एक शाम, वह उन युवाओं के एक समूह में से थे जो ग्लोवर स्ट्रीट में घूम रहे थे। जब एक पुलिसकर्मी ने उनसे आगे बढ़ने का अनुरोध किया तो उन्होंने इनकार कर दिया और उस पर दो

पत्थर फेंके। एक ने सिपाही के दाहिने गाल पर और दूसरा सीने पर मारा। बहुत गंभीर हमला करने के लिए, शेल्डन और एक अन्य युवक को कड़ी मेहनत के साथ तीन महीने के लिए जेल भेज दिया गया। 355

निःसंदेह, पत्थर फेंकना नारे लगाने वाले गिरोहों से जुड़ा था, जिनमें से कुछ सबसे पहले डेरिटेंड में उभरे थे जहां शेल्डन रहता था। उसके अपराधों के रिकॉर्ड से यह स्पष्ट है कि वह एक झगड़ालू व्यक्ति था और इस बात की बहुत अधिक संभावना है कि वह एक प्रारंभिक चरम अंधा व्यक्ति बन गया था, क्योंकि वह हमेशा बिलीकॉक का हेडगियर पहनता था और वह एक हिंसक व्यक्ति था जो पुलिस से नफरत करता था।

उन्होंने इसे 1888 में साबित कर दिया, जब उन पर दो पुलिस कांस्टेबलों पर हमला करने का आरोप लगाया गया था। 4 नवंबर की रात को, हीथ मिल लेन में, वे 'असभ्य लोगों के एक गिरोह के साथ भीषण लड़ाई में थे', जिसे शेल्डन और अन्य लोगों द्वारा प्रबलित किया गया था। कांस्टेबल कुछ रिंग लीडरों को गिरफ्तार करने में कामयाब रहे लेकिन फिर उन पर 'पहले से कहीं अधिक हिंसक हमला' किया गया। शेल्डन ने पुलिस पर पथराव किया, लेकिन यह जानकर कि वह पहचाना गया है, भाग गया। एक या दो दिन बाद एक कांस्टेबल ने उसकी तलाश की और उसे गिरफ्तार कर लिया। इस बीच, वह पुलिस पर एक और हमले में शामिल हो गया था और उसने एक कांस्टेबल को पत्थर मार दिया था, 'हिंसा का व्यवहार करते हुए जिसकी कोई सीमा नहीं थी।'

Machine Translated by Google

युवा होने के बावजूद, शेल्डन को पहले ही हमले के लिए एक दर्जन बार दोषी ठहराया जा चुका था और अब उसे कड़ी मेहनत के साथ चार महीने की कैद की सजा सुनाई गई थी। बर्मिंघम डेली पोस्ट इस बात से प्रसन्न था कि ऐसे क्रूर व्यक्ति को कड़ी सजा दी गई थी, लेकिन इसने निवारक के रूप में काम नहीं किया। 356 अगस्त 1889 में, उन्हें एक हिंसक हमला करने वाले गिरोह में से एक के रूप में दो महीने की जेल की सजा दी गई थी। अपनी रिहाई के 357 सप्ताह बाद, शेल्डन और आठ या नौ अन्य बदमाश अपने पड़ोस की एक महिला के घर गए। उन्होंने खिड़कियाँ तोड़ दीं और फिर उसके पीछे ऊपर की मंजिल पर चले गए जहाँ उन्होंने 'सबसे घृणित हमला' किया। सोलह वर्षीय दुर्भाग्यपूर्ण लड़की ने अलार्म बजाया और एक पुलिस कांस्टेबल घटनास्थल पर पहुंचा और शेल्डन और दो अन्य को गिरफ्तार कर लिया। अब उसे गंभीर हमले के लिए छह महीने के लिए जेल भेज दिया गया। 358

यह स्पष्ट है कि शेल्डन के अस्तित्व में हिंसा व्याप्त थी और जुलाई 1890 में, कर्जन 359 में एक व्यक्ति पर हमला करने के बाद उसे शांति भंग करने का दोषी ठहराया गया था , पांच साल बाद, उसे घायल करने के लिए छह उसकी महीने की सजा सुनाई गई थी, जो कि स्ट्रीट थी। दुकान तोड़ने के लिए लगातार बारह महीने चलना था। पत्नी, एलेन, 360 , बाद वाले अपराध में शामिल थी।

उन्होंने सितंबर 1890 में सेंट लॉरेंस में शादी की थी, जो बर्मिंघम के सबसे गरीब जिलों में से एक का पैरिश चर्च है और जहां 1901 में पीसी गुंटर की स्मारक सेवा आयोजित की गई थी। एलेन ने अपने नाम पर हस्ताक्षर किए लेकिन शेल्डन ने केवल अपना निशान बनाया, यह दर्शाता है कि वह लिख नहीं सकता था . 361

अपनी शादी के एक साल बाद, शेल्डन अपने घर के पड़ोस में वापस आ गया था और उसकी और उसकी पत्नी की लिटिल बर्र स्ट्रीट में एक सामान्य किराने की दुकान थी। 362

फरवरी 1900 में, एलेन शेल्डन और दो अन्य महिलाओं पर एक पड़ोसी चार्लोट नोलन पर हमला करने का आरोप लगाया गया था, क्योंकि उसने सैमुअल शेल्डन के खिलाफ सबूत दिया था। एक बार जब वह अदालत से बाहर चली गई, तो नोलन के साथ दुर्व्यवहार किया गया, उसकी आँखें काली कर दी गईं और उसे ज़मीन पर लात मारकर विकृत कर दिया गया। अभियोजन पक्ष के वकील ने घोषणा की कि तीनों महिलाएँ 'बर्मिंघम के सबसे अराजक हिस्से' से आई थीं। एलेन शेल्डन पर पाँच शिलिंग का जुर्माना लगाया गया।

363

एक साल बाद, सैमुअल शेल्डन अपनी नौ वर्षीय बेटी, जिसे एलेन भी कहा जाता है, एक बोर्डर और एला मारिया स्मॉल नामक एक हाउसकीपर, जिसकी उम्र सत्ताईस साल है, के साथ ग्लोवर स्ट्रीट में रह रहा था। उनकी पत्नी उनके साथ नहीं थीं. 364 यह स्पष्ट है कि वे अलग हो गए थे क्योंकि वह कहीं और रहने लगी थी। 365 1917 में, शेल्डन, जो अब एक विधुर था, ने स्मॉल से शादी की। इस बार वह अपने नाम पर हस्ताक्षर करने में सक्षम था और मोंटेग्यू स्ट्रीट में उसका एक जनरल स्टोर था।

366

पिछले 30 वर्षों में, सैमुअल शेल्डन ने अपना व्यवसाय अलग-अलग तरह से मजदूर, तार दराज, ट्यूब दराज और नेलकास्टर के रूप में बताया था, लेकिन यह स्पष्ट है कि वास्तव में वह एक अपराधी था। 367 वास्तव में, बीसवीं सदी के अंत तक, यह भी संभावना थी कि वह रेसकोर्स के कुख्यात गुंडों में से एक था

Machine Translated by Google

बर्मिंघम, जिसने जनवरी 1902 में जेबें काटने के लिए देश की यात्रा की थी, और सैमुअल स्मॉल के उपनाम के तहत, उसे मैनचेस्टर में तीन 368 की सजा सुनाई गई थी, ऐसा अपराध एक संदिग्ध व्यक्ति के रूप में महीनों की धारा 4 के तहत आता था।

1824 वैग्रेंसी एक्ट, जिसने पुलिस को हर संदिग्ध व्यक्ति या प्रतिष्ठित चोर को गिरफ्तार करने की अनुमति दी जो सड़कों, राजमार्गों और उनके आस-पास के स्थानों पर बार-बार आते थे और जिनका गिरफ्तारी योग्य अपराध करने का इरादा था। 369 यह धारा जेबकतरों के संबंध में नियमित रूप से लागू की जाती थी।

इस बात की पुष्टि कि शेल्डन एक रेसकोर्स जेबकतरा था, मई 1905 के अंत में हॉल ग्रीन रेस की एक बैठक के बाद उसकी गिरफ्तारी से मिलती है, जो स्ट्रैटफ़ोर्ड रोड पर हॉर्स शूज़ पब्लिक हाउस के करीब आयोजित की गई थी। वह उन कई लोगों में से एक था जिन पर गुंडागर्दी करने के इरादे से क्षेत्र में बार-बार आने का आरोप लगाया गया था। रेसिंग ख़त्म होने के बाद, पब के सामने बड़ी जगह पर 1,000 लोगों की भीड़ जमा हो गई थी, जहाँ मकान मालिक ने एक अस्थायी बार बनाया था।

उपस्थित एकमात्र अधिकारी सार्जेंट हॉल था, जो सादे कपड़ों में था, और चूँकि वह शेल्डन को जानता था, इसलिए वह उसकी और उसके तीन साथियों की हरकतों पर नज़र रखता था।
वे 'भीड़ के सबसे घने हिस्से में अंदर-बाहर काम कर रहे थे, अपने हथियार इधर-उधर फेंक रहे थे' और अभियोजन पक्ष के वकील ने बिना किसी हिचकिचाहट के अदालत को बताया कि उनका उद्देश्य जेब काटना था।

स्पार्कहिल के अधीक्षक शेरिफ पहुंचे और कुछ ही समय बाद शेल्डन को गिरफ्तार कर लिया। वह बहुत हिंसक था, इतना कि शेरिफ और हॉल कुछ मिनट तक सड़क पर आगे-पीछे घूमते रहे। उनके आस-पास की भीड़ शत्रुतापूर्ण थी, जिसमें 'लंबे समय तक एक साथ देखी गई सबसे बड़ी खुराफात' शामिल थी, जिससे पुलिसकर्मियों को शेल्डन को पब में ले जाने के लिए मजबूर होना पड़ा जब तक कि एक वाहन उन्हें स्पार्कहिल पुलिस स्टेशन में लाने के लिए नहीं आया। क्योंकि यह साबित करना आवश्यक था कि शेल्डन एक संदिग्ध व्यक्ति था, अदालत में यह खुलासा हुआ कि उसके खिलाफ चोरी, आवारागर्दी और दुकान में तोड़फोड़ के साथ-साथ अश्लील भाषा का उपयोग, बाधा डालने जैसे अन्य अपराधों के लिए 30 से अधिक दोषी ठहराए गए थे। शराबीपन इस अवसर पर, उन्हें आवारागर्दी के लिए तीन महीने की सजा सुनाई गई।

370

दो साल बाद, खुद को ग्रेट बर्र स्ट्रीट का फेरीवाला बताते हुए, शेल्डन को बेस सिक्कों के लिए पांच साल के लिए वेकफील्ड जेल भेज दिया गया। शेल्डन के करियर से संबंधित विवरण देते समय, इंस्पेक्टर मेसन ने कहा कि 'वह एक सबसे कुख्यात चरित्र था' जो चोरों का लगातार सहयोगी था, और वह 'यह नहीं बताना चाहेगा कि उसने कितनी चोरियाँ की हैं। उसे 35 बार दोषी ठहराया गया था, और बर्मिंघम में ऐसा कोई अपराध नहीं हुआ था जिसमें शेल्डन की उंगली न हो।' अब तक, वह उन कई लड़ाइयों से चिह्नित हो चुका था जिनमें उसने भाग लिया था। उसके सिर पर दो बड़े निशान थे और अन्य सिर के पीछे और हाथ पर भी थे

371

Machine Translated by Google

साथ ही उसके पेट, छाती, विभिन्न अंगुलियों, एक पिंडली, कलाई और एक कोहनी पर भी।
शेल्डन के पास टैटू भी थे: एक बांह की पीठ पर दो बिंदु, 372 कलाई पर दो निशान और एक बांह के पीछे तीन निशान।

उन्हें और जॉन शेल्डन को उनके छोटे भाई जोसेफ ने अपराध की दुनिया में धकेल दिया था। 1880 में जन्मे, उन्नीस साल की उम्र तक उन्हें हमले और रुकावट के लिए आठ बार संक्षिप्त सजा मिली थी और उन्हें छोटी-मोटी चोरी के लिए पांच बार जेल हुई थी, जैसे कि एक जोड़ी जूते, चार पाउंड मीठे मांस और दो रेशम रूमाल चोरी करना। हालाँकि, 1899 में, उसने एक अधिक गंभीर अपराध किया जब उसने एक परिसर में घुसकर ग्यारह पाउंड, दो कैश टिल, ग्यारह बोतलें, सोलह पिंट रम और अन्य सामान चुरा लिया। उन्हें साढ़े चार साल जेल की सजा सुनाई गई, जो उन्होंने डार्टमूर में काटी।

[373] 5 फुट 3½ इंच का छोटा शेल्डन ताज़ा चेहरा वाला था और उसके हल्के भूरे बाल और नीली आँखें थीं। उसकी दाहिनी बांह पर क्रॉस झंडे और 'कैब', 'बॉक्स', 'लिज़ी' और 'नेल्ली' शब्द के टैटू थे; उसके दाहिने हाथ की पीठ पर 'लव' था: और उसकी बायीं बांह पर एक लंगर और एक दिल और 'इविल' और 'मिज़पा' शब्द थे।

[374]

उनकी रिहाई के कुछ ही समय बाद, उन्हें बेस सिक्के - एक पारिवारिक विशेषता - बोलने के लिए 12 महीने की कड़ी मेहनत के लिए जेल में डाल दिया गया था। [375] एक बार फिर, वह लंबे समय तक मुक्त नहीं था, क्योंकि मई 1905 में वह और दो अन्य लोग हैंड्सवर्थ के एक घर में घुस गए और £50 मूल्य के आभूषण और बड़ी मात्रा में सिगार चुरा लिए। इस बार शेल्डन को पाँच साल की सज़ा हुई।

[376]

जब वह और सैमुअल जेल में थे, उनका भाई जॉन गैरीसन लेन वेंडेटा के नाम से जाने जाने वाले मामले में एक अग्रणी व्यक्ति बन गया। एक खूनी और कड़वे गिरोह का झगड़ा, इसे डार्टमाउथ स्ट्रीट वेंडेट्टा, गैरीसन स्ट्रीट वेंडेट्टा और वाटरी लेन वेंडेट्टा भी कहा जाता था। शेल्डन हिंसक व्यक्ति थे जो पहले स्वतंत्र रूप से कार्य करते थे, लेकिन वेंडेट्टा तीन भाइयों को एक शातिर गिरोह के नेताओं के रूप में एक साथ लाएगा जो अपने दुश्मनों के खिलाफ किसी भी हथियार का उपयोग करने के लिए तैयार थे।

गैरीसन लेन वेंडेट्टा

बीसवीं सदी की शुरुआत में, जॉन शेल्डन अपनी पत्नी एडा के साथ ग्लोवर स्ट्रीट में एक के पीछे एक घर में रह रहे थे। उनके कोई संतान नहीं थी। 1901 की जनगणना के अनुसार वह एक फेंडर ग्राइंडर था, लेकिन यह स्पष्ट है कि, सैमुअल की तरह, वह एक पूर्णकालिक अपराधी और रेसकोर्स दुष्ट था, क्योंकि कुछ ही वर्षों के भीतर वह 377 पर कॉल करने लगा था । यह एक पसंदीदा 'कैच-ऑल' शब्द था जिसका उपयोग किया गया था वह स्वयं एक कमीशन एजेंट है। जेबकतरों, ठगों और देकर कि वे कानूनी सट्टेबाज हैं, उन्हें वैधता जालसाजों को अपनी घिनौनी गतिविधियों को छिपाने के लिए और यह सुझाव का आभास देना है।

Machine Translated by Google

हालाँकि, वास्तव में, शेल्डन जैसे लोग रेसकोर्स पर वैध सट्टेबाजों और सट्टेबाजों का शिकार बनते थे।

उनकी असली पहचान सितंबर 1919 में स्पष्ट हो गई, जब वह एक निश्चित जुआ खेल के माध्यम से दूसरों को लूटने के आरोप में डर्बी रेसकोर्स में गिरफ्तार किए गए तीन बर्मिंघम पुरुषों में से एक थे। उन पर 40 शिलिंग का जुर्माना लगाया गया, और नॉटिंघम इवनिंग पोस्ट ने रिपोर्ट दी कि 'वह पुलिस के लिए विशेष रूप से प्रसिद्ध थे, उनके खिलाफ पिछली सत्रह सजाएं थीं।' 378 5 फुट 6½ ऊंचाई, पतले बाल और नीली आंखों वाले, जॉन शेल्डन ने अपनी बायीं बांह पर एक महिला का टैटू, अपनी दायीं बांह पर एक नाविक और अपनी कलाई

पर एक बिंदी का टैटू बनवाया था। उसके माथे के बीच में, बायीं आंख के नीचे और बायीं भौंह पर चोट के निशान थे, वह एक ऐसा व्यक्ति था जिसके लिए हिंसा जीवन का एक तरीका था और जो लड़ाई जीतने के लिए कुछ भी करने को तैयार था।

[379] 1906 की शुरुआत में, उन पर पुलिस कांस्टेबल थॉमस मूनी को गोली मारने का प्रयास करने का आरोप लगाया गया था। मूनी ने कहा कि बॉक्सिंग नाइट पर, शेल्डन स्पष्ट रूप से शराब पी रहा था और ग्लोवर स्ट्रीट में अश्लील भाषा का प्रयोग कर रहा था। जब उन्हें बताया गया कि उन्हें समन के लिए रिपोर्ट किया जाएगा, तो यह आरोप लगाया गया कि शेल्डन ने अपने ओवरकोट की जेब में अपना हाथ डाला और मूनी ने रिवॉल्वर की बैरल को अपने माथे के किनारे पर महसूस किया।

शेल्डन ने कहा, 'फिर वह लो,' और रिवॉल्वर का हथौड़ा बज उठा।

सौभाग्य से चैंबर लोड नहीं हुआ था और इसलिए कांस्टेबल ने शेल्डन के साथ बंद कर दिया, लेकिन उसके हाथ मूनी के पास थे, जिसने फिर से 'हथौड़े की अशुभ आवाज़ सुनी, जो एक बार फिर एक खाली चैंबर पर गिरी, इस बार उसके सिर के पीछे' . इसके बाद एक झगड़ा हुआ, रिवॉल्वर जमीन पर गिर गई और मूनी शेल्डन को गिराने में कामयाब रही। पांच कक्षों वाले भारी 'बुलडॉग' को उठाकर, कांस्टेबल अपने कैदी को मोसले स्ट्रीट पुलिस स्टेशन तक ले गया और वहां 'पता चला कि अगले कक्ष में एक गोली थी, रिवॉल्वर में एकमात्र गोली थी।' अपने बचाव में, शेल्डन ने बताया कि वह नशे में था, उसे नहीं पता था कि रिवॉल्वर भरी हुई थी और उसने वास्तव में कांस्टेबल को हथियार की पेशकश की थी। उनके साक्ष्य को दो साथियों ने समर्थन दिया और मामला खारिज कर दिया गया। 380

जल्द ही, शेल्डन बिली बीच के साथ झगड़े में ईमानदारी से रिवॉल्वर का निर्वहन करेगा। 1879 में जन्मे, बिली उन चार बच्चों में सबसे बड़े थे, जो शेल्डन के पड़ोस में ही पामर स्ट्रीट में पले-बढ़े थे। 381 उनके वंशज जेनिस जैक्सन के पारिवारिक इतिहास के शोध से पता चला है कि 1898 में, बीच शादीशुदा थे, एक ट्यूब वर्क्स में काम करते थे, और रॉयल वार्विकशायर रेजिमेंट की मिलिशिया बटालियन (6वीं) में अंशकालिक सैनिक थे। उनके सत्यापन दस्तावेजों के अनुसार, उनका वजन 119 पाउंड था और छाती का माप 31 इंच था। उसका रंग गोरा था, उसके बाल भूरे थे और उसकी आंखें नीली थीं और उसकी लंबाई 5 फुट 6 इंच से कुछ अधिक थी - हालांकि बाद के सैन्य रिकॉर्ड से पता चलता है कि उसकी ऊंचाई

Machine Translated by Google

5 फुट 8 इंच था. 382 मार्गरेट

बील की माँ बीच की भतीजी थी। उसे बताया गया था कि उसके बड़े चाचा हमेशा अपनी गर्दन के चारों ओर एक सफेद रेशमी दुपट्टा पहनते थे, पीकी ब्लाइंडर्स की शैली में, और जबकि उसके दादा थे:

> . . .6 फुट से अधिक लंबा और पतला, उसका भाई बिली छोटा था और बहुत अधिक भारी शरीर वाला था। वह अपनी शर्ट के कॉलर को बिना खोले ही हटा सकता था (जैसा कि उन दिनों होता था) क्योंकि उसकी गर्दन उसके सिर जितनी चौड़ी थी। जब वे बच्चे थे तो वह हमेशा माँ और उनके भाई-बहनों के प्रति बहुत दयालु थे। मेरे दादाजी एक ट्रैवेलिंग सेल्समैन थे इसलिए वे घर पर ज़्यादा नहीं रहते थे और [झगड़े में] शामिल नहीं थे। एक कहानी जो पूरा परिवार जानता है वह यह है कि आर्थर, मेरे दादाजी, अपने दोस्त सैम के साथ एक पब में शराब पी रहे थे, तभी उन्होंने एक आदमी को अपने पीछे से टक्कर मारी और कुछ बियर गिरा दी। वह आदमी लड़ाई शुरू करने वाला था और आर्थर का सामना करने वाला था, लेकिन सैम ने उससे कहा, 'क्या आप जानते हैं कि यह कौन है?' उस आदमी ने जवाब दिया कि उसे कोई परवाह नहीं है, वह उससे मिलने जा रहा था, लेकिन जब सैम ने कहा, 'यह बिली बीच का छोटा भाई है,' तो उस आदमी ने माफी मांगी और पूरी शाम उनके लिए बीयर खरीदी।

मिस्टर ब्यासली वास्तव में बिली बीच को जानते थे। उनका जन्म 1914 में हुआ था और वह एक युवा के रूप में पामर स्ट्रीट में रहते थे, यह सड़क युद्ध के वर्षों के दौरान बीच का घर थी। ब्यासली की माँ एक युवा किशोरी के रूप में पड़ोस में चली गई थी, जबकि उसके पिता ग्रेट बर्र स्ट्रीट के आइवी लेन में पले-बढ़े थे और दोनों बीच को अच्छी तरह से जानते थे। उन्हें 'बहुत विनम्र व्यक्ति' के रूप में याद किया जाता था। आपने उसे किसी भी महिला, महिला को अपनी टोपी छूते हुए देखा होगा। हालाँकि, हालाँकि उसके बारे में सोचा गया था कि 'जब उसने बीयर नहीं पी है तो वह ठीक है, लेकिन अगर उसने बीयर पी है तो वह थोड़ा बुरा है।' तब वह 'एक शातिर आदमी, एक सख्त छोटा बदमाश' हो सकता है। ज्यादातर समय वह अकेला रहता था, अगर बीच के दुश्मन उसके साथ कुछ करना चाहते थे तो 'वे उसके बीयर के कुछ जार पीने तक इंतजार करते थे, देखते थे और फिर वे उसमें फंस जाते थे।' लेकिन कोई न कोई उसे हमेशा सूचित करता था कि उसे किसने अंदर बुलाया है और, जैसा कि मिस्टर बेस्ली ने व्यक्त किया था, वह पबों के आसपास जाता था और 'वह तब तक इंतजार करता था जब तक कि वहां एक या दो अकेले न हो जाएं, उसे दो से कोई फर्क नहीं पड़ता था' और छांट लेते थे उन्हें 384 रन पर आउट किया।

बीच के पोते, रे लुईस के अनुसार, शेल्डन के साथ झगड़ा रेसकोर्स से संबंधित किसी चीज़ को लेकर शुरू हुआ, जबकि उनके परपोते टेरी लाइन्स को बताया गया कि लड़ाई जुए के कर्ज को लेकर शुरू हुई थी। 385 इस विश्वास को 1912 के बर्मिंघम गजट में एक बयान द्वारा समर्थित किया गया है , जिसमें बताया गया है कि 386 बीच बाद में प्रतिशोध सट्टेबाजी लेनदेन से उत्पन्न हुआ था।

Machine Translated by Google

स्वीकार किया कि वे दोनों 1908 की शुरुआत में एक विवाद में शामिल थे, और ऐसा कहा गया था कि उन्होंने जॉन शेल्डन से लड़ाई की थी और उन्हें पीटा था। एक भयावह दोपहर के साथ
प्रतिष्ठा, शेल्डन मामले को शांत होने देने के लिए तैयार नहीं था। 21 जून को, वाटरी लेन [387]
में गोलियां चलाई गईं और गर्दन में गोली लगने के घाव के लिए बीच का जनरल अस्पताल में इलाज किया गया। उन्होंने पुलिस को अपने हमलावर का नाम बताने से इनकार कर दिया, लेकिन यह भी कहा कि उन्होंने उसकी अच्छी पिटाई की थी 'और जाहिर तौर पर वह कानून को अपने हाथ में लेने से काफी संतुष्ट थे।' यह बताया गया कि बीच और अज्ञात व्यक्ति दो प्रतिद्वंद्वी गिरोहों के नेता थे जो कई हफ्तों से युद्ध में थे। 388

जुलाई 1908 के एक अद्वितीय हस्तलिखित विवरण में, बर्मिंघम सिटी पुलिस के एक कार्यवाहक अधीक्षक ने विस्तार से बताया कि आगे क्या हुआ। 28 जून 1908 की देर शाम, चार्ल्स 'कोली' जोन्स, उर्फ क्रैली, जेम्स थॉर्न और जोसेफ गैनन ने मोंटेग्यू स्ट्रीट में बीच के खिलाफ आग्नेयास्त्रों का इस्तेमाल किया। बर्मिंघम में गिरोह की लड़ाई में आग्नेयास्त्रों का यह उपयोग सबसे असामान्य था। जब पुलिस उन लोगों के पास पहुंची, तो बीच को छोड़कर सभी लोग भाग गए। उसे नशे में होने और उपद्रव करने के आरोप में बंद कर दिया गया था। अन्य तीन को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया गया और उन पर शांति भंग करने के उद्देश्य से अन्य लोगों के साथ मोंटेग्यू स्ट्रीट में गैरकानूनी रूप से इकट्ठा होने का आरोप लगाया गया। बाद में बीच और जोन्स पर 21 जून को हुई गोलीबारी में एक-दूसरे की हत्या करने के इरादे का आरोप लगाया गया। नशे, मारपीट, डकैती और डकैती के लिए दोषी ठहराए जाने के साथ, जोन्स एक और बदनाम और हिंसक व्यक्ति था।

[389] घटनाओं
की गंभीरता के बावजूद, 9 जुलाई को इसमें शामिल सभी लोगों को छह महीने तक शांति बनाए रखने के लिए बाध्य किया गया। 390 उन्होंने 1 जनवरी 1909 को

प्रातः 2 बजे तक ऐसा किया, जब हिंसा फिर से भड़क उठी।
आधी रात के तुरंत बाद बीच लोअर डार्टमाउथ स्ट्रीट में अपने घर पहुंच गया था।
उसने रात का खाना खाया और चाय के बर्तन से पत्तियाँ खाली करने के लिए दरवाजे पर गया, तभी उसने आँगन में कई आदमियों को देखा। यह शेल्डन और उनका गिरोह था। उनमें से एक ने कहा 'वही है; वहाँ - सीढ़ियों पर है।' बीच पर गोली चलाई गई जिसने समूह पर पैराफिन लैंप फेंका। इसके बाद उनके कान के पीछे एक गोली मारी गई, जबकि एक अन्य गोली उनके घर की ऊपरी खिड़की से होकर गुजरी और उनकी दस साल की बेटी के सिर को छूती हुई निकल गई। अपनी चोट और अपने ख़िलाफ़ संख्या के बावजूद, बीच ने पुरुषों से मुकाबला किया। शेल्डन के विपरीत, अपने दम पर लड़ने के लिए स्थानीय स्तर पर उनकी प्रशंसा की गई थी, और बेस्ली को याद था कि उनके दुश्मनों ने 'जब उन्हें घेरना चाहा तो उन्होंने तीन या चार समय का इस्तेमाल किया, क्योंकि उन्हें दो या तीन लोगों की जरूरत थी।' 391 इस अवसर पर, जॉन शेल्डन पर भीड़ का हमला किया गया। फिर भी, बीच ने उनका सामना किया और जब अदालत में उनसे पूछा गया कि क्या यह एक स्वतंत्र लड़ाई है, तो उन्होंने उत्तर दिया, 'यदि आप दस को एक के मुकाबले एक स्वतंत्र लड़ाई कहते हैं।' जब वह हमलावरों से संघर्ष कर रहा था, तो उसकी पत्नी पुलिस को बुलाने के लिए दौड़ी और हमलावर भाग गए। आँगन जर्जर था। हर जगह खून था, और

Machine Translated by Google

बर्फ में अधिकारियों को 'एक छह-कक्षीय रिवॉल्वर मिली, जिसमें छह चले हुए कारतूस, एक कुदाल, खून से सना हुआ एक कोयले का हथौड़ा, एक और हथौड़ा और कई टूटी हुई बोतलें थीं।' हमलावरों में से एक चार्ल्स लून भी संघर्ष में घायल होकर जमीन पर बेहोश पड़ा हुआ पाया गया। बाद में जब शेल्डन की तलाशी ली गई, तो एक जेब में एक खाली छह-कक्षीय रिवॉल्वर और दूसरी जेब में एक नक्कलडस्टर पाया गया। उन पर आरोप लगने के बाद, उन्होंने पुलिस से कहा, 'काश आप लोग हमें अपने मामले खुद निपटाने देते, और हम जल्द ही 392 ऐसा कर लेते।' शेल्डन और लून के साथ, 'कोयली' जोन्स को समुद्र तट पर हमले के लिए गिरफ्तार किया गया था। उन तीनों को सार्वजनिक शांति को भंग करने के लिए गैरकानूनी और हिंसक रूप से इकट्ठा होने और 'महामहिम के विषयों के आतंक और अलार्म के लिए एक बड़ा

दंगा और गड़बड़ी' करने का दोषी पाया गया था। शेल्डन और जोन्स को कड़ी मेहनत के साथ बारह महीने की जेल की सजा सुनाई गई। लून को केवल नशे के लिए दोषी ठहराया गया था और इसलिए उसे आठ महीने की सज़ा दी गई थी। अदालत में, इंस्पेक्टर मोक्सन ने घोषणा की कि दोनों गुट एक-दूसरे के समान ही बुरे थे और वे निजी झगड़ों में शामिल थे जो बारह महीने पहले शुरू हुए थे। उनके बीच सम्मान की एक संहिता थी और वे एक-दूसरे को दोषी नहीं ठहराते थे। यही कारण है कि बीच वह सब कुछ नहीं बताता जो वह जानता था। 393 भले ही वह पुलिस को 'घास' न दे, फिर भी वह अपने ऊपर हुए हमले का बदला लेने के लिए तत्पर था।

लेकिन

5 जनवरी 1909 की देर शाम, उन पर हमला होने के पांच दिन बाद और उनके दुश्मनों के मुकदमे से पहले, कोवेंट्री रोड पर लॉज पब्लिक हाउस में आर्थर मॉरिस, थॉमस लेन और नौ या दस अन्य लोग उनके साथ शामिल हुए।

इसके बाद वे वाटरी लेन से एडवर्ड पंकहर्स्ट के घर तक गए, जो 394 पैंकहर्स्ट था और शेल्डन का मित्र तथा एक छोटा था। उसकी पत्नी, सारा, 35 कोर्ट, डेरिटेंड में रहती थी और वहां पहुंचने पर, बीच और उसके चोर और संदिग्ध जेबकतरा गिरोह ने दरवाजा तोड़ दिया। वे सारा पंकहर्स्ट और उनके रहने वाले केट कोली को भयानक भय देते हुए अंदर भागे। रिवॉल्वर लहराते हुए, उन्होंने यह जानने की मांग की कि पैंकहर्स्ट कहाँ है, लेकिन हालाँकि वह अंदर था, उसकी पत्नी ने झांसा दिया कि वह बाहर है। उस पर, एक व्यक्ति ने टिप्पणी की, 'जब हम उसे पकड़ लेंगे - हम उसे मार डालेंगे।' फर्नीचर तोड़ने के बाद, गिरोह चला गया, और जब पुलिस पहुंची, तो सारा पंकहर्स्ट लगभग उन्माद में थी। वहां से बीच और उसके लोग ग्लोवर स्ट्रीट गए, जहां शेल्डन और जोन्स विपरीत दिशा में रहते थे। भीड़ ने शेल्डन के घर का दरवाज़ा ज़ोर-ज़ोर से खटखटाया, लेकिन कोई जवाब न मिलने पर वे जोन्स के घर की ओर चले गए। उसकी पत्नी ने अदालत को बताया कि वह:

> · · · मैं अपने पति के साथ बिस्तर पर थी जब मैंने दरवाजे पर हथौड़े की आवाज सुनी। मैंने सुना, और दरवाज़ा जबरदस्ती खुलने की आवाज़ सुनी। कुछ आदमी अंदर घुस गये

Machine Translated by Google

> घर और फर्नीचर को तोड़ना शुरू कर दिया, जबकि सीढ़ियों से गोलियां चलाई गईं। मैंने शयनकक्ष की खिड़की ऊपर फेंकी और चिल्लाया 'हत्या'। सड़क पर एक आदमी दूसरे से चिल्लाया 'उसे गोली मारो -', और जिस आदमी से बात की जा रही थी उसने रिवॉल्वर से गोली चला दी। गोली ने खिड़की के शीशे को तोड़ दिया, लेकिन मुझे नहीं लगी। पुलिस की सीटियाँ बजने लगीं और सभी लोग भाग गये।

श्रीमती जोन्स यह नहीं बता सकीं कि गोली चलाने वाला कौन था क्योंकि उसकी टोपी से उसकी विशेषताएं स्पष्ट हो रही थीं। हालाँकि, श्रीमती शेल्डन अपने शयनकक्ष की खिड़की से देख रही थीं कि क्या हुआ था और उन्हें यकीन था कि यह 'नगेट' मॉरिस ही था जिसने गोलीबारी की थी।

मॉरिस और लेन तुरंत बर्मिंघम से चले गए, लेकिन बीच को एक घंटे बाद ही गिरफ्तार कर लिया गया तो हमलों के बाद. स्टेशन के रास्ते में, उन्होंने इंस्पेक्टर बेनेट से कहा:

> काश शेल्डन मुझसे लड़ता और मामला सुलझा लेता। इस तरह से चलते रहना मुझे मार रहा है। झगड़ा मेरे और उसके बीच है, और मुझे उससे लड़ना पसंद करना चाहिए, भले ही मुझे इससे जूझना पड़े। शेल्डन हमेशा जीतना चाहता है. वह हारने वालों का समर्थन नहीं करता और किसी भी कीमत पर जीतेगा। मैंने पूरे विवाद को निपटाने के लिए एक दोस्त को भेजा लेकिन शेल्डन चाहता था कि मैं माफ़ी माँगूँ, जो मैं नहीं करूँगा। 395

बीच पर शेल्डन, जोन्स और लून के समान ही अपराध का आरोप लगाया गया था। जब वे सभी मुकदमे की प्रतीक्षा कर रहे थे, जोन्स और बीच की मुलाकात बर्मिंघम के लॉ कोर्ट से सड़क के पार, न्यूटन स्ट्रीट में क्राउन पब्लिक हाउस में हुई। कार्यवाहक अधीक्षक के विवरण के अनुसार, 'हाथापाई के दौरान, बीच पर गंभीर रूप से हमला किया गया था। जोन्स के खिलाफ गंभीर शारीरिक नुकसान पहुंचाने के लिए वारंट जारी किया गया था, लेकिन जब उसे दंगाई सभा के लिए सजा सुनाई गई तो रिकॉर्डर ने आदेश दिया कि वारंट को लागू नहीं किया जाना चाहिए।' इसके तुरंत बाद, बीच को स्टीलहाउस लेन में 'जोसेफ शेल्डन द्वारा निस्संदेह' चाकू मार दिया गया, जो अब जेल से बाहर था। फिर, बीच ने पुलिस को जानकारी देने से इनकार कर दिया।

396

उनके समर्थकों, मॉरिस और लेन को बाद में दंगे के समान आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया। बाद वाले को दोषी नहीं पाया गया लेकिन मॉरिस को बारह महीने की कैद की सजा सुनाई गई। वह छत्तीस साल का था और माना जाता है कि वह राजमिस्त्री था, लेकिन वास्तव में वह एक और कठोर अपराधी था। जब वह तेरह वर्ष का था तो उसे पांच साल के लिए औद्योगिक स्कूल में भेज दिया गया था क्योंकि वह चोरों का सहयोगी था और उसे हमले, चोरी, घायल करने और अन्य अपराधों के लिए कई बार दोषी ठहराया गया था। 397

जहां तक बीच की बात है तो उन्हें आठ महीने की कैद हुई थी। 398 वह था

Machine Translated by Google

पता चला कि हालाँकि उसे पाँच संक्षिप्त सजाएँ मिलीं, लेकिन शेल्डन के विपरीत, उसके पास चोरी या आवारागर्दी के लिए कोई सजा नहीं थी। इसके अलावा वह अभी भी एक ट्यूब वर्कर था, जैसा कि वह अपने पूरे जीवन भर करता रहा था, जबकि शेल्डन कैरियर अपराधी थे। 399 जॉन शेल्डन और बीच के जेल से बाहर आने

के कुछ ही समय बाद, 18 सितंबर 1910 की शाम लगभग 10 बजे फॉक्स स्ट्रीट में गड़बड़ी हुई। दिलचस्प बात यह है कि बीच के पोते, रे लुईस को दी गई कुछ कहानियों में से एक थी कि उसके दादा के गिरोह ने शेल्डन के एक घर में आग लगा दी थी, और इस अशांति के दौरान बीच और तीन अन्य लोग घर में घुस गए

एक महिला का घर और पैराफिन लैंप लेकर ऊपर की ओर भागा। [400] यह बताया गया कि उनमें से एक व्यक्ति ने कहा, 'आगे बढ़ो, बिल, घर में आग लगा दो।' जब महिला को एहसास हुआ कि अटारी की कुछ सामग्री में आग लग गई है तो वह बदहवास हो गई, जिसके बाद पुरुष भाग गए। पड़ोसियों ने आग बुझाई।

यह स्पष्ट है कि इस घटना का प्रतिशोध से कुछ लेना-देना था, क्योंकि एक घंटे बाद, बीच अपने चचेरे भाई के साथ लॉली स्ट्रीट पर टहल रहा था, जब रेलवे पुल पर पुरुषों और युवाओं की भीड़ ने उन पर हमला कर दिया। रिवॉल्वर से गोली चलने की आवाजें सुनी गईं, जिसके बाद चीख-पुकार मच गई और मदद की गुहार लगाई गई, और कुछ लोगों का यह भी कहना है कि खेल में चाकू लाए गए थे। बीच अस्पताल ले जाया गया. उनकी खोपड़ी टूट गई थी, खोपड़ी पर गंभीर घाव थे और कंधे पर घाव था और उनका ऑपरेशन करना पड़ा।

[401]

हमले के लिए जॉन शेल्डन, उनके भाई जोसेफ, 'कोयली' जोन्स और एडवर्ड कोलिन्स को गिरफ्तार किया गया था। अदालत में, बीच ने कहा कि उन्होंने और एक अन्य व्यक्ति ने उसे घेर लिया था और उस पर रिवॉल्वर तान दी थी। जोन्स ने बीच पर गोलीबारी की, जो भीड़ को चीरती हुई भाग गई। जैसे ही उसने ऐसा किया, शेल्डन ने उस पर एक बड़े चाकू से वार किया और चूक गया। पोर्टमैन टेरेस पर, बीच ने दरवाजे पर एक आदमी को देखा और उसकी ओर भागा, लेकिन दरवाजा उसके चेहरे पर बंद था। घिरा हुआ, वह लड़ने की मुद्रा में घूमा। शेल्डन ने उसके चेहरे पर अपने चाकू से वार किया, कोलिन्स ने उसके सिर पर हथौड़े से वार किया और जोन्स ने उसे गोली मार दी। यह पूछे जाने पर कि क्या उनके कई दुश्मन हैं, बीच ने जवाब दिया कि उनके कई दोस्त हैं लेकिन 'कैदियों की भीड़' के अलावा कोई दुश्मन नहीं है। 402 बीच को जान से मारने के इरादे से गंभीर और गैरकानूनी तरीके से घायल करने का दोषी पाया गया, जॉन शेल्डन ने न्यायाधीश से उदारता की उम्मीद की 'क्योंकि यह सारी परेशानी बीच से उत्पन्न हुई थी।' हालाँकि, मिस्टर जस्टिस बकनील ने कहा कि वह गिरोह का कप्तान

था और उसके कब्जे में 'जानलेवा हथियार', एक पुरानी तलवार की संगीन पाई गई थी। हालाँकि बीच उतना ही बुरा था, शेल्डन एक खतरनाक आदमी था। उसके भाई, जोसेफ ने खुद को गिरोह का एक प्रमुख सदस्य बना लिया था, जबकि जोन्स भी खतरनाक था और उसने 'खुले तौर पर दावा किया था कि वह अपने जीवन यापन के लिए काम नहीं करेगा।' उनमें से प्रत्येक को कड़ी मेहनत के साथ पांच साल की सजा सुनाई गई। जहाँ तक कोलिन्स की बात है, वह गिरोह का एक नया सदस्य था 'लेकिन बोला गया था

Machine Translated by Google

एक बहुत ही हिंसक आदमी के रूप में'. उसने न्यायाधीश को बताया कि उसकी एक बूढ़ी माँ उस पर निर्भर थी, जिस पर जवाब था कि यह 'यहां आने वाले पुरुषों का लगातार रोना था, सबसे बुरे विवरण के अपराधी, लेकिन उन्होंने इसके बारे में पहले क्यों नहीं सोचा।
यह माताएं, पत्नियां और बच्चे थे जिन्हें कष्ट सहना पड़ा।' कोलिन्स को तीन साल के लिए नीचे भेज दिया गया।
403

शेल्डन अब अपने गिरोह के इतने सारे लोगों की कैद से बुरी तरह कमजोर हो गए थे, लेकिन मार्च 1911 में, बिली बीच को वापस जेल भेज दिया गया। बेज़ले की यादें अच्छी तरह से स्थापित थीं कि समुद्रतट पीने के मामले में गंदा था। वह न्यू बार्थोलोम्यू स्ट्रीट में मोगुल पब में गया था जहां उसका तीन शराबी महिलाओं के साथ विवाद हो गया था और कहा गया था कि उसने उन तीनों को पेन चाकू से घायल कर दिया था। 404 अदालत में, उसने जोर देकर कहा कि उसने ऐसा नहीं किया है और उसके पास कोई चाकू नहीं है, जबकि महिलाएं नशे में थीं और 'पूरी दुकान पर' गिर रही थीं। उसे धक्का दिया गया और उसके बाद सामान्य हाथापाई हुई। इंस्पेक्टर मोक्सन ने न्यायाधीश को सूचित किया कि वह बीच को कई वर्षों से जानता है और पुलिस ने उसे पहले कभी हथियार का उपयोग करते हुए नहीं जाना था, लेकिन इसके बावजूद उसे उकसावे के तहत गैरकानूनी और दुर्भावनापूर्ण घायल करने का दोषी पाया गया और चौदह महीने की कड़ी मेहनत की सजा सुनाई गई। 405 जस्टिस हैमिल्टन ने स्वीकार किया कि बीच ने शेल्डन गिरोह से अपनी मुट्ठियों से लड़ाई की, जबकि उन्होंने हथियारों का इस्तेमाल किया था, लेकिन अब वह हथियारों का इस्तेमाल करते हुए और महिलाओं के खिलाफ पाया गया।

बीच और सैमुअल शेल्डन 1912 की शुरुआत में जेल से बाहर आए, और गैरीसन लेन प्रतिशोध एक बार फिर भड़क गया जब बीच ने शेल्डन, हीथ मिल लेन के थॉमस इंग्राम और फ्लडगेट स्ट्रीट के एडवर्ड टॉमपकिंस को हमले के लिए बुलाया। बदले में उन्होंने उसे क्रॉस-समन किया। बीच ने आरोप लगाया कि 12 मार्च की शाम को वह विलेज इन के लॉली स्ट्रीट में शराब पी रहा था। जब वह चला गया, तो तीन आदमी उसका इंतजार कर रहे थे और शेल्डन ने उस पर हेलिकॉप्टर से हमला किया। समुद्रतट डक गया, लेकिन गाल पर कट लग गया। वह शेल्डन के साथ बंद हुआ और वे फर्श पर संघर्ष करते रहे। अन्य दो लोगों ने शेल्डन की मदद करने की कोशिश की और इंग्राम ने बीच की आंख पर मोहर लगा दी क्योंकि वह जमीन पर था। जैसा कि अभियोजक ने बताया, कोई भी पुलिस अधिकारी आसपास नहीं था और न ही स्वतंत्र और निष्पक्ष साक्ष्य देने वाला कोई था। इसके अलावा, 'यह एक उल्लेखनीय बात थी कि इन दोनों गिरोहों के बीच मौजूद झगड़े के बावजूद उन्होंने अदालत में आने से पहले ही अपने मतभेद दूर कर लिए थे और चीजों की सच्चाई का पता लगाना असंभव था।'

हालाँकि, यह माना जाता था कि बीच कनाडा जा रहा था, और यदि वह ऐसा करता, तो संभावना थी कि गिरोहों के बीच संघर्ष समाप्त हो जाएगा। 406 वह कनाडा गये। जैसा कि ब्यासली ने बताया, कहानी यह है कि स्थानीय पुलिस आई और उसे ले गई। वे उसके लिए अद्भुत थे। आख़िरकार, वे सभी एक साथ एकत्र हो गए 'क्योंकि वे देख सकते थे कि वह इससे थोड़ा आगे निकल रहा है।' जाहिरा तौर पर, पुलिस ने बीच के प्रवासन के लिए भुगतान करने के लिए धन जुटाया क्योंकि वे लड़ाई के लिए उसका सम्मान करते थे
407

Machine Translated by Google

उसने अकेले ही अपनी मुट्ठी से बहुत सारी लड़ाइयाँ लड़ीं, जबकि शेल्डन हमेशा संख्या में और हथियारों से लड़ते थे। इस कहानी का समर्थन 1911 में बीच के बारे में इंस्पेक्टर मोक्सन की राय में मिलता है।

दुर्भाग्य से, बीच के कदम से प्रतिशोध समाप्त नहीं हुआ। इसके बजाय एक और गोलीबारी के बाद यह राष्ट्रीय समाचार बन गया। 15 अक्टूबर 1912 को, मैनचेस्टर गार्डियन ने बर्मिंघम में प्रतिद्वंद्वी गिरोहों के बीच झगड़े में एक बार फिर से बढ़ोतरी की सूचना दी, जिसके परिणामस्वरूप कई गंभीर घायल हुए। पुलिस ने घोषणा की कि स्थानीय लोग आतंक की स्थिति में रहते हैं और 'उनके डर के कारण उन्हें अपराधियों के खिलाफ सबूत देने के लिए राजी करना लगभग असंभव है।' 408 को बताया गया कि हालांकि बीच विदेश चला गया था, उसने लेफ्टिनेंटों को पीछे छोड़ दिया था, और 5 अक्टूबर की शाम को वे ग्रेट बर्र स्ट्रीट में किंग्स आर्म्स पब्लिक हाउस में सैमुअल शेल्डन और इंग्राम के साथ लड़ाई यह में शामिल थे, जो मुख्य बैठक स्थल था। शेल्डन गैंग.

409 लगभग एक दिन बाद, बीच के लेफ्टिनेंटों में से एक, चार्ली फ्रैंकलिन ने रिवॉल्वर के साथ शेल्डन का सामना करते हुए कहा, 'मैंने सुना है कि आप और टॉमी इंग्राम मेरे बारे में बात करने जा रहे हैं। मेरे पास यहां एक शूटर है और मैंने तुम्हारे दिमाग को उड़ा देने के बारे में सोचा।' शेल्डन फ्रैंकलिन से बंदूक लेने में कामयाब रहा, जिसका चेहरा बाद में एक लड़ाई में कट गया था, बदला लेने के लिए, फ्रैंकलिन शुक्रवार, 11 को किंग्स आर्म्स में गया।
इनग्राम. 410
अक्टूबर में रिवॉल्वर से इंग्राम पर गोली चलाई गई। 411

अगली रात, लगभग 9.30 बजे, फ्रैंकलिन, उनके बहनोई अल्बर्ट 'बक' ब्रूम, चार्ली कॉनर और सैमी मॉरिस ने किंग्स आर्म्स में सैमुअल शेल्डन का सामना किया।

412 वह अकेला था क्योंकि उसका सहयोगी इनग्राम अभी-अभी चला गया था। जैसा कि न्यूज ऑफ द वर्ल्ड में बताया गया है , कॉनर ने एक परिचित से कहा, 'बेहतर होगा कि आप साफ़ कर दें; यह चालू रहने वाला है।' फिर वह शेल्डन की ओर मुड़ा और बोला, 'हैलो, बैगी, अब हम तुम्हें मिल गए हैं।' शेल्डन ने उत्तर दिया, 'आप यहां विवाद के लिए नहीं आए हैं, है ना?' इसके बाद, कॉनर ने उसके सिर पर एक जीवन रक्षक, एक धातु की थैली से वार किया।
मॉरिस और फ्रैंकलिन के हाथों में रिवॉल्वर थी और जैसे ही शेल्डन आगे की ओर गिरा, फ्रैंकलिन ने अपनी रिवॉल्वर मॉरिस के कंधे पर रख दी और शेल्डन पर दो गोलियां चला दीं। एक गोली उसकी बिलीकॉक टोपी को पार करते हुए उसके पीछे की दीवार से टकराई और दूसरी उसके सिर के बगल में लगी लेकिन उसकी मौत नहीं हुई। इसके बाद चारों हमलावर 413 शेल्डन खून से लथपथ होकर जमीन पर गिर पड़े और उन्हें जनरल अस्पताल ले जाया गया।

बाहर भाग गया।

414

उसके हमलावरों को तुरंत गिरफ्तार कर लिया गया और 30 अक्टूबर को उन्हें मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया। शेल्डन अपने सिर पर पट्टियाँ बाँधे हुए दिखाई दिए। उन्हें खून से सना हुआ गेंदबाज़ टोपी दिखाया गया जिसके सिर पर दो गोलियाँ लगी थीं और कहा गया कि ऐसा हुआ है

शूटिंग की रात इसे पहनना। 415 दिसंबर की शुरुआत में बर्मिंघम एसिज़ेस में हत्या के इरादे के मुकदमे में, जासूस कोलिन्स ने गिरोहों के बीच समय-समय पर गोलीबारी की घटनाओं के बारे में बात की और बताया कि कोई बात नहीं

Machine Translated by Google

चोटें कितनी गंभीर, किसी पक्ष ने नहीं मांगी पुलिस से मदद उन्होंने यह भी कहा कि प्रतिवादी, जो सभी शेल्डन के निकट रहते थे, 'अपने काम के संबंध में सबसे अच्छे चरित्र वाले थे': मॉरिस अट्ठाईस वर्ष का था और एक टिन श्रमिक था; ब्रूम इकतीस साल का था और एक मजदूर था; फ़्रैंकलिन तैंतीस साल के थे

रबर कर्मचारी, और कॉनर पैंतीस वर्ष का था और एक टिन स्ट्रिपर था। [416]

सजा सुनाते हुए, श्री जस्टिस स्क्रूटन ने बताया कि 1910 में, मिस्टर जस्टिस बकनील ने पड़ोस के निवासियों को चेतावनी देने के लिए शेल्डन को लंबी कारावास की सजा सुनाई थी कि जब तक वे अपना रास्ता नहीं रोकते, तब तक उन्हें भारी सजा दी जाएगी। राजा की कानून का पालन करने वाली प्रजा बनें'। इस चेतावनी पर ध्यान नहीं दिया गया और इसलिए अब फ्रैंकलिन, जिसने 1899 में चोरी के आरोप में चौदह दिन की सजा काट ली थी, को दस साल की कैद हो गई। मॉरिस को चार साल का समय दिया गया। ब्रूम, जिसे अश्लील भाषा के लिए केवल एक बार दोषी ठहराया गया था, को तीन साल की सज़ा मिली। और कॉनर, जिस पर कोई पिछली सजा नहीं थी, को पांच साल की सजा सुनाई गई थी, हालांकि अपील पर इसे घायल करने के लिए तीन साल तक कम कर दिया गया था।

[417] हालाँकि, पहले उन्हें 1905 में किसी अन्य व्यक्ति पर गोली चलाने के बाद गंभीर शारीरिक क्षति पहुँचाने के इरादे का दोषी नहीं पाया गया था। हालाँकि तब पुलिस ने उन्हें 'एक स्थिर, शांत और सबसे सम्मानित युवक' के रूप में वर्णित किया था, लेकिन कॉनर को गोली मार दी गई थी। दो साल पहले गर्दन में चोट लगी थी और तब से वह कई झगड़ों में शामिल रहा है। 418

इस प्रकार कुख्यात गैरीसन लेन वेंडेट्टा का अंत हो गया। इसे चोटी के कुछ अंधे गिरोहों के अंत में भी माना जाता था। [419] इसके बाद, जॉन शेल्डन 'एक रेसकोर्स कीट' के रूप में रहना जारी रखा। [420] इसके विपरीत, 1914 में, प्रथम विश्व युद्ध शुरू होने पर, बीच कनाडा के रॉयल हाईलैंडर्स की 13वीं बटालियन में शामिल हो गया।

[421] उनके सत्यापन कागजात से संकेत मिलता है कि वह मॉन्ट्रियल में एक पुल निर्माता के रूप में काम कर रहे थे, जबकि उनकी पत्नी लॉली स्ट्रीट, बर्मिंघम में रह रही थीं। चेहरे का रंग लाल, उसके ऊपरी और निचले दोनों होठों पर एक लंबा निशान था और उसके दाहिने जबड़े की हड्डी के नीचे एक और निशान था।

Ypres की दूसरी लड़ाई के दौरान, 24 अप्रैल 1915 को उनकी बटालियन की स्थिति पर जर्मनों द्वारा किए गए एक भयंकर जवाबी हमले में, बीच को उनके दाहिने अग्रभाग पर गोली मार दी गई थी। इसके बाद उन्होंने बर्मिंघम विश्वविद्यालय के प्रथम दक्षिणी जनरल अस्पताल और प्रथम बर्मिंघम युद्ध अस्पताल रूबरी में कुछ समय बिताया। 1918 की शुरुआत में, और कई ऑपरेशनों के बाद, उनकी बांह में एक मिश्रित फ्रैक्चर और एंकिलोसिस - हड्डियों के संलयन के कारण जोड़ों की असामान्य कठोरता और गतिहीनता - के कारण उन्हें आगे की सेवा के लिए चिकित्सकीय रूप से अयोग्य घोषित कर छुट्टी दे दी गई थी। इस 422 बाद की स्थिति ने उनके लिए चलना मुश्किल कर दिया।

बीच 1920 में पामर स्ट्रीट में होम्स बिल्डिंग्स में अपनी पत्नी के साथ रहने के लिए बर्मिंघम लौट आए।
उन्होंने शांत जीवन व्यतीत किया और सोलह वर्ष बाद छप्पन वर्ष की आयु में उनकी मृत्यु हो गई।

हालाँकि, बीच के सहयोगियों में से एक, चार्ली फ्रैंकलिन, एक लड़ाकू बन जाएगा

Machine Translated by Google

1921 में लंदन के साथ रेसकोर्स युद्ध में बिली किम्बर का बर्मिंघम गैंग
अल्फी सोलोमन और डार्बी सबिनी के गिरोह। 423 हालाँकि, शेल्डन्स ने ऐसा नहीं किया
बर्मिंघम गैंग का हिस्सा बनें। उस संघर्ष के समय उम्र तिरेपन वर्ष थी
विस्फोट के बाद, सैमुअल शेल्डन 424 1920 के दशक के मध्य में चार्ल्स हेनरी स्ट्रीट, हाईगेट चले गए और एक फेरीवाला
गए। बन 1943 में पचहत्तर वर्ष की आयु में उनकी मृत्यु हो गई। [425] उसका बड़ा
भाई, जॉन, 1939 में अपनी पत्नी, एडा के साथ ग्लोवर स्ट्रीट में रहना जारी रखा
उन्होंने खुद को एक सेवानिवृत्त बंदूक पॉलिशर के रूप में पेश किया। [426] दो साल बाद उनकी मृत्यु हो गई। [427]

Machine Translated by Google

Machine Translated by Google

अध्याय पांच

के असली गैंग लीडर

1920 के दशक

असली बिली किम्बर

टॉमी शेल्बी की एक दौड़ को ठीक करने की साजिश ताकि वह अपनी अवैध सट्टेबाजी की दुकान में लगाए गए दांवों को साफ कर सके, पीकी ब्लाइंडर्स की श्रृंखला एक के एपिसोड दो में शक्तिशाली गैंगस्टर बिली किम्बर को क्रोधित कर देता है। देश भर के रेसकोर्स में कानूनी और अवैध सट्टेबाजी साइटों पर अपने नियंत्रण के माध्यम से अमीर बनने के बाद, वह शेल्बीज़ का उनके मुख्यालय, गैरीसन पब में सामना करता है। दो सशस्त्र विचारकों के साथ, किम्बर दृढ़तापूर्वक बार के माध्यम से आगे बढ़ता है। उसकी डराने वाली उपस्थिति से शराब पीने वाले चुप हो जाते हैं और फिर वह टॉमी शेल्बी नाम के एक व्यक्ति को बुलाता है।

वह अपनी रिवॉल्वर से हवा में गोली चलाता है, जिस पर शेल्बी अपने भाइयों को सुरक्षित स्थान से बाहर ले जाता है। ग्राहकों को घर जाने के लिए कहकर, वह किम्बर के सामने एक मेज पर बैठ जाता है। बोलने में लंदनवासी किम्बर छोटे कद के हैं और अच्छे कपड़े पहनते हैं। वह चिल्लाता है कि वह मालिक है, कि शेल्बीज़ ने उसकी अनुमति के बिना एक दौड़ तय की और वह दौड़ दौड़ता है। जैसे ही वह जा रहा है, किम्बर ने टॉमी शेल्बी को धमकी दी, जो फिर एक सौदा पेश करता है जो सुनने लायक है। वह किम्बर से कहता है कि वह उसकी प्रशंसा करता है क्योंकि उसने बिना किसी चीज़ के शुरुआत की थी और एक वैध व्यवसाय बनाया - कुछ ऐसा जो शेल्बी चाहती है। 428

असली बिली किम्बर वास्तव में एक गैंगस्टर था जिसने रेसकोर्स पर संरक्षण रैकेट और जेबकतरे के माध्यम से अपना पैसा कमाया और वह एक वैध व्यवसायी बन गया। लेकिन वह लंदन से नहीं था और ना ही उसका कद छोटा था। वह समर लेन पड़ोस का एक हट्टा-कट्टा ब्रम्मी था।

शक्तिशाली रूप से निर्मित, मजबूत और करिश्माई, वह किसी भी व्यक्ति से नहीं डरता था, लेकिन कई लोग उससे डरते थे।
वह खुद एक सख्त योद्धा था, वह बर्मिंघम गैंग नामक शातिर और डरावने ठगों के एक समूह का नेता था। इस प्रकार, वह इंग्लैंड के पहले प्रमुख गैंगलैंड व्यक्तियों में से एक थे।

किम्बर का जन्म 1882 में समर लेन के नंबर 55 कोर्ट में हुआ था, हालाँकि
बाद में परिवार पास ही हॉस्पिटल स्ट्रीट में एक के पीछे एक रहने चला गया। 429 उसकी माँ

Machine Translated by Google

वह आयरिश माता-पिता की बेटी और एक धोबी थी, जबकि उसके पिता एक पीतल के 430 थे । ऐसा कोई लेकिन कम उम्र से ही उनके दूसरे सुझाव नहीं है कि उनमें से कोई भी बर्मिंघम से संस्थापक था। बेईमान, सबसे बड़े बेटे ने कानून तोड़ दिया। 1894 में, और बारह साल की उम्र में, एक ग्लास कटर चुराने के लिए उन्हें बर्च के चार वार दिए गए थे। यह मजबूत बर्च टहनियों के एक बंडल से बना था जो एक छोर पर तार से बंधा हुआ था। इसके प्रहार अपराधी के नंगे नितंबों पर किए जाते थे, जिसे पैरों और बांहों में पट्टी बांधकर 'घोड़े' पर उल्टा लिटाया जाता था। सज़ा के तौर पर यह आम तौर पर छोटी-मोटी चोरी के दोषी सोलह साल से कम उम्र के लड़कों को दिया जाता था और इसे आगे अपराध करने से हतोत्साहित करने के लिए दिया जाता था। यह किम्बर पर अप्रभावी था, और अगले तीन वर्षों में उसे हमले, जुआ खेलने और आवारागर्दी के लिए संक्षिप्त सजा दी गई।

431

समर लेन जिला निश्चित रूप से इस समय अपने चरम अंधेरों के लिए प्रसिद्ध था, और हालांकि किम्बर को विशेष रूप से इस तरह नामित नहीं किया गया है, यह सबसे अधिक संभावना है कि वह अपनी हिंसा के कारण एक था। इतने सारे चोरों की तरह, वह भी एक छोटा चोर था, और, अक्टूबर 1900 में, उसे छह महीने की कैद की सजा सुनाई गई थी, जो उसने विंसन ग्रीन में बर्मिंघम जेल में अपनी छत के माध्यम से एक रेस्तरां में घुसने की कोशिश के लिए काटी थी। 432 हालाँकि वह केवल अठारह वर्ष का था, अब तक उसे एक आदतन अपराधी माना जाता था। उन्हें ताज़ा रंग, भूरे बाल और नीली आँखों वाला बताया गया था। उन्होंने अपनी बायीं बांह पर 'डब्ल्यू किम्बर' और 'एस बिर्च' शब्द और एक हाथ के पिछले हिस्से पर क्रॉस और 'लव' शब्द गुदवाए थे। उनकी ऊंचाई केवल 5 फुट 8 इंच से अधिक बताई गई थी, लेकिन आधिकारिक रिकॉर्ड में बिली बीच की ऊंचाई के संबंध में दो इंच की विसंगति को देखते हुए, किम्बर एक या दो इंच अधिक रहे होंगे, क्योंकि उन्हें एक लम्बे व्यक्ति के रूप में याद किया गया था।

433

उनका पेशा पीतल ढलाई करने वाले के रूप में दिया गया था, लेकिन यह वह काम नहीं था जो उन्होंने किया, क्योंकि अगस्त 1901 में, उन्हें एक पुलिस कांस्टेबल पर हमला करने के लिए फिर से जेल में डाल दिया गया था - यह सोचने का एक और कारण था कि वह एक अंधे व्यक्ति थे। 434 किम्बर अब पिता थे। उनकी सबसे बड़ी संतान, मौड, का जन्म जुलाई 1901 में हुआ था, और एक साल बाद उन्होंने उसकी माँ, मौड बीट्राइस हार्बिज से शादी कर ली, जो हावर्ड स्ट्रीट के पास ही रहती थी। वह बीस साल की उम्र में एक बेडस्टेड आभूषण कार्यकर्ता थी और उसने अपने नाम पर हस्ताक्षर किए थे, हालांकि, किम्बर केवल अपनी छाप छोड़ सका। 435 यह ज्ञात नहीं है कि उनकी और किम्बर की मुलाकात कैसे हुई, लेकिन उनकी परपोती, जूलियट बैनयार्ड को बताया गया कि, 'मॉड की गायन आवाज़ बहुत अच्छी थी और उन्होंने ब्रम के पबों में गाकर पैसे कमाए।' जूलियट की दादी किम्बर की दूसरी संतान एनी थीं, जिनका जन्म दिसंबर 1903 में हुआ था। जूलियट ने बताया कि उनकी मां शीला, जो एनी की एकमात्र संतान थीं, ने कहा कि, 'एनी बिली की पसंदीदा थी। वह मौडी से ज्यादा परेशान नहीं था और वह भी उसकी परवाह नहीं करती थी। मौडी कहा करते थे, ''आप पर हमारे पिता का पैसा बकाया था, आपने अपनी जान देकर भुगतान किया।'' 436

1908 तक, किम्बर को हमले के लिए एक और संक्षिप्त सजा मिल गई थी

Machine Translated by Google

पुलिस अधिकारी और दो अन्य को नशे के लिए दोषी ठहराया गया, जबकि उन्हें एक घर में चोरी का दोषी नहीं पाया गया था। 437 अब यह स्पष्ट था कि वह भी एक अपराधी के रूप में देश की यात्रा कर रहा था। जनवरी 1906 में, वह उन चार हट्टे-कट्टे युवाओं में से एक थे, जिन पर किराया चुकाए बिना लंदन से बर्मिंघम तक ट्रेन में यात्रा करने और अपने टिकट पर तारीख बदलने के लिए एक महीने की कैद के अलावा एक गिनी (21 शिलिंग) का जुर्माना लगाया गया था। उन सभी की प्रतिष्ठा खराब थी और यह संकेत मिलता है कि उनमें से एक ने कहा कि वह एक सट्टेबाज का क्लर्क था - जिसका अर्थ है कि वह रेसकोर्स पर काम करता था।

438

यह विश्वास कि किम्बर अब एक रेसकोर्स 'कीट' था, जैसा कि जेबकतरों और अन्य बदमाशों को अक्सर कहा जाता था, मई 1907 में हॉल ग्रीन रेस में उनकी गिरफ्तारी से पुष्ट होता है। उन पर अपराध निवारण अधिनियम के तहत अपराध करने के इरादे से घूमने का आरोप लगाया गया था। अपराध, संक्षिप्त दोषसिद्धि पर दंडनीय।

उन्होंने खुद को एक डीलर के रूप में प्रस्तुत किया, एक ऐसा विवरण जिसमें गतिविधियों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल थी, जैसा कि उनके बड़े भाई ने किया था, जिस पर एक संदिग्ध व्यक्ति के रूप में मुकदमा चलाया गया था जो दौड़ की बैठक में गुंडागर्दी करने के इरादे से घूमता पाया गया था। साक्ष्य में, बर्मिंघम सिटी फोर्स के जासूस सार्जेंट राइट ने कहा कि उन्होंने भाइयों को संदिग्ध तरीके से काम करते और कई भीड़ में जाते देखा था।

विलियम किम्बर ने एक सट्टेबाज के हाथ से विजयी टिकट छीनने का प्रयास किया था, जो शर्त के भुगतान के लिए उसे सट्टेबाज के पास रख रहा था। जब किम्बर ने राइट को देखा तो वह भीड़ से बाहर निकल गया।

गिरफ्तार होने पर किम्बर हिंसक हो गया और भागने की कोशिश करने लगा। हैरी किम्बर अपने भाई को 'कवर' कर रहा था और एक अलग दिशा में भाग गया लेकिन एक अन्य जासूस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। अदालत में, गिरफ्तार करने वाले अधिकारी ने कहा कि वह विलियम किम्बर को दस वर्षों से जानता था और वह 'खतरनाक रेसकोर्स चोरों का सहयोगी था, और इसमें कोई संदेह नहीं कि दौड़ का पालन करके अपना जीवन यापन करता था।' उन्हें कड़ी मेहनत के साथ छह महीने की कैद की सजा सुनाई गई। 439 अगले तीन वर्षों में किसी समय, किम्बर ने अपनी पत्नी और अपने दो बच्चों को छोड़ दिया और, 1911

में, उन्हें सैलफोर्ड के एक घर में रहने वाले अकेले व्यक्ति के रूप में जनगणना में दर्ज किया गया। 440 उनके परपोते, जस्टिन जोन्स का मानना था कि किम्बर 'फ्लोरेंस ब्रूक्स नामक एक महिला के साथ रहने गए थे, जो मुझे लगता है कि एलेन ब्रूक्स का रिश्तेदार था, जो गिरोह के एक अन्य सदस्य, जॉर्ज "ब्रूमी" सेज के साथ रहता था। जहाँ तक उसकी पत्नी की बात है, 'मॉड अपने दो बच्चों, मेरी प्यारी चाची मौड, जो मुझे हर हफ्ते मिठाइयाँ देती थीं, और दादी, एनी, जिनसे मैं दुर्भाग्य से कभी नहीं मिला, के साथ किंग अल्फ्रेड प्लेस में अपने माता-पिता के साथ रहने के लिए वापस चला गया।' दो युवा बेटियों और बूढ़े माता-पिता की देखभाल करना मौड के लिए कठिन रहा होगा। 1920 तक, वह चार्लोट स्ट्रीट में ज्वेलरी क्वार्टर के किनारे पर एक बैक-टू-बैक रह रही थी। यह तेरह लोगों वाला एक बड़ा आँगन था

441

Machine Translated by Google

घर और वह 1926 में केवल तैंतालीस वर्ष की आयु में मरने तक वहीं रहीं।[442]
उनकी पोती शीला ने एक बार कब्र ढूंढने की कोशिश की थी, लेकिन रिकॉर्ड से पता चला कि मौड में एक गरीब व्यक्ति का अंतिम संस्कार हुआ था और इसलिए वहां कोई कब्र नहीं थी - जिससे शीला नाराज हो गई क्योंकि वह जानती थी कि बिली किम्बर के पास इस समय पैसा था।[443]

मौड की मृत्यु के समय तक किम्बर के पास पैसा था, लेकिन उसे छोड़ने से पहले, एक छोटे चोर, हिंसक आदमी और रेसकोर्स कीट के रूप में शेल्डन के साथ उसकी काफी समानता थी। और 1911 में, उन्होंने खुद को एक कमीशन एजेंट के रूप में वर्णित किया - जैसा कि जॉन शेल्डन ने किया था।

[444] लेकिन शेल्डन्स के विपरीत, जो बर्मिंघम की पिछली सड़कों पर रहे, किम्बर एक राष्ट्रीय प्रोफ़ाइल के साथ एक गैंगलैंड नेता बन गए। बर्मिंघम गैंग के नेतृत्व के कारण उन्होंने यह मुकाम हासिल किया। यह डॉन, कप्तानों और सैनिकों के साथ माफिया परिवार की तरह एक दृढ़ता से संगठित आपराधिक संगठन नहीं था; बल्कि यह लड़ाकू लोगों का एक ढीला-ढाला समूह था जिसे कभी-कभार एक साथ एक दुर्जेय बल में लाया जा सकता था।

बर्मिंघम गैंग ब्रुमगेम बॉयज़ से उभरा था - जो शहर के गुंडों और जेबकतरों के छोटे समूहों का सामूहिक नाम था।

उन्होंने उन्नीसवीं सदी के मध्य से मिडलैंड्स और इंग्लैंड के उत्तर में रेसगोर्स को आतंकित किया था, जब उन्होंने रेलवे प्रणाली के विकास का लाभ उठाया था। अन्य जगहों से भी ऐसे ही दुष्ट थे, लेकिन ब्रुमजेम बॉयज़ सबसे कुख्यात थे। 1898 में डेली टेलीग्राफ ने इस बात पर जोर दिया था, जिसमें घोषणा की गई थी कि रेसकोर्स में सबसे ज्यादा बदमाश और चोर 'बर्मिंघम से आते हैं, और उनमें से कुछ संभवतः सबसे कम प्रकार के होते हैं। 'ब्रम्स', अपनी बिरादरी के बाकी लोगों की तरह, छह, सात और आठ के गिरोह में काम करते हैं - कभी अलग नहीं होते।' इस संगठित गुंडागर्दी से निपटना कठिन हो गया। अपराधियों ने अपने पीड़ितों को लूटने के लिए घेर लिया और उन्हें कुचल दिया, या पर्स, घड़ियाँ और चेन छीन लीं; ट्रेन से रेसकोर्स आते-जाते समय, उन्होंने भोले-भाले साथी 445 यात्रियों पर तीन-कार्ड वाली चाल चली।

किंबर ऐसे ही एक गैंग से ताल्लुक रखती थी. जनवरी 1913 में, डर्बी इवनिंग टेलीग्राफ ने बताया कि हाल ही में एक फुटबॉल मैच के लिए, स्थानीय पुलिस ने ट्रेन से आने वाले ज्ञात कानून तोड़ने वालों पर नजर रखने के लिए रेलवे स्टेशन पर अधिकारियों को तैनात किया था। आठ लोगों के एक समूह में, उन्होंने विलियम किम्बर, उनके छोटे भाई, जोसेफ और एक जॉर्ज व्हाइट को पहचान लिया, जो 'विशेषज्ञ यात्रा जेबकतरे और होटल चोर' थे। पुलिस ने उनका पीछा किया, लेकिन भाग रहे लोगों ने उन्हें देख लिया। पुलिस द्वारा कई सड़कों पर पीछा किए जाने पर, दोनों किम्बर्स ने अपनी जेब से कुछ निकालकर बर्फ में फेंक दिया और अलग-अलग प्रवेश द्वारों से होते हुए विभिन्न घरों में भाग गए। 446

जोसेफ किम्बर एक पुराना चोर था, और 1912 में उसे डोनकास्टर दौड़ में जेब काटने के आरोप में जेल में डाल दिया गया था। फिर उन्हें तीन की सजा सुनाई गई

Machine Translated by Google

अगस्त 1913 में उन्हें बेलफ़ास्ट में भूलभुलैया दौड़ में एक संदिग्ध व्यक्ति के रूप में गिरफ्तार किए जाने के कुछ महीने बाद। 447 1920 के दशक में, वह खुद को एक कमीशन के रूप में वर्णित करते थे जहां तक व्हाइट का सवाल है, यह [448] एक उपनाम था और उनका असली नाम थॉमस एजेंट था।
मैक्डोनाल्ड. उसे थॉमस मैक्डोनाघ के नाम से भी जाना जाता था और वह बर्मिंघम गैंग के सबसे कुख्यात लड़ाकों और गुंडों में से एक बन गया। उनके जैसे लोगों के समर्थन के माध्यम से, बिली किम्बर, जो खुद एक सख्त [449] वह था आदमी थे, ने बर्मिंघम के पॉकेटमार गिरोहों और रेसकोर्स रफ़्स पर कुछ हद तक नियंत्रण हासिल कर लिया।

लेकिन उनकी शक्ति लंदन के खूंखार लड़ाकू लोगों के साथ उनकी दोस्ती से भी पैदा हुई। इनमें जॉर्ज 'ब्रमी' सेज भी शामिल थे, जो उत्तरी लंदन में कैमडेन टाउन गैंग के नेता बने, लेकिन जिनका उपनाम किम्बर से उनकी निकटता के कारण उत्पन्न हुआ। एक अन्य चोर, सेज को एलिफेंट बॉयज़ गैंग के वाल मैकडोनाल्ड और किम्बर के एक अन्य लंदन मित्र द्वारा 'एक खड़ा, पैर से पैर तक मुट्ठी लड़ाने वाला' माना जाता था, जो एक शीर्ष व्यक्ति के रूप में अपनी प्रतिष्ठा का आनंद भी लेता था। ब्रायन मैकडोनाल्ड उनका भतीजा है, और उन्होंने बताया कि वाल का भाई, वैग (चार्ल्स) दक्षिण लंदन का एक प्रमुख गिरोह का नेता था, जिसकी बाद में वेस्ट एंड में महत्वपूर्ण उपस्थिति थी, जहां वह एक शुरुआती नाइट क्लब संरक्षक था। 1909 तक, वह अपने चार छोटे भाइयों के साथ जुड़ गया था और कई अवैध सड़क सट्टेबाजी पिचों को नियंत्रित कर रहा था। इसके अतिरिक्त, वैग ने रेसकोर्स सट्टेबाजों को उनसे पैसे वसूलने वाले गिरोहों से बचाने के लिए खुद को 'अंगरक्षक' के रूप में नियुक्त किया और अन्य सट्टेबाजों से 'एहसान' प्राप्त किया। 450 इन बाद की गतिविधियों के माध्यम से, उसकी मुलाकात किम्बर से हुई, जो अपने पॉकेटमार गिरोह में देश की यात्रा कर रहा था। दोनों व्यक्ति पक्के दोस्त बन गये। ब्रायन मैकडॉनल्ड्स के चाचा जिम ने किम्बर को 'एक बड़ा, खुशमिज़ाज़, पसंद किया जाने वाला साथी, असहमतियों और विवादों को सुलझाने वाला सम्मानित व्यक्ति बताया।' वह लड़ सकते थे और एक स्वाभाविक नेता थे।' 451 मैकडॉनल्ड्स के साथ अपनी दोस्ती के

कारण, ऐसा लगता है कि - बर्मिंघम के साथ अपने मजबूत संबंध बनाए रखते हुए - किम्बर लंदन चले गए। ब्रायन मैकडोनाल्ड कहते हैं, 'वॉरेन स्ट्रीट (अब ग्रांट स्ट्रीट), 452 में जाने से पहले किम्बर मेरे परिवार के साथ थोड़े समय के लिए 116 यॉर्क रोड, लैम्बेथ में रहे और 1910 की गर्मियों में, किम्बर इस्लिंगटन में मैकडॉनल्ड्स में शामिल हो गए।' एक प्रतिद्वंद्वी गिरोह से लड़ना.

[453]

तीन साल बाद, ईस्ट एंड में व्हाइटचैपल के एक पब में लड़ाई के बाद सेज और किम्बर को गिरफ्तार कर लिया गया। जब एक कांस्टेबल घटनास्थल पर पहुंचा, तो किम्बर और सेज एक अन्य व्यक्ति पर कुर्सियाँ फेंक रहे थे। जब उन्हें रुकने के लिए कहा गया, तो वे सड़क पर भाग गए जहां एक अन्य पुलिसकर्मी ने किम्बर को गिरफ्तार कर लिया। जिस आदमी पर उन्होंने हमला किया था, वह आया और बोला, 'मैं किम्बर और सेज पर ऐसा करने का आरोप लगाता हूं' - और उसने अपने चेहरे की ओर इशारा किया जिस पर चाकू लगने से खून बह रहा था। पुलिस स्टेशन के रास्ते में, किम्बर ने पीतल का हार्नेस बकल गिरा दिया। जब आरोप लगाया गया

Machine Translated by Google

काटते और घायल करते हुए, उन्होंने कहा कि वह एक अलमारी व्यापारी थे जबकि सेज ने खुद को एक सट्टेबाज के रूप में प्रस्तुत किया। 454 बाद में उन्हें छुट्टी दे दी गई क्योंकि चुंगी लेने वाले की बेटी ने कहा कि वह यह साबित कर सकती है कि छुरा घोंपने का काम 'किडरमिन्स्टर किड' के नाम से जाने जाने वाले किसी अन्य व्यक्ति ने किया था। 455 ऐसा अधिक लगता है कि किम्बर और सेज दोषी पक्ष थे और

लाइसेंसधारी का परिवार उनसे भयभीत था - यह उचित ही है, क्योंकि जिस व्यक्ति पर हमला किया गया वह चेहरे और गर्दन पर चाकू के घाव से गंभीर हालत में लंदन अस्पताल में था। यह मामला पहली बार 20 फरवरी 1913 को इलस्ट्रेटेड पुलिस न्यूज़ में छपा था और उस संस्करण में कहीं और, 'ब्रमी' और किम्बर को 'रेसकोर्स और बॉक्सिंग-रिंग में प्रसिद्ध' के रूप में जाना गया था।

456

1914 तक, किम्बर ने खुद को लंदन में एक रेसिंग मैन और एक शातिर लड़ाकू दोनों के रूप में स्थापित कर लिया था, जहां उन्होंने इस्लिंगटन में चैपल स्ट्रीट मार्केट के गार्नहैम्स के साथ गठबंधन भी किया था। उस वर्ष अप्रैल के एक दिलचस्प लेख ने उस संबंध पर प्रकाश डाला। यह बताया गया कि टॉसेस्टर रेस मीटिंग से लौट रही कार में पुलिस और लंदनवासियों की एक पार्टी के बीच डंस्टेबल में संघर्ष हुआ था। प्रतिवादियों में दक्षिण लंदन के न्यू कट, लैम्बेथ की तैंतालीस वर्षीय अन्ना किम्बर शामिल थीं, जिन पर नशे में होने और राजमार्ग पर अव्यवस्था फैलाने का आरोप था, और उनके पति, विलियम, बत्तीस वर्षीय चीन के सेल्समैन, जिन्होंने हमला किया था दो पुलिसकर्मी अपनी ड्यूटी के दौरान। एना की पहचान रहस्यमय है, और वह उसकी पत्नी नहीं हो सकती थी क्योंकि किम्बर ने अभी भी मौड से शादी की थी। अन्य दो प्रतिवादी लंदन के एक चीनी सेल्समैन थॉमस गार्नहैम और उनकी पत्नी एलिज़ा थे, दोनों पर एक अधिकारी के कर्तव्य में बाधा डालने का आरोप लगाया गया था। गार्नहैम परिवार किम्बर के शेष जीवन में एक प्रमुख भूमिका निभाएगा। सभी प्रतिवादियों ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया और किम्बर के वकील ने कहा कि यह इस तरह की अदालत में उनकी पहली उपस्थिति थी - एक सफ़ेद झूठ। प्रतिवादियों पर जुर्माना लगाया गया

कुल आठ पाउंड और छह शिलिंग।
457

कुछ महीनों बाद, किम्बर जैसे रेसकोर्स दुष्टों की गतिविधियाँ कम कर दी गईं, प्रथम विश्व युद्ध के फैलने के बाद, रेसिंग में 458 किम्बर शामिल हो गए, लेकिन जैसा कि ब्रिटेन में गंभीर रूप से प्रतिबंधित होने के कारण याद किया गया।

बर्मिंघम रेसकोर्स के सट्टेबाज डेनी ग्रीन को छोड़ दिया गया और वे डबलिन चले गए, जहां 1917 के अंत तक घुड़दौड़ जारी रही। ग्रीन ने कहा कि किम्बर पर लिफ़ी नदी पर एक पुल पर चार लोगों ने हमला किया था, जिन्हें उन्होंने हटा दिया था।
बर्मिंघम गैंगस्टर को 'एक गेम अन, एक निडर सेनानी के रूप में याद किया जाता था जो अपने हाथों से निष्पक्ष रूप से लड़ता था और चाकुओं का उपयोग नहीं करता था' - हालाँकि, उसने ऐसा 459 बार किया था।

मई 1917 में, बर्मिंघम गैंग के एक अन्य प्रमुख सदस्य किम्बर और जेम्स कोप को डबलिन में गिरफ्तार किया गया था। उन पर संदिग्ध के रूप में आरोप लगाए गए

Machine Translated by Google

लोगों को लिमरिक दौड़ के दिन जेब काटने के उद्देश्य से किंग्सब्रिज (अब ह्यूस्टन) रेलवे स्टेशन पर बार-बार आते हुए पाया गया, और लेपर्डस्टाउन दौड़ की बैठक के दिन भी वे पास के हरकोर्ट स्ट्रीट रेलवे स्टेशन पर बार-बार आते थे। किम्बर ने खुद को मैकडॉनल्ड्स के दक्षिण लंदन गढ़ में न्यू कट में रहने वाला एक डीलर बताया। जहाँ तक कोप की बात है, वह भी एक कुख्यात जेबकतरा था।

460

यह दिलचस्प है कि थॉमस हेनरी डे नामक एक प्रमुख रेसकोर्स सट्टेबाज के मुख्य क्लर्क अदालत में पेश हुए, उन्होंने बताया कि किम्बर को सट्टेबाज पर बकाया बड़ी रकम इकट्ठा करने के लिए नियुक्त किया गया था। ऐसा करने में, उन्होंने हमेशा सम्मानपूर्वक काम किया और 'इंग्लैंड में चुपचाप दौड़ते हुए, श्री डे के कर्जदार कुछ लोग आयरलैंड आए थे, और किम्बर उन लोगों से मिलने के लिए लिवरपूल से पार कर गए थे।' डे के क्लर्क ने कहा कि उसे 'किम्बर के पिछले करियर की पूरी जानकारी थी जो पिछले सात वर्षों से ईमानदार व्यक्ति था', और श्री डे उसे नौकरी पर रखने और उसके अच्छे व्यवहार के लिए जमानत के लिए पर्याप्त राशि देने के लिए तैयार थे। यह £50 पर निर्धारित किया गया था.

हालाँकि, किम्बर अधिक समय तक मुक्त नहीं रहे। उन पर 11 जून 461 से सेना सेवा कोर में एक ड्राइवर के रूप में अपनी भूमिका से भगोड़े होने का आरोप लगाया गया था और अक्टूबर 1917 में उन पर मुकदमा चलाया गया और छह महीने 1915 धनी की हिरासत की सजा सुनाई गई। 462 किम्बर का डे के साथ रिश्ता दिलचस्प है। डे ब्रिटेन के सबसे उल्लेखनीय और सट्टेबाजों में से एक

थे, जिन्होंने अकेले एक वर्ष में £84,000 की आश्चर्यजनक राशि जीती थी, और इस तरह उन्होंने लंदन के न्यू बॉन्ड स्ट्रीट में अपने कार्यालय के माध्यम से रेसकोर्स पर नकद और क्रेडिट पर बड़े दांव लगाए। उनके क्रेडिट सट्टेबाजों में से कुछ ऐसे भी थे जो हारने पर भुगतान नहीं करते थे और कुछ ऐसे भी थे जो उन्हें ठगने की कोशिश करने के लिए चालाक धोखे का सहारा लेते थे। 463 ऐसा प्रतीत होता है कि एक बहुत ही कठोर व्यक्ति के रूप में, किम्बर ने न केवल डे के लिए ऋण एकत्र किया, बल्कि रेसकोर्स पर उनके सलाहकार के रूप में भी काम किया।

प्रथम विश्व युद्ध की समाप्ति के साथ, रेसिंग फिर से शुरू हुई और, अन्य खेलों की तरह, युद्ध के बाद थोड़े समय में उपस्थिति में तेजी आई। वे 1919 और 1920 में चरम पर थे, लेकिन उसके बाद 1914 से पहले की तुलना में बहुत अधिक रहे, जब तक कि 464 गिरावट नहीं आई। ब्रिटिश अर्थव्यवस्था के संघर्ष के कारण 1925 से उल्लेखनीय वृद्धि हुई। सट्टेबाजी पर बहुत अधिक मिलान किया गया। विभिन्न रेसकोर्स में व्यवस्था बनाए रखने के लिए नियुक्त स्कॉटलैंड यार्ड के एक खर्च करके दर्शकों का पूर्व मुख्य निरीक्षक टॉम डिवाल के अनुसार, लोग उनके पास आते थे और उनकी जेबें 465 से भरी होती थीं । इस पर बड फ़्लानगन की कहानी पर जोर दिया गया है, जो बाद में एक बन गए।

धन।
सट्टेबाज. 1919 में, एयर में चार रेसों में उनके दांव ने 'साढ़े तीन साल की सैनिक सेवा में अर्जित उनकी पूरी ग्रेच्युटी का निपटान कर दिया।'
466

इस तरह के परिव्यय का मतलब समृद्ध चयन था। मेगिंग मॉब, जैसा कि उन्हें कहा जाता था,

Machine Translated by Google

तीन-कार्ड वाली चाल से सभी को चकमा दे दिया; कार्ड शार्प ने ट्रेनों में मीटिंग के लिए जाने वाले यात्रियों को अनजाने में ठग लिया; जबकि जेबकतरों और चोरों के गिरोह ने दर्शकों को अपना शिकार बनाया और जवाबी कार्रवाई करने वालों की पिटाई की। सट्टेबाजों को भी शिकार बनाया गया. गिरोह का एक पसंदीदा चकमा, या 'लड़कों' जैसा कि उन्हें बुलाया जाता था, 'गरीब बूढ़े बिल' और 'प्यारे बूढ़े चार्ली' के लिए फर्जी सदस्यता के साथ घूमना था, जिन्होंने कठिन समय मारा था - या एक पिताहीन परिवार के लिए भुखमरी की कगार.

एक और घोटाला एक सट्टेबाज को दांव के बारे में चिल्लाकर बताने का था। यदि घोड़ा जीत जाता है तो गिरोह को भुगतान मिलने की उम्मीद होती है, लेकिन यदि वह हार जाता है तो वे अपने पैसे अपने पास रख लेते हैं।

जो सट्टेबाज गिरोहों के सामने खड़े हुए, उन्हें भारी कीमत चुकानी पड़ी। जून 1919 में, द टाइम्स ने बताया कि कैसे तीन लोगों ने विंडसर में सट्टेबाजों से पैसे की मांग की थी। कई लोगों ने बिना किसी आपत्ति के भुगतान कर दिया, लेकिन जब किसी ने £1 देने से इनकार कर दिया तो उसका बक्सा बंद कर दिया गया, जिससे उसने सट्टेबाजों को बुलाया, और पैसे से भरा उसका थैला दूसरे बदमाश ने छीन लिया।

किम्बर के नेतृत्व में, बर्मिंघम गैंग ने मिडलैंड्स, पश्चिमी देश और उत्तर में न्यूकैसल तक निर्विरोध शासन किया। वह स्वयं अब जेबकतरे नहीं थे क्योंकि अब वह अधिक संगठित रूप में रेसकोर्स सुरक्षा रैकेटों की देखरेख करते थे। बड़ी बैठकों में, उन्होंने सबसे प्रमुख पांच या छह पिचों को नियंत्रित किया, वे स्थान जहां दांव में सबसे अधिक पैसा लगता था और जो इस प्रकार सबसे अधिक लाभदायक थे। लंदन रेसकोर्स के सट्टेबाज सैम डेल को याद आया कि किम्बर ने या तो अपने लोगों को इन पिचों पर रखा था या सट्टेबाजों को 'पाउंड में दस बॉब' - लाभ का पचास प्रतिशत - की वापसी के लिए उन्हें चलाने की अनुमति दी थी। जहां तक अन्य सट्टेबाजों का सवाल है, अपनी बोली पाने के लिए उन्हें दावा पेश करने के लिए सुबह जल्दी बैठक में पहुंचना पड़ता था और ब्लैकमेल होने या लड़ने के लिए तैयार रहना पड़ता था । . .' अधिकांश सट्टेबाजों ने लड़ाई नहीं की - उन्होंने विशिष्ट स्थानों पर अपने जोड़ स्थापित करने के अधिकार के लिए भुगतान किया। पिचों के आवंटन को नियंत्रित करना लाभदायक था, लेकिन पैसा बनाने के लिए घोटालों का अंत नहीं था। बर्मिंघम गैंग का एक अन्य प्रमुख सदस्य एंड्रयू टोवी था, और वह प्रत्येक दौड़ के लिए डॉट्स और डैश कार्ड बेचने का विचार या तो लेकर आया या विकसित किया। यह एक सरल ऑपरेशन था जिसके तहत सट्टेबाजों

को दौड़ में उसके रूप और संभावनाओं के बारे में सचेत करने के लिए प्रत्येक घोड़े का प्रतिनिधित्व करने वाले एक कार्ड पर प्रतीक चिन्ह अंकित किए जाते थे। वास्तव में, इस कथित 'सेवा' ने सट्टेबाज को उससे अधिक कुछ नहीं बताया जो वह पहले से जानता था और यह केवल 469 था , फिर पैसे निकालने के साधनों के नंबरों पर कॉल किया गया। प्रत्येक दौड़ में घोड़ों की जानकारी 'ऑफ' से कुछ समय पहले ही ज्ञात हो जाती थी, जबकि सट्टेबाजों को 'व्यापार के उपकरणों' के लिए भुगतान करने के लिए 'प्रोत्साहित' किया जाता था। इनमें ऊतक, प्रत्येक दौड़ के लिए धावकों की सूचियाँ शामिल थीं; चॉक के टुकड़े जिससे घोड़ों की कीमतें उनके ब्लैकबोर्ड पर अंकित की जा सकें; उन्हें रगड़ने के लिए पानी और स्पंज; जॉकी के नाम पुकारना;

Machine Translated by Google

और खड़े होने के लिए स्टूल। 470 डेल ने याद

किया कि, 1920 के दशक में, 'यह बर्मिंघम की भीड़ थी जो चेल्टनहैम और उसके जैसी जगहों पर स्टूल चलाती थी। और उन्हें स्टूल को एक ट्रैक से दूसरे ट्रैक तक ले जाना पड़ता था और ऐसा करने के लिए उनके पास एक बड़ी वैन होती थी। और फिर जब वे वहां पहुंचते थे, तो वे खुलने योग्य स्टूल होते थे, उन्हें पैरों को ठोकना पड़ता था और वे इसका उपयोग करते थे। सभी स्टूलों को व्यवस्थित करना होगा।' स्टूल के उपयोग के लिए अत्यधिक कीमत वसूल की जा सकती है, क्योंकि यदि किसी सट्टेबाज के पास स्टूल नहीं है तो उसे दूसरों के[471] लिए नुकसान होगा क्योंकि वह भीड़ से ऊपर खड़ा नहीं हो पाएगा।

सट्टेबाज आमतौर पर गिरोह द्वारा प्रदान की गई प्रत्येक 'सेवा' के लिए दो शिलिंग और छह पेंस का भुगतान करते हैं। इसे प्रत्येक दौड़ में सौंप दिया गया और छह या अधिक दौड़ों में इसमें बहुत सारा पैसा जुड़ गया। डोनकास्टर जैसी बड़ी बैठक में, सौ से अधिक सट्टेबाज हो सकते हैं, जिसका अर्थ है कि गिरोह को £300 से £400 या अधिक का भुगतान किया जा सकता है - हालांकि जाहिर है, छोटी बैठकों में यह राशि बहुत कम थी। इन रकमों में सट्टेबाजों से अपनी स्थापना की अनुमति देने के लिए वसूली गई अधिक अपरिष्कृत संरक्षण राशि भी जोड़ी जा सकती है

जोड़ - वह स्थान जिस पर उन्होंने ऑपरेशन किया था। [472]

किम्बर की शक्ति का एक उदाहरण, शारीरिक और व्यक्तिगत रूप से, पूर्व मुख्य निरीक्षक डिवल द्वारा दिया गया था। 1919 में, वह डोनकास्टर में दर्शकों के एक समूह के प्रभारी थे - एक बहुत लोकप्रिय और महत्वपूर्ण रेसकोर्स। वहां काफी भीड़ थी और एक विवादित दांव को लेकर खतरनाक स्थिति पैदा हो गई. पाठ्यक्रम अधिकारियों और पुलिस ने नियंत्रण खो दिया क्योंकि 'कुछ खनिकों और सट्टेबाजों के धावकों के बीच ऊंचे शब्दों और भद्दी धमकियों का आदान-प्रदान हुआ।' डिवैल को एक भयानक झगड़े की आशंका थी और फिर 'बिली किम्बर, अपने साथियों के बीच एक मेज़बान, आए और उन्होंने जल्द ही गड़बड़ी को सुलझा लिया।' उसकी समय पर सहायता के बिना क्या होता, इसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती थी क्योंकि वहाँ हजारों आदमी थे, जिनमें से अधिकांश सबसे कठोर वर्ग के थे। डिवैल को इसमें कोई संदेह नहीं था कि किम्बर 'सर्वश्रेष्ठ में से एक' था। 473 इंग्लैंड के अधिक समृद्ध दक्षिण में, जहां बड़ी संख्या में रेसकोर्स हैं, प्रथम विश्व युद्ध के तुरंत बाद के वर्षों में अधिक अराजक परिदृश्य था। कई तरह के गिरोह सक्रिय थे, अक्सर एक ही दिन एक ही रेसकोर्स पर। विशेष रूप से, बेथनल ग्रीन के डोजर मुलिंस और होक्सटन और किंग्स क्रॉस के अल्फ व्हाइट

के ठगों ने बैठक से पहले, उसके दौरान और बाद में रेसगोर्स को परेशान किया।

[474] उन्होंने जल्द ही राष्ट्रीय ध्यान आकर्षित किया और 18 अक्टूबर 1919 को डेली मेल ने 'रेसकोर्स गैंग्स' पर एक रिपोर्ट प्रकाशित की, जिसमें दावा किया गया कि 'हिंसा के साथ डकैतियां बढ़ रही हैं'।

[475] अगले वर्ष की गर्मियों में, द टाइम्स ने रेसकोर्स के बदमाशों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई का आह्वान किया। [476]

इस घटना में, यह किम्बर ही था जिसने मौका देखकर वह कार्रवाई की

Machine Translated by Google

अन्य गिरोहों को भगाकर बर्मिंघम गिरोह के अभियानों को अधिक आकर्षक दक्षिणी रेसकोर्स तक विस्तारित करें। ब्रायन मैकडोनाल्ड का मानना था कि किम्बर की भागीदारी रेसकोर्स अधिकारियों द्वारा सुगम बनाई गई थी, जिन्होंने महसूस किया था कि वे केवल अपने प्रबंधकों और पुलिस के साथ गिरोह की समस्या से नहीं निपट सकते। महत्वपूर्ण बात यह है कि किम्बर के पास लंदन से प्रमुख समर्थन था: मैकडॉनल्ड्स और एलिफेंट बॉयज़; जॉर्ज 'ब्रूमी' सेज और कैमडेन टाउन गैंग; और फ्रेडी गिल्बर्ट, जो पहले होक्सटन से टाइटैनिक गैंग के सदस्य थे और अब फिन्सबरी बॉयज़ के नेता हैं।

किम्बर और उसके सहयोगी सफल हुए। बेथनल ग्रीन और किंग्स क्रॉस गिरोह अलग हो गए और उन्हें निष्कासित कर दिया गया। [477] डब्ल्यू. बेबिंगटन, जिन्हें बाद में रिकोर्स डिटेक्टिव पर्सनेल के वरिष्ठ जॉकी क्लब पर्यवेक्षक के रूप में नियुक्त किया गया, ने पुष्टि की कि 1918 के बाद की शुरुआती अवधि में, बर्मिंघम गिरोहों ने पूरे 478 में चाबुक का हाथ पकड़ रखा था। ऐसा लगता है कि यह 'भीड़ कानून' देश और लोहे की छड़ी से शासन किया' व्यवस्था में कुछ समानता आई। लंदन के सट्टेबाजों ने इसे स्वीकार कर लिया क्योंकि इससे

लंदन के एक रेसकोर्स सट्टेबाज अली हैरिस ने डेल की तरह किम्बर की 'बहुत सम्मानित व्यक्ति' के रूप में प्रशंसा की। 479

हालाँकि, एक और रैकेट था जिसके साथ किम्बर शामिल था, जैसा कि चीन के सेल्समैन थॉमस गार्नहैम के पोते टॉमी गार्नहैम ने बताया था, जिसे 1914 में डंस्टेबल में किम्बर के साथ गिरफ्तार किया गया था। 1920 के दशक की शुरुआत में, गार्नहैम के बेटे, जॉन, इस्लिंगटन में चैपल स्ट्रीट मार्केट में एक क्रॉक स्टॉल चला रहे थे, लेकिन वह एक छोटी टीम के नेता भी थे, जो दक्षिणी इंग्लैंड के रेसकोर्स पर किम्बर के लिए काम करती थी। गार्नहैम और उसके लोगों ने जेब काटने वाले गिरोहों की तलाश की, जिन्हें किम्बर द्वारा अधिकृत नहीं किया गया था और जिन्होंने पाठ्यक्रम में काम करने के लिए 'श्रद्धांजलि' नहीं दी थी। उनके बेटे, टॉमी ने बताया, 'पिताजी कहते थे कि तुम बॉस, मुख्य व्यक्ति की तलाश करो और उसे दूसरों के सामने अच्छी तरह छुपाओ। "यह तुम्हारा बॉस है, देखो मैंने उसके साथ क्या किया है," और बाकी सभी लोग चले गये।

यदि पिताजी इसे संभाल सकते थे, यदि नहीं तो उन्होंने बिली को बुलाया और वे उसे नहीं लेंगे।' जॉन गार्नहैम ने किम्बर की युद्ध

कौशल की कई कहानियाँ सुनाईं। एक अवसर पर, वह और उसका दोस्त जिसे केवल 'द विजार्ड' के नाम से जाना जाता था, एक रेस मीटिंग के लिए ट्रेन में जा रहे थे। उन्होंने कुछ बड़े सख्त लोगों के साथ डिब्बे में जुआ खेलना शुरू कर दिया और जैसा कि टॉमी गार्नहैम को बताया गया था:

> उन्होंने ताश का खेल खेला और पिताजी और जादूगर ने उनके सारे पैसे ले लिए। वे रात भर ऊपर गए और उन लोगों ने कहा, 'हम अपना पैसा वापस चाहते हैं।' जादूगर ने कहा कि आपको अपना पैसा वापस नहीं मिलेगा इसलिए उन्होंने कहा, 'हम आपको ट्रैक पर देखेंगे।' वे सभी वहीं जा रहे थे और जब वे वहां पहुंचे, तो पिताजी और जादूगर सीधे बिल के पास गए।

Machine Translated by Google

'उन दोनों को वहाँ देखो। कल रात उनसे उनके पैसे ले लिए गए और वे अपने पैसे वापस चाहते हैं।' 'ठीक है,' बिल किम्बर ने कहा। बोश, बोश.
और वे दोनों क्रियान्वित किये गये, दोनों। बिल किम्बर ने स्वयं ही ऐसा किया। 480

लेकिन दक्षिणी इंग्लैंड में रेसकोर्स रैकेट पर किम्बर और उसके सहयोगियों के नियंत्रण को जल्द ही चुनौती दी गई जब एलिफेंट बॉयज़ और बर्मिंघम गैंग के कुछ लोगों ने ईस्ट एंड यहूदी सट्टेबाजों को डराना शुरू कर दिया और उन्हें उस पैसे के अलावा पैसे के लिए ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया जिसके लिए वे पहले से ही किम्बर को भुगतान कर रहे थे। सुरक्षा। जैसा कि डिवैल ने कहा, यदि उन्होंने 'भुगतान नहीं किया, तो उन पर क्रूरतापूर्वक हमला किया गया और उन्हें बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया गया।'
[481] जिन लोगों के साथ ऐसा व्यवहार किया गया उनमें से एक असली अल्फी सोलोमन था।

असली अल्फ़ी सोलोमन

पीकी ब्लाइंडर्स श्रृंखला में अल्फी सोलोमन्स के रूप में नामित , उन्हें हसीदिक यहूदी पुरुषों के कपड़े पहने हुए चित्रित किया गया है: सप्ताह के दिनों में पहनी जाने वाली चौड़ी-चौड़ी काली टोपी, एक लंबा काला ओवरकोट, काली पतलून और एक सफेद शर्ट। सोलोमन्स के नेतृत्व वाले गिरोह के सदस्यों को रूढ़िवादी यहूदियों के रूप में चित्रित किया गया है, जो यरमुल्क्स और त्ज़ित्ज़िट पहने हुए हैं - यहूदी पुरुषों द्वारा पारंपरिक या औपचारिक परिधानों पर पहने जाने वाले झालर या लटकन। इसके विपरीत, असली अल्फ़ी सोलोमन एक धर्मनिरपेक्ष यहूदी था जिसका परिवार दशकों से इंग्लैंड में बसा हुआ था और रूसी साम्राज्य में नरसंहार से भागकर हाल ही में आए आप्रवासी नहीं थे।

1892 में जन्मे सोलोमन एलीशा और एलिजाबेथ सोलोमन की दस संतानों में तीसरे सबसे बड़े थे। उनके पिता का जन्म वेस्टमिंस्टर शहर के स्ट्रैंड में हुआ था, जबकि उनकी माँ का जन्म ईस्ट एंड के एक गरीब हिस्से में हुआ था।

एलीशा सोलोमन एक फल व्यापारी था जो लोगों को रोजगार देता था और 1901 में वह और उसका परिवार कोवेंट गार्डन में लॉन्ग एकड़ में एक नौकर के साथ रह रहे थे। एक दशक बाद, वे पास में ही न्यू स्ट्रीट चले गए थे। अब तक, उनके छह बेटों में से दो रेसकोर्स पर काम करने वाले सट्टेबाजों के क्लर्क थे, और एक-एक फल विक्रेता, क्लर्क और टोपी निर्माता था। हालाँकि वह उन्नीस वर्ष का था, अल्फी सोलोमन के लिए कोई व्यवसाय नहीं दिया गया था और यह दर्ज किया गया था कि वह 'घर पर' था। 482

हालाँकि, जनवरी 1915 में, उन्होंने दर्ज किया कि जब वह स्वेच्छा से रॉयल फील्ड आर्टिलरी में शामिल हुए और ड्राइवर बन गए तो वह एक घोड़ा चालक थे। उनकी लंबाई 5 फुट 6 इंच और कमर 35 इंच थी। 125 पाउंड वजन के कारण उनका शारीरिक विकास अच्छा था। ताजा रंग, उसकी आंखें नीली और बाल भूरे थे। सोलोमन ने जून 1915 से फ्रांस में तीन साल से अधिक समय तक सेवा की, 1914/15 स्टार जीता और ब्रिटिश युद्ध पदक प्राप्त किया और

Machine Translated by Google

विजय पदक. 483 किम्बर

के विपरीत, सुलैमान जेबकतरे नहीं था और उसने वफादारी से अपने देश की सेवा की थी। हालाँकि, यह स्पष्ट है कि उसे जुए में रुचि थी। अगस्त 1907 में, वह उन चार युवाओं में से एक थे जिन पर घुड़दौड़ पर सट्टा लगाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले परिसरों में बार-बार जाने के लिए जुर्माना लगाया गया था, और अप्रैल 1916 में, सेना में रहते हुए, उन्हें पासे के साथ जुआ खेलने के लिए सात दिनों की हिरासत दी गई थी। 484 उनका एकमात्र अन्य दुष्कर्म एक गैर-कमीशन अधिकारी की अवज्ञा का आरोप था। 485 फिर, जनवरी 1919 में सेना छोड़ने के बाद, सोलोमन सट्टेबाजी के लिए बाध्य हो गया। हालाँकि, महत्वपूर्ण बात यह है कि रेसकोर्स युद्धों तक उसकी ओर से हिंसा का कोई सबूत नहीं है।

शांति के आगमन के साथ, सोलोमन एक सट्टेबाज बन गया, जैसा कि उसका सबसे छोटा भाई, शिमोन 'सिम्मी' सोलोमन था, जिसने सिडनी लुईस के रूप में दांव लगाया था। 1987 में, उन्होंने संकेत दिया कि ऐसा करने का कारण यहूदी-विरोध था, उन्होंने मुझसे कहा, 'अगर मैं सिम्मी सोलोमन को एक सट्टेबाज के रूप में पेश करता तो मैं एक पैसा भी नहीं लेता।' उनके विचार में, रेसकोर्स युद्ध इसलिए शुरू हुआ क्योंकि, 'बर्मिंघम की भीड़ यहां आने लगी थी। हम उत्तर की ओर नहीं थे, वे यहां नीचे आये थे। यदि वे उत्तर की ओर रहते तो कोई समस्या नहीं होती। उन्होंने ऐसा नहीं किया और हम उनके विरुद्ध हो गये, वे दक्षिण के विरुद्ध हो गये।' जैसा कि उनके भाई ने याद किया, 12 मार्च 1921 को सैंडाउन पार्क सैन्य बैठक में, बर्मिंघम गिरोह बड़ी संख्या में उपस्थित हुआ और उनमें से एक ने अल्फी सोलोमन पर बेरहमी से हमला किया। 486 मेट्रोपॉलिटन

पुलिस के पूर्व जासूस मुख्य अधीक्षक एडवर्ड ग्रीनो ने अपने संस्मरणों में कहा कि सोलोमन (जिसे उन्होंने 'बर्नी' कहा था) को नीचे गिरा दिया गया और दांतों पर लात मारी गई। 487 बॉक्सिंग रेफरी मॉस डेयॉन्ग ने वास्तव में हमले को देखा, हालांकि सोलोमन को लुईस के रूप में संदर्भित किया गया, जो उनके सबसे छोटे भाई का सट्टेबाजी नाम था। गैंगस्टरों में से एक ने शर्त लगाने के लिए चिल्लाया लेकिन सोलोमन ने इसे लेने से इनकार कर दिया, यह जानते हुए कि घोड़ा हारने पर उसे भुगतान नहीं मिलेगा।

यह जीत गया और डकैत अपने पैसे के लिए आगे आया, और जोर देकर कहा कि सुलैमान ने शर्त लगाई थी। वह धमकियों के प्रति डटे रहे और वेतन देने से इनकार कर दिया। डेयॉन्ग ने ग्राफिक रूप से बताया कि आगे क्या हुआ:

> अचानक डकैत ने अपना रेस-चश्मा, भारी और ठोस, सट्टेबाज के चेहरे पर घुमा दिया। लुईस नीचे चला गया, और हमलावर ने तुरंत उसके असुरक्षित चेहरे पर कदम रख दिया, क्योंकि वह जमीन पर पड़ा था, और तुरंत बाद भीड़ में फिसल गया। लुईस को उठाया गया, उसका चेहरा खून से लथपथ था और उसके कई दांत गायब थे। उसी क्षण से उत्तर और दक्षिण के बीच गिरोह युद्ध तीव्रता से शुरू हो गए।
>
> 488

दुखद बात यह है कि एक अन्य यहूदी सट्टेबाज की चोटों के कारण मृत्यु हो गई

Machine Translated by Google

मैदानी चश्मे से भी सिर पर वार किया। उसका हमलावर थॉमस आर्मस्ट्रांग था, जो बर्मिंघम गैंग का एक प्रमुख कठोर व्यक्ति था, जो लगभग निश्चित रूप से वही व्यक्ति था जिसने सोलोमन की पिटाई की थी। बाद में आर्मस्ट्रांग को हत्या का दोषी नहीं पाया गया।

[489]

ब्रायन मैकडोनाल्ड ने इस बात पर जोर दिया कि अल्फी सोलोमन पर हमला होने से पहले उसका एक गिरोह था और किम्बर के मन में उससे नफरत थी 'उस बदमाश के रूप में जो रेसकोर्स सट्टेबाजों को रेजर की नोक पर धमकी देता था।' किम्बर की लम्बाई को देखते हुए
हिंसा का रिकॉर्ड उसके लिए उच्च नैतिक आधार लेना खोखला लगता है। [490]
हालाँकि, सोलोमन के भाई ने दावा किया, 'मेरे बड़े भाई का डार्बी सबिनी के साथ जुड़ाव ब्रुमी भीड़ द्वारा पीटे जाने के बाद हुआ।' 491 हमले से पहले सुलैमान के पास अपने आदमी थे या नहीं, बाद में एक पुलिस रिपोर्ट में उसका वर्णन 'चोरों के एक गिरोह के सदस्य से बेहतर कुछ नहीं था जो सट्टेबाजों को आजीविका के लिए ब्लैकमेल करता था'।

[492] लेकिन अगर उसने एक गिरोह का नेतृत्व किया, तो 1921 की शुरुआत में यह किम्बर और उसके सहयोगियों का मुकाबला करने के लिए पर्याप्त मजबूत नहीं था, इसलिए सोलोमन ने एडवर्ड इमानुएल नामक एक शक्तिशाली व्यक्ति का समर्थन मांगा।

1880 में जन्मे, वह आठ बच्चों में से एक थे और उनका परिवार भी पूर्वी यूरोप से हाल ही में आए यहूदी-भाषी आप्रवासी परिवारों के विपरीत, इंग्लैंड में अच्छी तरह से स्थापित था।

[493] उनके पिता, अल्फ्रेड, का जन्म एल्डगेट में और उनकी माँ, एडिलेड, स्पिटलफील्ड्स में हुआ था, लेकिन 1870 के दशक के उत्तरार्ध से वे बरमोंडेसी में टेम्स नदी के दक्षिण में रह रहे थे, और एक ग्रीन ग्रॉसर चला रहे थे। [494] 1901 तक, वे पानी
के पार ईस्ट एंड की सीमा पर वापस चले गए थे। एडवर्ड 495 अगले वर्ष, वह और एक अन्य व्यक्ति एमानुएल अब एक और मेट्रोपॉलिटन पुलिस अधिकारी पर हमला फल कुली थे। कॉर्नेलियस हैगर्टी को दुर्भावनापूर्ण रूप से घायल करने करने से बरी कर दिया गया। 496 फिर, 1904 में, उन्होंने इस्लिंगटन स्ट्रीट व्यापारी को गोली मारने की धमकी दी और उन पर भरी हुई रिवॉल्वर रखने का आरोप लगाया गया। मजिस्ट्रेट ने घोषणा की कि इमानुएल 'एक खतरनाक साथी' था और £250 या बारह महीने की कैद की उच्च ज़मानत लगाई।

[497]

जैसा कि जॉन मैक्कार्थी को पता चला, वह वास्तव में बहुत खतरनाक आदमी था। 1908 में उन्हें जानबूझकर लेकिन बिना किसी दुर्भावना के इमैनुएल को गैरकानूनी रूप से घायल करने का दोषी पाया गया। दोनों व्यक्ति 15 जुलाई 1908 की शाम को लॉर्ड नेल्सन में शराब पी रहे थे। एमानुएल अपने कुछ दोस्तों के साथ विवाद को लेकर मैक्कार्थी के साथ विवाद करने के लिए वहां गया था। मैक्कार्थी ने बताया कि इमानुएल ने उसे 'गंदी छोटी कोठरी' कहने और लड़ने के लिए चुनौती देने से पहले उसके लिए कई पेय खरीदे थे। मैक्कार्थी ने मना कर दिया क्योंकि इमानुएल उसके लिए बहुत बड़ा था लेकिन आख़िरकार उसने ऐसा किया।

इमानुएल ने उसका गला पकड़ लिया, उसे एक बैरो के पार फेंक दिया और लगभग उसका गला घोंट दिया। किसी तरह मैक्कार्थी भाग गया और उसने इमानुएल को डराने के लिए अपने साथ लाई रिवॉल्वर निकाल ली। लेकिन बड़ा आदमी तेजी से आगे बढ़ता रहा

Machine Translated by Google

एक नुकीला टिन-ओपनर। इसके बाद मैक्कार्थी ने ट्रिगर खींच लिया और भाग गया क्योंकि उसे अपनी जान का डर था। यद्यपि सीने में गोली लगने का घाव था, जो उसके पूरे शरीर में घुस गई थी, इमानुएल भयभीत मैककार्थी के पीछे भागा। इमानुएल का ऑपरेशन करने वाले सर्जन ने बताया कि घाव लगभग छह इंच लंबा था और वह बहुत मजबूत आदमी था।

498

आतंकित होने के बावजूद, इमानुएल बुद्धिमान और महत्वाकांक्षी था, और 1911 तक वह कुली नहीं रहा, एक खुदरा फल विक्रेता बन गया। एलिज़ाबेथ, नी प्रूडन से विवाहित, उनके दो बच्चे थे और वे पाँच कमरों वाले घर में रह रहे थे, लेकिन इमानुएल का मुख्य जीवन एक घर में था।
थ्रूडॉन रोड, बेथनल ग्रीन में घर। स्पीलर्स, या अवैध जुआ 499
क्लबों का मालिक। 500 जनवरी 1912 में, उन पर और दो अन्य लोगों पर व्हिटचैपल में एक को रखने का आरोप लगाया गया था। जब छापा मारा गया, तो सत्तावन अन्य लोगों को गिरफ्तार किया गया, जिनमें से अधिकांश को विदेशी बताया गया।
कमरे में चारों ओर ताश के पत्ते बिखरे हुए थे और पैसों से भरे बक्से थे।
इमानुएल पर £40 का जुर्माना और £12 और 12 शिलिंग का जुर्माना लगाया गया। 501

सितंबर 1917 में व्हाइटचैपल में उनके द्वारा चलाए गए एक अन्य स्पिलर पर छापे के बाद उन्हें £300 और 10 गिनी की लागत का भारी जुर्माना देना पड़ा, जिसमें 100 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया था। प्रथम विश्व युद्ध के दौरान हुई इस छापेमारी को 'भर्ती घोटाले' के रूप में व्यापक प्रचार मिला। क्लब को 'ज्यादातर यहूदियों द्वारा संरक्षण' दिया गया था, जिनमें से कई सैन्य उम्र के थे और 'एलियंस' के रूप में जाने जाते थे। 502 निष्कर्ष यह था कि, चूंकि वे भर्ती के लिए पात्र होने की उम्र के थे, उन्होंने सक्रिय रूप से युद्ध के प्रयासों में भर्ती से परहेज किया था। अखबार के कवरेज में यह स्पष्ट यहूदी विरोधी पूर्वाग्रह रेसकोर्स युद्ध में और भी अधिक स्पष्ट होगा जो जल्द ही भड़क उठेगा।

एक गेमिंग हाउस कीपर के साथ-साथ, इमानुएल को एक सट्टेबाज के रूप में नामित किया गया था, क्योंकि 'जुआ अड्डे' में ताश के 84 पैक के अलावा बड़ी संख्या में सट्टेबाजी की पर्चियाँ और रेसिंग कार्ड भी थे। 503 हालाँकि, इमानुएल की एक वैध व्यवसायी बनने की महत्वाकांक्षा थी, जैसा कि एक यहूदी पिता और ईस्ट एंड रेसकोर्स सट्टेबाज लू प्रिंस ने याद किया था। उन्होंने बर्मिंघम टीम को 'स्वतंत्रता लेते हुए' देखा जब वे दक्षिणी रेसकोर्स में आए और मुझे बताया कि परिणामस्वरूप, यहूदी सट्टेबाजों ने मदद के लिए इमानुएल की ओर रुख किया क्योंकि वह 'एक वित्तीय शक्ति' थे। प्रिंस ने बताया कि इमैनुएल ने तब पोर्ट्सिया प्रेस प्रिंटिंग कंपनी की स्थापना की, और सट्टेबाजों को प्रत्येक दौड़ के लिए धावकों की सूची और अन्य मुद्रित सामग्री के लिए बेहतर सेवा प्रदान करने के माध्यम से उनका उद्देश्य आपराधिकता से दूर जाना था।

504 लेकिन किम्बर के रेसकोर्स रैकेट को नियंत्रित करने के कारण वह ऐसा करने में सक्षम नहीं था - यानी, जब तक कि अल्फी सोलोमन पर क्रूर हमले ने उसे कार्य करने का अवसर नहीं दिया।

कुख्यात ईस्ट एंड आतंक और जेबकतरे आर्थर हार्डिंग के अनुसार, इमानुएल 'पूरे ईस्ट एंड यहूदी अंडरवर्ल्ड पर शासन करता था। वह था

Machine Translated by Google

यहूदी अल कैपोन, सब कुछ उसकी चक्की में पीसा हुआ था। 505 इस शक्तिशाली स्थिति के माध्यम से, वह बर्मिंघम गिरोह को दक्षिणी इंग्लैंड के रेसकोर्स से बाहर करने के लिए लंदन गिरोहों का गठबंधन बना सकता था। उन्हें हटा दिए जाने पर, सट्टेबाजों के पास उनसे उनकी मुद्रित सामग्री खरीदने के अलावा कोई विकल्प नहीं होगा और वह अपनी अवैध गतिविधियों को बंद कर सकते हैं।

इमानुएल के पास 'यहूदी आतंकवादियों का एक समूह था' जिसे वह अल्फी सोलोमन की मदद के लिए भेज सकता था और, जैसा कि प्रिंस ने जोर दिया था, 'यहूदी टीम ने ताकत और साहस में अपनी शक्ति पाई। उन्हें निर्देशित नहीं किया जाएगा।' फिर भी, उनके पास बर्मिंघम गैंग और उनके लंदन सहयोगियों से मुकाबला करने के लिए पर्याप्त संख्या नहीं थी। इसलिए, क्योंकि 'इमैनुएल इटालियन दबाव के प्रति उदासीन था' - सबिनी गैंग - उसने उन्हें अंदर बुलाया

अधिक बैकअप के लिए. [506] महत्वपूर्ण बात यह है कि पृष्ठभूमि में एक और प्रभावशाली और शक्तिशाली व्यक्ति था जिसने इस गठबंधन का समर्थन किया था। जब 1917 में उनके क्लब पर छापा मारा गया, तो यह पता चला कि इमानुएल के पीछे एक साधन संपन्न व्यक्ति था - लेकिन पुलिस के लिए उस पर आरोप लगाना संभव नहीं था। 507 वह आदमी वाल्टर बेरेसफ़ोर्ड था। 1891 में, वह एक शॉर्टहैंड रिपोर्टर थे और अपनी विधवा

मां, जो हैकनी मार्श में एक समृद्ध प्रचारक थीं, के साथ रहते थे। 508 एक दशक बाद, उसकी शादी हो गई, उसका लेयटन में एक घर था और वह एक कमीशन एजेंट था - कोई ऐसा व्यक्ति जो दांव लेता था और उन्हें कमीशन के आधार पर लगाता था। उन्होंने दूसरों को भी रोजगार दिया. 509 लेकिन वह एक गेमिंग हाउस कीपर भी थे, और मई 1902 में, उन पर और अन्य लोगों पर गैरकानूनी गेमिंग और सट्टेबाजी के उद्देश्य से स्ट्रैंड में न्यू सेवॉय क्लब का उपयोग करने का आरोप लगाया गया था। उन पर £200 और 510 का बड़ा जुर्माना लगाया गया, यह एक अकुशल श्रमिक के चार साल के वेतन से अधिक था। क्रमशः £50.

1921 तक, जब सैंडाउन में सोलोमन पर बर्बरतापूर्वक हमला किया गया था, बेरेसफोर्ड का बॉन्ड स्ट्रीट में एक कार्यालय था और वह एक प्रमुख और सम्मानित रेसकोर्स सट्टेबाज थे, जो एक बैठक में सट्टेबाजी शुरू करने वाले पहले व्यक्ति के रूप में जाने जाते थे और जिनसे अन्य सट्टेबाज अपनी कीमतें लेते थे।

[511] इस प्रकार, वह बर्मिंघम गिरोह के संरक्षण रैकेट को समाप्त करने के लिए उत्सुक रहा होगा, और एमानुएल के माध्यम से, सबिनिस पर उसका प्रभाव था। इसकी पुष्टि लेखक और ठग नेटली लुकास ने की। 1926 में, उन्होंने लिखा था कि इस गिरोह को 'क्षेत्र के सबसे प्रसिद्ध और सबसे शक्तिशाली सट्टेबाजों में से एक द्वारा समर्थित और समर्थित किया गया था।' सभी रेसिंग क्लबों का सदस्य, एक आदमी जो प्रत्येक बड़ी दौड़ के बाद हजारों का भुगतान करता है, और दोगुनी राशि अपने पास रखता है, उसके पास वेस्ट एंड में एक स्मार्ट फ्लैट, कई महंगी कारें और उससे भी अधिक महंगी पत्नी है।' 512 यह आदमी वाल्टर बेस्फोर्ड था और जिस गिरोह का उसने समर्थन किया और समर्थन किया, उसका नेतृत्व दुर्जेय डार्बी सबिनी ने किया था।

असली डार्बी सबिनी

Machine Translated by Google

पीकी ब्लाइंडर्स श्रृंखला के काल्पनिक डार्बी सबिनी को एक 'हिंसक और अस्थिर इतालवी अपराध मालिक' के रूप में दर्शाया गया है जो दक्षिण के रेसिंग ट्रैकों के साथ-साथ लंदन के आसपास के विभिन्न ठिकानों पर जुए को नियंत्रित करता है। और उसके पास है

उसकी किताबों पर पुलिस ने उसे जो चाहे करने की आज़ादी दे दी है। [513]
बेदाग कपड़े पहने हुए, उनकी उपस्थिति उनकी इटालियन पहचान को उजागर करती है, जैसा कि यह 'बेला फिगुरा' की सौंदर्य संबंधी धारणा का पालन करती है - बाहरी उपस्थिति और सुंदरता के लिए देखभाल दिखाती है।

बेला फ़िगुरा द गॉडफ़ादर सीरीज़ जैसी माफिया पर बनी फ़िल्मों में नज़र आती हैं ।
पीकी ब्लाइंडर्स में सबिनी पर यह लुक लागू करने से दर्शकों को पता चलता है कि वह माफिया शैली का बॉस है। अपराध पौराणिक कथाओं में वह था, और उस पौराणिक कथा को ऐतिहासिक तथ्य के रूप में स्वीकार किया गया है। 1963 में, अपराध लेखक नॉर्मन लुकास ने लिखा था कि सबिनी 'प्रतिष्ठित रूप से कुख्यात माफिया का सदस्य था', जबकि 2005 में, टेलीग्राफ ने चार्ल्स 'डार्बी' सबिनी को 'सिसिली "रेजर" गिरोह का नेता' बताया था।

[514] लंदन अंडरवर्ल्ड पर अपनी पुस्तक में, कैथरीन अर्नोल्ड ने यह दावा करते हुए आगे कहा कि सबिनी ने प्रवर्तक के रूप में कार्य करने के लिए सिसिली से 300 से अधिक गुर्गे आयात किए थे और उसने अपने पड़ोस में माफिया गॉडफादर की भूमिका निभाई थी। इस प्रकार, उन्होंने न्याय दिया, आंतरिक संघर्षों का समाधान किया और

युवतियों के सम्मान की रक्षा की. [515]

सबिनी के इस चरित्र-चित्रण को एडवर्ड टी. हार्ट की 1993 में प्रकाशित और ब्रिटेन के गॉडफादर शीर्षक वाली जीवनी से बल मिला। हार्ट 1950 और 1960 के दशक में फ्लीट स्ट्रीट में एक अपराध संवाददाता थे, और उनकी जानकारी सबिनी की दुनिया के लोगों, 'क्लब-मालिकों और बाउंसरों, मुक्केबाजों और जॉकी, सट्टेबाजों और उनके लुटेरों, लुटेरों और रैकेटियरों' से प्राप्त की गई थी।

दुर्भाग्य से, हार्ट के साक्षात्कारों की किसी भी रिकॉर्डिंग या प्रतिलेख का कोई सबूत नहीं है, जबकि पुस्तक स्वयं उपन्यास शैली में लिखी गई है। इसमें सबिनी की लंबी शब्दशः बातचीत और विचारशील विचार शामिल हैं, जो कई वर्षों से मर चुके थे, साथ ही गिरोहों के बीच खूनी लड़ाई के ज्वलंत 'प्रथम-हाथ' विवरण भी शामिल हैं।

हार्ट की पूरी किताब में सबिनी की इतालवी पहचान पर जोर दिया गया है। उनकी आवाज़ 'दक्षिणी इतालवी और बो का एक अजीब मिश्रण' थी, और उन्होंने सिसिली के माफिया पर अपना गिरोह तैयार किया था। कथित तौर पर एलिफेंट बॉयज़ के एक प्रमुख सेनानी को मार गिराने के बाद, जिसने एक इतालवी महिला का अपमान किया था, लंदन के लिटिल इटली के सैफरन हिल, क्लेरकेनवेल के लोग अपने नए नेता के प्रति निष्ठा व्यक्त करने के लिए सबिनी के घर गए, जैसे कि वह थे। एक डॉन. और जब वह और बिली किम्बर अपने गिरोहों के बीच युद्ध को समाप्त करने की कोशिश करने के लिए सबिनी के घर पर मिले, तो वे ताज़ी पके हुए पाव रोटी, पनीर के बड़े टुकड़े और ऐनीसेट के एक कैफ़े के साथ इतालवी परंपरा में रखी एक मेज पर बैठे।

हार्ट के अनुसार, डार्बी सबिनी की पत्नी को मारिया और कहा जाता था

Machine Translated by Google

उनके विवरण मीडिया में इतालवी प्रवासी पत्नियों के बारे में उछाले गए। [516] वास्तव में, वह एक स्थानीय महिला, एनी एम्मा पॉटर थी, जिसका जन्म क्लेरकेनवेल में हुआ था। 517 उन्होंने 1913 में सबिनी से शादी की, सेंट पीटर के कैथोलिक चर्च में नहीं, जो सैफरन हिल के इटालियंस के साथ गहराई से जुड़ा हुआ था, बल्कि सेंट फिलिप, क्लेरकेनवेल के एंग्लिकन चर्च में। उनकी सबसे बड़ी बेटी का नाम चर्च ऑफ इंग्लैंड रखा जाएगा।

[518]

बाद में सबिनी ने स्वयं अपनी अंग्रेजियत पर जोर देते हुए घोषणा की कि 'इंग्लैंड मेरे लिए एकमात्र देश है', जबकि उनका इकलौता बेटा ओटावियो हैरी अगस्त 1943 में ब्रिटेन के लिए लड़ते हुए मारा गया था।

[519] महत्वपूर्ण रूप से, मुझे सबिनी और सिसिली के बीच कोई संबंध नहीं मिला, और इसलिए रिपोर्ट है कि उसने सिसिली नाइफमैन को आयात किया था, इसकी संभावना नहीं थी। हालाँकि वह 1876 से 1915 तक लंदन के सैफरन हिल के इटालियन क्वार्टर से आए थे, लेकिन वहां बसने वाले ज्यादातर लोग इटली के उत्तर में लोम्बार्डी और एमिलिया, या टस्कनी या कैम्पेनिया - नेपल्स और रोम के बीच के क्षेत्र से आए थे। उनमें से, प्रवास का मुख्य क्षेत्र पर्मा के दक्षिण में एपिनेन क्षेत्र था, जहां से ऐसा माना जाता है कि सबिनियों की उत्पत्ति हुई थी।

[520]

इतालवी समुदाय के शुरुआती वर्षों में, अधिकांश नवागंतुक युवा पुरुष थे और वे इलाके की महिलाओं से शादी करते थे। [521] 1875 से, जबकि पत्नियाँ इतालवी महिलाओं या इतालवी जोड़ों की पहली पीढ़ी की लंदन में जन्मी बेटियों की संख्या बढ़ रही थीं, मिश्रित विवाह जारी रहे। इनमें सबिनी के पिता, ओटावियो भी शामिल थे, जिन्होंने 1898 में क्लेरकेनवेल के एंग्लिकन सेंट पॉल चर्च में एलिज़ा एलिजाबेथ हैंडली से शादी की थी। हालाँकि, यह स्पष्ट है कि वे एक दीर्घकालिक रिश्ते में थे, क्योंकि चौदह साल पहले, ओटावियो सबिनी एक पब में अन्य इटालियंस के साथ गंभीर झगड़े में शामिल थी और एलिजा हैंडली ने कहा था कि वह उसका युवक था।

[522] चार साल बाद, जुलाई 1888 में, उनके बेटे ओटावियो का जन्म हुआ, हालाँकि उसका जन्म उसकी माँ के नाम हैंडली के तहत पंजीकृत किया गया था।
[523]

डार्बी के नाम से बेहतर जाना जाने वाला यह उपनाम साउथ पॉ बॉक्सर के लिए इस्तेमाल होने वाले शब्द से उत्पन्न हुआ माना जाता है। उनके दो बड़े भाई, फ्रेडरिक और चार्ल्स थे। उनका जन्म भी हैंडले के रूप में दर्ज किया गया था और उनका नाम उनकी मां के दो भाइयों के नाम पर रखा गया था। 524 समसामयिक समाचार रिपोर्टों में अक्सर डार्बी सबिनी को चार्ल्स के रूप में संदर्भित किया जाता है, जिससे इतिहासकारों, जिनमें मैं भी शामिल हूं, में उनकी वास्तविक पहचान को लेकर भ्रम पैदा हो गया है। सबिनी ने बाद में स्वीकार किया कि वह अपनी मां के पहले नाम के बाद खुद को फ्रेडरिक हैंडली भी कहता था, लेकिन उसने स्पष्ट रूप से कहा कि 'मेरा नाम चार्ल्स सबिनी नहीं है' और 'मेरा असली नाम ओटावियो सबिनी है।' 525

1891 तक, उनके माता-पिता चार बच्चों के साथ माउंट प्लेजेंट, क्लेरकेनवेल में रह रहे थे। 526 डार्बी सबिनी उनके साथ नहीं थे, लेकिन पिछले वर्ष उन्हें ड्रूरी लेन इंडस्ट्रियल डे स्कूल में उपस्थित होने के रूप में दर्ज किया गया था। 527 1895 में स्थापित

Machine Translated by Google

जिन बच्चों की स्कूल में उपस्थिति अनियमित थी, उनके लिए आपराधिक प्रवृत्ति वाले किसी युवा को आवासीय औद्योगिक स्कूल में भेजना आधे रास्ते के घर जैसा था। 528 फिर भी, ऐसा कोई सबूत सामने नहीं आया है जो यह दर्शाता हो कि सबिनी किम्बर और अन्य रेसकोर्स बदमाशों की तरह एक आदतन अपराधी था, और जैसा कि हीदर शोर ने टिप्पणी की थी, ऐसा लगता है कि वह 'क़ानून से उल्लेखनीय रूप से बच गया था'। 529

1913 में अपनी शादी में, सबिनी ने दर्ज किया कि वह एक कारमैन था, और तीन वर्षों बाद, अपनी बेटी के नामकरण पर, उन्होंने कहा कि वह एक रेलवे कुली थे। 530 वह एक कुली था, लेकिन रेलवे में नहीं - इसके बजाय, उसने ड्रूरी लेन में एक नाइट क्लब में काम किया, जैसा कि उसने 1926 में स्वीकार किया था। यह संभावना है कि वह एक रक्षक था किसी प्रकार का।

प्रथम विश्व युद्ध के फैलने के बाद, क्लब बंद हो गया। सबिनी ने कहा कि उन्हें सेना की सेवा के लिए अस्वीकार कर दिया गया था और फिर वह सट्टेबाज और धावक बन गए। यह संभव है कि वह बाद वाला था क्योंकि उसने कहा था कि वह सट्टेबाजी की पर्चियां इकट्ठा करता था। फिर, 1918 में, वह फिर से स्टेपनी ग्रीन में व्हाइट हॉर्स क्लब में एक कुली के रूप में कार्यरत हो गए, और प्रति सप्ताह £ 3 कमाते थे। दो साल बाद, मई 1920 में, उन्हें बार-बार गेमिंग-हाउसों में न जाने के लिए बाध्य किया गया - इसलिए ऐसा प्रतीत होता है कि क्लबों और स्पीलर्स में उनके काम के माध्यम से सबिनी एमानुएल से परिचित हो गई। 531 तब तक सबिनी एक बड़े गिरोह की नेता बन चुकी थी। शोर ने सुझाव दिया है कि, 1920 के दशक के अन्य लंदन गिरोहों की तरह, इसकी जड़ें न केवल प्रादेशिक सड़क पर लड़ने वाले गिरोहों में

थीं, जो लंबे समय से क्लेरकेनवेल जैसे क्षेत्रों में एक विशेषता थीं, बल्कि अन्य स्थानीय 532 से घुसपैठ के खिलाफ रक्षा के रूपों में भी थीं। इस तरह के सुझाव का समर्थन करने के लिए सबूत हैं, क्योंकि 1898 में युवा थे। 'क्लेरकेनवेल वॉर गैंग द्वारा रिवॉल्वर फायरिंग का एक और मामला' जिसमें अल्फ्रेड स्मिथ ने ऑगस्टस सबिनी पर गोली चलाई। 533

इससे पता चलता है कि सबिनी गैंग की जड़ें भी बुजुर्ग रिश्तेदारों की हिंसा में निहित हो सकती हैं। डार्बी सबिनी के पिता का एक भाई, ग्यूसेप और क्लेरकेनवेल में चचेरे भाई थे। 534 परिवार के दो लोगों पर 1883 और 1888 में चाकुओं से घायल करने का आरोप लगाया गया था, जबकि सबिनी के पिता पर 1895 में हमले के लिए जुर्माना लगाया गया था, पिछले साल उन पर चाकू से वार किया गया था। ये सभी लड़ाइयाँ इटालियंस के बीच हुईं। 535 छोटे सबिनिस भी हिंसक थे, और जून 1909 में, डार्बी के बड़े भाई, चार्ल्स पर दो लोगों पर हथौड़े से हमला करने का आरोप लगाया गया था। 536

छह महीने बाद, विंसेंट सबिनी और जॉर्ज कॉर्टेसी पर दुर्भावनापूर्ण रूप से घायल करने का आरोप लगाया गया। सबिनी को दोषी नहीं पाया गया, लेकिन कोर्टेसी को दो महीने की कड़ी सजा सुनाई गई। बाद वाले को हमले और चोरी के लिए अन्य सजाएँ मिलीं, 537

और वह और उसका एक भाई सबिनी गैंग में प्रमुख व्यक्ति बन गए।

फ्रांस में जन्मे, वे अब क्लेरकेनवेल में रहते थे। 538 एंजेलो ने भी ऐसा ही किया

Machine Translated by Google

जियानिकोली। 539 बाद में खुद को जॉर्ज लेंगहम बताते हुए, चौदह साल की उम्र में उन्हें दुर्भावनापूर्ण घाव के लिए छुट्टी दे दी गई, फिर एक दशक बाद, 1913 में, उन्हें गैरकानूनी घाव के लिए छह महीने की कड़ी सजा दी गई। [540] वह डार्बी सबिनी के लिए मुख्य प्रवर्तक बन जाएगा। 541

साझा पृष्ठभूमि और पड़ोस की वफादारी से बंधे हुए, सबिनी गैंग के संबंध न केवल व्यक्तिगत रिश्तों से बल्कि खून से भी मजबूत हुए, क्योंकि शोर ने समझा, 'सबिनी गैंग से जुड़ने वाली सबसे स्थायी "संरचना" परिवार और रिश्तेदारी थी। .' ऐसा ही था, और गिरोह में डार्बी के दो सबसे छोटे भाई, जोसेफ और हैरी, या 'हैरी बॉय', जैसा कि वह जाना जाता था, भी शामिल थे। फिर भी यह डार्बी ही था जो नेता बना। अपनी [542] पोशाक में दिखावटी नहीं, काल्पनिक सबिनी की बेला आकृति के विपरीत , उन्होंने एक सपाट टोपी, वास्कट के साथ एक सूट और आमतौर पर एक कॉलर रहित शर्ट पहनी थी। इन सबके लिए, उनकी प्रभावशाली उपस्थिति थी। सट्टेबाज प्रिंस को याद आया, 'वह भीड़ का सज्जन व्यक्ति था लेकिन वह किसी से नहीं डरता था।' यह निडर सबिनी थी जो किम्बर के बर्मिंघम गिरोह और उसके सहयोगियों के खिलाफ लड़ाई का नेतृत्व करेगी। 543

1921 का रेसकोर्स युद्ध

सबिनी गैंग 1919 तक एक साथ आ गया था, जब अच्छे कपड़े पहने पुरुषों के एक समूह की एक तस्वीर ली गई थी जो चारबैंक यात्रा पर जाने वाले थे - संभवतः रेसिंग के लिए।
यह रेसकोर्स युद्ध से पहले था, और, अन्य गैंगस्टरों के बीच, तस्वीर में डार्बी, जो और हैरी 'बॉय' सबिनी और दो कॉर्टेसी भाइयों के साथ-साथ बर्मिंघम गैंग के नेता बिली किम्बर और वैग और वाल मैकडोनाल्ड को दिखाया गया है। हाथी लड़के. यह ध्यान देने योग्य है कि अल्फी सोलोमन उनमें से नहीं हैं, भले ही उन्हें तब तक सेना से छुट्टी दे दी गई थी।

ऐसा इसलिए हो सकता है क्योंकि वह अभी तक गैंगस्टरवाद में शामिल नहीं था, लेकिन यह भी बता रहा है कि तस्वीर में कोई भी यहूदी पुरुष नहीं है। इसमें कोई संदेह नहीं हो सकता है कि यहूदी-विरोध ने बर्मिंघम गैंग और उसके लंदन सहयोगियों को संक्रमित कर दिया है।

हालाँकि, किम्बर के गठबंधन और सबिनिस के बीच सौहार्दपूर्ण संबंध 1921 के वसंत में बड़ी कमाई के अवसर पर टूट गए। इमानुएल और बेस्फोर्ड के साथ अपने मजबूत संबंध के माध्यम से और सट्टेबाजों को 'सेवाओं' से मिलने वाली बड़ी रकम से आकर्षित होकर, 'सबिनियों ने ईस्ट एंड सट्टेबाजों के बचाव में, जैसा कि डिवाल ने व्यक्त किया था, ने हथकंडे अपनाए।' 544 उन्हें अल्फी सोलोमन और इमानुएल के यहूदी आतंक के साथ-साथ अल्फ़ व्हाइट के किंग्स क्रॉस गैंग का भी समर्थन प्राप्त था।

[545]

लेकिन किम्बर नए गठबंधन के सामने पीछे हटने को तैयार नहीं थे और 21 मार्च को डार्बी सबिनी को ग्रीनफोर्ड ट्रॉटिंग में भीड़ ने घेर लिया।

Machine Translated by Google

रास्ता। सबिनी द्वारा रिवॉल्वर निकालने और गोलियाँ चलाने से पहले 'गोली मारो -' और 'मैं उसकी हत्या कर दूँगा' की चीखें सुनी गईं। पुलिस ने उसे बचाया. बंदूक ख़ाली कारतूसों से भरी हुई थी, हालाँकि सबिनी के पास गला काटने वाला उस्तरा पाया गया था। 546 यह रेसकोर्स गिरोहों का पसंदीदा हथियार था और इससे भयानक घाव होते थे। ग्रीनो ने एक बार एक लड़ाई छेड़ दी थी जिसमें बेथनल ग्रीन की कुछ भीड़ ने एक सट्टेबाज पर हमला किया था, लेकिन पीड़ित का चेहरा 'फीते के पर्दे की तरह तिरछा' हो गया था।

547

जब सबिनी को गोलीबारी की घटना के लिए रिमांड पर लिया गया, तो उसे जमानत दे दी गई और वह स्वयं £200 की बड़ी राशि का भुगतान करने में सक्षम था, जबकि दो अन्य व्यक्तियों में से प्रत्येक के खिलाफ 548 शूटिंग का आरोप बिना लाइसेंस के बंदूक रखने के खारिज कर दिया गया था, लेकिन £100 की जमानत राशि का भुगतान किया गया था। कारण उन पर £10 का जुर्माना लगाया गया। 549 ब्रायन मैकडोनाल्ड को संदेह था कि अनुकूल पुलिस रिपोर्ट के लिए 'पैसे का हाथ' बदल गया, जिसके कारण सबिनी को मुख्य अपराध के लिए बरी कर दिया गया। उनका विश्वास आर्थर हार्डिंग द्वारा पुष्ट होता प्रतीत होता है, जिन्होंने याद किया कि इमैनुएल ने 'पुलिस को शांत कर दिया था' और अपराधियों को मुसीबत से बाहर निकाल सकते थे। 550

यह मामला था या नहीं, यह स्पष्ट था कि दोनों पक्ष समान रूप से मेल खाते थे और इसलिए किम्बर 27 मार्च की शाम को किंग्स क्रॉस के कोलियर स्ट्रीट में सबिनी के घर पर एक बैठक के लिए सहमत हुए, जिसमें देश के रेसकोर्स रैकेट को गिरोहों के बीच विभाजित करने पर चर्चा की गई। . किम्बर के साथ जॉर्ज सेज और वैग मैकडोनाल्ड भी थे, जबकि सबिनी ने अन्य रेसिंग पुरुषों को आमंत्रित किया था, लेकिन सोलोमन को नहीं। हो सकता है कि कोई समझौता हो गया हो, लेकिन कुछ देर शराब पीने और गाने के बाद, किम्बर और उसके दोस्त चले गए। एकमात्र गवाह के अनुसार, जैसे ही वे गलियारे में चले गए, उन्होंने सोलोमन को देखा, और 'उनमें से एक ने मुड़कर कहा, "तुम क्या चाहते हो, यहूदी!" गोलियां चलाई गईं और बाद में किम्बर को बेहोश पाया गया। फुटपाथ।

551

बाजू में घाव हो गया था और उसे अस्पताल ले जाया गया था। पुलिस के पास गया और कहा 552 सुलैमान को तब कि उसने दुर्घटनावश किम्बर को गोली मार दी थी, जब 'बर्मिंघम गैंग ऑफ टेररिस्ट' का मुखिया चिल्लाया था, 'तुम यहाँ क्या कर रहे हो, यहूदी? बाहर निकलो नहीं तो मैं तुम्हें गोली मार दूँगा!' इसके बाद सोलोमन ने किम्बर के हाथ से रिवॉल्वर छीन ली और आगामी संघर्ष में हथियार चल गया। भयभीत होकर सुलैमान भाग गया। अदालत में, जब वह मुकदमे के लिए प्रतिबद्ध था, तो किम्बर ने कहा कि वह नहीं जानता कि उसे किसने गोली मारी थी, यह घोषणा करते हुए कि अगर सुलैमान ने कहा कि उसने मुझे गोली मारी तो वह कायर है। केवल कायर ही रिवाल्वर रखते हैं। मैं बल्कि उड़ा देना पसंद करूंगा

मेरा दिमाग किसी पर भी इस्तेमाल करने से बेहतर है।' हालाँकि सोलोमन पर गैरकानूनी रूप से घायल करने का आरोप लगाया गया था, किम्बर ने उसके बाद कुछ भी कहने से इनकार कर दिया, और ओल्ड बेली में मुकदमे में, न्यायाधीश ने जूरी को दोषी नहीं होने का फैसला वापस करने का निर्देश दिया।[553] [554]

इसके बाद दक्षिणी के रेसकोर्स पर छह महीने तक हिंसा हुई

Machine Translated by Google

इंग्लैंड और लंदन में. 4 अप्रैल को, एलेक्जेंड्रा पार्क में, सबिनी गैंग और उनके यहूदी सहयोगियों और बर्मिंघम गैंग के बीच लड़ाई हुई, जिनमें से एक को बाद में हत्या के प्रयास से बरी कर दिया गया। फिर, 2 जून 1921 को, वह हुआ जिसे टाइम्स ने 'द एप्सम रोड बैटल' घोषित किया था। 555 को मूल रूप से सिन फेन दंगा माना जाता था, वास्तव में यह लीड्स सट्टेबाजों पर बड़ी संख्या में बर्मिंघम गिरोह द्वारा रेसिंग के बाद एक क्रूर हमला था। अधिकतर यहूदी, बाद वाले को किम्बर के प्रति निष्ठा बदलने वाला माना गया और इस प्रकार उन्हें निशाना बनाया गया। बाईस लोगों को गंभीर शारीरिक क्षति पहुँचाने का दोषी पाया गया।

उनमें कठोर अपराधी शामिल थे जिन्हें हत्या, हिंसा के साथ डकैती, गैरकानूनी और दुर्भावनापूर्ण घाव और हत्या के प्रयास के लिए दोषी ठहराया गया था।

एक अलग मामले में, बर्मिंघम गैंग के दो अन्य सदस्यों को एप्सम मीटिंग में धमकी देकर सट्टेबाजों से पैसे मांगने के आरोप में जेल में डाल दिया गया था।
उन्होंने 50 सट्टेबाजों से प्रत्येक को £1 प्राप्त करके बहुत सारा पैसा कमाया था। उनमें से एक कुख्यात गैरीसन लेन वेंडेट्टा का चार्ल्स फ्रैंकलिन था, जिसे तीन महीने की कैद की सजा सुनाई गई थी।

556

इतने सारे लड़ाकू लोगों की हार से किम्बर स्पष्ट रूप से कमजोर हो गए थे, लेकिन अगस्त 1921 में, उन्होंने बाथ रेस में लंदन के सट्टेबाजों और उनके कार्यकर्ताओं पर हमले का नेतृत्व किया। उनमें अल्फ़ी सोलोमन भी थे। जब वह और उसका क्लर्क, चार्ल्स बिल्ड, रास्ते की ओर जा रहे थे, तो भीड़ ने बिल्ड को घेर लिया और 'उस पर हथौड़ों, लाठियों, लोहे की छड़ों और अंत में रेत की बोरी से वार किए गए।'

खून से लथपथ और लगभग बेसुध होकर, वह भागने में सफल रहा और बाथ के पंप रूम में पहुंच गया, जहां एक नौकरानी ने उसके घावों पर पट्टी बांधने के लिए एक चादर फाड़ दी और जहां से उसे अस्पताल ले जाया गया। जहाँ तक सुलैमान की बात है, उसे हथौड़े से मारकर गिरा दिया गया था। उसके सिर पर चार घाव किये गये और जब वह लहूलुहान पड़ा हुआ था, तो उसे हिंसक रूप से लात मारी गयी और मारा गया। उसके हमलावर फिर चले गए और वह भी चला गया

अस्पताल ले जाया गया. [557]

सुलैमान का भाई, हैरी, एक और शिकार था। बैठक के दौरान पुरुषों के एक गिरोह ने उनका पीछा किया। भयभीत होकर, उसने एक रिवॉल्वर निकाली और उसे अपने पीछा करने वालों पर तान दिया। उनमें से एक ने उसे उसके हाथ से गिरा दिया और दूसरे ने सुलैमान को मारा। जैसे ही वह जमीन पर लेट गया, उसके सिर पर हथौड़े से वार किया गया। पुलिस द्वारा बचाए गए, सोलोमन पर बिना लाइसेंस के रिवॉल्वर और गोला-बारूद ले जाने और जीवन को खतरे में डालने के इरादे से आरोप लगाया गया था। वह सिर पर पट्टी बांधकर अदालत में पेश हुआ और उसे एक महीने जेल की सजा सुनाई गई।

558

किम्बर उन दो व्यक्तियों में से एक था जिन पर चार्ल्स बिल्ड को गैरकानूनी रूप से घायल करने का आरोप लगाया गया था, जो अदालत में उपस्थित नहीं हुए और मामला ख़त्म हो गया। हालाँकि, यह घोषणा की गई कि 'इस तरह की कोई और परेशानी नहीं होगी' जैसा कि बीच में झगड़ा हुआ था

जाति-संबंधी बिरादरी के कुछ वर्गों को सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझा लिया गया था। 559 यह था

Machine Translated by Google

क्योंकि किम्बर को मात दे दी गई थी। अगस्त 1921 में, बेरेसफोर्ड और इमानुएल ने बुकमेकर्स एंड बैकर्स रेसकोर्स प्रोटेक्शन एसोसिएशन का गठन किया था

(बीपीए), क्रमशः अध्यक्ष और उपाध्यक्ष बने। उन्होंने दक्षिणी सट्टेबाजों को बर्मिंघम गिरोह 560 एक माह के भीतर और उनके सहयोगियों से बचाने के लिए प्रति सप्ताह £6 के उच्च वेतन पर आठ प्रबंधकों को नियुक्त किया था। इन प्रबंधकों में डार्बी सबिनी और उनके कुछ आदमी और एडवर्ड इमानुएल के रिश्तेदार फिलिप इमानुएल थे। 561 गैंगस्टरों के साथ इस संबंध के बावजूद, जॉकी क्लब ने नए संघ का स्वागत किया, जो 562 में कई प्रमुख रेसकोर्स चलाता था , इमानुएल और सबिनिस को इस वैधता से लाभ हुआ, जिसका इंग्लैंड को फायदा हुआ। किम्बर और उसके लोगों द्वारा चुनौती देना उनके लिए कठिन हो गया।

जब दोनों पक्ष आमने-सामने थे और प्रेस ने मैदान पर 'गुंडागर्दी' और 'गुंडागर्दी' के खिलाफ पुलिस से कार्रवाई की मांग की, तो बेरेसफोर्ड के घर पर एक बैठक आयोजित की गई। वास्तव में, इंग्लैंड को रेसकोर्स संरक्षण रैकेट के नियंत्रण क्षेत्रों में विभाजित करने पर सहमति हुई। उत्तर, मिडलैंड्स और पश्चिम देश में बर्मिंघम गैंग द्वारा चलाया जाएगा, जिसमें नए नेता होंगे; सबिनिस और उनके सहयोगियों द्वारा दक्षिण और पूर्वी एंग्लिया में। बर्मिंघम गिरोह के अधिकांश लोग अभी भी शहर में रहते थे और वे संतुष्ट थे। उनके साथ युद्धविराम कायम रहा लेकिन किम्बर और उनके लंदन के दोस्त नाराज हो गए और उनके और सबिनी गैंग और उसके सहयोगियों के बीच एक नया रेसकोर्स युद्ध छिड़ गया। 563

परिणाम

छुरा घोंपना, उस्तरा से वार करना, गोलीबारी और यहां तक कि छुरे से हमला भी 564 समाचार बना।

एक तरल और तेजी से बदलते परिदृश्य में, सहयोगियों के बीच भी विवाद हुए और सितंबर 1922 में, BPA ने अपने प्रबंधकों की सेवाओं को समाप्त कर दिया। यह कार्रवाई उन शिकायतों के बाद की गई जिसमें यह आरोप शामिल था कि उन्होंने सट्टेबाजों को बेची गई सूचियों के प्रत्येक सेट पर एक शिलिंग की रॉयल्टी की मांग की थी। 565 फिर 20 नवंबर 1922 को लिटिल इटली में ही एक हिंसक टकराव हुआ जब हैरी 'बॉय' और डार्बी सबिनी को फ्रैटालान्ज़ा क्लब में

दो कॉर्टेसी भाइयों ने गोली मार दी। 566 वे बीपीए के प्रबंधक भी रहे थे और सट्टेबाजों को रेसिंग सूचियाँ बेचने को लेकर स्पष्ट रूप से सबिनिस के साथ उनका मतभेद हो गया था। सबूत देते हुए, डार्बी सबिनी ने कमाए जा सकने वाले बड़ी रकम का प्रचार किया। प्रत्येक सूची पाँच शिलिंग में बेची जाती थी और प्रति दिन £100-£200 तक कमाया जा सकता था, जिससे £3,000-£4,000 की वार्षिक आय होती थी। वह

जोड़ा गया कि सूचियाँ अब एसोसिएशन द्वारा बेची गईं, लेकिन वे नहीं थीं। 567
इमानुएल द्वारा मुद्रित, जो वैधता की राह पर थे, उन्हें बेच दिया गया

Machine Translated by Google

सबिनी गैंग.

डेव लैंगहम इसके प्रवर्तकों में से एक, जॉर्ज लैंगहम (एंजेलो जियानिकोली) के बेटे थे और उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इन बिक्री से कितना पैसा कमाया जा सकता है। 1930 के दशक की शुरुआत में, उनका परिवार केसर हिल से एक इनडोर स्नानघर वाले घर में चला गया था और उनके पिता चांदी से भरे पैसों के बैग के साथ दौड़ से घर आते थे। वहाँ इतने सारे सिक्के थे कि उन्हें होना ही था

स्नान में डाला गया, जिससे उन्हें उसके सहयोगियों के साथ विभाजित किया जा सके। [568]

अब कोरटेसी बंधुओं का समर्थन नहीं रहा, 1922 में डार्बी सबिनी ने अपने भाई, जो को भी खो दिया था, जिसे हत्या के इरादे से गोली चलाने के लिए तीन साल की कैद की सजा सुनाई गई थी। 569 कुछ महीने बाद एक और प्रमुख सहयोगी, अल्फ 570 फिर 1924 में, किंग्स क्रॉस गैंग के नेता अल्फी व्हाइट को जेल में डाल दिया गया।

सुलैमान को तीन वर्ष के लिये नीचे भेज दिया गया। [571] वह ईडन क्लब में ताश खेल रहा था, जिसे पीकी ब्लाइंडर्स की श्रृंखला दो में डार्बी सबिनी के स्वामित्व वाले भव्य जैज़ क्लब के रूप में काल्पनिक बनाया गया था। हकीकत में, ब्रायन मैकडोनाल्ड ने इसे 'एक बार, कार्ड टेबल और एक रूलेट व्हील के साथ गेराज के ऊपर दो मंजिलों पर कब्जा करने वाले एक स्पिलर से ज्यादा कुछ नहीं' के रूप में वर्णित किया। 572 सोलोमन अपने प्रतिष्ठित ग्रिज़, एमानुएल की संगति में था , जिसके

प्रति बार्नी ब्लिट्ज़ नामक एक अन्य ग्राहक के मन में द्वेष था। एक पूर्व मुक्केबाज और सख्त आदमी, उसने एमानुएल के साथ बहस की जिसने उसके ऊपर एक पेय फेंक दिया। इसके बाद ब्लिट्ज़ ने इमानुएल को 'एक गिलास से इतनी जोर से मारा कि वह अपना विवेक खो बैठा।' दोनों व्यक्ति अलग हो गए लेकिन सोलोमन ने मेज से एक चाकू उठाया और उसे ब्लिट्ज़ के सिर में घोंप दिया, जिससे उसे घातक घाव हो गया। एक अन्य व्यक्ति जिसने चाकू निकालने की कोशिश की वह घायल हो गया। अपने बचाव में, सोलोमन ने कहा कि उसे बस इतना याद है कि 'इमैनुएल के सिर से सुअर की तरह खून बह रहा था। मैंने सोचा कि ब्लिट्ज़ फिर से उसके लिए जा रहा था।' हालाँकि कोरोनर की जूरी ने इरादतन हत्या का फैसला सुनाया था, बचाव दल ने ब्लिट्ज़ के हिंसक चरित्र पर जोर दिया, यहूदी समुदाय से अच्छे चरित्र के वसीयतनामा हासिल किए और अदालत में सोलोमन के पदक और सेना के डिस्चार्ज पेपर पेश किए।
[573]

[574] परिणामस्वरूप, वह भाग्यशाली था कि उसे पकड़ लिया गया 575 में वर्णित किया गया था। यहूदी जब पहली बार आरोप लगाया गया, तो उसे 'हत्या के दोषी एक युवा व्यक्ति' के रूप दिखने वाला, जिसने लंबा नीला ओवरकोट, ग्रे टोपी और भूरे रंग के जूते पहने हुए थे। 576 मेट्रोपॉलिटन पुलिस रिकॉर्ड्स में उसे 5 फुट 6½ इंच, गोरा रंग और नीली आंखों और भूरे बालों के साथ दर्ज किया गया था। उसकी दाहिनी कलाई, बाएँ अंगूठे, उसकी गर्दन के पीछे और उसके ऊपरी होंठ पर निशान किम्बर और अन्य लोगों के हमलों के सबूत थे। सोलोमन ने भी टैटू बनवाए थे. उनकी बायीं भुजा पर एक शंख, एक शेर और पंखे के साथ एक जापानी महिला थी, और उनकी दाहिनी भुजा पर एक और जापानी महिला थी।

577

Machine Translated by Google

सोलोमन और अन्य लोगों के कारावास के बावजूद, सबिनी गिरोह ने सट्टेबाजों को डराना जारी रखा। हालाँकि, डार्बी सबिनी दोषसिद्धि से बचते रहे और 1923 में, एक अवसर पर जब उन पर एक सट्टेबाज पर नकल डस्टर से हमला करने का आरोप लगाया गया, तो मामला खारिज कर दिया गया। 578 फिर भी जल्द ही सबिनी स्वयं संकट में पड़ गई। यद्यपि वह गिरफ्तारी से बचने में माहिर था, लेकिन जब उसने सट्टेबाजों को आतंकित करने और रिवाल्वर

रखने वाले ब्लैकमेलर्स के एक गिरोह के नेता के रूप में उसका नाम लेने के लिए टॉपिकल टाइम्स पर कथित मानहानि का मुकदमा दायर किया, तो उसने निर्णय लेने में गलती की। उच्च खेल सामग्री वाला एक साप्ताहिक समाचार पत्र, प्रकाशन का स्वामित्व डीसी थॉमसन के पास था। मार्च 1924 में, 'हाउ वी आउटविटेड ए राइवल गैंग' शीर्षक के तहत, इसने गिरोह के एक सदस्य द्वारा प्रथम-व्यक्ति अंश में सबिनी की आपराधिक गतिविधियों का खुलासा किया। 579 यह महसूस करते हुए कि प्रकाशन के पास यह दिखाने के लिए बहुत अधिक सबूत हैं कि वह एक गैंगस्टर था, सबिनी ने कार्रवाई समाप्त करने की मांग की। दिसंबर 1925 में, वह सुनवाई में उपस्थित होने में विफल रहे। अपनी ओर से, प्रतिवादियों ने कहा कि सबिनी रेसकोर्स कीटों के एक गिरोह से जुड़ी हुई थी और उनकी बातें सार और तथ्य में सच थीं, जबकि

उनके पास उनके समर्थन में बड़े पैमाने पर विवरण थे। उनके लिए लागत का निर्णय दर्ज किया गया। 580 सबिनी पर अब डीसी थॉमसन का £700 से अधिक बकाया था, लेकिन वह 10 जून 1926 को अपने लेनदारों की पहली बैठक में शामिल नहीं हुए। उनका पता अज्ञात था, हालांकि उन्हें अभी भी रेसकोर्स में देखा जाना था, और यह सुझाव दिया गया था कि उन्होंने अभी भी बड़ी रकम बनाई है रेसिंग कार्ड बेचना. 581 दिवालियापन का प्रस्ताव पारित किया गया।

अपनी गिरफ्तारी के वारंट की धमकी मिलने पर, सबिनी 29 जून को लंदन दिवालियापन अदालत में पेश हुई। एक मोटे शरीर वाले व्यक्ति के रूप में वर्णित, वह अब अपनी पत्नी और तीन बच्चों के साथ रसेल स्ट्रीट, ब्राइटन में अपार्टमेंट में रह रहा था और उसने इस बात पर जोर दिया कि टॉपिकल टाइम्स के लेख से उसे बहुत नुकसान हुआ है। उसने इस बात से इनकार किया कि वह सबिनी गैंग का राजा था और वह सट्टेबाजों को धमकाने में लगा हुआ था, जिन्होंने विशेष पिचों के लिए भुगतान करने या उसके द्वारा बेची गई रेसिंग सूचियों को खरीदने से इनकार कर दिया था। सबिनी ने खुलासा किया कि इन्हें प्रत्येक पांच शिलिंग में बेचा गया था, जिसमें से उसने और एक अन्य व्यक्ति ने पांच पेंस कमाया, जबकि पोर्ट्सिया प्रेस के प्रिंटर ने एक शिलिंग बनाया। बेशक, यह इमानुएल की प्रिंटिंग कंपनी थी। सबिनी ने कहा कि सट्टेबाजों ने ये कार्ड इसलिए खरीदे क्योंकि वे बीपीए के सदस्य थे। यदि वे उन्हें खरीदना नहीं चाहते थे तो उन्हें कोई धमकी नहीं दी गई।

सबिनी गैंग के प्रमुख के रूप में उन्होंने प्रति वर्ष £20,000 से £30,000 तक के सुझाव का खंडन करते हुए हँसते हुए कहा, 'नहीं।' प्रति सप्ताह £8 की अपनी कमाई में से उन्हें £1, यात्रा व्यय के लिए प्रतिदिन 5 शिलिंग, और भोजन और पेय के लिए प्रतिदिन पांच शिलिंग का भुगतान करना पड़ता था - और वह अधिकांश दिनों में दौड़ने जाते थे। अंत में, उन्होंने स्वीकार किया कि उन्होंने समाचार पत्र प्रकाशकों के खिलाफ अपनी कार्रवाई जारी नहीं रखी क्योंकि उन्हें वकील द्वारा लागत के लिए वांछित £75 नहीं मिल सका, साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि उनके पास £75 नहीं थे।

Machine Translated by Google

संपत्ति. [582]

अब तक, मेट्रोपॉलिटन पुलिस सेवा के विशेषज्ञ अपराध और संचालन अनुभाग, फ्लाइंग स्क्वाड द्वारा रेसकोर्स गिरोहों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की गई थी। जॉकी क्लब ने रेसकोर्स में रिंगों (बाड़ों) की निगरानी के लिए एक विभाग भी स्थापित किया था। सबिनी गैंग के सदस्यों को रोजगार देने से आहत होकर, बीपीए ने खुद को सबिनी से अलग कर लिया था और रेसकोर्स सट्टेबाजों के अधिकारों की रक्षा और सुरक्षा के लिए पिच समितियों का गठन किया था। 1929 में, इस दृष्टिकोण को जॉकी क्लब द्वारा समर्थित किया गया था और इसके बाद पिचों को गिरोहों द्वारा नहीं बल्कि स्थानीय बीपीए के साथ संपर्क करके रेसकोर्स कर्मियों द्वारा आवंटित किया गया था।

यह संभावना है कि अब तक सबिनी गैंग का नेतृत्व डार्बी के सबसे छोटे भाई, हैरी 'बॉय' ने किया था, जो वेस्ट एंड ड्रिंकिंग और जुआ क्लबों के लिए 'माइंडर्स' और अन्य सेवाएं प्रदान कर रहा था। जहां तक डार्बी सबिनी की बात है, वह ब्राइटन में ही रहे और 1929 में उन्हें एक सट्टेबाज के रूप में नामित किया गया जब होव ग्रेहाउंड रेसिंग स्टेडियम में एक अन्य सट्टेबाज पर हमला करने के लिए उन पर £5 का जुर्माना लगाया गया। 583 उनके पूर्व सहयोगी, अल्फी सोलोमन ने जेल से रिहा होने के बाद सट्टेबाजी फिर से शुरू कर दी थी और, पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, एक बार फिर से एक रेस गिरोह को इकट्ठा किया था। फरवरी 1930 में, वह अपने लोगों के साथ क्लैक्टन ग्रेहाउंड रेसिंग स्टेडियम गए और सट्टेबाजों से पैसे की मांग की। सोलोमन और उसके लोगों को स्टेडियम से बाहर निकाल दिया गया।

हालाँकि, बाद में उन्होंने दावा किया कि वह वही थे जिन्हें उस शाम डोजर मुलिंस के बेथनल ग्रीन गैंग के लोगों ने धमकी दी थी। 584 एक कुख्यात आतंकवादी जो सबिनिस और उनके सहयोगियों से

नफरत करता था, 1936 की शुरुआत में मुलिन्स के चेहरे और पीठ पर कटे हुए रेजर से बहुत बुरी तरह वार किया गया था।

सुलैमान के आदमियों द्वारा. [585] बदला लेने के लिए, मुलिंस ने जून में लुईस रेस में होक्सटन मॉब और एलिफेंट बॉयज़ के वाल मैकडोनाल्ड के साथ मिलकर काम किया। वे कुल्हाड़ी, नक्कल डस्टर और अन्य खतरनाक हथियारों के साथ पहुंचे। सोलोमन पर कई वार किए गए और उसके सिर पर चोटें आईं, लेकिन वह भागने में सफल रहा, हालांकि उसका क्लर्क इतना भाग्यशाली नहीं था और उसे बेरहमी से पीटा गया। 586

इस 'बैटल ऑफ लुईस' ने सनसनीखेज और गलत सुर्खियां बटोरीं

एक नया रेस ट्रैक युद्ध और अमेरिकी डकैतों की भागीदारी। 587 यह ऐसा कुछ नहीं था, क्योंकि 1920 के दशक के मध्य से उम्रदराज़ रेसकोर्स गैंगस्टरों का पतन हो रहा था, लेकिन इस हमले ने ग्राहम ग्रीन के उपन्यास ब्राइटन रॉक (1938) को प्रेरित किया।

[588] उनके आपराधिक चरित्रों को अच्छी तरह से चित्रित किया गया था और मीडिया फंतासी के उदाहरणों को प्रचारित नहीं किया गया था, हालांकि यह व्यापक रूप से माना जाता है कि अमीर गैंगस्टर कोलेओन सबिनी पर आधारित है। 589 ग्रीन ने 1988 में मुझे लिखा, यह समझाते हुए:

Machine Translated by Google

> यह सच है कि मेरा उपन्यास ब्राइटन रॉक कुछ हद तक सबिनी गैंग से मिलता-जुलता है, लेकिन मैं अब भूल गया हूं कि जब मैंने इसे लिखा था तो मैं क्या जानता था। उन दिनों मैं अक्सर ब्राइटन जाता था और एक बार एक गिरोह के एक सदस्य के साथ एक शाम बिताई, जिसने मुझे एक निश्चित मात्रा में इस्तेमाल होने वाली गालियों से परिचित कराया और मुझे अपने साथी गैंगस्टरों के बैठक स्थानों में से एक में ले गया।
>
> 590

पुस्तक के प्रकाशन के दो साल बाद, अप्रैल 1940 में, सबिनी को होव डॉग ट्रैक पर गिरफ्तार कर लिया गया और बाद में रक्षा विनियमन 18बी के तहत नजरबंद कर दिया गया। उसे हिरासत में लिया गया क्योंकि मेट्रोपॉलिटन पुलिस और सुरक्षा सेवा (एमआई5) का मानना था कि वह फासीवादी सहानुभूति वाला 'सबसे खराब प्रकार का खतरनाक गैंगस्टर और रैकेटियर' था, जो एक कब्जे वाले के इशारे पर 'इस देश के खिलाफ आंतरिक विद्रोह का नेतृत्व करने के लिए उत्तरदायी' था। शक्ति। यह बहुत ही अजीब विश्वास था और स्थानीय मुख्य कांस्टेबल और अन्य लोगों को इस पर संदेह था। 591 अंततः सबिनी को रिहा कर दिया गया, और जून 1943 में, उसे और एक अन्य व्यक्ति को रिहा कर दिया गया

£383 मूल्य का चोरी का सामान प्राप्त करने के लिए दो साल की सश्रम कारावास की सजा सुनाई गई। 592
बाद में उन्हें एक डीलर के रूप में वर्णित किया गया, 1950 में ब्राइटन के एक 593 एक किंवदंती उत्पन्न हुई कि वह जीवित था
पेंटहाउस फ्लैट में उनकी मृत्यु हो गई, लेकिन जब उनकी मृत्यु हुई तो उनके पास बहुत कम पैसे थे। वास्तव में 16 ओल्ड शोरम रोड 594 वह
पर रहता था। 595 उनकी पत्नी की 1978 में मृत्यु हो गई और वे चली गईं
£16,730। 596

1920 के दशक के मध्य तक, किम्बर वेस्ट एंड नाइट क्लबों में भी शामिल हो गए थे और उन्होंने 597 ओन
इंग्लैंड के दक्षिण-पश्चिम में रेसकोर्स पर रैकेट चलाना जारी रखा।
19 जुलाई 1926 को, उन्होंने अपने मित्र और सहयोगी जॉन 598 की बहन एलिजाबेथ गार्नहम से शादी की, किम्बर ने कहा कि वह
ठीक वैसे ही, जैसे मौड की हाल ही में मृत्यु हो गई थी। चैपल स्ट्रीट मार्केट गैंग के गार्नहैम थे। विधुर. वह था -
599 लेकिन वह और
मैकडॉनल्ड्स अभी भी सबिनीज़ के साथ नौकायन कर रहे थे और लगभग 1927 में, उन्होंने और बर्ट मैकडॉनल्ड्स ने ग्रिफ़िन की खिड़कियों के माध्यम से शूटिंग की, जो सबिनी गैंग द्वारा समर्थित क्लेरकेनवेल में एक सार्वजनिक घर था।

इसके बाद दोनों लोग अमेरिका भाग गए, जहां ब्रायन मैकडोनाल्ड का मानना है कि किम्बर ने उस व्यक्ति की हत्या कर दी होगी जिसने उसे एहसान के बदले पैसे नहीं दिए थे। एरिज़ोना से, किम्बर और बर्ट मैकडोनाल्ड लॉस एंजिल्स गए, जहां वैग मैकडोनाल्ड रह रहे थे। वह 1921 में एप्सम की लड़ाई के बाद गिरफ्तारी से बचने के लिए वहां से भाग गया था और अब शहर के माफिया बॉस जैक ड्रैगना का अंगरक्षक था।

किम्बर शिकागो चला गया, जहां कहा जाता था कि उसे मरे हम्फ्रीज़ ने छुपाया था।
600 वेल्श माता-पिता से जन्मे, वह अल कैपोन में एक अग्रणी व्यक्ति थे
कुख्यात गिरोह. 601

ब्रायन मैकडॉनल्ड्स ने अपनी किताब एलिफेंट बॉयज़ में अपनी रोमांचक कहानी का जिक्र किया है

Machine Translated by Google

अमेरिका में अंकल वैग, जो अभिनेता विक्टर मैकग्लेगन के बहुत अच्छे दोस्त थे और जो फिल्मों में भीड़ वाले दृश्यों में दिखाई देते थे। 602 यह सुझाव देने के लिए कोई सबूत नहीं है कि किम्बर ने ऐसा किया या वह कैपोन के गिरोह में सक्रिय रूप से शामिल हो गया, और इस सुझाव का समर्थन करने के लिए भी कोई सबूत नहीं है कि किम्बर के बर्मिंघम गिरोह और अमेरिकी डकैतों के बीच मनमौजी जीवन के अलावा कोई मजबूत संबंध था। जिमी स्पेंसर का.

603

स्पेंसर, या 'बर्मिंघम का गनमैन', जैसा कि उन्हें मार्च 1933 में बर्मिंघम डेली गजट में बुलाया गया था, लंदन चले गए और 604 की शुरुआत में किम्बर में शामिल हो गए। ब्रायन मैकडोनाल्ड के अनुसार, उनका असली नाम फ्रांसिस हेरोल्ड 1920 था।
अतिथि और उसकी हाथी लड़कों से दोस्ती हो गई। 605 जैसा कि उनकी पुस्तक लाइमी में बताया गया है, लगभग 1925 में स्पेंसर अमेरिका में जहाज से कूद गया, जहां वह लॉन्ग आइलैंड सिटी में एक गैंगस्टर और अपहर्ता जैक ब्रूसी के लिए बंदूकधारी बन गया। कैलिफोर्निया की ओर बढ़ते हुए, वह रैकेटियर निली पायने के संगठन में शामिल हो गया, फिर वैग और बर्ट मैकडोनाल्ड के साथ मिलकर काम किया और अंत में सैन क्वेंटिन जेल में पहुंच गया। उनकी रिहाई के बाद, उन्हें 1932 में ब्रिटेन निर्वासित कर दिया गया।

606

किम्बर तीन साल पहले इंग्लैंड लौट आया था और सट्टेबाज बन गया था। उन्होंने 1930 के दशक के उत्तरार्ध में खुद को 'बिल किम्बर एक विश्वसनीय व्यक्ति' के रूप में विज्ञापित किया और डेवोन और कॉर्नवाल बुकमेकर्स प्रोटेक्शन 607 के अध्यक्ष बने । इसमें एक विडंबना थी, क्योंकि 1921 में उनके कट्टर प्रतिद्वंद्वी इमानुएल ने बीपीए की स्थापना की थी। संगठन। इंग्लैंड के रेसकोर्स पर किम्बर के सुरक्षा रैकेट के लिए मौत की घंटी बज चुकी थी।

1945 में किम्बर की मृत्यु हो गई। स्थानीय समाचार पत्र में उनके मृत्युलेख में कहा गया, 'निजी और पेशेवर जीवन में उनकी बहुत रुचि रेसिंग में थी और वह इंग्लैंड के हर रेसकोर्स में प्रसिद्ध और सम्मानित थे।' उन्होंने अपनी विधवा, एलिज़ाबेथ, टोरक्वे में 10 पार्क हिल रोड पर उनका घर और £3,665 छोड़ दिया।

608 उनकी दो बेटियाँ थीं, जिनमें से एक की शादी आरएएफ स्क्वाड्रन लीडर और विशिष्ट फ्लाइंग क्रॉस धारक से हुई थी। स्विट्जरलैंड में फिनिशिंग स्कूल में भेजे जाने के बाद, उन्होंने उन बच्चों से बिल्कुल अलग जीवन जीया जिन्हें किम्बर ने बर्मिंघम में छोड़ दिया था।

609

किम्बर के शत्रु इमानुएल ने और भी अधिक पैसा कमाया। 1930 तक, उनका पोर्ट्सिया प्रिंटिंग वर्क्स हैकनी में था और वह और उनकी पत्नी, एलिजाबेथ, 965 फिंचली रोड, गोल्डर्स ग्रीन - एक जिले में एक बड़े घर में रह रहे थे, जो मध्यमवर्गीय यहूदी परिवारों को आकर्षित कर रहा था। 610 उनकी पत्नी की सात साल बाद मृत्यु हो गई और उन्होंने अपनी वसीयत में £22,656 छोड़ दिए, जिसका प्रबंधन उनकी दो बेटियों ने किया। 611 वह भी कुछ ही समय बाद मर गई।

612

जहां तक अल्फी सोलोमन का सवाल है, उनकी मृत्यु 1947 में हुई। 1924 में उनका अंतिम ज्ञात पता ए था सोहो में जेरार्ड स्ट्रीट, कोवेंट गार्डन में जहां वह पले-बढ़े थे, उसके करीब। 613

Machine Translated by Google

वसीयत अभी तक नहीं मिली है. हालाँकि पीकी ब्लाइंडर्स श्रृंखला में उनके जीवन को काल्पनिक बताया गया है , बिली किम्बर, अल्फी सोलोमन और डार्बी सबिनी वास्तविक लोग थे। शृंखला चार का माफिया लुका चांगरेटा नहीं था।

Machine Translated by Google

अंतभाषण

पीकी ब्लाइंडर्स की श्रृंखला तीन के एपिसोड दो में एक क्रूर लड़ाई में , जॉन शेल्बी अकेले ही एंजेल चांगरेटा और उसके दिमाग पर हमला करता है। बर्मिंघम इटालियन गैंगस्टर, विसेंट चांगरेटा का बेटा, उसे एक चीनी लॉन्ड्री में तहखाने जैसे क्षेत्र में नीचे जाने के बाद अनजाने में पकड़ा गया है। साफ-सुथरे सूटों से लदे एक हैंगर की ओर निर्देशित होकर, वह अपने नाम से चिह्नित एक हैंगर को खोजने के लिए उन्हें अलग कर देता है - लेकिन जॉन शेल्बी को अंतराल के माध्यम से खतरनाक ढंग से मुस्कुराते हुए देखकर चौंक जाता है। तेजी से चोटीदार ब्लाइंडर चांगरेटा को मुक्का मारकर जमीन पर गिरा देता है और फिर, एक भारी कोश से उसके माइंडर को बेहोश कर देता है। उसका बॉस उठने के लिए संघर्ष कर रहा है लेकिन शेल्बी मुड़ता है, उसे वापस लात मारता है और उसे इधर-उधर खींचता है। चांगरेटा अपनी पीठ पर गिर जाता है और शेल्बी अपनी चोटीदार टोपी उतार देता है और अपने दुश्मन के दाहिने गाल पर काट देता है। भयानक दर्द में, चांगरेटा ने अपना चेहरा ढक लिया और उसकी उंगलियों के बीच से खून रिसने लगा।

[614] दो गिरोहों के बीच आगामी युद्ध में, एंजेल चांगरेटा मारा जाता है और उसके पिता की हत्या कर दी जाती है। उनकी मौत से दूसरा बेटा लुका चांगरेटा क्रोधित है। न्यूयॉर्क का एक माफिया, वह बदला लेने की कसम खाता है और श्रृंखला चार में टॉमी शेल्बी का मुख्य नायक बन जाता है।

चांगरेटा गिरोह अस्तित्व में नहीं था, लेकिन उन्नीसवीं सदी के उत्तरार्ध से बर्मिंघम में एक वास्तविक चांगरेटा परिवार था। इसके सदस्य श्रृंखला के काल्पनिक इतालवी गैंगस्टरों के विरोधी थे, और उनके असामान्य नाम का उपयोग ऐतिहासिक कल्पना और ऐतिहासिक वास्तविकताओं के बीच तनाव को तीव्र राहत देता है।

असली परिवार मार्टिनो सियानग्रेटा के साथ बर्मिंघम पहुंचा, जिसे इंग्लैंड में 'चांगरेटा' के नाम से जाना जाने लगा। कड़ी मेहनत करने वाले और शांतिप्रिय, वह अपने परिवार के प्रति समर्पित थे और उन्होंने बर्मिंघम पर सकारात्मक और लंबे समय तक चलने वाला प्रभाव डाला। वह एक छोटे और कानून का पालन करने वाले इतालवी समुदाय से थे

Machine Translated by Google

सिसिली, माफिया या गैंगस्टरों से कोई संबंध नहीं था। वह समुदाय 1870 के दशक के उत्तरार्ध से विकसित हुआ था, जब दक्षिणी इटालियंस की बढ़ती संख्या गंभीर गरीबी के कारण पलायन कर गई थी।

एक हड़ताली श्रृंखला प्रवासन की पहली कड़ियाँ पिकिनिस्को, एटिना और गैलिनारो के कम्यून्स और कोमिनो घाटी के कार्नेलो गांव के युवाओं द्वारा बनाई गई थीं। अब फ्रोसिनोन प्रांत में, वे 615 के करीब हैं । प्रवासी आधुनिक मिलेनियम पॉइंट के करीब, बार्थोलोम्यू स्ट्रीट और डडेस्टन रो में बस गए। उन्होंने ऐसा किराये के लिए सस्ते बैक-टू-बैक आवास की उपलब्धता के कारण किया; सोरा शहर. बुल रिंग से निकटता, जिसने खरीदारों को बैरल ऑर्गन बजाकर पैसा कमाने का अवसर दिया; और मूर स्ट्रीट पर सेंट माइकल रोमन कैथोलिक चर्च की निकटता - जिसे इटालियंस का चर्च माना जाने लगा। 616 बपतिस्मा और विवाह प्रमाणपत्र 1880 के दशक की शुरुआत में श्रृंखला की शुरुआत में ग्यूसेप डेलिकटा के महत्व की ओर इशारा करते हैं। वह और उसका परिवार थे

सांप्रदायिक और रिश्तेदारी की वफादारी से जुड़े नए लोगों के लिए आधार। [617]
लेकिन वह एक पादरी भी था, इंग्लैंड में स्थापित एक व्यक्ति जो युवाओं को खोजने के लिए नियमित रूप से इटली लौटता था, जिन्हें वह बर्मिंघम वापस ला सकता था। वह उनके आने-जाने, रहने-खाने और रखने के लिए भुगतान करेगा, लेकिन उन्हें एक निर्दिष्ट समय के लिए उसके लिए श्रम करके उसकी प्रतिपूर्ति करनी होगी। उनका काम बैरल ऑर्गन बजाते हुए सड़कों पर चलना था।

[618] उनमें से एक मार्टिनो चांगरेटा थे।
1868 में जन्मे, उन्होंने कहा कि वह सोरा से थे, जैसा कि सभी बर्मिंघम सिक्स ने किया था
कोमिनो घाटी के इटालियंस। वर्षों बाद, फरवरी 1893 [619] वह 1887 में किशोरावस्था में पहुंचे। [620]
में, सियानगेटो मार्टिनो, जैसा कि एक अखबार की रिपोर्ट में उनका नाम था, और एक अन्य 'पियानो ग्राइंडर' पर हमला किया गया। एक दुभाषिया के माध्यम से बोलते हुए, उन्होंने अदालत को बताया कि वे हेगली रोड पर खेल रहे थे जब उन्हें दो अन्य इटालियंस ने छोड़ने के लिए कहा क्योंकि उनके पैड्रोन ने तेरह वर्षों तक सड़क पर काम किया था। अगर उन्होंने ऐसा नहीं किया तो उन्हें मार दिया जायेगा. धमकी को नजरअंदाज कर दिया गया, लेकिन इसके तुरंत बाद, एक व्यक्ति ने चांगरेटा के होंठ और सिर पर एक छोटे चाकू से हमला किया और उसे लोहे की छड़ से पीटा। हमलावर पर जुर्माना लगाया गया

मात्र दो शिलिंग. [621]

इस समय तक, मार्टिनो चांगरेटा पच्चीस वर्ष के थे और वह अपनी पत्नी, ऐन किचन से मिले थे। उनकी पोती, विक्टोरिया हूपर ने लिखा है कि हालाँकि उनकी दादी का जन्म 1873 में कॉटस्वोल्ड्स के चिपिंग नॉर्टन में हुआ था, लेकिन परिवार 1880 के दशक के मध्य तक बार्थोलोम्यू स्ट्रीट में चला गया था। इटालियन क्वार्टर में: 'ग्रैन की मुलाकात मार्टिनो सियानग्रेटा से हुई, जो एक गहरी आंखों वाला, घुंघराले बालों वाला इतालवी था। वह छह फुट से अधिक लंबा था जबकि ग्रैन 4 फुट 10 इंच की एक छोटी, छोटी युवा महिला थी जिसके लंबे सुनहरे बाल थे जो कमर तक लंबे थे। कहने को तो गाड़ी को घोड़े के आगे रखा गया और अक्टूबर में सेंट माइकल में उनकी शादी हो गई

Machine Translated by Google

1893 और एक महीने बाद मेरी चाची क्रिस का जन्म हुआ।' 622

चांगरेटा के चौदह बच्चे थे। एक और पोती, पाम ओवेथ्रो ने बताया कि सबसे बड़ी का जन्म 1893 में और सबसे छोटी का 1917 में हुआ था।
उनमें से चार की मृत्यु शैशवावस्था में ही हो गई। उन्हें बताया गया कि उनके दादा अमेरिका गए थे, 'यह देखने के लिए कि क्या यह उनके परिवार के लिए बेहतर जीवन होगा। इससे काम नहीं बना और वह एनी और बच्चों के पास वापस आ गया।' 623 अपनी शादी के कुछ समय बाद, चांगरेटा ने डेलिकटा की सेवा छोड़ दी और राजमिस्त्री बन गए। 1922

तक, वह बर्मिंघम के हॉल ऑफ मेमोरी के लिए ब्रॉड स्ट्रीट साइट को साफ़ करने के काम के प्रभारी फोरमैन थे, जो प्रथम विश्व युद्ध में मारे गए शहर के लोगों का सम्मान करेगा। कुछ लोगों में, उस भूमिका से गुस्सा पैदा हुआ और स्थानीय समाचार पत्रों को पत्र लिखकर पूछा गया कि उन लोगों के बजाय विदेशियों को क्यों लिया गया जिन्होंने लड़ाई लड़ी थी और स्मारक के लिए भुगतान करने में मदद की थी।

ठेकेदारों ने जवाब दिया कि नियोजित सोलह लोगों में से एकमात्र विदेशी इतालवी था, जो विध्वंस कार्य में विशेषज्ञ था, जबकि उनका फोरमैन एक प्राकृतिक अंग्रेज था।

चांगरेटा ने खुद भी टी (होमस) के नाम पर आलोचकों को जवाब दिया
मार्टिन, अंग्रेजी नाम जो उन्होंने अपनाया था। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वह पैंतीस वर्षों से बर्मिंघम में थे, उनकी शादी एक अंग्रेज महिला से हुई थी और उन्होंने बोअर युद्ध में सेवा की थी। इसके अलावा, उनके सबसे बड़े बेटे ने प्रथम विश्व युद्ध के दौरान कार्रवाई में मारे जाने के बाद सर्वोच्च बलिदान दिया था। अन्य 'विदेशी' उनके दामाद थे, जो 'इसी शहर में एक अंग्रेज़ माँ से पैदा हुए' थे।

उनमें से प्रत्येक ने 'अंतिम युद्ध में सेवा की थी और इसके कठिन दौर से गुजरे थे।'
आलोचनाओं पर अपनी व्यक्तिगत चोट व्यक्त करते हुए, चांगरेटा ने कहा कि वह 'एक ऐसे काम के प्रभारी थे, जो मारे गए लोगों के लिए एक स्मारक बनना है, जिनके बीच, यदि नाम अंकित हैं, तो वह मेरे बेटे का होगा।'
624 तो यह बात थी। गनर के.जी
रॉयल गैरीसन आर्टिलरी के चांगरेटा को हॉल ऑफ मेमोरी में बर्मिंघम के रोल ऑफ ऑनर में याद किया जाता है।

चांगरेटा ने लॉली स्ट्रीट में अपना खुद का विध्वंस व्यवसाय शुरू किया, बर्मिंघम काउंसिल के लिए कुछ बड़े काम किए और कर्जन हॉल की सभी अंदर की दीवारों को भी साफ किया ताकि इसे वेस्ट एंड में परिवर्तित किया जा सके।

सिनेमा. 625

हालाँकि, द्वितीय विश्व युद्ध में वृद्ध मार्टिनो और एनी चांगरेटा को अधिक दुःख सहना पड़ा। बेलमोंट रो में उनके घर पर 1942 में बमबारी की गई थी और, जैसा कि हूपर को याद है, 'ग्रैन और मेरे चचेरे भाई, अल्फी और रे को बगल के गैरेज से सड़क पर गिर रहे पेट्रोल के साथ खंडहरों से बाहर निकालना पड़ा। भगवान का शुक्र है कि वे सब ठीक थे, हालाँकि ग्रैन बाद में बहरा हो गया।

सितंबर 1943 में इटली में अंकल विक की मृत्यु के बाद और अधिक दुख हुआ। परिवार में उनका नाम अब भी जीवित है क्योंकि वे सभी से बहुत प्यार करते थे।

Machine Translated by Google

भतीजियां और भतीजे।' विक्टर [626]

चांगरेटा सबसे छोटे बच्चे थे, जिनका जन्म 1917 में हुआ था। उन्होंने 1/6वीं बटालियन, क्वीन्स रॉयल रेजिमेंट (वेस्ट सरे) में एक प्राइवेट के रूप में काम किया था। पच्चीस वर्ष की आयु का एक विवाहित व्यक्ति, 30 सितंबर 1943 को कार्रवाई में मारा गया। मार्मिक बात यह है कि उसकी मृत्यु इटली के सालेर्नो में मित्र देशों की लैंडिंग में हुई - जो उसके पिता का देश था। एक साल बाद, उनके विस्तृत परिवार ने बर्मिंघम मेल के 'इन मेमोरियम' कॉलम में दस नोटिस के साथ उन्हें याद किया। उनकी पत्नी, फ्लोर्री,

लिखा कि वह ब्रिटेन के लिए लड़ने के लिए बहादुरी से आगे बढ़े थे। 1920 के दशक में इंग्लैंड [627] मेहनती, कानून-के असली गैंगस्टरों के विपरीत, असली चांगरेटा ने अपने देश और अपने शहर को स्थायी, सम्माननीय और सच्चा योगदान दिया।

फिर भी यह चांगरेटा जैसे सम्मानजनक और प्रतिष्ठित वास्तविक परिवार नहीं हैं जिनमें नाटक के प्रति आकर्षक आकर्षण है, यह ग्लैमरयुक्त काल्पनिक गैंगस्टर हैं। माफियाओं की तरह, उन्हें अपने परिवारों की देखभाल करने और अपने समुदायों के रक्षकों के रूप में रखा जाता है। सम्मानित लोग, वे केवल विरोध करने वाले गैंगस्टरों या उन लोगों पर हिंसा करते हैं जिन्होंने 'नैतिक' मानी जाने वाली आचार संहिता का उल्लंघन किया है।

जिनका ऐसे गुंडों से कोई वास्ता नहीं है, उन्हें डरने की कोई बात नहीं है; पत्नियों और मातृतुल्य महिलाओं का सम्मान किया जाता है, बुजुर्गों का सम्मान किया जाता है और बच्चों की सुरक्षा की जाती है। वफादार, सच्चे, निडर, भरोसेमंद और सिद्धांतवादी, उन्हें सत्ता विरोधी शख्सियतों के रूप में सराहा जाता है जिन्होंने एक 'वैकल्पिक' समाज का निर्माण किया है। बाहरी और अपराधी होते हुए भी वे सफल, पैसे वाले, अच्छे कपड़े पहनने वाले और सम्मानित होते हैं। दर्शकों से मनोवैज्ञानिक रूप से दूर, गैंगस्टर इस प्रकार टॉमी शेल्बी की तरह एक रोमांटिक व्यक्ति बन जाता है।

[628]

वास्तव में, 1920 के दशक के इंग्लैंड के रेसकोर्स गैंगस्टरों के बारे में कुछ भी रोमांटिक या ग्लैमरस नहीं था, जिन्हें पीकी ब्लाइंडर्स श्रृंखला में सामने लाया गया है। बिली किम्बर एक जेबकतरे और जबरन वसूली करने वाला व्यक्ति था जो क्रूर बल और हिंसा के डर से समृद्ध हो गया। अपनी पहली पत्नी और उनके बच्चों के प्रति विश्वासघाती होकर, उन्होंने उन्हें गरीबी के जीवन के लिए छोड़ दिया। हालाँकि कुछ लोगों द्वारा उसे 'गिरोह का सज्जन' माना जाता था, डार्बी सबिनी एक और ठग था जिसने खुली धमकी और उसके पार आने वालों पर क्रूर हमलों के माध्यम से अपनी संपत्ति अर्जित की। हालाँकि सबिनी या किम्बर जितना शक्तिशाली नहीं था, उनकी तरह अल्फ़ी सोलोमन हिंसक था और ईडन क्लब में एक पंक्ति में एक व्यक्ति की हत्या करने के बाद, वह भाग्यशाली था कि उसे हत्या का दोषी पाया गया, न कि हत्या का, जिसके लिए उसे फाँसी दी जाती।

उनमें से कोई भी, न ही एडवर्ड इमानुएल और हैरी 'बॉय' सबिनी जैसे अन्य, सम्माननीय, सिद्धांतवादी या नैतिक के रूप में प्रशंसा किए जाने वाले व्यक्ति थे। और न ही बैक-स्ट्रीट बर्मिंघम के असली चरमपंथी अंधभक्त और नारेबाज़ थे। शातिर युवा और पुरुष जो अपने दुश्मनों को दर्द और खूनी चोटें पहुंचाने में आनंद लेते थे, उनमें से कई जॉन शेल्डन के समान थे, जिन्होंने निष्पक्ष लड़ाई को त्याग दिया और इसके बजाय लड़ते रहे

Machine Translated by Google

भीड़ के हाथों और हथियारों के साथ।

अन्य लोग मेरे परदादा, एडवर्ड डेरिक जैसे ही थे, एक छोटा चोर जिसने अपनी पत्नी के साथ शारीरिक दुर्व्यवहार किया, एक पुलिसकर्मी पर हमला किया और एक अन्य व्यक्ति को घायल कर दिया। वे घृणित व्यक्ति थे और जिनकी प्रशंसा की जानी चाहिए वे वे हैं जो उनके खिलाफ खड़े हुए। एडवर्ड कुक जैसे लोग, जिन्होंने नारेबाज़ों का सामना किया; कॉन्स्टेबल लाइन्स की तरह, जो एक अन्य अधिकारी को बचाने में एक गिरोह द्वारा मारा गया था; और साहसी हैरियट चैपलिन की तरह, जिन्होंने कई लोगों पर हमला करने वाले बदमाशों का पीछा किया और पुलिस को उनकी पहचान की।

और हमें गरीबों के विशाल बहुमत की भी प्रशंसा करनी चाहिए, जिन्होंने अपराध और हिंसा की ओर रुख नहीं किया और जिन्हें चरम अंधेरों के शासन को तब तक सहन करना पड़ा जब तक कि यह समाप्त नहीं हो गया। एक अनुचित और अधिकतर उपेक्षापूर्ण समाज में रहने के बावजूद, और गरीबी के अथक दुश्मन के खिलाफ अंतहीन लड़ाई के बावजूद, वे स्वच्छ, ईमानदार और सभ्य बने रहने के लिए प्रतिदिन प्रयास करते रहे। गलत जानकारी वाले दर्शकों द्वारा 'मलिन बस्तियों' के रूप में अपमानित किए जाने के बीच, विशेष रूप से माताओं, चाची, दादी और बड़ी बहनों ने अपनी रिश्तेदारी और पड़ोसी संबंधों के माध्यम से व्यवहार्य पड़ोस बनाए। चोटी के अंधों और रेसकोर्स गैंगस्टरों के विपरीत, ये महिलाएं ही थीं जो वफादार, सम्माननीय, सच्ची और सिद्धांतवादी थीं और जो नैतिक आचार संहिता का पालन करती थीं। यह वे हैं जिनका हमें सम्मान करना चाहिए।

Machine Translated by Google

बाद के जीवन में एक पारिवारिक पार्टी में असली जेसी ईडन। बाएं से दाएं उसकी बहनें नेल और मे हैं; जेसी श्रिम्प्टन, उनकी माँ; जेसी के दूसरे पति वाल्टर मैकुलोच; और जेसी खुद। हालाँकि 1920 के दशक के मध्य में बर्मिंघम के श्रमिक आंदोलन में वह एक प्रमुख व्यक्ति नहीं थीं, लेकिन कुछ साल बाद वह ऐसी बन गईं और कई महिला श्रमिकों को ट्रेड यूनियनों में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

© मार्क हैनसन

मेरे परदादा, एडवर्ड डेरिक, 1895 में सत्रह साल की उम्र में, जब उन्हें घर तोड़ने से छुट्टी मिली थी।

© वेस्ट मिडलैंड्स पुलिस संग्रहालय

Machine Translated by Google

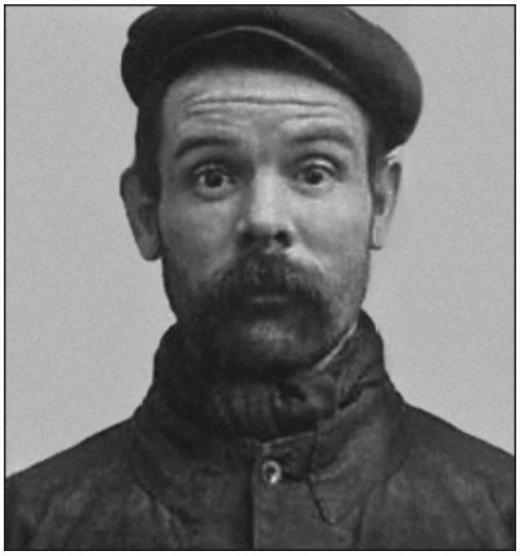

एडवर्ड डेरिक, इस बार 1906 में जब उन्हें एक टोकरी गाड़ी चुराने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। इस मौके पर उनकी ऊंचाई 5 फुट 4½ इंच बताई गई.

© वेस्ट मिडलैंड्स पुलिस संग्रहालय

संख्या 33-35 सस्ता पक्ष। इसी इलाके में 1872 में आधिकारिक तौर पर उल्लिखित पहला नारा लगाने वाला गिरोह इकट्ठा हुआ था।

© बर्मिंघम एमएस 2724 की लाइब्रेरी

Machine Translated by Google

थॉमस स्ट्रीट की एक अदालत, जहां 1858 में पिच-एंड-टॉस खेल रहे लोगों द्वारा दो पुलिस अधिकारियों पर पत्थरों से हमला किया गया था। यह बर्मिंघम के सबसे गरीब हिस्सों में से एक था।

© बर्मिंघम की लाइब्रेरी, एलएस 2/1-134

Machine Translated by Google

1950 के दशक में हाई स्ट्रीट बोर्डेस्ले और एडरले स्ट्रीट के कोने पर इंद्रधनुष। यहां से कुछ गज की दूरी पर, पहला हमला जिसके लिए पीकी ब्लाइंडर्स को दोषी ठहराया गया था, मार्च 1890 में हुआ था। © बर्मिंघमलाइव्स आर्काइव

हेनरी लाइटफुट की तस्वीर जनवरी 1904 में बर्मिंघम सिटी पुलिस द्वारा खींची गई थी, जब उन्हें सूअर का मांस चुराने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। वह पहले व्यक्ति थे जिन्हें 1895 में पीकी ब्लाइंडर कहा गया था।

© वेस्ट मिडलैंड्स पुलिस संग्रहालय

Machine Translated by Google

चौदह वर्ष के चार्ल्स बैटल की अक्टूबर 1892 में बर्मिंघम सिटी पुलिस द्वारा ली गई तस्वीर। दाईं ओर, उन्होंने मूल पीकी ब्लाइंडर्स का बिलीकॉक और रेशम 'डैफ' पहना हुआ है।

© वेस्ट मिडलैंड्स पुलिस संग्रहालय

Machine Translated by Google

जॉर्ज जॉर्ज ने बाद में पीकी ब्लाइंडर्स के चौड़े पीक और गर्दन के स्कार्फ के साथ बड़े आकार की फ्लैट टोपी पहनी हुई है।
हालाँकि, उन्होंने मूल पीकी ब्लाइंडर्स की शैली में माथे पर तिरछे बालों का एक 'क्विफ' भी पहना हुआ है।

© वेस्ट मिडलैंड्स पुलिस संग्रहालय

102, 103 और 105 बागोट स्ट्रीट के बाहर युवा महिलाएं और बच्चे, जिनमें लंबे समय से नारेबाज़ी करने वाला गिरोह था। दरवाजे पर दो युवतियों पर ध्यान दें, दाहिनी ओर एक महिला अपनी बांहें मोड़े हुए है और उसकी लंबी फ्रिंज महिला पीकी ब्लाइंडर्स से जुड़ी हुई है।

© बर्मिंघम की लाइब्रेरी, एमएस 2724

Machine Translated by Google

बर्मिंघम के मुख्य कांस्टेबल नियुक्त होने से पहले, चार्ल्स हॉटन राफ्टर रॉयल आयरिश कांस्टेबुलरी के एक अधिकारी की वर्दी में थे।

© वेस्ट मिडलैंड्स पुलिस संग्रहालय

Machine Translated by Google

28 अगस्त 1935 से बर्मिंघम डेली गजट की एक कटिंग जिसमें सर चार्ल्स हॉटन राफ्टर की स्मारक सेवा के लिए बुल रिंग में सेंट मार्टिन के बाहर एकत्रित घनी भीड़ को दिखाया गया है।

© बर्मिंघम की लाइब्रेरी

लेडीवुड यूनाइटेड एफसी, 1913-14, इस तिथि तक उभरने वाली कई स्थानीय फुटबॉल टीमों में से एक। ऐसी टीमें मुक्केबाजी और सिनेमा की लोकप्रियता और लड़कों के क्लबों के काम के साथ-साथ पीकी ब्लाइंडर्स के निधन में एक महत्वपूर्ण कारक थीं।

Machine Translated by Google

© बर्मिंघमलाइव्स आर्काइव

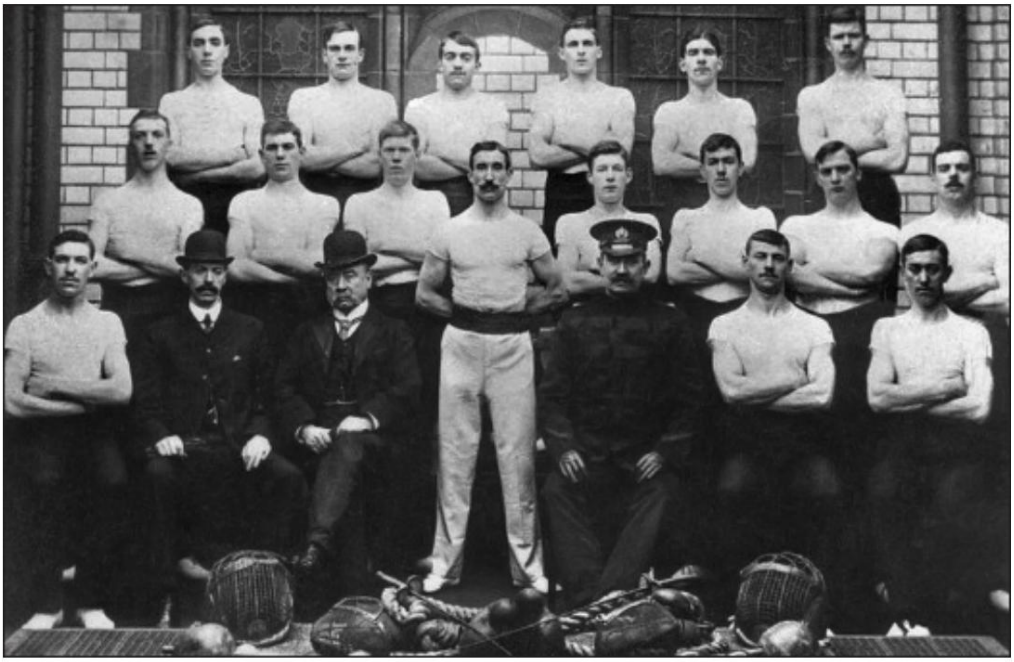

अग्रिम पंक्ति के बीच में खड़े सार्जेंट विलियम डौटी, डिगबेथ पुलिस स्टेशन में बर्मिंघम पुलिस के साथ एक शारीरिक-प्रशिक्षण प्रशिक्षक थे, जहां 1913 से पुलिस प्रशिक्षण स्कूल स्थित था।
आत्मरक्षा के लिए मुक्केबाजी और कुश्ती सिखाई जाती थी, और चरम अंधड़ के खिलाफ दोनों में कौशल की आवश्यकता थी।

© बर्मिंघमलाइव्स आर्काइव

Machine Translated by Google

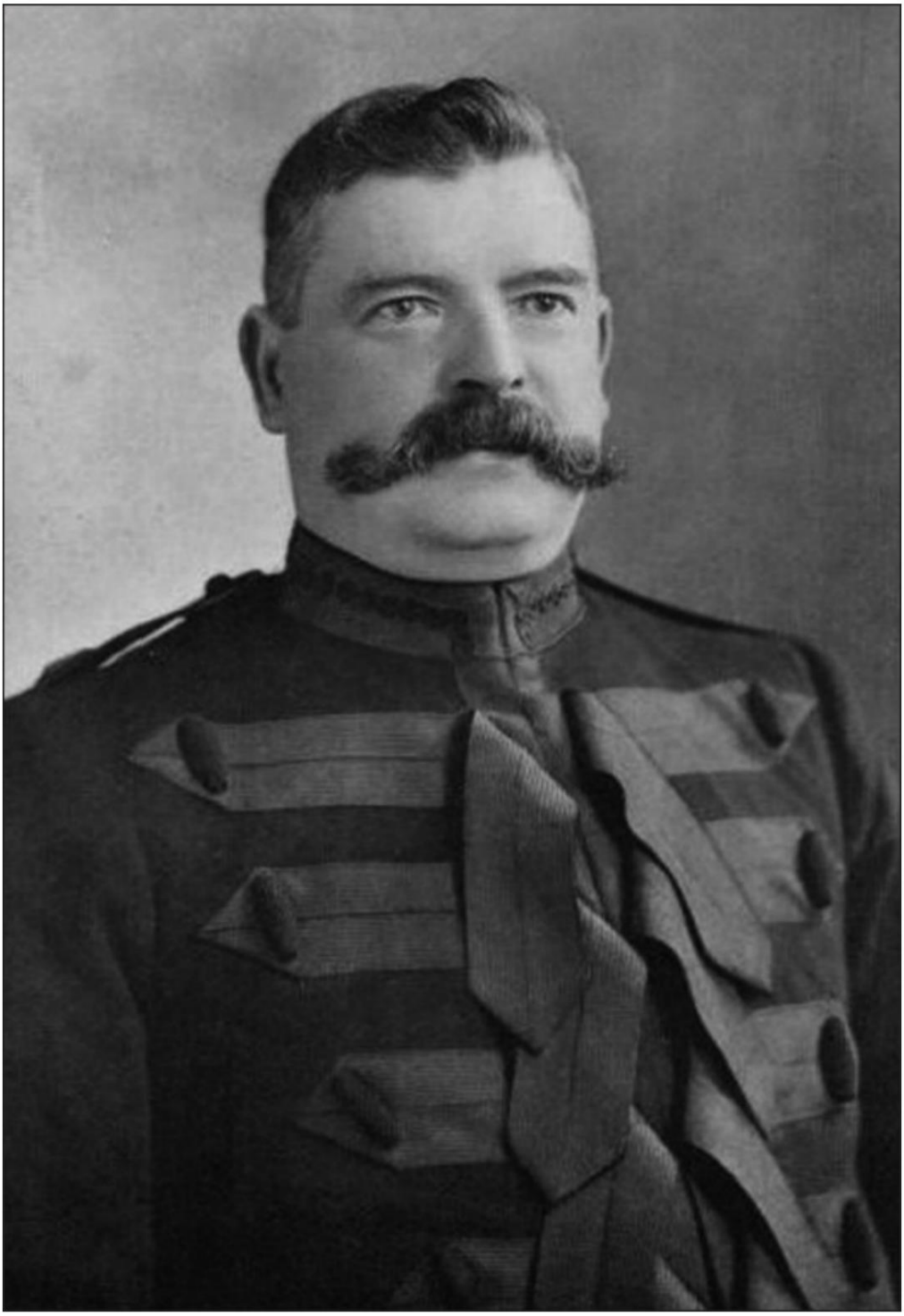

उप मुख्य कांस्टेबल माइकल मैकमैनस, आयरलैंड के पश्चिम में न्यूफील्ड, कंपनी मेयो का एक मजदूर, जिसने बर्मिंघम में एक कांस्टेबल के रूप में अपना पुलिस करियर शुरू किया। वह पैंतालीस साल की सेवा के बाद 1918 में सेवानिवृत्त हुए और दस साल बाद उनकी मृत्यु हो गई। चरमपंथियों के ख़िलाफ़ सशक्त पुलिसिंग की रणनीति में वह एक प्रमुख व्यक्ति थे।

Machine Translated by Google

मेरे दादाजी, अल्फ चिन (दाएं), 1950 के दशक की शुरुआत में, स्पार्कब्रुक में गेट पब के बाहर, जहां उन्होंने जीतने वाले पंटर्स को भुगतान किया था। वह अपने एक धावक टेडी गुस्ट्रे के साथ है, जिसने टाइसेली में ग्रेट वेस्टर्न रेलवे लोको डिपो में दांव लगाया था।

© कार्ल चिन व्यक्तिगत संग्रह

वैधीकरण से ठीक पहले स्पार्कब्रुक में मेरे दादाजी की अवैध सट्टेबाजी की दुकान के बाहर। इसी तरह के कई परिसरों की तरह इसने यह भ्रम देने के लिए एक फोन नंबर का विज्ञापन किया कि यह केवल टेलीफोन द्वारा क्रेडिट दांव लेता है, जो कानूनी था। मई 1961 से, यह एक कानूनी सट्टेबाजी की दुकान बन गई और बाद में मेरे अंकल वाल के स्वामित्व में आ गई।

© कार्ल चिन व्यक्तिगत संग्रह

Machine Translated by Google

अल्फी बोट्रेल, जिन्हें बॉटल के नाम से जाना जाता है, 1924 के आसपास एक अंग्रेजी रेसकोर्स पर जो व्हाइट द सिल्वर किंग के रूप में दांव लगा रहे थे।

© कार्ल चिन बुकमेकिंग आर्काइव, कैडबरी रिसर्च लाइब्रेरी, बर्मिंघम विश्वविद्यालय

1950 के दशक में असली गैरीसन टैवर्न, गैरीसन लेन और विटन स्ट्रीट के कोने पर, दाईं ओर। अब बंद हो चुका है, यह पिछली सड़क पर एक छोटा सा पब था जिसके कोने में बार था। शेल्डन अपने जीवन के अधिकांश समय इसी क्षेत्र में रहे।

© बर्मिंघमलाइव्स आर्काइव

Machine Translated by Google

नंबर 36 कोर्ट, डेरीटेंड में नंबर 5-10। गैरीसन लेन वेंडेट्टा में शामिल सभी लोग ऐसे ही एक के बाद एक घरों में रहते थे।

© बर्मिंघम की लाइब्रेरी, एमएस 2724

1907 में सैमुअल शेल्डन को नकली सिक्के चलाने के आरोप में पांच साल की सजा सुनाई गई थी।
उन्होंने असली पीकी ब्लाइंडर्स की तरह बिलीकॉक पहना हुआ है।

© वेस्ट मिडलैंड्स पुलिस संग्रहालय

Machine Translated by Google

1920 के दशक में ग्लोवर स्ट्रीट। यह सड़क और इसका निकटतम पड़ोस वह स्थान था जहाँ जॉन और सैमुअल शेल्डन ने अपना अधिकांश जीवन बिताया।

© बर्मिंघमलाइव्स आर्काइव

चार्ल्स 'कोयली'जोन्स, शेल्डन गैंग के प्रमुख सदस्यों में से एक और एक बहुत ही खतरनाक आदमी।

© वेस्ट मिडलैंड्स पुलिस संग्रहालय

Machine Translated by Google

एडवर्ड टकी बर्मिंघम गैंग का एक प्रमुख सदस्य था। दाहिनी ओर की तस्वीर में, जो 1906 में ली गई थी, उनकी उम्र बाईस वर्ष थी। बाईं ओर वह अपनी पत्नी, फ़्लोरेंस और बेटी, वायलेट के साथ है

Machine Translated by Google

1920. टकी की आपराधिकता का अच्छा परिणाम मिला और उनके परपोते, लेस्ली और रॉबर्ट स्टाइट को बताया गया कि उनकी बेटी 'निश्चित रूप से खराब हो गई थी!' पियानो पाठ, बैले। उसके और फ़्लोरेंस दोनों के पास बहुत अच्छे कपड़े थे।
फ्लोरेंस के पास फर के स्टोल थे। उनके पास एक ग्रामोफोन और एक पियानो था। टेडी, फ़्लोरेंस और वायलेट पेरी कॉमन रोड पर एक बाथरूम और रसोई वाले नए घर में रहते थे - उन दिनों के लिए बहुत अच्छा था।' © लेस्ली और रॉबर्ट स्टाइट (बाएं) और © वेस्ट मिडलैंड्स पुलिस

संग्रहालय (दाएं)

Machine Translated by Google

टी हेनफेमस बी इली के इम्बेरासयॉन्गमा एन।

© बी रियान मैक डी डोनाल्ड

Machine Translated by Google

मौड किम्बर, नी हार्बिज, बिली किम्बर की पहली पत्नी, घुटने के बल उछलती हुई अपनी बेटी, मौड, जिसका जन्म हुआ था
1900.

© जूलियट बनयार्ड

Machine Translated by Google

1951 में चैपल मार्केट, इस्लिंगटन में अपने चाइना स्टॉल पर वास्कट पहने जॉन गार्नहैम। जॉन किम्बर का करीबी दोस्त था और एक छोटे गिरोह का नेतृत्व करता था।

© टॉमी गार्नहैम

Machine Translated by Google

सिडनी लुईस के लिए एक सट्टेबाजी टिकट, जिसका असली नाम शिमोन सोलोमन था, जो असली अल्फी सोलोमन का छोटा भाई था।

© कार्ल चिन बुकमेकिंग आर्काइव, कैडबरी रिसर्च लाइब्रेरी, बर्मिंघम विश्वविद्यालय

Machine Translated by Google

1920 के दशक में हर्स्ट पार्क रेसकोर्स में अल्फ़ी सोलोमन।

© ब्रायन मैकडोनाल्ड

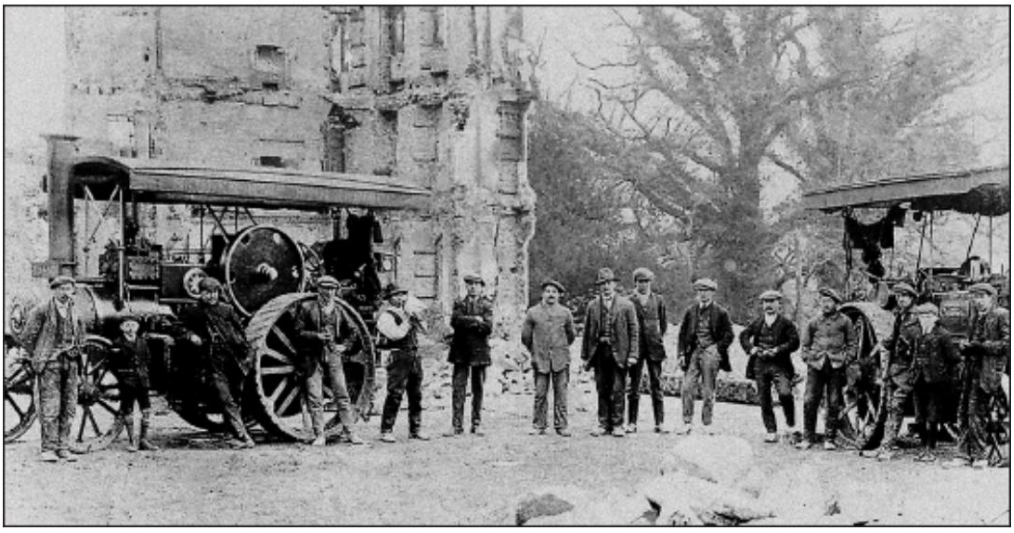

1921 में एल्मडन हॉल के विध्वंस के समय ली गई इस तस्वीर में बीच में दिख रहा व्यक्ति मार्टिनो चांगरेटा है।

© बर्मिंघमलाइव्स आर्काइव

Machine Translated by Google

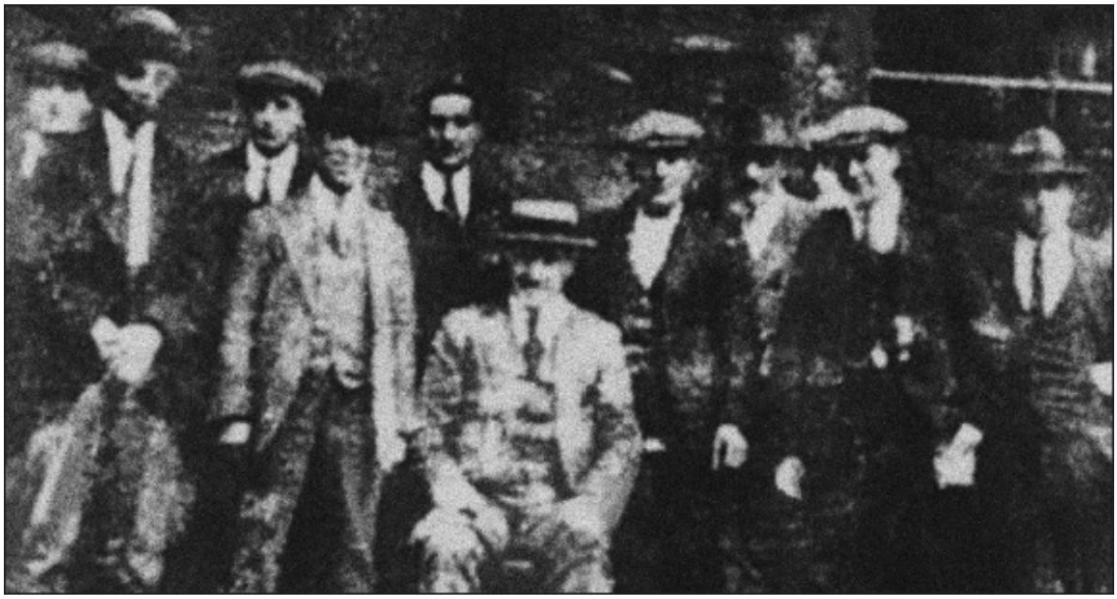

1920 में सबिनी गैंग। बाएं से दूसरे स्थान पर जो सबिनी हैं और हैरी कॉर्टेसी बैठे हैं। उनके दाहिनी ओर बिना टोपी के एंजेलो जियानिकोली हैं और कॉर्टेसी के बायीं ओर एक सपाट टोपी और बिना कॉलर वाली शर्ट में डार्बी सबिनी हैं - सुरुचिपूर्ण ढंग से सजी-धजी काल्पनिक डार्बी सबिनी से बहुत अलग दिख रही हैं। उनके बगल में गस कोरटेसी हैं और उनके पीछे दाईं ओर झाँकते हुए 'हैरी बॉय' सबिनी हैं।

© इस्लिंगटन स्थानीय इतिहास केंद्र

1919 में मारपीट से पहले गिरोहों के लिए एक दिन की छुट्टी। पिछली पंक्ति में, चारबैंक पर: हैरी 'बॉय' सबिनी दाएँ से चौथे स्थान पर है; दाईं ओर से दूसरे स्थान पर बिली किम्बर की भारी आकृति है; उनके बगल में दाईं ओर बर्ट मैकडोनाल्ड हैं; जबकि जो सबिनी बाएं से तीसरे स्थान पर हैं। अग्रिम पंक्ति में, दाएँ से दूसरे स्थान पर, डार्बी सबिनी हैं और उनके बायीं ओर वैग मैक्डोनाल्ड हैं। वाल मैकडॉनल्ड्स बिलीकॉक टोपी पहने हुए बाएं से चौथे स्थान पर हैं, जबकि एनरिको 'हैरी' कॉर्टेसी स्ट्रॉ बोटर पहने हुए चार लोगों में से दाईं ओर अंतिम स्थान पर हैं। उनके भाई, जॉर्ज कॉर्टेसी ने भी ऐसी ही टोपी पहनी हुई है और वह दाएं से पांचवें स्थान पर हैं।

© ब्रायन मैकडोनाल्ड

Machine Translated by Google

ये बर्मिंघम के असली नायक हैं: बर्मिंघम के सबसे गरीब हिस्सों में से एक, डेरीटेंड की माताओं से लेकर (ऊपर © बर्मिंघमलाइव्स आर्काइव), समर लेन और ब्रियरली स्ट्रीट के कोने पर स्टैग हेड इन के पुरुषों के एक समूह तक एक दिन की यात्रा (नीचे © बर्मिंघमलाइव्स आर्काइव)।

इन लोगों को प्रतिदिन कठिनाइयों का सामना करना पड़ा, फिर भी, अधिकांश भाग के लिए वे ईमानदार, कानून का पालन करने वाले और मेहनती थे, स्वच्छ और सम्मानजनक रहने का प्रयास कर रहे थे, और जहां वे रहते थे वहां पड़ोस में मजबूत रिश्ते बना रहे थे।

Machine Translated by Google

आगे पढ़ने का चयन करें

विस्तृत एंडनोट्स में आगे पढ़ने के लिए कई पुस्तकों और लेखों की सूची दी गई है। यह सूची उन पर प्रकाश डालती है जो 1920 के दशक के चरम अंधों और गिरोहों पर पढ़ने के लिए सबसे अधिक प्रासंगिक हैं।

कार्ल चिन, द रियल पीकी ब्लाइंडर्स, बिली किम्बर, द बर्मिंघम गैंग और 1920 के रेसकोर्स वॉर्स (स्टडली 2014)।

एंड्रयू डेविस, 'युवा, हिंसा और लेट-विक्टोरियन बर्मिंघम में कोर्टशिप: 'जेम्स हार्पर और एमिली पिम का मामला', परिवार का इतिहास, खंड 11, अंक 2 (2006) पृष्ठ 107-20।

एंड्रयू डेविस, द गैंग्स ऑफ मैनचेस्टर। स्कटलर्स ब्रिटेन के पहले युवा पंथ की कहानी (प्रेस्टन 2008)।

फिलिप गुडर्सन, द गैंग्स ऑफ बर्मिंघम। नारे लगाने वालों से लेकर पीकी तक ब्लाइंडर्स (लंकाशायर 2010)।

ब्रायन मैकडोनाल्ड, एलीफैंट बॉयज़ टेल्स ऑफ़ लंदन एंड लॉस एंजिल्स अंडरवर्ल्ड्स (एडिनबर्ग एंड लंदन, 2000)।

ब्रायन मैक्डोनाल्ड, गैंग्स ऑफ लंदन। भीड़ युद्ध के 100 वर्ष (वेरिया ग्रीन, 2010).

हीदर शोर 'आपराधिकता और परिणाम में अंग्रेजीपन: रेसकोर्स 1920 के दशक के युद्ध', बीसवीं सदी का ब्रिटिश इतिहास, खंड 22, अंक 4 (1 दिसंबर 2011) पृष्ठ 474-497।

हीदर शोर 'रेसकोर्स के दुष्ट। रेसिंग मेन एंड द प्रेस इन इंटरवार ब्रिटेन', मीडिया हिस्ट्री, वॉल्यूम 20, अंक 4: (ऑनलाइन प्रकाशित: 28 अगस्त 2014) पीपी. 352-367।

Machine Translated by Google

हीदर शोर, लंदन के आपराधिक अंडरवर्ल्ड, सी.1720-सी.1930। एक सामाजिक और
सांस्कृतिक इतिहास (बेसिंगस्टोक 2015)।

Machine Translated by Google

एंडनोट

1 परिचय

निक केव एंड द बैड सीड्स, गीतकार: मिक हार्वे, निक केव और थॉमस वायडलर, लेट लव इन से, टोनी कोहेन द्वारा निर्मित (म्यूट रिकॉर्ड्स, 1994)।

2 सीरीज 1, एपिसोड 1, पीकी ब्लाइंडर्स (बीबीसी2, 2013)।

3 लानरे बकारे और ग्विलीम ममफोर्ड, 'पीकी ब्लाइंडर्स: ब्रुमी बोर्डवॉक या शॉप-सोइल्ड सोप्रानोस?', गार्जियन, 29 सितंबर 2014 (https://www.theguardian.com/tv-and-radio/2014/sep/29/peaky -ब्लाइंडर्स-सिलियन-मर्फी); और एलेक्स फ्लेचर, 'पीकी ब्लाइंडर्स' समीक्षा: 'क्या ब्रिटिश "बोर्डवॉक एम्पायर" ने इसे काटा?', डिजिटल स्पाई, 12 सितंबर 2013 (http://www.digitalspy.com/tv/news/a514949/peaky-blinders- समीक्षा-किया-द-ब्रिटिश-बोर्डवॉक-एम्पायर-कट-इट/)

4 जूलियन राल्फ, 'दुनिया का सबसे अच्छा शासित शहर', हार्पर पत्रिका (जून 1890); और देखें, उदाहरण के लिए, 'बर्मिंघम में स्ट्रीट रफ़ियनिज़्म', पोर्ट्समाउथ इवनिंग न्यूज़ (21 सितंबर 1883)।

5 'ब्लैक कंट्री मेमोरीज़: ब्लैक कंट्री आयरिश', एक्सप्रेस और स्टार (14, 21 और 28 मई 2009)।

6 'द पेरिल्स ऑफ द पुलिस', बर्मिंघम मेल (इसके बाद बीएम) (12 जून 1871)।

7 'बाल्साल हीथ पुलिस कोर्ट', बीएम (13 फरवरी 1891)।

8 'पेन स्ट्रीट इंडस्ट्रियल स्कूल, बर्मिंघम, वारविकशायर', http://www.childrenshomes.org.uk/BirminghamPennStreetIS/

9 एडवर्ड डेरिक, कैदियों का कैलेंडर, शांति के सामान्य तिमाही सत्र, क्यूएस/बी/20/65 (29 अक्टूबर 1906).

10 विलियम चिन, साक्षात्कार, बर्मिंघमलाइव्स आर्काइव इसके बाद बीएलए (1979)।

11 'बीयर की खातिर', बीएम (30 जुलाई 1906)।

12 कार्ल चिन, द रियल पीकी ब्लाइंडर्स (स्टडली, 2015) पृष्ठ 16।

13 टीएनए, तलाक न्यायालय फ़ाइल: 4333. अपीलकर्ता: एडा डेरिक। प्रतिवादी: एडवर्ड डेरिक. प्रकार: तलाक के लिए पत्नी की याचिका [डब्ल्यूडी], जे 77/1744/4333 (1921)

14 'महिला तलाक', बर्मिंघम डेली गजट [इसके बाद बीडीजी] (25 अप्रैल 1923)।

15 'क्लीन अप ब्लैक स्पॉट', बीडीजी (24 अगस्त 1935)।

अध्याय एक: पीकी ब्लाइंडर्स से पहले: द स्लॉगिंग गैंग्स

16 माइकल ब्रैडली, 'बर्मिंघम के असली पीकी ब्लाइंडर्स', बीबीसी समाचार, वेस्ट मिडलैंड्स (12 सितंबर)

Machine Translated by Google

2013, http://www.bbc.co.uk/news/uk-england-birmingham-24047750)।

17 चार्ल्स एंथोनी विंस, कॉर्पोरेशन का इतिहास, खंड। III (बर्मिंघम, 1903) पृ.226, 228-229 और 23; और जोसेफ ट्रेवर जोन्स, बर्मिंघम निगम का इतिहास, खंड। वी (1915-1935), भाग 2 (बर्मिंघम, 1940), पृष्ठ 354 और 373। जनसंख्या में उल्लेखनीय उछाल को 1911 में एस्टन, एर्डिंगटन, हैंड्सवर्थ, किंग्स नॉर्टन के स्थानीय अधिकारियों को लाने के लिए बर्मिंघम के विस्तार द्वारा समझाया गया है। और यार्डली और उनके विभिन्न जिले।

18 'बर्मिंघम में वर्षों का अपराध', बीडीजी (1 सितंबर 1920)।

19 जोन्स, बर्मिंघम निगम का इतिहास, खंड। वी, भाग II (बर्मिंघम, 1940) पृष्ठ 371; 'ग्लासगो डिसऑर्डर', द स्कॉट्समैन (1 फरवरी 1919); 'रायट एक्ट रीड इन बिरकेनहेड', एबरडीन प्रेस एंड जर्नल (4 अगस्त 1919); 'मॉब लॉ', लीसेस्टर डेली पोस्ट (23 जुलाई 1919); और 'सीरियस रायट्स', लीड्स मर्करी (2 जून 1919) पृष्ठ 9।

20 'मॉन्स मैन किल्ड इन कार्डिफ़ रायट्स', ग्लोब (13 जून 1919); और 'द रेसियल रायट्स', हार्टलपूल नॉर्दर्न डेली मेल (12 जून 1919)।

21 'गुंडागर्दी रेडिविवस', बीएम (5 नवंबर 1901)।

22 'स्पैरिंग', मॉर्निंग एडवरटाइज़र (23 जुलाई 1824)।

23 'स्लॉगिंग गैंग द्वारा बर्मिंघम में दंगा', बर्मिंघम डेली पोस्ट [इसके बाद बीडीपी] (8 अप्रैल 1872)।

24 'द स्लॉगिंग गैंग', बीडीपी (10 अप्रैल 1872)।

25 'द स्लॉगिंग गैंग', बीडीपी (11 अप्रैल 1872)।

26 'किशोर पत्थर फेंकने वालों के लिए एक चेतावनी', बीडीपी (3 जून 1872)।

27 उदाहरण के लिए देखें, 'बर्सलेम स्टोन थ्रोइंग बैटल', बीडीजी (27 अप्रैल 1870)।

28 'उपनियमों का उल्लंघन', बीडीजी (10 मई 1872)।

29 जेरी व्हाइट, उत्तरी लंदन की सबसे खराब सड़क। कैंपबेल बंक, इस्लिंगटन, बिटवीन द वॉर्स (लंदन, 1986), पृ.69.

30 डाइक विल्किंसन, उबड़-खाबड़ सड़कें। बर्बाद जीवन की यादें (लंदन, 1912), पृष्ठ 12।

31 डोनाल्ड फिलिप्स, फ्रॉम बिगल्स टू बिगल्स: ए बर्मिंघम चाइल्डहुड (अप्रकाशित एमएस, कोई तारीख नहीं; डेविड फिलिप्स को धन्यवाद), पृष्ठ 2।

32 जॉर्ज वुड, साक्षात्कार, बीएलए (1985)।

33 फ्रेड फ्रैंकलिन, साक्षात्कार, बीएलए (1982)।

34 बक चिन, साक्षात्कार, बीएलए (1989)।

35 जोन्स, बर्मिंघम निगम का इतिहास, खंड। वी, भाग 2, पृ.373.

36 सिडनी हेदरिंगटन, फ्रॉम द स्लम्स टू ईस्टबॉर्न बेलग्रेविया (अप्रकाशित एमएस, 1998), पीपी.16-17।

37 'रविवार उपद्रव', बर्मिंघम जर्नल [इसके बाद बी.जे.] (16 नवंबर 1839)।

38 जेफ्री फ्लॉय, पुलिसिंग बर्मिंघम: एक नगर पुलिस बल का अध्ययन, 1839-1914 (बर्मिंघम विश्वविद्यालय, एम.फिल., 1997), पीपी.5-56 और पी.92।

39 उदाहरण के लिए देखें: 'नहर में स्नान', बीडीपी (26 अगस्त 1859); 'एक कबूतर उड़ाने वाला पकड़ा गया' और 'रुकावटें', बीडीपी (12 अप्रैल 1859); 'द ब्लैक योर बूट्स न्यूसेंस', बीडीपी (26 अगस्त 1859)।

40 'चर्च पास्टोरल सोसाइटी', एरिस का बर्मिंघम गजट [इसके बाद एबीजी] (17 मार्च 1856)।

41 'स्ट्रीट जुआ के विरुद्ध धर्मयुद्ध', बी.जे. (27 सितंबर 1857)।

42 'सड़क पर जुआ खेलने वालों को सावधान', बी.जे. (12 नवंबर 1853)।

43 'पुलिस पर हमला', बी.जे. (2 मई 1857)।

44 'सड़कों पर जुआ खेलना और पुलिस पर हमला करना', बीडीपी (28 अप्रैल 1858)।

45 'सड़कों पर पिच और टॉस के विरुद्ध पुलिस धर्मयुद्ध', बी.जे. (1 सितंबर 1860); और, उदाहरण के लिए, 'न्यू वॉक्सहॉल', बीडीपी (5 अप्रैल 1860)।

46 'सब्बाथ ब्रेकिंग एंड द पुलिस', बीडीपी (11 अप्रैल 1861)।

Machine Translated by Google

47 फ़्लॉय, पुलिसिंग बर्मिंघम, पृष्ठ 128।

48 जेटी बन्स, बर्मिंघम निगम का इतिहास, खंड। II (बर्मिंघम, 1885), पृ.294 और 300।

49 बारबरा वेनबर्गर, स्वर्गीय विक्टोरियन शहर में कानून तोड़ने वाले और कानून लागू करने वाले: बर्मिंघम 1867-
1877 (वारविक विश्वविद्यालय पीएच.डी. थीसिस, 1981) पृष्ठ 231।

50 उदाहरण के लिए देखें, 'स्ट्रीट रफ़ियनिज़्म इन द असेंडेंट', द एरा (6 दिसंबर 1863)।

51 ''स्ट्रीट रफियंस', एबीजी (18 जून 1864)।

52 'पत्राचार', बीडीपी (7 जुलाई 1866)।

53 'द स्ट्रीट गैंबलिंग न्यूसेंस', एबीजी (23 मई 1868)।

54 पिच और टॉस', बीडीजी (4 अप्रैल 1871)।

55 गुडरसन, द गैंग्स ऑफ बर्मिंघम, पृष्ठ 77।

56 'बारफोर्ड स्ट्रीट', बीडीजी (10 अप्रैल 1871)।

57 'पत्राचार', बीडीपी (16 मार्च 1868); 'कैप्चर ऑफ ए गैंग ऑफ रफ्स', बीडीपी (8 जून 1870)।

58 'स्ट्रीट रफ़ियंस', बीडीजी (28 सितंबर 1870); और 'न्यूज़ ऑफ़ द डे', बीडीपी (8 नवंबर 1870)।

59 'ए रायट', बीडीपी (4 मई 1871)।

60 बन्स, बर्मिंघम निगम का इतिहास, खंड। II, पृ.294 और 300.

61 'बर्मिंघम में ग्यारह सप्ताह का गुंडागर्दी', बीडीपी (11 अप्रैल 1873)।

62 'बर्मिंघम में उपद्रवीवाद', बीडीपी (12 अगस्त 1873)।

63 'बर्मिंघम में स्ट्रीट गुंडागर्दी', बीडीपी (1 अप्रैल 1873)।

64 'बर्मिंघम में ग्यारह सप्ताह का गुंडागर्दी', बीडीपी (11 अप्रैल 1873)।

65 'द स्लॉगिंग गैंग', बीडीपी (29 मार्च 1873)।

66 'द स्लॉगिंग गैंग', बीडीपी (22 सितंबर 1873); 'ए टेरर टू द नेबरहुड' बीडीपी, (30 अक्टूबर)।
1873).

67 वेनबर्गर, लेट विक्टोरियन सिटी में कानून तोड़ने वाले और कानून लागू करने वाले, पीपी.233-38।

68 'बर्मिंघम में गुंडागर्दी। नृशंस हमले', बीडीपी (24 जून 1873)।

69 'आज का समाचार', बीडीपी (2 जुलाई 1873)।

70 'न्यूज़ ऑफ़ द डे' (2 जुलाई 1873) और 'वारविकशायर एसेसिज़', बीडीपी (9 जुलाई 1874)।

71 'दंगाइयों के लिए एक चेतावनी', बीडीपी (8 जुलाई 1874)।

72 'द बार्न स्ट्रीट' स्लॉगर्स', बीडीपी (12 सितंबर 1874)।

73 'स्लॉगिंग गैंग की घटनाएं', बीएम (28 सितंबर 1874)।

74 1871 जनगणना, टीएनए, कक्षा: आरजी10; टुकड़ा: 3086; फोलियो: 129; पृष्ठ: 59; जीएसयू रोल: 838895।

75 1881 जनगणना, टीएनए, कक्षा: आरजी11; टुकड़ा: 2987; फोलियो: 23; पृष्ठ: 39; जीएसयू रोल: 1341714।

76 'स्लॉगिंग गैंग' की घटनाएं, बीएम (28 सितंबर 1874)।

77 वेनबर्गर, लेट विक्टोरियन सिटी में कानून तोड़ने वाले और कानून लागू करने वाले, पृष्ठ 174।

78 गुडरसन, द गैंग्स ऑफ बर्मिंघम, पृष्ठ 35।

79 'मर्फी दंगे'। पार्क स्ट्रीट, बर्मिंघम का विध्वंस 17 और 18 जून 1867 (बर्मिंघम,
1867), पृ.9.

80 पैट्सी डेविस, 'बर्मिंघम का आयरिश समुदाय और 1867 के मर्फी दंगे', मिडलैंड इतिहास 31
(2006), पृ.50-51।

81 'रविवार दंगे', बीडीपी (30 अप्रैल 1872)।

82 गुडरसन, गैंग्स ऑफ बर्मिंघम, पृष्ठ 111।

83 'ए कॉपर' पर हिंसक हमला, बीडीपी (30 मई 1872)।

84 'अवर रफ्स' और 'ए वार्निंग टू स्ट्रीट रायटर्स', बीएम (14 जुलाई 1874)।

85 'द स्टोन-थ्रोइंग न्यूसेंस एट एशटेड', बीडीपी (23 मार्च 1875)।

Machine Translated by Google

86 'नेविगेशन स्ट्रीट दंगा। पुलिस-कांस्टेबल लाइन्स की मृत्यु', बीडीपी (25 मार्च 1875)।

87 'नेविगेशन स्ट्रीट में दंगा। द सेंटेंसेस', बीडीपी (13 जुलाई 1875)।

88 'मर्डर ऑफ पीसी लाइन्स', बीडब्ल्यूपी (27 मई 1955)।

89 'द सप्रेशन ऑफ राउडिज्म इन बर्मिंघम' और 'न्यूज ऑफ द डे' बीडीपी (21 मई 1875)।

90 'गवाहों का अधिक उत्पीड़न' बीडीपी (19 जुलाई 1875)।

91 'न्यूज ऑफ द डे' बीडीपी (21 मई 1875) और 'द सप्रेशन ऑफ राउडिज्म इन बर्मिंघम', बीडीपी (21
मई 1875)

92 'आज का समाचार', बीडीपी (15 फरवरी 1876)।

93 'बर्मिंघम वॉच कमेटी', बीडीपी (28 फरवरी 1877)।

94 'बर्मिंघम में सड़क पर अपराध।-एक गर्म जिला-।' द टाइम्स [लंदन, इंग्लैंड] 28 नवंबर 1877: 12. द टाइम्स डिजिटल आर्काइव। वेब. 28 जून 2018.

95 वेनबर्गर, लेट विक्टोरियन सिटी में कानून तोड़ने वाले और कानून लागू करने वाले, पीपी.63-64।

96 जेटी बन्स, बर्मिंघम निगम का इतिहास, खंड। II (बर्मिंघम, 1885), पृष्ठ 300।

97 उदाहरण के लिए देखें, 'ए स्ट्रीट वेफ़', बीएम (25 मार्च 1881)।

98 'एस्टन में रविवार जुआ', बीडीपी (28 अप्रैल 1885)।

99 'आज का समाचार', बीडीपी (8 मई 1883)।

100 लिल पेरी, 'ओल्ड डेज़ ऑफ एस्टन', बीएलए (1978) और लंदन के लिए व्हाइट, द वर्स्ट स्ट्रीट इन नॉर्थ लंदन, पीपी.118-119 देखें।

101 'स्लॉगिंग गैंग्स' इन बर्मिंघम', बीएम (5 जून 1882)।

102 'स्ट्रीट रफ़ियनिज़्म', बीएम (13 सितंबर 1882); और 'रिवाइवल ऑफ द स्लॉगिंग गैंग्स' बीएम (11 अगस्त)।
1882).

103 ''बर्मिंघम वॉच कमेटी', बीएम (10 अक्टूबर 1882)।

104 'पत्थर फेंकने वालों को चेतावनी', बीडीपी (1 अप्रैल 1884)।

105 'ए वार्निंग टू स्ट्रीट रफियंस', बीडीपी (21 जुलाई 1886)।

106 'द एस्टन स्लॉगिंग गैंग', बीडीपी (18 अगस्त 1886)।

107 'स्ट्रीट राउडीज़्म', बीडीपी (11 अगस्त 1886; 'पत्थर फेंकना', बीडीपी (13 अप्रैल 1886)। पुलिसकर्मियों पर अधिक हमले', बीडीपी (23 नवंबर 1886); और 'द एस्टन स्लॉगिंग गैंग' बीडीपी (4 अक्टूबर 1888)).

108 'कथित गंभीर घाव', बीडीपी (22 दिसंबर 1888)।

109 'आज का समाचार', बीडीपी (1 सितंबर 1888)।

110 'नारे लगाने वालों के लिए सजा', बीडीपी (26 फरवरी 1889)।

111 'एक हिंसक हमला', बीडीपी (20 फरवरी 1889)।

112 'एस्टन में गुंडागर्दी', बीडीपी (31 जुलाई 1889)।

113 मैल्कम आर्चीबाल्ड, लिवरपूल गैंग्स, वाइस और पैकेट रैट्स: 19 सेंचुरी क्राइम एंड पनिशमेंट
(एडिनबर्ग, 2015), पीपी.171-182; हीदर शोर, लंदनज़ क्रिमिनल अंडरवर्ल्ड्स, सी.1720-सी.1930: ए सोशल एंड कल्चरल हिस्ट्री (बेसिंगस्टोक, 2015), पीपी.141-166 और लंदन के लिए, ब्रायन मैकडोनाल्ड, गैंग्स ऑफ़ लंदन: 100 इयर्स ऑफ़ मॉब वारफेयर (भी देखें) व्रीया ग्रीन, 2010), पीपी.59-73; और एंड्रयू डेविस, द गैंग्स ऑफ मैनचेस्टर: द स्टोरी ऑफ द स्कटलर्स ब्रिटेन्स फर्स्ट यूथ कल्ट (प्रेस्टन, 2008) पीपी.38-141।

114 डेविस, गैंग्स ऑफ मैनचेस्टर, पीपी.17-18।

115 'स्लॉगिंग गैंग' के सदस्य, बीडीपी (6 अप्रैल 1886); और 'स्ट्रीट राउडीज़्म', बीडीपी (11 अगस्त)।
1886).

116 'हिंसा के कार्य', लिवरपूल मर्करी (4 अगस्त 1887); और 'असॉल्टेड बाय ए स्लॉगिंग गैंग', बीडीपी (21 सितंबर 1888)।

117 'ए स्लॉगिंग गैंग', बीडीपी (24 जुलाई 1889); 'द आउटरेज बाय मिलिशिया मेन एट स्मॉल हीथ', बीडीपी (2 जुलाई)।

Machine Translated by Google

1889); 'एन ऑर्नामेंट टू द स्लॉगिंग गैंग', बीडीपी (1 जुलाई 1889); 'ए स्लॉगिंग गैंग', बीडीपी (13 जून 1889); 'ए 'स्लॉगिंग गैंग' ब्रोकन अप', बीडीपी (1 जून 1889); और 'टैकलिंग 'स्लॉगिंग गैंग्स', बीडीपी (27 फरवरी 1889)।

118 'नोट्स और टिप्पणियाँ', शेफ़ील्ड डेली टेलीग्राफ (10 जून 1882)।

अध्याय दो: पीकी ब्लाइंडर्स का शहर

119 सीरीज़ 1, एपिसोड 2, पीकी ब्लाइंडर्स (बीबीसी2, 2013)। टॉसिंग की पूरी चर्चा के लिए, चिन, बेटर देखें सट्टेबाजी, पृ.85-93.

120 लुईस मेलोर, 'स्टीवन नाइट ऑन पीकी ब्लाइंडर्स, सीरीज 2', डेन ऑफ गीक (11 सितंबर 2013) https://www.denofgeek.com/tv/peaky-blinders/27113/steven-knight-on-peaky-blinders-birmingham-accents-working-class-drama-sam-neill-cillian-murphy-more

121 जॉन क्रेस, 'पीकी ब्लाइंडर्स; द गिल्टी - टीवी रिव्यू', गार्जियन (13 सितंबर 2013) https://www.theguardian.com/tv-and-radio/2013/sep/13/peaky-blinders-tv-review 122 'पूरे करियर की घटनाएं। 'पीकी ब्लाइंडर्स', वारविक और वारविकशायर के खिलाफ अभियान

विज्ञापनदाता (2 नवंबर 1929)।

123 आरई कोर्डर, 'द सीमी साइड' डेली मेल [लंदन, इंग्लैंड] 3 अप्रैल 1929: 8. डेली मेल ऐतिहासिक पुरालेख।

124 'बेल्ट और बकल डेज़। बर्मिंघम के पीकी ब्लाइंडर्स की गाथा, बीएम (15 अप्रैल 1939)।

125 'नॉर्मन टिपटाफ़्ट की मृत्यु। विजिलेंटे एक्स्ट्राऑर्डिनरी', बीडीपी (14 अक्टूबर 1970)।

126 'मिस्टर बटलर ने सज़ा देने या इस्तीफा देने का आग्रह किया', बीडीपी (20 जुलाई 1961)।

127 नॉर्मन टिपटाफ्ट, द इंडिविजुअलिस्ट (बर्मिंघम, 1954)।

128 जॉन डगलस, ए वॉक डाउन समर लेन (प्रथम प्रकाशन 1977, लंदन, 1983 संस्करण), पृष्ठ 126।

129 पॉलीन और बर्नार्ड मैनियन, द समर लेन एंड न्यूटाउन ऑफ़ द इयर्स बिटवीन द वॉर्स 1918-1938 (बर्मिंघम, 1985), पीपी.1, 31 और 81।

130 'गैंग वारफेयर और 'पीकी ब्लाइंडर्स', जॉर्ज मॉरिस का पत्र, बर्मिंघम साप्ताहिक पोस्ट [इसके बाद बीडब्ल्यूपी] (6 मई 1955)।

131 आर्थर एल. मैथिसन, कम पेंट, अधिक वैनिटी (लंदन, 1937), पीपी.62-63।

132 'एक कायर दुष्ट', बीडीपी (29 अक्टूबर 1891); 'टेबल टॉक', बीएम (11 अक्टूबर 1890); और 'स्थानीय समाचार और जोटिंग्स', बीएम (25 जून 1891)।

133 'द 'पीकी ब्लाइंडर्स' बार्बर', (बीएम 30 मई 1914)।

134 'आदमी डूबा हुआ मिला', बीडीपी (19 मई 1891)।

135 एफ. एटकिंस, पत्र, (15 अक्टूबर 1936), गुडरसन, द गैंग्स ऑफ बर्मिंघम, पृष्ठ 217 में उद्धृत ।

136 'नोर्मा के. बीट्टी का पत्र', बीएलए, (19 जुलाई 1987)।

137 कोरिन ब्रेज़ियर, 'संभावित रूप से दुनिया की सबसे पुरानी पुलिस हिरासत तस्वीर...? - डब्ल्यूएम पीलर्स (19 मार्च 2018) [https://www.wmpeelers.com/single-post/2018/03/19/Potentially-the -दुनिया की सबसे पुरानी-पुलिस-हिरासत-फोटो -24 जून 2018 को एक्सेस की गई)।

138 वीडब्ल्यू गैरेट, ए मैन इन द स्ट्रीट (लंदन, 1939), पीपी.65-6।

139 फ्रेड सटन, साक्षात्कार, बीएलए (1989)।

140 'टेबल टॉक', बीएम (30 मई 1896); 'टेबल टॉक', बीएम (14 मई 1904); और 'द 'पीकी ब्लाइंडर्स' बार्बर' (30 मई 1914)।

141 द 'पीकी ब्लाइंडर्स बार्बर', बीएम (30 मई 1914)।

142 'स्थानीय समाचार और जोटिंग्स', बीएम (13 अगस्त 1906)।

143 जेफ्री पियर्सन (2008) परेशान करने वाली निरंतरता: 'पीकी ब्लाइंडर्स' से 'हुडीज़', आपराधिक न्याय मैटर्स, 65:1, 6-7, डीओआई: 10.1080/09627250608553010।

Machine Translated by Google

144 डेविस, गैंग्स ऑफ मैनचेस्टर, पृष्ठ 22। चार्ल्स ईबी रसेल, मैनचेस्टर बॉयज़: स्केचेज़ ऑफ़ भी देखें
मैनचेस्टर बॉयज़ एट वर्क एंड प्ले (मैनचेस्टर 1905), पृष्ठ 16, जहां यह कहा गया है कि एक स्कटलर ने 'एक आंख के बजाय एक नुकीली टोपी' पहनी थी।

145 जेआरसी 'पीकी ब्लाइंडर्स', सेंट्रल लिटरेरी मैगजीन खंड। XIV, नहीं. 2, (अप्रैल 1879) पृ.71.

146 एंड्रयू डेविस, 'युवा, हिंसा, और स्वर्गीय-विक्टोरियन बर्मिंघम में प्रेमालाप: जेम्स का मामला
हार्पर और एमिली पिम', परिवार का इतिहास, 11 (2006), पृष्ठ 111।

147 शोर, लंदनज़ क्रिमिनल अंडरवर्ल्ड्स, पृष्ठ 165।

148 उदाहरण के लिए, 'निम्न जीवन पर साइडलाइट्स' देखें। बर्मिंघम "पीकी" को जेल भेजा गया', बीएम (26 मई 1900); डेविस, 'यूथ, वायलेंस, एंड कोर्टशिप इन लेट-विक्टोरियन बर्मिंघम'।

149 देखें एलन मेने, द इमेजिनेटेड स्लम: न्यूजपेपर रिप्रेजेंटेशन इन थ्री सिटीज, 1870-1914 (लीसेस्टर, 1993) और एलन मेने, 'रिप्रेजेंटिंग द स्लम', अर्बन हिस्ट्री, खंड (17 मई 1990), पृष्ठ 66-84।

150 डेविस, 'यूथ, वायलेंस, एंड कोर्टशिप इन लेट-विक्टोरियन बर्मिंघम', पीपी.108-09 और 118।

151 'द पीकीज़ कोर्टशिप', बीडीएम (19 नवंबर 1898)।

152 'टेबल टॉक', बीएम (14 मई 1904)।

153 बेनी ग्रीन, 'परिचय', क्लेरेंस रूक, द हूलिगन नाइट्स (पहली बार प्रकाशित 1899, नया संस्करण ऑक्सफोर्ड 1979), पी.viii।

154 2-7 'माई ब्लोक ए पीकी' (राउड 24185) सेसिलिया कोस्टेलो, पुराने जमाने के गाने।

155 डेविस, गैंग्स ऑफ मैनचेस्टर, पीपी.277-295।

156 जेआरसी 'पीकी ब्लाइंडर्स', पृष्ठ 71।

157 'स्लॉगिंग गैंग', लेक्स हेराल्ड (7 मई 1897)।

158 'ब्रुमेजम ब्यूटीज़', शेफ़ील्ड इवनिंग टेलीग्राफ (29 जुलाई 1897)।

159 द वेलिंगटन जर्नल और श्रुस्बरी न्यूज़ (26 अगस्त 1899)

160 'ए मैन्स स्कल फ्रैक्चर्ड', बीएम (24 मार्च 1890)।

161 'द बर्मिंघम "स्लॉगिंग गैंग्स''', सेंट जेम्स गजट (9 अप्रैल 1890)।

162 बर्मिंघम के "स्लॉगिंग गैंग्स", एबरडीन इवनिंग एक्सप्रेस (10 अप्रैल 1890); 'स्लॉगिंग गैंग',
चिचेस्टर ऑब्जर्वर (16 अप्रैल 1890)।

163 गुडरसन, द गैंग्स ऑफ बर्मिंघम, पीपी.219-219।

164 'हमले के गंभीर आरोप', बीएम (28 मई 1890)।

165 'एक क्रूर हमला', बीएम (25 जून 1890)।

166 1891 जनगणना, टीएनए, कक्षा: आरजी12; टुकड़ा: 2407; फोलियो: 10; पृष्ठ: 16.

167 'द क्रुसेड अगेंस्ट रफ़ियनिज्म', बीडी (16 अप्रैल 1890)।

168 'द हाईगेट स्ट्रीट स्लॉगिंग गैंग', बीएम (11 अप्रैल 1890); 'बर्मिंघम में गुंडागर्दी', बीएम (12
अप्रैल 1890)।

169 'ए स्लॉगिंग गैंग एट पेरी बर', बीएम (11 अप्रैल 1890); 'द स्पार्कब्रुक स्लॉगिंग गैंग', बीडीपी (10
अप्रैल 1890)।

170 'द चीफ कांस्टेबल एंड द स्लॉगर्स', बीएम (23 अप्रैल 1890)।

171 'आज का समाचार', बीडीपी (10 अप्रैल 1890)।

172 'स्पार्कब्रुक में गुंडागर्दी', बीडीपी (24 मार्च 1890)।

173 'स्लॉगर्स पर भारी वाक्य', बीडीपी (16 अप्रैल 1890)।

174 'नोट्स और समाचार', बीएम (15 अप्रैल 1890)।

175 'द बैंड ऑफ फ्रेंडशिप', बीडीपी (21 जून 1890)।

176 विलियम चिन, साक्षात्कार, बीएल (1979)।

177 'एक गिरोह में से एक' बीडीपी (24 मार्च 1891)

178 'असॉल्ट बाय ए 'गैंगर', बीडीपी (14 अप्रैल 1891) और 'असॉल्ट बाय रफ्स', बीएम, (28 अप्रैल 1891)।

Machine Translated by Google

179 'ए कावर्डली रफ़ियन', बीएम (28 अक्टूबर 1891)।

180 'द स्टोन-थ्रोइंग न्यूसेंस', बीएम 8 जुलाई 1891 और 'स्ट्रीट रफ़ियनिज़्म इन बर्मिंघम', बीडीपी (24) जून 1892)।

181 'क्लाइवलैंड स्ट्रीट बनाम वीमन स्ट्रीट', बीडीपी (2 अगस्त 1893) और 'ए नेचेल्स स्लॉगिंग गैंग', बीडीपी (18 अक्टूबर 1893)।

182 'ए हैवी लिस्ट', बीडीपी (26 जून 1894)।

183 'बर्मिंघम स्लॉगिंग गैंग्स', मैनचेस्टर इवनिंग न्यूज (27 जून 1895)।

184 'पुलिस पर हमला', बीडीपी (29 अक्टूबर 1895) और 'द ब्रॉम्सग्रोव स्ट्रीट डिस्टर्बेंस', बीडीपी (30) अक्टूबर 1895)।

185 'स्लॉगिंग इन केन्योन स्ट्रीट', बीडीपी (5 नवंबर 1895); 'एस्टन में गैरकानूनी घाव', बीडीपी (10) दिसंबर 1895)।

186 आर्चीबाल्ड, लिवरपूल गैंग्स, पीपी.189-191।

187 'स्लॉगिंग गैंग पर भारी सज़ा' बीडीपी (11 दिसंबर 1895)

188 'ए वायलेंट रफ़ियन' बीडीपी (3 दिसंबर 1895)।

189 'बाल्साल हीथ पुलिस कोर्ट', बीडीपी (13 जनवरी 1877)।

190 'बाल्सॉल हीथ में गुंडागर्दी', बीडीपी (20 नवंबर 1879)।

191 'बाल्सल हीथ रोड में दंगाई कार्यवाही', बीएम (9 मार्च 1883)।

192 'कठोर युवा अपराधी', बीडीपी (2 नवंबर 1888)।

193 हेनरी लाइटफुट, कैदियों का कैलेंडर 1870-1935 [इसके बाद कैदियों का कैलेंडर], बर्मिंघम क्वार्टर सत्र, 1839-1971 (क्यूएस/बी/20/69)। बर्मिंघम की लाइब्रेरी, (29 अप्रैल 1907)।

194 हेनरी लाइटफुट 3200, न्यू सोल्जर्स रिकॉर्ड्स। लघु सेवा सत्यापन, [इसके बाद लघु सेवा सत्यापन], टीएनए, युद्ध कार्यालय: पेंशन दावों से सैनिकों के दस्तावेज़, प्रथम विश्व युद्ध, WO364; टुकड़ा: 2097 (1914)।

195 हेनरी लाइटफुट 201128, प्रादेशिक बल सत्यापन, टीएनए, युद्ध कार्यालय: पेंशन दावों से सैनिकों के दस्तावेज़, प्रथम विश्व युद्ध, WO364; टुकड़ा: 2097 (1925)।

196 ''टॉमी गिब्लिन' और रफ्स आम तौर पर', बीएम (8 जनवरी 1896)।

197 सीएच ली, 'द फेयर - बट नॉट द ओनियंस', बीडीजी (26 सितंबर 1935)।

198 'सत्तर साल एक शोमैन', बीडीपी (4 नवंबर 1939)।

199 टेरी प्रॉक्टर पत्र, बीएलए (8 मार्च 1996)।

200 'पीकी ब्लाइंडर्स', कोवेंट्री इवनिंग टेलीग्राफ (30 दिसंबर 1896)।

201 'दिन के विषय' कोवेंट्री इवनिंग टेलीग्राफ (11 अक्टूबर 1895)।

202 'टॉमी गिब्लिन एंड रफ्स आम तौर पर', बीएम (10 जनवरी 1896)।

203 उदाहरण के लिए देखें, 'द रेन ऑफ द रफ इन बर्मिंघम', डंडी कूरियर (22 जुलाई 1897) और 'बर्मिंघम रफ्स ऑन द रैम्पेज', लीड्स टाइम्स (24 जुलाई 1897)।

204 'बर्मिंघम में पुलिसकर्मी की हत्या', मैनचेस्टर इवनिंग न्यूज (19 जुलाई 1897)।

205 'एक पुलिसकर्मी पर हमला' बीडीपी (29 सितंबर 1891); 'पुलिस पर कायरतापूर्ण हमले', बीडीपी (23 फरवरी 1892); 'पुलिस पर हमले', बीडीपी (26 अप्रैल 1892); 'असॉल्टिंग नेबर्स एंड पुलिसमैन', बीडीपी (23 अगस्त 1892); 'हमलावर पुलिसकर्मी' बीडीपी (13 मार्च 1894); 'कांस्टेबलों पर हमले', बीडीपी (9 अप्रैल 1895); और 'पुलिसकर्मियों पर हिंसक हमले', बीडीपी (12 नवंबर 1895)।

206 'फ्यूनरल ऑफ स्निप', स्पोर्ट्स आर्गस (24 जुलाई 1897); 'बर्मिंघम में हिंसा का शासन', लॉयड साप्ताहिक समाचार पत्र (25 जुलाई 1897)।

207 'बर्मिंघम में हिंसा', द टाइम्स [लंदन, इंग्लैंड] (14 अक्टूबर 1897) द टाइम्स डिजिटल आर्काइव। (28 जून 2018 को एक्सेस किया गया)।

Machine Translated by Google

अध्याय तीन: पीकी ब्लाइंडर्स का शासनकाल समाप्त हुआ

208 सीरीज़ 1, एपिसोड 2, पीकी ब्लाइंडर्स (बीबीसी2, 2013)।

209 'मुख्य कांस्टेबल राफ्टर। ए कैरेक्टर स्केच, वीकली आयरिश टाइम्स (28 अक्टूबर 1899); और एक क्रूरता की महामारी', ग्लोब (30 जुलाई 1897)।

210 देखें गुडरसन, द गैंग्स ऑफ बर्मिंघम, पृष्ठ 263-64।

211 'बर्मिंघम में गुंडागर्दी की महामारी', एडिनबर्ग इवनिंग न्यूज़, (12 अगस्त 1897)।

212 विंस, कॉर्पोरेशन का इतिहास, खंड। तृतीय, पृष्ठ 218.

213 जेफ्री पियर्सन, 'विक्टोरियन बॉयज़, वी आर हियर!' यवोन ज्यूकेस और गेल लेदरबी (संस्करण), क्रिमिनोलॉजी में। ए रीडर (लंदन, 2002), पृष्ठ 8।

214 विंस, कॉर्पोरेशन का इतिहास, खंड। III, पृ.218, 226-229 और 232, और बन्स, हिस्ट्री ऑफ़ द कॉर्पोरेशन, खंड II (बर्मिंघम, 1885), पृष्ठ 300।

215 'चेल्टेनहैम मैन इंजर्ड', चेल्टेनहैम क्रॉनिकल (30 अप्रैल 1898)।

216 द मोसले एंड किंग्स हीथ जर्नल, वॉल्यूम। 8 (अगस्त 1899)। पृ.1-14.

217 'स्ट्रीट रफ़ियनिज़्म', ग्लोब - शनिवार, 21 जनवरी 1899 218 'एग्जिट मिस्टर फ़र्नडेल', द बर्मिंघम आउल (20 जून 1899), पृष्ठ 9; यह भी देखें, मिस्टर जोसेफ़ फ़र्नडेल की मृत्यु', बीडीजी (9 अगस्त 1901)।

219 उदाहरण के लिए देखें, 'प्लेइंग स्पेस प्रॉब्लम', स्पोर्ट्स आर्गस (29 जून 1901)।

220 'क्लीन्ड अप ब्लैक स्पॉट', बर्मिंघम गजट [इसके बाद बीजी] (24 अगस्त 1935)।

221 'हजारों लोगों ने बर्मिंघम में सर चार्ल्स राफ्टर का निधन देखा', बीजी (28 अगस्त 1935)।

222 'डेथ ऑफ सर सी. राफ्टर', पुलिस रिव्यू (30 अगस्त 1935)।

223 'क्लीन अप' ब्लैक स्पॉट', बीजी (24 अगस्त 1935)।

224 'द न्यू चीफ', द बर्मिंघम आउल (21 जुलाई 1899) पृष्ठ 9।

225 'मुख्य कांस्टेबल राफ्टर। ए कैरेक्टर स्केच', वीकली आयरिश टाइम्स (28 अक्टूबर 1899)।

226 पर्सी लैंगरिज, एमईपीओ 6 मेट्रोपॉलिटन पुलिस: आदतन अपराधी रजिस्टर 1904, भाग 15।

227 'बर्मिंघम में गुंडागर्दी', बीएम (29 जून 1900)।

228 विंस, बर्मिंघम निगम का इतिहास, खंड IV, पृष्ठ 226 और 246।

229 "पीकी ब्लाइंडर" पर वाक्य, चेल्टनहैम क्रॉनिकल (12 जनवरी 1901)। कांस्टेबल बेनेट एक मुख्य अधीक्षक बन गए और उन्हें रिंग लीडरों को न्याय के कटघरे में लाकर गैरीसन लेन वेंडेटा के दमन में अग्रणी भूमिका निभाने का श्रेय दिया गया; 'बाम पूर्व पुलिस प्रमुख का निधन', अखबार की कटिंग में बेनेट की पोती रूबी मस्सा को धन्यवाद दिया गया।

230 'ए रफ़ियन साइलेंस्ड फॉर ए टाइम', रॉस गजट (10 जनवरी 1901); 'एक गुंडे के लिए दंडात्मक दासता', शेफ़ील्ड डेली टेलीग्राफ (10 जनवरी 1901)।

231 'राउडीसिम इन गैरीसन लेन' बीएम (10 जुलाई 1901)।

232 वाल्टर जी. चिन, फ्रॉम विक्टोरियाज़ इमेज (ए रिमिनिसेंस इन रिफ्लेक्शन) (अप्रकाशित एमएस, बर्मिंघम सी. 1978), पृ.18.

233 'बर्मिंघम में गुंडागर्दी, वेतनभोगी संकल्प', बीएम (5 नवंबर 1901)।

234 जे. कमिंग वाल्टर्स, सीन्स इन स्लमलैंड: पेन पिक्चर्स ऑफ़ द ब्लैक स्पॉट्स इन बर्मिंघम (बर्मिंघम, 1901), पृ.5.

235 'द गुंटर केस', बीएम (14 दिसंबर 1901)।

236 'विलफुल मर्डर का फैसला', बीएम (30 अक्टूबर 1901)।

237 'पीड़ित का अंतिम संस्कार', बीएम (31 अक्टूबर 1901)।

238 'द गंटर मर्डर ट्रायल। फैसले और वाक्य', बीएम (14 दिसंबर 1901)।

239 टीजे बैस, होप इन शैडोलैंड (बर्मिंघम, 1903), पृष्ठ 31; 'द बर्मिंघम पीकी ब्लाइंडर्स', बीडीजी (14 दिसंबर 1901)।

Machine Translated by Google

240 डराने-धमकाने के लिए 'द गंटर केस' देखें। साक्षियों को कथित तौर पर डराने-धमकाने का आरोप', बीएम (7 नवंबर 1901)।

241 'बर्मिंघम में भयानक हमला', कोवेंट्री हेराल्ड (31 जनवरी 1902)।

242 'द मर्डरस अटैक ऑन पीसी ब्लिंको', बीडीजी (15 मार्च 1902)।

243 'पुलिस कांस्टेबल पर जानलेवा हमला', लंदन डेली न्यूज (29 जनवरी 1902)।

244 'द मर्डरस अटैक ऑन पीसी ब्लिंको', बीडीजी (15 मार्च 1902)।

245 बीडीजी (25 मार्च 1903)।

246 विंस, बर्मिंघम निगम का इतिहास खंड। IV, पृ.346.

247 बीडीजी (13 सितंबर 1905)।

248 'दो हत्या परीक्षण', बीडीजी (16 दिसंबर 1905)।

249 विंस, बर्मिंघम निगम का इतिहास, खंड। IV, पृ.346.

250 'गुंडागर्दी', बीडीजी (11 जनवरी 1907)।

251 'नाइट एडवेंचर', बीडीजी (19 नवंबर 1912)।

252 डेविस, गैंग्स ऑफ मैनचेस्टर, पीपी.334-343।

253 गुडरसन, गैंग्स ऑफ बर्मिंघम, पृष्ठ 255; 'बर्मिंघम स्पोर्टिंग पार्सन', बीडीजी (11) भी देखें
दिसंबर 1934)।

254 'द रेव. अर्नोल्ड पिंचर्ड', पल मॉल गजट (4 अक्टूबर 1907); और फादर जे के लिए राफेल देखें
सैमुअल, ईस्ट एंड अंडरवर्ल्ड। आर्थर हार्डिंग के जीवन में अध्याय (लंदन, 1981), पृष्ठ 2, 19 और 286-288 और ओल्ड निकोल के लिए, सारा वाइज़ द ब्लैकेस्ट स्ट्रीट्स: द
लाइफ एंड डेथ ऑफ़ ए विक्टोरियन स्लम (लंदन, 2009 संस्करण)।

255 सारा वाइज, 'इनसाइड द स्किन ऑफ ए स्लम', चर्च टाइम्स (2 जुलाई 2008)।

256 जेआरसी 'पीकी ब्लाइंडर्स', पृष्ठ 72।

257 'टेबल टॉक', बीएम (16 अप्रैल 1881)।

258 'स्पार्कब्रुक बॉक्सिंग क्लब', बीडीजी (12 अगस्त 1908)।

259 'चेंज्ड ए बैड पैरिश', बीडीजी (11 दिसंबर 1934)।

260 'महिला चुनाव तैयारी', बीडीजी (23 जनवरी 1929)।

261 'बर्मिंघम किर्ल सोसाइटी इन द सेवन डायल्स', बीडीपी (8 जुलाई 1889); 'बर्मिंघम किर्ल सोसायटी।
एक प्रस्तावित "किर्ले हॉल", बीडीपी (27 नवंबर 1891)।

262 'द बर्मिंघम किर्ल सोसाइटी', बीडीपी (27 सितंबर 1893)।

263 'बर्मिंघम स्ट्रीट बॉयज़ यूनियन', बीएम (27 सितंबर 1906)।

264 अर्नोल्ड फ्रीमैन, बॉय लाइफ एंड लेबर: द मैन्युफैक्चर ऑफ इनएफिशिएंसी (लंदन 1914) पृष्ठ 130।

265 डेविस, गैंग्स ऑफ मैनचेस्टर, पीपी.343-44 और 353।

266 उदाहरण के लिए देखें, 'एस्टन बोर्ड स्कूल फुटबॉल एसोसिएशन', बीडीपी (12 मई 1886); 'जूनियर लीग',
स्पोर्ट्स आर्गस (21 अक्टूबर 1905)।

267 फ्रीमैन, बॉय लेबर, पीपी.110-115।

268 डेविस, गैंग्स ऑफ मैनचेस्टर, पीपी.353-54।

269 फ्रीमैन, बॉय लेबर, पृष्ठ 133 और पृष्ठ 88-89।

270 'बर्मिंघम में गुंडागर्दी, वजीफा का संकल्प', बीएम (5 नवंबर 1901)।

271 'गुंडागर्दी रेडिविवस', बीएम (5 नवंबर 1901)।

272 'द नेविगेशन स्ट्रीट रायट', बीडीपी (25 मार्च 1875)।

273 टीजे बैस, एवरीडे लाइफ इन ब्लैकेस्ट बर्मिंघम: फैक्ट्स नॉट फिक्शन (बर्मिंघम 1898), पृष्ठ 9।

274 'बर्मिंघम में गुंडागर्दी', बीएम (13 मई 1901)।

275 'की हिल पर पुलिस पर हमला। बचाव के लिए नागरिक', बीएम (27 मार्च 1905)।

276 विंस, बर्मिंघम निगम का इतिहास खंड। IV, पृ.326-7.

Machine Translated by Google

277 'स्थानीय समाचार और जोटिंग्स', बीएम (14 दिसंबर 1901)।

278 'बर्मिंघम वॉच कमेटी', बीएम (13 नवंबर 1901)।

279 'वांटेड', चेल्टनहैम क्रॉनिकल (30 जुलाई 1910)।

280 'कायरली कॉन्स्टेबल', वॉर्सेस्टरशायर क्रॉनिकल (19 सितंबर 1903)।

281 'पीकी ब्लाइंडर्स गैंग्स की यादें', इवनिंग डिस्पैच (29 जनवरी 1930)।

282 'मर्डर ऑफ पीसी लाइन्स', बीडब्ल्यूपी (27 मई 1955)।

283 'आज का समाचार', बीडीपी (2 जुलाई 1900)।

284 'पुलिस आदेश 17 दिसम्बर 1901 से 8 अक्टूबर 1903'।

285 'पुलिस कर्मचारियों का परीक्षण', बीडीपी (22 नवंबर 1890)।

286 'नोट्स और समाचार', बीएम (9 दिसंबर 1890)।

287 वाल्टर चिन, साक्षात्कार, बीएलए (संख्या 2 1979)।

288 'द्वितीय विश्व युद्ध तक मैनचेस्टर में पुलिस वर्दी का इतिहास' देखें, http://www.gmpmuseum.co.uk/collection-item/the-history-of-policeuniform-in-manchester-up-until-ww2/ [15 जुलाई 2018 को एक्सेस किया गया)।

289 'कनॉट मैन', वीकली आयरिश टाइम्स (19 अक्टूबर 1907)।

290 'रिज़र्विस्ट्स और बर्मिंघम सिटी पुलिस', बीएम (11 फरवरी 1901)।

291 'टेबल टॉक', बीएम (24 अगस्त 1901)।

292 'बर्मिंघम पुलिस बल। व्हेयर द रिक्रूट्स कम फ्रॉम', बीएम (26 अक्टूबर 1901)।

293 'मुख्य अधीक्षक सीडब्ल्यू लॉयड, पत्र, बीएलए (18 जून 1987)।

294 'पूर्व पुलिस प्रमुख', बीडीजी (13 फरवरी 1928)।

295 'पुलिस सेवा की आधी सदी', बीडीजी (6 मार्च 1918)।

296 'जुवेनाइल स्लॉगिंग गैंग्स', बीएम (21 सितंबर 1918)।

297 'अधीक्षक वाकर का इस्तीफा', बीएम (6 फरवरी 1900)।

298 'द डिसएपियरेंस ऑफ ट्रैम्प्स' बीएम (4 दिसंबर 1915)।

299 'मर्डर ऑफ पीसी लाइन्स', बीडब्ल्यूपी (27 मई 1955)।

300 'द टेन आर्चेस गैंग', बीएम (10 जनवरी 1883); 'एस्टन पुलिस क्रिकेट क्लब', बीडीपी (18 जनवरी 1895)।

301 'राउडीज़्म एट टेन आर्चेस', बीडीपी (22 मई 1900)।

302 जॉर्ज हिकलिंग 145403, लघु सेवा सत्यापन, टीएनए, सैनिकों के दस्तावेज़, प्रथम विश्व युद्ध के 'जले हुए दस्तावेज़' (1915)।

303 सीआरएस, 'फॉरवर्ड। बर्मिंघम कैसे बदल रहा है', बीडीजी (30 दिसंबर 1925)।

304 'कम अपराध। बर्मिंघम रिटर्न्स', बीडीजी (9 मई 1929)।

305 'शत्रुतापूर्ण भीड़ द्वारा फेंकी गई ईंटें और बोतलें', बीडीजी (21 जून 1910)।

306 'सड़क आतंकवादी। युवा गुंडों के लिए छह महीने का कठिन श्रम', बीडीजी (15 जून 1920)।

307 डंडी इवनिंग टेलीग्राफ (21 मार्च 1927)।

308 'आतंकवादी गिरोह को जेल भेजा गया। विशेषज्ञ बदमाशों के अपराध', बीडीजी (8 मई 1930)।

309 1920 के दशक में डेरिटेंड और बोर्डेस्ले में पीकी ब्लाइंडर्स का भी कोई उल्लेख नहीं है, जहां वे थे प्रथम विश्व युद्ध से कुछ वर्ष पहले तक व्याप्त था। उदाहरण के लिए, मैरी एलिजाबेथ शॉट, ब्रम एंड कैंडललाइट: ए वॉक डाउन मेमोरी लेन्स (1995), और टॉम गोल्डिंग, 96 इयर्स अ ब्रम्मी, 1889-1896 (1986) देखें।

310 बीट्टी हैमिल, नी कार्सन, इंटरव्यू, बीएलए (1987)।

311 विक्टर जे. एंड्रयूज, पैचेड पार्ट्स [मूल रूप से संडे मर्करी में 'आई रिमेंबर' के रूप में क्रमबद्ध गैरीसन लेन'] (बर्मिंघम, 1999), पृष्ठ 37-40।

Machine Translated by Google

312 सीरीज 1, एपिसोड 1, पीकी ब्लाइंडर्स (बीबीसी2, 2013)।

313 'बीबीसी नाटक पीकी ब्लाइंडर्स के सेट पर पर्दे के पीछे',
http://www.bbc.co.uk/news/av/entertainment-arts-23795850/behind-the-scenes-on-the-set-of-bbc-drama-peaky-blinders।

314 चिन, बेटर बेटिंग, पृष्ठ 102; और जेफ्री फ़्लॉय, पुलिसिंग बर्मिंघम, पृष्ठ 226 और पृष्ठ 203।

315 देखें डेविड डिक्सन, ''क्लास लॉ': द स्ट्रीट बेटिंग एक्ट ऑफ़ 1906', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ द सोशियोलॉजी ऑफ़ लॉ, खंड। 8 (1980), पृ.109.

316 चार्ल्स विंस, बर्मिंघम निगम का इतिहास, खंड। IV (1900-1915) (बर्मिंघम, 1923)
पृ.348-49.

317 फ़्लॉय, बर्मिंघम में पुलिसिंग, पृष्ठ 228।

318 चिन, बेटर बेटिंग, पीपी.136-40।

319 'बर्मिंघम में वर्षों का अपराध', बीडीजी (1 सितंबर 1920)।

320 चिन, बेटर बेटिंग, पीपी.136-40।

321 हैरी वोक्स, लेटर, बीएलए (1988)।

322 हेट्टी ब्रैडबरी, पत्र, कार्ल चिन बुकमेकिंग आर्काइव [इसके बाद बीए], कैडबरी रिसर्च लाइब्रेरी, बर्मिंघम विश्वविद्यालय।

323 देखें 'सट्टेबाजी पर कानून', बीडीजी (9 मई 1913)।

324 चिन, बेटर बेटिंग, पीपी.109 और पीपी.142-4।

325 क्लेमेंट्स, 'हिस्टोरिया इंटरव्यूज़: स्टीवन नाइट'।

326 अल्बर्ट जुड, साक्षात्कार, बीए (1988)।

327 श्री एटी रिचर्डसन, पत्र, बीएलए (23.3.88)।

328 जॉर्ज डब्ल्यू लैंगहम, पत्र, बीएलए (1988)।

329 वोक्स, पत्र, बीएलए (1988)।

330 चिन, बेटर बेटिंग, पृष्ठ 125।

331 रिचर्डसन, लेटर, बीएलए (1988)।

332 कार्ल चिन, द एनाटॉमी ऑफ़ ए वर्किंग-क्लास नेबरहुड: वेस्ट स्पार्कब्रुक 1871 से 1914
(बर्मिंघम विश्वविद्यालय पीएच.डी. थीसिस, 1986), पृष्ठ 151।

333 'सफल उपन्यास पुलिस रूज', बीडीजी (17 नवंबर 1928)।

334 चिन, बेटर बेटिंग, पृष्ठ 208।

335 विलियम चिन, साक्षात्कार, बीएलए (1987)।

336 श्रीमती वीजी पुलिन (नी फोस्टर), पत्र, बीएलए (2007)।

337 ओल्गा पैकर, नी पिकरिंग, साक्षात्कार (1988); और सट्टेबाजी करने वाली महिलाओं के लिए देखें चिन, बेहतर सट्टेबाजी,
पृ.144-47.

338 रिचर्ड पिकरिंग, साक्षात्कार, बीए (1993)।

339 चिन, बेटर बेटिंग, पीपी.130-31।

340 कैथरीन क्लेमेंट्स, 'हिस्टोरिया इंटरव्यू: स्टीवन नाइट', हिस्टोरिया (2 मई 2016), http://www.historiamag.com/historia-interviews-steven-knight/

341 जोनाथन राइट, 'पीकी ब्लाइंडर्स: बिहाइंड द सीन विद क्रिएटर स्टीवन नाइट', हिस्ट्रीएक्स्ट्रा,
(2018), https://www.historyextra.com/period/20th-sensitive/peaky-blinders-behind-the-scenes-with-creator-steven-knight/

342 बर्गर बॉयज़ और जॉनसन क्रू के लिए देखें कैरोलिन गैल, 'बर्मिंघम गैंग्स: कैसे दो प्रतिद्वंद्वियों ने एक शहर की सड़कों पर जहर घोल दिया', (23 अगस्त 2017 https://www.bbc.co.uk/news/uk-england-birmingham-41024825).

Machine Translated by Google

343 1871 जनगणना, टीएनए, कक्षा: आरजी10; टुकड़ा: 3015; फोलियो: 17; पृष्ठ: 27; जीएसयू रोल: 838861.

344 1881 जनगणना, टीएनए, कक्षा: आरजी11; टुकड़ा: 3013; फोलियो: 108; पृष्ठ: 51; जीएसयू रोल: 1341720.

345 देखें जीसी एलन, द इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट ऑफ़ बर्मिंघम एंड द ब्लैक कंट्री 1860-1927
(प्रथमप्रकाशित 1929, न्यूयॉर्क संस्करण 1866), पृ.233-43)।

346 1891 जनगणना, टीएनए, कक्षा: आरजी12; टुकड़ा: 2413; फोलियो: 76; पेज: 4.

347 1911 जनगणना, टीएनए, कक्षा: आरजी14; टुकड़ा: 18165.

348 1901 जनगणना, टीएनए, कक्षा: आरजी13; टुकड़ा: 2855; फोलियो: 44; पृष्ठ: 38; और जनगणना 1911, वर्ग: आरजी14;
टुकड़ा: 18357.

349 'बर्मिंघम पुलिस कोर्ट', बीएम (23 अप्रैल 1881)।

350 'बिना टिकट सवारी', बीएम (10 जनवरी 1884)।

351 'अकारण हमला', बीडीपी (6 नवंबर 1895)।

352 'वारविक में कथित जालसाज़', लेमिंगटन स्पा कूरियर (4 जुलाई 1896); 'जालसाज़ों को उनके रेगिस्तान मिलते हैं', लेमिंगटन स्पा कूरियर (11 जुलाई 1896)।

353 'सैमुअल शेल्डन, 147', लाइसेंस 9 पर दोषी (बर्मिंघम सिटी पुलिस, 1911-1912), वेस्ट मिडलैंड्स पुलिस संग्रहालय; 'सैमुअल शेल्डन 2546, कैदियों की तस्वीरें (29 अक्टूबर 1907), वेस्ट
मिडलैंड्स पुलिस संग्रहालय।

354 'एक असहनीय उपद्रव', बीडीपी (29 जून 1886)।

355 'पुलिस पर हमला', बीएम (14 मई 1887)।

356 'अदर रफ सीवियरली पनिश्ड', बीडीपी (15 नवंबर 1888)।

357 'द असॉल्ट इन एलीसन स्ट्रीट', बीडीपी (3 अगस्त 1889)।

358 'एक लड़की पर अपमानजनक हमला', बीडीपी (5 नवंबर 1889)।

359 'स्ट्रीट रफ़ियनिज़्म', बीडीपी (9 जुलाई 1890)।

360 'कमिटेड फॉर ट्रायल', बीडीपी (20 मार्च 1895) और सैमुअल शेल्डन, कैदियों का कैलेंडर (28 अक्टूबर 1907), क्यूएस/बी/20/72।

361 बैन्स, सेंट लॉरेंस, सैमुअल शेल्डन (22 सितंबर 1890), संदर्भ संख्या: ईपी 69/2/3/1; पुरालेख
रोल: 12.

362 1891 जनगणना, टीएनए, कक्षा: आरजी12; टुकड़ा: 2403; फोलियो: 55; पेज: 12.

363 'बर्मिंघम का सबसे अराजक हिस्सा', बीडीपी (28 फरवरी 1900)।

364 1901 जनगणना, टीएनए, कक्षा: आरजी13; टुकड़ा: 2855; फोलियो: 37; पृष्ठ: 23.

365 1911 जनगणना, टीएनए, कक्षा: आरजी14; टुकड़ा: 18264.

366 बैन्स, सेंट जेम्स द लेस एशटेड, एला मारिया स्मॉल (6 अगस्त 1917) संदर्भ संख्या: डीआरओ 10;
पुरालेख रोल: 643.

367 'लीसेस्टर में साहसी डकैती', लीसेस्टर क्रॉनिकल (28 जुलाई 1900)।

368 सैमुअल शेल्डन, कैदियों का कैलेंडर (28 अक्टूबर 1907), क्यूएस/बी/20/72।

369 https://www.legislation.gov.uk/ukpga/Geo4/5/83/section/4 देखें ।

370 'द स्ट्रैटफ़ोर्ड रोड रायट', बीएम (5 जून 1905)।

371 'तिमाही सत्र', बीडीजी (31 अक्टूबर 1907)।

372 सैमुअल शेल्डन, 147, लाइसेंस 9 पर दोषी।

373 जोसेफ शेल्डन, कैदियों का कैलेंडर (19 नवंबर), क्यूएस/बी/20/94।

374 जॉन शेल्डन, एमईपीओ 6, मेट्रोपॉलिटन पुलिस आपराधिक रिकॉर्ड कार्यालय जिसमें आदतन शामिल है
अपराधियों के रजिस्टर और विविध कागजात (1914)।

375 'चार्ज ऑफ यूटरिंग बेस कॉइन', वॉर्सेस्टरशायर क्रॉनिकल (27 जून 1903)।

376 'घर में तोड़फोड़', बीडीजी (20 मई 1905)।

377 1901 जनगणना, टीएनए, कक्षा: आरजी13; टुकड़ा: 2855; फोलियो: 32; पृष्ठ: 13; और 'जॉन शेल्डन', का कैलेंडर

Machine Translated by Google

कैदी (17 मार्च 1906), क्यूएस/बी/20/112।

378 'रेसकोर्स पेस्ट्स', नॉटिंघम इवनिंग पोस्ट (3 सितंबर 1919)।

379 'जॉन शेल्डन', एमईपीओ 6, मेट्रोपॉलिटन पुलिस आपराधिक रिकॉर्ड कार्यालय जिसमें आदतन शामिल है
अपराधियों के रजिस्टर और विविध कागजात (1903)।

380 'पुलिसवाला और एक कमीशन एजेंट' (21 मार्च 1906)।

381 1901 जनगणना, टीएनए, कक्षा: आरजी12; टुकड़ा: 2403; फोलियो: 62; पृष्ठ: 25 382 जेनिस जैक्सन ईमेल (21 नवंबर
2014); 'विलियम बीच', मिलिशिया अटेस्टेशन (22 सितंबर 1898); 'विलियम बीच 24109,' कनाडा, प्रथम विश्व युद्ध सीईएफ कार्मिक फ़ाइलें, 1914-1918, बी - बेल बॉक्स 0530 (बीच,
ओलिवर - बीच, विलियम जेम्स)।

383 मार्गरेट बील, ईमेल (1 अक्टूबर 2014)।

384 श्री ब्यासली, साक्षात्कार, बी.ए. (1989)।

385 रे लुईस, साक्षात्कार, बी.ए. (1989); टेरी लाइन्स, ईमेल (24 फरवरी 2014)।

386 'गैरीसन लेन वेंडेटा', बर्मिंघम गजट और एक्सप्रेस [इसके बाद बीजीई] (14 अक्टूबर 1912)।

387 'शूटिंग अफेयर', बीडीजी (9 जनवरी 1909)।

388 'शॉट्स इन ए सिटी स्ट्रीट', बीडीजी (22 जून 1908)।

389 'चार्ल्स जोन्स', कैदियों का कैलेंडर (19 नवंबर 1910), क्यूएस/बी/20/112।

390 कार्यवाहक अधीक्षक, 'वाटरी लेन और जिले में गैरकानूनी सभाएँ' (हस्तलिखित एमएस 1909)
[वेस्ट मिडलैंड्स पुलिस संग्रहालय], पृष्ठ 1.

391 बेस्ली, साक्षात्कार, बी.ए. (1989)।

392 'शूटिंग अफेयर', बीडीजी (9 जनवरी 1909)।

393 'बर्मिंघम वेंडेट्टा', बीएम (30 जनवरी 1909)।

394 'पनीर की चोरी', बीडीपी (1 मई 1900); 'समय का प्रश्न' बीडीपी (29 सितंबर 1900); 'शांति और
गुडविल', बीडीजी (29 दिसंबर 1903)।

395 'द डार्टमाउथ स्ट्रीट वेंडेट्टा', बीडीजी (3 मई 1909); 'गैरीसन स्ट्रीट वेंडेट्टा' बीजीई (20 सितंबर)।
1920).

396 कार्यवाहक अधीक्षक, 'वाटरी लेन और जिले में गैरकानूनी सभाएं', पीपी.1-2।

397 'आर्थर मॉरिस', कैदियों का कैलेंडर (26 फरवरी 1913), क्यूएस/बी/20/110।

398 'डार्टमाउथ स्ट्रीट वेंडेटा', बीईडी (5 मई 1909)।

399 'विलियम बीच', कैदियों का कैलेंडर, (26 मार्च, 1909), क्यूएस/बी/20/83।

400 'लुईस, साक्षात्कार, बी.ए. (1989)

401 'गैरीसन स्ट्रीट वेंडेटा', बीडीजी (20 सितंबर 1910)।

402 'गैरीसन स्ट्रीट वेंडेट्टा केस', बीडीजी (29 नवंबर 1910)।

403 'गैरीसन स्ट्रीट वेंडेट्टा। भारी वाक्य', बीडीजी (1 दिसंबर 1910)।

404 'बर्मिंघम छुरा घोंपने का मामला', बीएम (25 जनवरी 1911)।

405 'महिलाओं पर छुरा घोंपा', बीडीजी (22 मार्च 1911)।

406 'गैरीसन लेन वेंडेट्टा', बीएम (27 मार्च 1912)।

407 बेस्ली, साक्षात्कार, बीए (1989)।

408 एनोनिमस, 1912, अक्टूबर 15। एक बर्मिंघम प्रतिशोध: एक व्यक्ति के सिर में गोली मार दी गई
अतिथिशाला। मैनचेस्टर गार्जियन (1901-1959), 11.

409 गैरीसन लेन वेंडेटा', बीजीई (30 अक्टूबर 1912)।

410 'ए वेंडेट्टा इन गैरीसन लेन', बीडीपी (7 दिसंबर 1912)।

411 'प्रतिद्वंद्वी गिरोह', बीडीपी (5 नवंबर 2912)।

412 'गैरीसन लेन वेंडेट्टा', बीजीई (30 अक्टूबर 1912)।

413 'बर्मिंघम वेंडेट्टा', न्यूज़ ऑफ़ द वर्ल्ड (8 दिसंबर 1912)।

Machine Translated by Google

414 'गैरीसन लेन फ्यूड', बीडीपी (14 अक्टूबर 1912)।

415 'गैरीसन लेन वेंडेट्टा', बीजीई (30 अक्टूबर 1912)।

416 'आतंक का शासनकाल', अखबार की कटिंग (वेस्ट मिडलैंड्स पुलिस संग्रहालय)।

417 'गैरीसन लेन वेंडेटा', बीएम (7 दिसंबर 1912) और 'सजा कम', बीडीजी (21 जनवरी 1913)।

418 'वाटरी लेन शूटिंग अफ़े', बीएम (20 मार्च 1906)।

419 'द एंड ऑफ़ द पीकी ब्लाइंडर्स', शेफ़ील्ड इंडिपेंडेंट (28 जून 1923)।

420 'रेसकोर्स पेस्ट्स', नॉटिंघम इवनिंग पोस्ट (3 सितंबर 1919)।

421 जेनिस जैक्सन, ईमेल, (21 नवंबर 2014)।

422 'विलियम बीच 24109,' कनाडा, प्रथम विश्व युद्ध सीईएफ कार्मिक फ़ाइलें, 1914-1918, बी - बेल बॉक्स 0530 (बीच, ओलिवर - बीच, विलियम जेम्स)। इस सामग्री के प्रति मुझे सचेत करने के लिए मैं जेनिस जैक्सन को धन्यवाद देता हूँ। उस लड़ाई के लिए जिसमें बीच घायल हो गया था, आरसी फ़ेदरस्टनहॉग (संपादित और संकलित) 13वीं बटालियन रॉयल हाईलैंडर्स ऑफ़ कनाडा 1914-1919 (कनाडा, 1925) देखें।

423 'विलियम बीच', मिडलैंड्स, इंग्लैंड, चुनावी रजिस्टर, 1832-1955, 33 होम्स बिल्डिंग, पामर
स्ट्रीट, डेरिटेंड (1920)।

424 मिडलैंड्स, इंग्लैंड, चुनावी रजिस्टर, 1832-1955, डेरिटेंड, 1925, चार्ल्स हेनरी स्ट्रीट; और टीएनए, 1939 रजिस्टर; संदर्भ: आरजी 101/5538आई।

425 इंग्लैंड और वेल्स, नागरिक पंजीकरण मृत्यु सूचकांक, 1916-2007, सैमुअल शेल्डन, दिसंबर 1943,
बर्मिंघम, खंड 6डी, पृष्ठ 638।

426 टीएनए, 1939 रजिस्टर; संदर्भ: आरजी 101/5541बी।

427 इंग्लैंड और वेल्स, नागरिक पंजीकरण मृत्यु सूचकांक, 1916-2000, जॉन शेल्डन, दिसंबर 1941,
बर्मिंघम, खंड 6डी, पृष्ठ 208।

अध्याय पाँच: 1920 के दशक के असली गैंगस्टर

428 सीरीज़ 1, एपिसोड 2, पीकी ब्लाइंडर्स (बीबीसी2, 2013)।

429 विलियम किम्बर, डब्लू168959, जन्म प्रविष्टि की प्रमाणित प्रति, सामान्य रजिस्टर कार्यालय (3 फरवरी)
2005).

430 1891 जनगणना, टीएनए, कक्षा: आरजी12; टुकड़ा: 2387; फोलियो: 125; पेज: 37. किम्बर की पूरी चर्चा के लिए
पृष्ठभूमि देखें चिन, द रियल पीकी ब्लाइंडर्स, पीपी.44-6।

431 विलियम किम्बर, टीएनए, एचओ140, कैदियों का कैलेंडर, टुकड़ा 239 (27 अक्टूबर 1904)।

432 'चेज़ अमंग द चिमनी पॉट्स', लियोमिन्स्टर न्यूज़ और नॉर्थ वेस्ट हियरफोर्डशायर और रेडनरशायर विज्ञापनदाता (5 अक्टूबर 1900); जनगणना 1901, वर्ग: आरजी13; टुकड़ा: 2853;
फोलियो: 155; पेज: 7.

433 विलियम किम्बर, टीएनए, एमईपीओ 6, मेट्रोपॉलिटन पुलिस आपराधिक रिकॉर्ड कार्यालय जिसमें शामिल है
आदतन अपराधियों के रजिस्टर और विविध कागजात, (1913)।

434 विलियम किम्बर, कैदियों का कैलेंडर, (27 अक्टूबर 1904)।

435 विलियम किम्बर, बैन्स, संदर्भ संख्या: डीआरओ 9; पुरालेख रोल: 608 (1 नवंबर 1902)।

436 जूलियट बैनयार्ड, ईमेल (7 सितंबर 2013)।

437 विलियम किम्बर, कैदियों का कैलेंडर (27 अक्टूबर 1904); 'पहचान का एक प्रश्न', बीएम (29 अक्टूबर)।
1904).

438 'ट्रिप टिकट', बीएम (29 जनवरी 1906)।

439 'दौड़ के बाद। बर्मिंघम डर्बी की अगली कड़ी। आवारागर्दी करने वालों को सजा', बीडीजी (24 मई 1907)।

440 1911 जनगणना, टीएनए, वर्ग: आरजी14; टुकड़ा: 24018.

441 जस्टिन जोन्स, ईमेल (27 अगस्त 2013)।

442 मौड किम्बर, मिडलैंड्स, इंग्लैंड, चुनावी रजिस्टर, 1832-1955, वेस्ट बर्मिंघम, 5 चार्लोट
स्ट्रीट (1920 और 1925)।

Machine Translated by Google

443 बैनयार्ड ईमेल (7 सितंबर 2013)।

444 1911 जनगणना, टीएनए, कक्षा: आरजी14; टुकड़ा: 17989.

445 'रफ्स ऑफ द टर्फ', द डेली टेलीग्राफ (13 अगस्त 1898)। ब्रुमजेम की चर्चा के लिए
लड़के चिन देखते हैं, द रियल पीकी ब्लाइंडर्स, पीपी.20-30।

446 'कप टाई प्रॉसिक्यूशन', डर्बी डेली टेलीग्राफ (16 जनवरी 1913)।

447 जोसेफ किम्बर, कैदी का कैलेंडर, क्यूएस/बी/20/64 (27 जुलाई 1906); 'डॉनकास्टर पुलिस कोर्ट। सेंट लेगर के बाद', यॉर्कशायर पोस्ट और लीड्स इंटेलिजेंसर (13
सितंबर 1912); और 'सीन एट द मेज़ रेस', नॉर्दर्न व्हिग (4 अगस्त 1913)।

448 'कांस्टेबल पर हमला होते समय भीड़ देखती रह गई', बीडीजी (17 फरवरी 1922)।

449 थॉमस मैक्डोनाघ, 154 और 83, लाइसेंस 9 पर दोषी (बर्मिंघम सिटी पुलिस, 1911-1912; वेस्ट मिडलैंड्स पुलिस संग्रहालय); 'रेजर से काटा गया', बीडीजी (17 जून
1925)।

450 मैकडॉनल्ड्स, गैंग्स ऑफ लंदन, पृष्ठ 218 और पृष्ठ 123।

451 ब्रायन मैक्डोनाल्ड, एलीफैंट बॉयज़ टेल्स ऑफ़ लंदन एंड लॉस एंजिल्स अंडरवर्ल्ड्स (एडिनबर्ग एंड लंदन, 2000), पी.62

452 ब्रायन मैकडोनाल्ड, ईमेल (28 अगस्त 2013)।

453 मैकडॉनल्ड्स, गैंग्स ऑफ लंदन, पीपी.125-28।

454 'छुरा घोंपने का आरोप', सचित्र पुलिस समाचार (20 फरवरी 1913)।

455 'कथित घाव', ईस्ट लंदन ऑब्जर्वर (15 मार्च 1913)।

456 इलस्ट्रेटेड पुलिस न्यूज़ (20 फरवरी 1913)। इस खाते में टैम्पलिन को टेम्पलर नाम दिया गया था।

457 'आफ्टर द रेस', बेडफोर्डशायर एडवरटाइजर और ल्यूटन टाइम्स (17 अप्रैल 1914)।

458 देखें रे वैम्पलेव, घुड़दौड़ का एक सामाजिक और आर्थिक इतिहास (लंदन, 1976) पृष्ठ 62-75।

459 डेनी ग्रीन, साक्षात्कार, बीए (2005)।

460 चिन, द रियल पीकी ब्लाइंडर्स, पीपी.92-3।

461 'अंग्रेजों पर डबलिन में आरोप', डबलिन डेली एक्सप्रेस (11 मई 1917)। कोप के लिए, चिन, द देखें
रियल पीकी ब्लाइंडर्स, पीपी.92-3.

462 डब्ल्यू. किम्बर, एडीएम 194: कोर्ट मार्शल रजिस्टर, डब्ल्यूओ 86: जज एडवोकेट जनरल का कार्यालय: जिला न्यायालय मार्शल रजिस्टर, गृह और विदेश, टुकड़ा 078:
आरोपों का रजिस्टर: गृह और विदेश (1917), पृष्ठ 203 (11 अक्टूबर 1917) .

463 'हाउ फॉर्च्यून्स हैव बीन लॉस्ट एंड विन', हल डेली मेल (14 नवंबर 1931); थॉमस हेनरी डे,
एक सट्टेबाज की किताब से पत्तियाँ (लंदन, 1931)।

464 माइक हगिन्स, घुड़दौड़ और ब्रिटिश 1919-1939 (मैनचेस्टर, 2003), पृष्ठ 21।

465 टॉम डिवैल, स्काउंड्रेल्स एंड स्कैलीवैग्स (एंड सम ऑनेस्ट मेन) (लंदन, 1929) पृष्ठ 199।

'स्पोर्टिंग क्रॉनिकल' का 466 शताब्दी अनुपूरक (29 मई, 1971)।

467 'सट्टेबाजों से छेड़छाड़ का आरोप', द टाइम्स (24 जून 1919)।

468 सैम डेल, साक्षात्कार, बीए (1987)

469 डेव लैंगहम, साक्षात्कार, बीए (1988)।

470 डेल, इंटरव्यू और सिम्मी लुईस (शिमोन सोलोमन), इंटरव्यू (1988)।

471 डेल, साक्षात्कार।

472 चिन, बेटर बेटिंग, पीपी.177-8।

473 डिवैल, स्काउंड्रेल्स और स्कैलीवैग्स, पीपी.207-8।

474 मैकडॉनल्ड्स, गैंग्स ऑफ लंदन, पीपी.140-1।

475 'हताश चोर।' डेली मेल (18 अक्टूबर 1919): 5. डेली मेल हिस्टोरिकल आर्काइव। वेब. 2 सितम्बर
2018.

476 'रॉग्स ऑफ द रेसकोर्स', द टाइम्स (17 जुलाई 1920): 13. द टाइम्स डिजिटल आर्काइव। वेब. 2 सितम्बर

Machine Translated by Google

2018.

477 मैकडॉनल्ड्स, गैंग्स ऑफ लंदन, पृष्ठ 140 और पृष्ठ 103-128।

478 डब्ल्यू बेबिंगटन, रॉग्स गो रेसिंग (लंदन, सी. 1947) पृष्ठ 95।

479 अली हैरिस, साक्षात्कार, बीए (1987) और डेल 1987)।

480 टॉमी गार्नहैम, साक्षात्कार, बीए (2013)।

481 डिवैल, स्काउंड्रेल्स एंड स्कैलीवैग्स, पृष्ठ 199 और मैकडॉनल्ड्स, गैंग्स ऑफ लंदन, पृष्ठ 153-4।

482 1901 जनगणना 1, वर्ग: आरजी13; टुकड़ा: 240; फोलियो: 103; पृष्ठ: 42 और जनगणना 1911, वर्ग: आरजी14; टुकड़ा:
1191.

483 'अल्फ्रेड सोलोमन 83939, लघु सेवा सत्यापन'।

484 'बेटिंग इन सिटी रोड', हैकनी और किंग्सलैंड गजट (30 अगस्त 1907)।

485 'अल्फ्रेड सोलोमन, 83939, लघु सेवा सत्यापन'।

486 सिम्मी लुईस (शिमोन सोलोमन), साक्षात्कार, बीए (1989 487 एडवर्ड ग्रीनो, वॉर ऑन द अंडरवर्ल्ड
(लंदन, लगभग 1960), पृष्ठ 17।

488 मॉस डेयोंग, एवरीबडी बू (लंदन, 1951), पृष्ठ 55।

489 आर्मस्ट्रांग के हमले के पूरे विवरण के लिए, चिन, द रियल पीकी ब्लाइंडर्स, पीपी.68-9 देखें।

490 मैकडॉनल्ड्स, गैंग्स ऑफ लंदन, पृष्ठ 160 और पृष्ठ 146 और 155-59।

491 गार्नहैम, साक्षात्कार, बीए (2013)।

492 अल्फ्रेड सोलोमन पर बार्नेट ब्लिट्ज़ की जानबूझकर हत्या का आरोप लगाया गया, टीएनए, एमईपीओ 3/374,
छवि 3.

493 इमानुएल के परिवार के लिए देखें 1871 की जनगणना, टीएनए, कक्षा: आरजी10; टुकड़ा: 413; फोलियो: 38; पृष्ठ 1; जीएसयू रोल: 824629; 1841 की जनगणना, टीएनए, कक्षा: एचओ107; टुकड़ा: 725; पुस्तक: 5; सिविल पैरिश: सेंट बोटोल्फ एल्डर्सगेट; काउंटी: मिडलसेक्स; गणना जिला: 16; फोलियो: 33; पेज 2; पंक्ति: 8; जीएसयू रोल: 438830; और इंग्लैंड और वेल्स, नागरिक पंजीकरण मृत्यु सूचकांक, 1837-1915 बार्नेट एमानुएल के लिए, (1873) Q3-जुलाई-अगस्त-सितंबर ई।

494 1871 जनगणना, टीएनए, कक्षा: आरजी10; टुकड़ा: 413; फोलियो: 38; पृष्ठ 1; जीएसयू रोल: 824629; 1881 की जनगणना, टीएनए, वर्ग: आरजी11; टुकड़ा: 567; फोलियो: 75; पेज: 25; जीएसयू रोल: 1341129; और 1891 की जनगणना, टीएनए, वर्ग: आरजी12; टुकड़ा: 376; फोलियो: 82; पृष्ठ: 17. इमानुएल के परिवार के लिए 1871 की जनगणना, टीएनए, कक्षा: आरजी10 देखें; टुकड़ा: 413; फोलियो: 38; पृष्ठ 1; जीएसयू रोल: 824629; 1841 की जनगणना, टीएनए, कक्षा: एचओ107; टुकड़ा: 725; पुस्तक: 5; सिविल पैरिश: सेंट बोटोल्फ एल्डर्सगेट; काउंटी: मिडलसेक्स; गणना जिला: 16; फोलियो: 33; पेज 2; पंक्ति: 8; जीएसयू रोल: 438830; और इंग्लैंड और वेल्स, नागरिक पंजीकरण मृत्यु सूचकांक, 1837-1915 बार्नेट एमानुएल के लिए, (1873) Q3-जुलाई-अगस्त-सितंबर ई।

495 1891 जनगणना, टीएनए, कक्षा: आरजी13; टुकड़ा: 262; फोलियो: 56; पृष्ठ: 22.

496 एडवर्ड इमानुएल, कैदियों का कैलेंडर (25 अप्रैल 1902)।

497 'उत्तरी लंदन', लंदन इवनिंग स्टैंडर्ड (24 दिसंबर 1904)।

498 पुरानी बेली कार्यवाही ऑनलाइन (www.oldbaileyonline.org, संस्करण 8.0, 24 अगस्त 2018), सितंबर
1908, जॉन मैक्कार्थी का परीक्षण, (27, ठेकेदार) (टी19080908-48)।

499 1911 जनगणना, टीएनए, कक्षा: आरजी14; टुकड़ा: 1410 500 प्रिंस, साक्षात्कार,
बी.ए. (1987); सैमुअल, ईस्ट अंडरवर्ल्ड, पी.131.

501 'ए व्हाइटचैपल केस', शेफ़ील्ड डेली टेलीग्राफ (22 जनवरी 1912) और 'द ईस्ट एंड गैम्बलिंग'
रेड', ईस्ट लंदन ऑब्जर्वर (10 फरवरी 1912)।

502 'रिक्रूटिंग स्कैंडल', लिंकनशायर इको (17 सितंबर 1917', 'लंदन जुआ डेन। संरक्षित)
अधिकतर यहूदियों द्वारा'; नॉटिंघम इवनिंग पोस्ट (17 सितंबर 1917); बीडीपी (18 सितम्बर 1917); 'एलियंस क्राउड पुलिस कोर्ट', द पीपल (23 सितंबर 1917)।

503 'एलियंस क्राउड पुलिस कोर्ट', द पीपल (23 सितंबर 1917); गेमिंग के लिए £300 जुर्माना, डेली मिरर (18 सितंबर 1917)।

Machine Translated by Google

504 प्रिंस, इंटरव्यू, बीए (1987) और मैकडॉनल्ड्स, पीपी.145-6 भी देखें।

505 राफेल सैमुअल, ईस्ट अंडरवर्ल्ड: चैप्टर्स इन द लाइफ ऑफ आर्थर हार्डिंग (लंदन, 1981), पृष्ठ 131।

506 प्रिंस, साक्षात्कार, बीए (1987)। गेमिंग के लिए 507

£300 जुर्माना, डेली मिरर (18 सितंबर 1917)।

508 1891 जनगणना, टीएनए, कक्षा: आरजी12; टुकड़ा: 201; फोलियो: 96; पृष्ठ: 104.

509 1901 जनगणना, टीएनए, कक्षा: आरजी13; टुकड़ा: 1616; फोलियो: 7; पेज: 5.

510 'द सेवॉय क्लब रेड', ग्लोब (12 मई 1922); 'द रेड ऑन ए स्ट्रैंड क्लब'; और 'द पुलिस रेड ऑन ए क्लब', सुंदरलैंड डेली इको (22 मई 1902)। सट्टेबाजी शुरू करने में हमेशा सबसे पहले', डेली हेराल्ड (7 सितंबर 1931)।

511 'सट्टेबाजी शुरू करने में हमेशा सबसे पहले', डेली हेराल्ड (7 सितंबर 1931)।

512 नेटली लुकास, लंदन एंड इट्स क्रिमिनल्स (लंदन, 1926) पृष्ठ 76। 513 http://www.bbc.co.uk/

programmes/profiles/3rgnlRdfWMFsMMwDXN14yW5/darby-sabini 514 नॉर्मन लुकास, ब्रिटेन्स गैंगलैंड (लंदन 1969), पृष्ठ 23; और 'अतीत के बदसूरत

हिंसक अपराधी' (22 अप्रैल 2005) https://www.telegraph.co.uk/news/uknews/1488384/Ugly-violent-criminals-of-the-past.html

515 कैथरीन अर्नोल्ड, अंडरवर्ल्ड लंदन: राजधानी शहर में अपराध और सजा (लंदन, 2012)
पृ.284-6.

516 एडवर्ड टी. हार्ट, ब्रिटेन के गॉडफादर (लंदन, 1993) पीपी.3, 6-7, 13, 15, और 56-71। इटालियन के रूप में सबिनी के प्रतिनिधित्व पर यह चर्चा बर्मिंघम विश्वविद्यालय के एक स्नातक छात्र सैम बर्नार्ड के साथ चर्चा से लाभान्वित हुई, जिन्होंने 2017 में स्नातक किया था और जिनके सबिनी गिरोह पर अंतिम वर्ष के शोध प्रबंध का मैंने पर्यवेक्षण किया था।

517 1911 जनगणना, टीएनए, कक्षा: आरजी14; टुकड़ा: 902.

518 ओटाविया सबिनी, लंदन मेट्रोपॉलिटन अभिलेखागार; संदर्भ संख्या: p76/phi/016 (21 दिसंबर 1913); डोरिस एनी अमेलिया सबिनी, लंदन मेट्रोपॉलिटन आर्काइव्स, चर्च ऑफ़ इंग्लैंड पैरिश रजिस्टर्स, 1754-1906; संदर्भ संख्या: p90/jud/005 (25 जनवरी 1916)।

519 टीएनए: एचओ45/23691, 'ऑक्टेवियस सबिनी, उर्फ डार्बी सबिनी इंटर्नमेंट'।

520 लुसियो स्पोंज़ा, उन्नीसवीं सदी के ब्रिटेन में इतालवी आप्रवासी वास्तविकताएँ और छवियाँ (लीसेस्टर 1988) पीपी.32-6; और https://www.genesreunited.co.uk/boards/board/
ancestors/thread/1163482 (16 जुलाई 2009)।

521 डेविड आर. ग्रीन, 'विक्टोरियन लंदन में छोटा इटली। होलबोर्न का इतालियन समुदाय', कैमडेन इतिहास
समीक्षा, खंड. 15 (1988) पृ.5-6.

522 'गंभीर हमले के मामले', मॉर्निंग पोस्ट (28 दिसंबर 1883)।

523 लंदन मेट्रोपॉलिटन अभिलेखागार, स्कूल प्रवेश और छुट्टी रजिस्टर; संदर्भ:
एलसीसी/ईओ/डीआईवी03/एलएएस/एडी/002; इंग्लैंड और वेल्स, नागरिक पंजीकरण जन्म सूचकांक, 1837-1915, लंदन, होलबोर्न, खंड: 1बी, पृष्ठ: 683 (जुलाई-
अगस्त-सितंबर 1888)। इस उत्तरार्द्ध में वह Q?tavia hHndley के रूप में पंजीकृत है।

524 सामान्य रजिस्टर कार्यालय, इंग्लैंड और वेल्स, नागरिक पंजीकरण जन्म सूचकांक, 1837-1915, लंदन,
होलबोर्न, खंड: 1बी, पृष्ठ: 76881 (जनवरी-फरवरी-मार्च 1881); सामान्य रजिस्टर कार्यालय, इंग्लैंड और वेल्स, नागरिक पंजीकरण जन्म सूचकांक, 1837-1915, लंदन, होलबोर्न,
खंड: 1बी, पृष्ठ: 775 (जनवरी-फरवरी-मार्च 1883); और जनगणना 1871, टीएनए, वर्ग: आरजी11; टुकड़ा: 351; फोलियो: 12; पृष्ठ: 17; जीएसयू रोल: 1341076।

525 'इनकार करता है कि वह सबिनी गैंग का राजा है', संडे पोस्ट (4 जुलाई 1926); टीएनए: सीआरआईएम1/209; चार्ल्स सबिनी
वक्तव्य, (5 दिसंबर 1922); टीएनए: एचओ45/23691, 'ऑक्टेवियस सबिनी, उर्फ डार्बी सबिनी इंटर्नमेंट'।

526 1891 जनगणना, टीएनए, कक्षा: आरजी13; टुकड़ा: 253; फोलियो: 170; पृष्ठ 1

527 लंदन मेट्रोपॉलिटन अभिलेखागार, स्कूल प्रवेश और छुट्टी रजिस्टर; संदर्भ:
एलसीसी/ईओ/डीआईवी03/एलएएस/एडी/002।

528 http://www.childrenshomes.org.uk/DruryLaneID/।

Machine Translated by Google

529 शोर, संगठित अपराध, पृष्ठ 183।

530 ओटावियो सबिनी, लंदन मेट्रोपॉलिटन अभिलेखागार; संदर्भ संख्या: p76/phi/016 (21 दिसंबर 1913); और डोरिस एनी अमेलिया सबिनी, लंदन मेट्रोपॉलिटन आर्काइव्स, चर्च ऑफ इंग्लैंड पैरिश रजिस्टर्स, 1754-1906; संदर्भ संख्या: p90/jud/005 (25 जनवरी 1916)।

531 'इनकार किया कि वह सबिनी गैंग का राजा था', संडे पोस्ट (4 जुलाई 1926)।

532 शोर, संगठित अपराध, पीपी.186-7 533 ग्लोब (20 मई 1898)।

534 'गंभीर हमले के मामले', मॉर्निंग पोस्ट (28 दिसंबर 1883); 'स्टैबिंग इन क्लेरकेनवेल', इस्लिंगटन गजट (30 अगस्त 1888)।

535 'इटालियंस इन ट्रबल', इस्लिंगटन गजट (27 जून 1895) और 'इटैलियन छुरा घोंपने का मामला', हेनले विज्ञापनदाता (10 मार्च 1894)।

536 '5 एस 6 डी के लिए मारे जाने को तैयार नहीं', इस्लिंगटन गजट (24 जून 1909)। डार्बी अक्सर चार्ल्स के साथ भ्रमित रहता है। हालाँकि, बाद वाले का जन्म 1883 में हुआ था, जैसा कि इस अदालती मामले और जनगणना में उनकी उम्र से संकेत मिलता है।

537 पुरानी बेली कार्यवाही ऑनलाइन (www.oldbaileyonline.org, संस्करण 8.0, 27 अगस्त 2018), जनवरी 1910, कोर्टेसी, जॉर्ज (20, वायरवर्कर) सबिनी, विंसेंट (24, कारमैन) (टी19100111-46) का परीक्षण।

538 'इतालवी अफ़्रे', डेली टेलीग्राफ और कूरियर (28 दिसंबर 1909)।

539 1891 जनगणना, वर्ग: आरजी12; टुकड़ा: 223; फोलियो: 58; पृष्ठ: 8.

540 कैदियों का कैलेंडर, एचओ140, टुकड़ा 226 (3 मई 1903); और टीएनए, केंद्रीय आपराधिक न्यायालय: कैदियों के परीक्षण कैलेंडर के बाद, सीआरआईएम9, टुकड़ा 59, फोलियो 5 (22 अप्रैल 1913)।

541 देखें चिन, द रियल पीकी ब्लाइंडर्स, पृष्ठ 70।

542 शोर, संगठित अपराध, पृष्ठ 178।

543 प्रिंस, साक्षात्कार, बी.ए. (1987)।

544 डिवल, स्काउंड्रेल्स और स्कैलीवैग्स, पृष्ठ 199।

545 अल्फ व्हाइट के लिए मैकडॉनल्ड्स, गैंग्स ऑफ लंदन, पीपी.101-2, 139-40 और जेम्स मॉर्टन, गैंगलैंड (लंदन, 1993) पीपी.29-31, 33-4 और 42-4 देखें।

546 'ट्रॉटिंग ग्राउंड पर भीड़ पर गोलीबारी', नॉटिंघम इवनिंग पोस्ट (31 मार्च 1921)।

547 ग्रीनो, अंडरवर्ल्ड पर युद्ध, पृष्ठ 21।

548 रेस मीटिंग में बदसूरत दृश्य', द कूरियर (डंडी) (25 मार्च 1921)।

549 'ट्रॉटिंग ग्राउंड पर भीड़ पर गोलीबारी', नॉटिंघम इवनिंग पोस्ट (31 मार्च 1921)।

550 मैक्डोनाल्ड, गैंग्स ऑफ लंदन, पृष्ठ 156; सैमुअल, ईस्ट एंड अंडरवर्ल्ड, पीपी.204-5।

551 'ऑर्गी के बाद शॉट', बीडीजी (6 अप्रैल 1921)।

552 'किंग्स क्रॉस मिस्ट्री', नॉटिंघम जर्नल (29 मार्च 1921)।

553 'पहले मारो फिर गोली मारो', बीडीजी (20 अप्रैल 1921)।

554 'ए गैंग ऑफ टेरर्स', नॉटिंघम जर्नल (28 अप्रैल 1921)।

555 'एप्सम रोड बैटल', द टाइम्स (4 जून 1921)।

556 इन घटनाओं की पूरी चर्चा के लिए, चिन, द रियल पीकी ब्लाइंडर्स, पीपी.72-6 देखें।

557 'रेसिंग गैंग्स वेंडेट्टा', द ग्लूसेस्टर सिटीजन (18 अगस्त 1921)।

558 'प्रतिद्वंद्वी सट्टेबाजों का प्रतिशोध', द संडे पोस्ट (21 अगस्त 1921)।

559 'रेसकोर्स फ्यूड। क्या यह एक समझौता है?', वेस्टर्न डेली प्रेस (5 अक्टूबर 1921)।

560 द बुकमेकर्स एंड बैकर्स रेसकोर्स प्रोटेक्शन एसोसिएशन। इसने क्या किया है और यह क्या कर सकता है अपनी मदद से करें, नेशनल एसोसिएशन ऑफ बुकमेकर्स फ़ाइल, 'इतिहास' (1921)

561 'जनरल कमेटी मिनट्स, बुकमेकर्स एंड बैकर्स रेसकोर्स प्रोटेक्शन एसोसिएशन' (12 सितंबर 1921)।

562 'द बीपीए', द स्पोर्ट्समैन (10 दिसंबर 1921)।

Machine Translated by Google

563 इन घटनाओं की पूरी चर्चा के लिए चिन, द रियल पीकी ब्लाइंडर्स, पीपी.82-91 देखें।

564 मैकडॉनल्ड्स, गैंग्स ऑफ लंदन, पीपी.167-185।

565 सामान्य समिति मिनट, सट्टेबाज और समर्थक रेसकोर्स प्रोटेक्शन एसोसिएशन (15 मई, 12 जून और 4 सितंबर)

566 'सबिनी मामले में सजा', डर्बी डेली टेलीग्राफ (18 जनवरी 1923)।

567 'वाइल्ड वेस्ट इन लंदन क्लब', नॉटिंघम जर्नल (16 जनवरी 1923)।

568 लंघम, साक्षात्कार, बीए (1988)।

569 'रेसिंग फ्यूड सेंटेंस', पल मॉल गजट (3 नवंबर 1922)।

570 'वार्डर्स को रिश्वत देने का प्रयास', द स्कॉट्समैन (2 जुलाई 1923)।

571 'क्लब ट्रेजेडी ट्रायल', हल डेली मेल (18 नवंबर 1924)।

572 मैक्डोनाल्ड, गैंग्स ऑफ लंदन, पृष्ठ 182।

573 'ए टेरिफिक हिट', नॉटिंघम जर्नल (18 नवंबर 1924)।

574 'ए साइलेंट क्वैरल', शेफील्ड डेली टेलीग्राफ (10 अक्टूबर 1924)।

575 'क्लब ट्रेजेडी ट्रायल', हल डेली मेल (18 नवंबर 1924)।

576 'स्ट्रीट स्टैबिंग अफेयर', डंडी इवनिंग टेलीग्राफ (24 सितंबर 1924)।

577 अल्फ्रेड सोलोमन, एमईपीओ6, आदतन अपराधी रजिस्टर 1927, टुकड़ा 39 (21 फरवरी 1927)।

578 सट्टेबाजों पर हमलों के लिए 'सट्टेबाजों पर हमला' देखें, वेस्टर्न डेली प्रेस (14 अक्टूबर 1924); नक्कल डस्टर मामले के लिए देखें 'यह यहूदियों के बीच एक लड़ाई थी', इवनिंग टेलीग्राफ (डंडी) (8 जून 1923) और 'नक्कलडस्टर का कथित उपयोग', द स्कॉट्समैन (19 जून 1923)।

579 'हाउ वी आउटविटेड ए राइवल गैंग', टॉपिकल टाइम्स (19 मार्च 1924)।

580 'ए लिबेल एक्शन डिसकंटिन्यूड', हल डेली मेल (15 दिसंबर 1925)।

581 'सबिनी दिवालियापन', डेली हेराल्ड (11 जून 1926)।

582 'दिवालियापन न्यायालय में सबिनी का प्रवेश', डंडी इवनिंग टेलीग्राफ (29 जून 1926)।

583 सबिनी गैंग और नाइट क्लबों के लिए मॉर्टन, गैंगलैंड, पीपी.27-8 देखें; 'एक शर्त पर विवाद', द सिटिजन (ग्लूसेस्टर) (30 अक्टूबर 1929)।

584 टीएनए, एमईपीओ 3/374 - अल्फ्रेड सोलोमन पर बार्नेट ब्लिट्ज़ की जानबूझकर हत्या का आरोप लगाया गया (छवि 2)

585 बेबिंगटन, रॉग्स गो रेसिंग, पीपी.102-3।

586 'रेसकोर्स सीन सीक्वल', कोवेंट्री इवनिंग टेलीग्राफ (27 जुलाई 1936)।

587 पूरी चर्चा के लिए चिन, बेटर बेटिंग, पृष्ठ 182 देखें।

588 नॉर्मन शेरी, द लाइफ ऑफ ग्राहम ग्रीन, वॉल्यूम। 1, 1904-1939 (लंदन, 1989), पृ.634-5।

589 , उदाहरण के लिए, मॉर्टन, गैंगलैंड, पृष्ठ 32 देखें।

590 ग्राहम ग्रीन, लेटर, बीए (9 मई 1988)।

591 टीएनए एचओ 45/23691, युद्ध: ऑक्टेवियस सबिनी, उर्फ डार्बी सबिनी, उर्फ फ्रेडरिक हैंडली, कुख्यात रेस-कोर्स गैंगस्टर और रैकेटियर: नजरबंदी (1940-1941)।

592 'रिसीवर पर भारी सजा', केंट और ससेक्स कूरियर (25 जून 1943)। 593 £50 सॉक, मिड ससेक्स टाइम्स से निर्मित (16 मई 1945); नागरिक पंजीकरण मृत्यु सूचकांक, 1916-2007, खंड: 5 घंटे, पृष्ठ 351, होव, ससेक्स, ओलावियो सबिनी (दिसंबर 1950)।

594 मॉर्टन, गैंगलैंड, पीपी.31-2।

595 1939 रजिस्टर; टीएनए, संदर्भ: आरजी 101/2511ए।

596 एनी एम्मा सबिनी, नेशनल प्रोबेट कैलेंडर (वसीयत और प्रशासन का सूचकांक), 1858-1966, 1973-1995 (30 अक्टूबर 1978)।

597 मैक्डोनाल्ड, गैंग्स ऑफ लंदन, पृष्ठ 188; 'नॉटिंघम सट्टेबाज पर जुर्माना', नॉटिंघम इवनिंग पोस्ट (23 मार्च 1925)।

Machine Translated by Google

598 सामान्य रजिस्टर कार्यालय। इंग्लैंड और वेल्स नागरिक पंजीकरण सूचकांक, होलबोर्न, (अगस्त-सितंबर)।
1926) खंड. 1बी, पृ.1341 (19 जुलाई 1926)।

599 सामान्य रजिस्टर कार्यालय। मौड बी किम्बर के लिए नागरिक पंजीकरण मृत्यु सूचकांक, 1916-2007, खंड: 6डी,
पृष्ठ:11 (1926 Q3-जुलाई-अगस्त-सितंबर K)।

600 मैकडॉनल्ड्स, गैंग्स ऑफ लंदन, पीपी.344-5।

601 संघीय जांच ब्यूरो, 'विषय: मरे हम्फ्रेस', https://archive.org/details/MurrayHumfress

602 मैकडॉनल्ड्स, एलीफेंट बॉयज़, पीपी.102-31।

603 स्टुअर्ट मैकगर्क, 'पीकी ब्लाइंडर्स के निर्माता स्टीवन नाइट पिछली रात के क्लिफहेंजर और आने वाले सर्वव्यापी युद्ध पर', जीक्यू (16 नवंबर 2017), (https://www.gq-
magazine.co.uk/article/peaky- ब्लाइंडर्स-क्रिएटर-स्टीवन-नाइट-ऑन-लास्ट-नाइट-क्लिफहैंगर-एंड-द-ऑल-आउट-वॉर-टू-कम)।

604 'बर्मिंघम गनमैन', बीडीजी (4 मार्च 1933)।

605 मैकडॉनल्ड्स, गैंग्स ऑफ लंदन, पीपी.262-4।

606 इबि., और जेम्स स्पेंसर, लाइमी। एन इंग्लिशमैन जॉइन्स द गैंग्स (लंदन 1934)।

607 द वेस्टर्न मॉर्निंग न्यूज़ (18 अप्रैल 1938); और 'स्वर्गीय श्री ब्रैडशॉ स्मिथ', डेवोन और एक्सेटर गजट (25 अक्टूबर 1940)।

608 विलियम किम्बर, इंग्लैंड और वेल्स, राष्ट्रीय प्रोबेट कैलेंडर (वसीयत और प्रशासन का सूचकांक),
1858-1966, 1973-1995 (20 अक्टूबर 1945)।

609 देखें चिन, द रियल पीकी ब्लाइंडर्स, पीपी.100-1।

610 लंदन, इंग्लैंड, चुनावी रजिस्टर, 1832-1965, हैकनी, पोर्ट्सिया वर्क्स; और पाम फॉक्स, द देखें
गोल्डर्स ग्रीन का यहूदी समुदाय: एक सामाजिक इतिहास (स्ट्राउड, 2016)।

611 सामान्य रजिस्टर कार्यालय, इंग्लैंड और वेल्स, नागरिक पंजीकरण मृत्यु सूचकांक, 1916-2007, खंड: 3ए; पृष्ठ: 948, एडमॉन्टन, एसेक्स, एडवर्ड इमानुएल (मार्च 1943)।

612 एलिजाबेथ मैरी इमानुएल, नेशनल प्रोबेट कैलेंडर (वसीयत और प्रशासन का सूचकांक), 1858-
1966, 19731995 (3 फरवरी 1951)।

613 यॉर्कशायर पोस्ट और लीड्स इंटेलिजेंसर (10 अक्टूबर 1924)।

अंतभाषण

614 एपिसोड 2, सीरीज 3, पीकी ब्लाइंडर्स (बीबीसी2, 2016)।

615 कार्ल चिन, 'वी ऑल कम फ्रॉम राउंड सोरा: इटालियंस इन बर्मिंघम', ओवेन एश्टन, रॉबर्ट फिसन और स्टीफन रॉबर्ट्स (संस्करण), द ड्यूटी ऑफ डिसकंटेंट में। डोरोथी थॉम्पसन के सम्मान में निबंध (लंदन, 1995), पीपी.255-7।

616 डोरेन हॉपवुड और मार्गरेट डिलोवे, बेला ब्रूम: बर्मिंघम के इतालवी समुदाय का इतिहास
(बर्मिंघम, 1996), पृष्ठ 2.

617 चिन, 'वी ऑल कम फ्रॉम राउंड सोरा', पीपी.258-9; 'बार्थोलोम्यू स्ट्रीट में गंभीर मामला', बीडीपी (24)।
अप्रैल 1886)।

618 'इम्पोर्टिंग ऑर्गन ग्राइंडर', बीडीपी (3 फरवरी 1891)।

619 1901 जनगणना, वर्ग: आरजी13; टुकड़ा: 2868; फोलियो: 95; पृष्ठ: 32; और 1939 रजिस्टर; टीएनए, संदर्भ: कक्षा: आरजी 78 टुकड़ा: 18142, चिन, 'वी ऑल कम फ्रॉम राउंड सोरा', पृष्ठ 260।

620 'बेरोजगार और युद्ध स्मारक', बीडीएम (17 जुलाई 1922)।

621 'एंग्री इटालियंस', बीडीपी (4 फरवरी 1893)।

622 विक्टोरिया हूपर (नी जेनिंग्स), 'ग्रैन एंड ग्रैंडडैड सियानग्रेटा का परिवार', कार्ल चिन का ब्रुमगेम
पत्रिका, अंक 194 (मई 2017), पृष्ठ 6।

623 पाम ओवरथ्रो, पत्र (14 मई 2018)।

Machine Translated by Google

624 'बेरोजगार और युद्ध स्मारक', बीडीएम (17 जुलाई 1922)।

625 चार्ल्स अल्बेरिसी, अप्रकाशित एमएस, बीएलए, (एनडी), पीपी.14-15।

626 हूपर नी जेनिंग्स, 'ग्रैन एंड ग्रैंडडैड सियानग्रेटा फैमिली', 627 'डेथ्स ऑन एक्टिव सर्विस', बीएम (30 सितंबर 1944)।

628 इन मुद्दों पर जानकारीपूर्ण और विचारशील चर्चा के लिए मारिया कोनिकोवा देखें, 'हम डकैतों की प्रशंसा क्यों करते हैं?' द न्यू यॉर्कर (16 सितंबर 2015), https://www.newyorker.com/science/maria-konnikova/why-do-we-admire-mobsters